

Kumar Edutainment Presents

Current Affairs Magazine

FEB - 2025

महत्वपूर्ण घटनाक्रम

- एनएचआरसी, एसोचैम, डीजीसीए, एफसीआई, एएफआई और सीआरपीएफ को नए प्रमुख मिले
- काम्या कार्तिकेयन बनीं सेवन समिट्स फतह करने वाली सबसे युवा महिला
- इंटरपोल का सिल्वर नोटिस एवं अन्य कलर कोड: जाने विस्तार से
- मेजर ध्यानचंद खेल रङ्ग पुरस्कार 2025 के विजेताओं की घोषणा
- किसेन वन्नियांग 'प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार' से सम्मानित
- हेनली पासपोर्ट इंडेक्स 2025: भारत 85वें स्थान पर फिसला
- एचएमपीवी क्या है, और यह कोविड-19 से कैसे अलग है?
- द ग्रीनलैंड गैम्बिट: एक आधुनिक लुइसियाना परचेज
- हिंडनबर्ग रिसर्च विवादों के बीच हुआ बंद
- नासा और इसरो को नए प्रशासक मिले



विशेषता:

- लघु लेख
- प्रश्न बैंक
- क्विक बाइट्स
- इन्फोग्राफिक्स

पद्म पुरस्कार



मुकेश कुमार



8882388888



Kumar Edutainment



your_kumar_sir



kumarsias.com

कुमार एडुटिमेंट
सभी कॉपीराइट सुरक्षित
पता: 7 जवाहर नगर, खंडारी, आगरा, उत्तर प्रदेश
दूरभाष: 8882388888
मेल: Kumariasacademy@gmail.com
वेब: <https://kumarsias.com/index-2.html>



अस्वीकरण

यह पुस्तक शैक्षिक और सीखने के उद्देश्यों के लिए है। पुस्तक के लेखक (ओं) ने यह सुनिश्चित करने के लिए सभी उचित देखभाल की है कि पुस्तक की सामग्री किसी भी तरह से किसी भी व्यक्ति के किसी भी मौजूदा कॉपीराइट या अन्य बौद्धिक संपदा अधिकारों का उल्लंघन नहीं करती है। घटना में लेखक किसी भी स्रोत को ट्रैक करने में असमर्थ है / और यदि कोई कॉपीराइट अनजाने में उल्लंघन किया गया है, तो कृपया प्रकाशक को सुधारात्मक कार्रवाई के लिए लिखित रूप में सूचित करें।

इस प्रकाशन में त्रुटियों या चूक से बचने का हर संभव प्रयास किया गया है। इसके बावजूद, त्रुटियों में कमी हो सकती है। विष्यात किसी भी गलती, त्रुटि या विसंगति को हमारे ध्यान में लाया जा सकता है जिसे अगले संस्करण में ध्यान रखा जाएगा। यह अधिसूचित किया गया है कि प्रकाशक या लेखक या विकेता किसी भी प्रकार के, किसी भी तरीके से, किसी भी प्रकार की किसी भी क्षति या कार्रवाई के नुकसान के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे। यह सुझाव दिया जाता है कि किसी भी सदेह से बचने के लिए पाठक को मूल प्रकाशन या सूचनाओं के साथ प्रकाशन के सभी तथ्यों, कानून और सामग्री को पार करना चाहिए।

बाइंडिंग मिस्टेक, मिस्प्रिंट्स या गुम पृष्ठों आदि के लिए, प्रकाशक की देनदारी समान संस्करण द्वारा खरीद के सात दिनों के भीतर बदलने तक सीमित है। इस संबंध में सभी खर्च क्रेता द्वारा वहन किए जाने हैं।

सभी कॉपीराइट सुरक्षित

इस पुस्तक का कोई भी भाग किसी भी रूप में या किसी भी तरह से (ग्राफिक, इलेक्ट्रॉनिक या मैकेनिकल, फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग, टेपिंग, या सूचना पुनर्पाप्ति प्रणाली सहित) या किसी डिस्क, टेप, छिद्रित मीडिया या अन्य सूचना भंडारण पर पुनः प्रस्तुत या कॉपी आदि, प्रकाशकों की लिखित अनुमति के बिना नहीं किया जा सकता है। इस शर्त का उल्लंघन कानूनी कार्रवाई के लिए उत्तरदायी है।

लेखक प्रतिनिधित्व करता है और वारंट करता है कि लेखक ही संपूर्ण रूप से सभी अधिकारों का एकमात्र मालिक है, कि कॉपीराइट के कार्यों के ऐसे अंशों को छोड़कर कार्य मूल है क्योंकि कॉपीराइट स्वामी की अनुमति के साथ शामिल किया जा सकता है, जिससे कार्य किसी भी व्यक्ति के निजता के अधिकार का हनन या उल्लंघन नहीं करता है और साथ ही यह किसी भी कॉपीराइट, ट्रेडमार्क, पेटेंट या दूसरों के किसी भी अधिकार का उल्लंघन नहीं करता है।



8882388888



Kumar Edutainment



your_kumar_sir



kumarsias.com



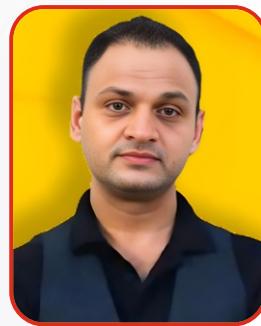
Kumar Edutainment Presents

CURRENT AFFAIRS MAGAZINE

प्रिय अभ्यर्थी,

मैं पूरे संस्थान की ओर से आपका स्वागत करता हूं और हम में आपकी रुचि दिखाने के लिए धन्यवाद।

वर्षों से हम युवा छात्र एवं छात्राओं को शिक्षित कर रहे हैं जिन्होंने हमारे साथ जुड़ कर एक जिम्मेदार नागरिकों और कॉरपोरेट्स प्रमुख में अपना परिवर्तन अनुभव किया। हमारे साथ जुड़कर, आप एक ऐसी शिक्षा प्रणाली की शुरुआत कर रहे हैं जो परिवर्तनकारी है - अकादमिक, सामाजिक और व्यक्तिगत रूप से। "उत्कृष्टता और मूल्य" हमारे मार्गदर्शक सिद्धांत हैं जो संस्थान की प्रत्येक गतिविधि में परिलक्षित होते हैं।



हमारी हैंडबुक कई प्रतियोगी और सरकारी परीक्षाओं में बड़ी भूमिका निभाती है। यह आपकी सफलता के अवसर को बनाने या तोड़ने की शक्ति रखता है। इसलिए, उम्मीदवारों को करेंट अफेयर्स को अच्छी तरह और स्मार्ट तरीके से कवर करना चाहिए। विभिन्न परीक्षाओं की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए हमारी हैंडबुक को विभिन्न वर्गों में विभाजित किया गया है। दिए गए करेंट अफेयर्स की प्रस्तुति की योजना सावधानीपूर्वक बनाई गई है। इसे इस तरह से तैयार किया गया है कि यह पाठकों के जेहन में लंबे समय तक बना रहे।

हमारा मिशन एक सुरक्षित वातावरण प्रदान करना है जिसमें प्रत्येक छात्र हमेशा बदलते, वैश्विक समुदाय के कुशल, उत्पादक सदस्य बनने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान प्राप्त करेगा। हमारे संकाय व्यक्तियों का एक बहुत ही समर्पित समूह है जो हमारे छात्रों के लिए सर्वोत्तम संभव निर्देश प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखता है।

एक बार फिर, साझा सिद्धांतों एवं मूल्यों के हमारे समुदाय में आपका स्वागत है। आने वाले वर्षों में आपके सुखद, स्वस्थ और फलदायी होने की कामना करते हैं।

संस्थान में आपका स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं।

मुकेश कुमार



8882388888



Kumar Edutainment



your_kumar_sir



kumarsias.com



समाचार श्रेयः
 बीबीसी/
 रॉयटर्स/
 अलजजीरा/
 पीआईबी/
 पीटीआई/
 बिजनेस स्टैंडर्ड/
 द हिंदू/
 इंडियन एक्सप्रेस/
 टाइम्स ऑफ इंडिया/
 इकोनॉमिक टाइम्स/
 बिजनेस लाइन/
 इंडिया टुडे/
 मनीकंट्रोल एवं अन्य
 सभी प्रमुख समाचार
 पत्र



Kumar Edutainment Presents

CURRENT AFFAIRS MAGAZINE

इस संस्करण में शामिल हैं

| क्रम सं. | विषय | पृष्ठ सं. |
|----------|---------------------------------|-----------|
| 1 | नियुक्तियाँ | 1 |
| 2 | राजतन्त्र एवं शासन | 10 |
| 3 | अंतर्राष्ट्रीय संबंध एवं घटनाएँ | 13 |
| 4 | अर्थव्यवस्था एवं व्यापार | 20 |
| 5 | रक्षा एवं सुरक्षा | 27 |
| 6 | सामाजिक मुद्दे एवं योजनाएँ | 31 |
| 7 | पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी | 34 |
| 8 | विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी | 41 |
| 9 | संस्कृति एवं इतिहास | 46 |
| 10 | खेल | 50 |
| 11 | निधन | 53 |
| 12 | परीक्षाओं हेतु महत्वपूर्ण दिन | 56 |
| 13 | पुस्तकें एवं लेखक | 57 |
| 14 | अभ्यास हेतु प्रश्न बैंक | 58 |
| 15 | किविक बाइट्स | 87 |
| 16 | इन्फोग्राफिक्स | 93 |

हमारे बारे में:

संस्करण: फ़रवरी 2025

संपादक का नाम: कुमार एडुटेन्मेंट

सलाहकार का नाम: मुकेश कुमार

पता: 7 जवाहर नगर, खंडारी, आगरा, उत्तर प्रदेश

दूरभाष: 8882388888

मेल: Kumariasacademy@gmail.com

वेब: <https://kumarsias.com/index-2.html>

नियुक्तियाँ

जेनेट पेट्रो को नासा का कार्यवाहक प्रशासक नियुक्त किया गया



Janet Petro

ऐतिहासिक नियुक्ति:

जेनेट पेट्रो को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा नासा का कार्यवाहक प्रशासक नियुक्त किया गया है, जो एक महत्वपूर्ण मील का पथर है क्योंकि वह 1958 में इसकी स्थापना के बाद से नासा का नेतृत्व करने वाली पहली महिला बन गई है। वह एजेंसी के 14वें प्रशासक बिल नेल्सन से पदभार ग्रहण करेंगी। अपनी भूमिका में, वह स्थायी प्रशासक की पुष्टि होने तक नासा के बजट और कार्यक्रमों का मार्गदर्शन करेंगी।

जेनेट पेट्रो की पृष्ठभूमि और उपलब्धियाँ:

जेनेट ई. पेट्रो का सैन्य और नागरिक दोनों भूमिकाओं में एक विशिष्ट कैरियर रहा है। नासा के कार्यवाहक प्रशासक बनने से पहले, उन्होंने जॉन एफ. कैनेडी स्पेस सेंटर के 11वें निदेशक और इसके उप निदेशक के रूप में कार्य किया। पेट्रो अमेरिकी सैन्य अकादमी से सातक हैं और अमेरिकी सेना में एक कमीशन अधिकारी के रूप में कार्य किया, जहाँ उन्होंने हेलीकॉप्टर उड़ाए और जर्मनी में सैनिकों का नेतृत्व किया। अपनी सैन्य सेवा के बाद, उन्होंने साइंस एप्लीकेशन इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन और मैकडॉनेल डगलस एयरोस्पेस कॉर्पोरेशन के साथ काम किया। उनकी उपलब्धियों में 2018 में फ्लोरिडा के महिला हॉल ऑफ फ्रेम में शामिल होना, सैमुअल जे. हेमैन सर्विस टू अमेरिका मेडल और सिल्वर स्फूर्ती अवार्ड प्राप्त करना शामिल है।

नासा में नेतृत्व:

कार्यवाहक प्रशासक के रूप में, जेनेट पेट्रो से नासा को उसके भविष्य में ले जाने की उम्मीद है, अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए एक मजबूत प्रतिबद्धता बनाए रखते हुए, और अंतरिक्ष में विज्ञान, इंजीनियरिंग और लिंग प्रतिनिधित्व पर ध्यान केंद्रित करते हुए। उनके नेतृत्व से नए दृष्टिकोण लाने और एजेंसी के चल रहे मिशनों को आगे बढ़ाने की उम्मीद है।

लिंकडइन ने दीपक अग्रवाल को मुख्य एआई अधिकारी नियुक्त किया

लिंकडइन ने दीपक अग्रवाल को अपना नया मुख्य एआई अधिकारी (सीएआईओ) नियुक्त किया है। इंजीनियरिंग और एआई में 24 साल के अनुभव वाले अग्रवाल, आठ साल तक एआई

के उपाध्यक्ष के रूप में अपनी पिछली भूमिका के बाद लिंकडइन में वापस आए हैं। उनकी नेतृत्व भूमिकाओं में Pinterest और Yahoo में पद शामिल हैं।



लिंकडइन द्वारा हाल ही में किए गए एआई विकास

अग्रवाल के नेतृत्व में, लिंकडइन एआई प्रौद्योगिकियों के साथ नवाचार करना जारी रखता है। हाल ही में, प्लेटफॉर्म ने नौकरी चाहने वालों और भर्ती करने वालों की सहायता के लिए एक एआई-आधारित सुविधा शुरू की। यह सुविधा नौकरी चाहने वालों को नौकरी के अवसरों के साथ अपने कौशल को संरेखित करने में मदद करती है और इसका उद्देश्य नौकरी की तलाश और भर्ती की चुनौतीपूर्ण प्रक्रिया को बेहतर बनाना है।

लिंकडइन:

- स्थापना: 5 मई, 2003
- मुख्यालय: सनीवेल, कैलिफोर्निया, यू.एस.
- संस्थापक: रीड हॉफ्मैन, एरिक ली
- सीईओ: कार्यकारी अध्यक्ष: रयान रोस्लांस्की

न्यायमूर्ति आलोक अराधे बॉम्बे उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश नियुक्त



न्यायमूर्ति आलोक अराधे ने बॉम्बे उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। राज्यपाल सी. पी. राधाकृष्णन ने राजभवन, मुंबई में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजीत पवार की उपस्थिति में पद की शपथ दिलाई। न्यायमूर्ति अराधे के स्थानांतरण की संस्तुति सर्वोच्च न्यायालय कॉलेजियम द्वारा की गई थी और संविधान के अनुच्छेद 222 के तहत भारत के राष्ट्रपति द्वारा अनुमोदित की गई थी। उन्होंने पहले तेलंगाना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्य किया और 2009 में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश और 2011 में

स्थायी न्यायाधीश के रूप में नियुक्त हुए। उनके स्थानांतरण के बाद, न्यायमूर्ति सुजायॉ पॉल को संविधान के अनुच्छेद 223 के तहत तेलंगाना उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया।

संदर्भित प्रमुख संवैधानिक अनुच्छेद:

- अनुच्छेद 222: उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों का स्थानांतरण।
- अनुच्छेद 223: उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति।

डोनाल्ड ट्रम्प ने संयुक्त राज्य अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली; जे.डी. वेंस 50वें उपराष्ट्रपति बने



डोनाल्ड ट्रम्प ने संयुक्त राज्य अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली, जो उनके दूसरे कार्यकाल का प्रतीक है। मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स ने वाशिंगटन, डीसी के कैपिटल रोटंडा में शपथ दिलाई।

- उपराष्ट्रपति: जे.डी. वेंस, 40 वर्ष की आयु में, न्यायमूर्ति ब्रेट कैवनैघ द्वारा संयुक्त राज्य अमेरिका के 50वें उपराष्ट्रपति के रूप में शपथ ली, जो अमेरिकी इतिहास में तीसरे सबसे कम उम्र के उपराष्ट्रपति बन गए।

राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा की गई प्रमुख घोषणाएँ:

- आर्थिक उपाय: ऊर्जा की कीमतों को कम करने के लिए राष्ट्रीय ऊर्जा आपातकाल की घोषणा की, जो एक प्रमुख अभियान वादा था। अधिक खर्च और ऊर्जा लागत को संबोधित करके मुद्रास्फीति को कम करने का संकल्प लिया।
- ऊर्जा नीति: स्वच्छ ऊर्जा पहलों को वापस लेने, इलेक्ट्रिक वाहन जनादेश को रद्द करने और ऑटो उद्योग का समर्थन करने के लिए ग्रीन न्यू डील को समाप्त करने की घोषणा की।
- व्यापार सुधार: टैरिफ लगाने और विदेशी देशों से राजस्व एकत्र करने के लिए बाहरी राजस्व सेवा की स्थापना की घोषणा की, जिसका उद्देश्य अमेरिकी नागरिकों को समृद्ध बनाना है। न्याय विभाग: न्याय विभाग के शस्तीकरण को समाप्त करने और न्याय के तराजू पर संतुलन बहाल करने का वादा किया। प्रतीकात्मक कार्रवाई: मैक्सिको की खाड़ी का नाम बदलकर अमेरिका की खाड़ी करने की योजना की घोषणा की।

ऐतिहासिक संदर्भ:

78 साल की उम्र में, डोनाल्ड ट्रम्प जो बिडेन को पीछे छोड़ते हुए उद्घाटन के समय सबसे उम्रदराज अमेरिकी राष्ट्रपति बन गए।

निवर्तमान राष्ट्रपति जो बिडेन ने जनरल मार्क मिल्ली, डॉ. एंथनी फौसी और 6 जनवरी की कैपिटल जांच में शामिल कांग्रेस के सदस्यों के लिए पूर्वव्यापी क्षमा जारी की।

आईपीएस जी.पी. सिंह को सीआरपीएफ का महानिदेशक नियुक्त किया गया



वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह, जो वर्तमान में असम के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के रूप में कार्यरत हैं, को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) का महानिदेशक (डीजी) नियुक्त किया गया है। गृह मंत्रालय के तहत कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने नियुक्ति को मंजूरी दी।

कार्यकाल विवरण:

जी.पी. सिंह 30 नवंबर, 2027 को अपनी सेवानिवृत्ति तक या अगले आदेश तक सीआरपीएफ के महानिदेशक के रूप में कार्य करेंगे।

असम में महत्वपूर्ण योगदान:

विद्रोहियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए "गन पॉइंट सिंह" के रूप में जाने जाते हैं। नागरिकता (संशोधन) अधिनियम के विरोध के दौरान मध्य-पश्चिमी रेंज के डीआर्जी और एडीजीपी (कानून और व्यवस्था) जैसे पदों पर रहे। असम में सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक निदेशक के रूप में कार्य किया। 2021 में राइनो प्रोटेक्शन टास्क फोर्स का नेतृत्व किया।

हालिया घटनाक्रम:

जी.पी. सिंह विशेष डीजी वितुल कुमार का स्थान लेंगे, जिन्होंने 31 दिसंबर, 2023 को अनीश दयाल सिंह की सेवानिवृत्ति के बाद सीआरपीएफ डीजी का अतिरिक्त प्रभार संभाला था।

सीआरपीएफ का महत्व:

सीआरपीएफ भारत का सबसे बड़ा अर्धसैनिक बल है, जो सक्रिय रूप से नियन्त्रित में शामिल है:

- उग्रवाद विरोधी अभियान।
- वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) की रोकथाम।
- मणिपुर में हाल ही में हुई तैनाती सहित जातीय हिंसा का प्रबंधन।

जनरल वी.के. सिंह (सेवानिवृत्त) को मिजोरम का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया

पूर्व केंद्रीय मंत्री और सेना प्रमुख जनरल विजय कुमार सिंह (सेवानिवृत्त) मिजोरम पहुंच गए हैं और राज्य के 25वें राज्यपाल

के रूप में कार्यभार संभालने वाले हैं। शपथ ग्रहण समारोह का संचालन गुवाहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश विजय बिश्वेश द्वारा राजभवन के सर्कुलर लॉन में किया जाएगा।



पूर्व राज्यपाल का प्रस्थान

मिजोरम के राज्यपाल का पद पहले हरि बाबू कंभमपति के पास था, जिन्होंने तीन साल से अधिक समय तक सेवा की। उन्होंने 2 जनवरी को मिजोरम छोड़ दिया और ओडिशा के राज्यपाल के रूप में कार्यभार संभाला।

जनरल वी.के. सिंह की पृष्ठभूमि

जनरल सिंह (सेवानिवृत्त) ने राजनीति में प्रवेश करने से पहले 24वें सेनाध्यक्ष के रूप में कार्य किया। वे 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में भाजपा के टिकट पर गाजियाबाद से सांसद चुने गए थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पहले कार्यकाल के दौरान, उन्होंने विदेश मामलों के राज्य मंत्री, पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय (डीओएनईआर) के लिए राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन राज्य मंत्री के रूप में कार्य किया। पीएम मोदी के दूसरे कार्यकाल में, उन्होंने सड़क परिवहन और राजमार्ग तथा नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री का कार्यभार संभाला।

मिजोरम:

- राजधानी: आइजोल
- मुख्यमंत्री: लालदुहोमा

न्यायमूर्ति सुजॉय पॉल तेलंगाना उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नियुक्त



न्यायमूर्ति आलोक अराधे के बॉम्बे उच्च न्यायालय में स्थानांतरण के बाद, भारत के राष्ट्रपति द्वारा न्यायमूर्ति सुजॉय पॉल को तेलंगाना उच्च न्यायालय का कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। विधि एवं न्याय मंत्रालय ने इस नियुक्ति के संबंध में अधिकारिक आदेश जारी किए हैं।

न्यायिक कैरियर

27 मई, 2011 को मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में नियुक्त हुए और 14 अप्रैल, 2014 को स्थायी न्यायाधीश बने। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में अपने बेटे की प्रैक्टिस के कारण सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के अनुरोध के बाद तेलंगाना उच्च न्यायालय में स्थानांतरित हुए। 26 मार्च, 2024 को तेलंगाना उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में शपथ ली।

मुख्य बातें

न्यायमूर्ति पॉल न्यायमूर्ति आलोक अराधे का स्थान लेंगे, जिन्होंने बॉम्बे उच्च न्यायालय में स्थानांतरित होने से पहले 23 जुलाई, 2023 से तेलंगाना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्य किया। न्यायमूर्ति पॉल का सिविल और संवैधानिक कानून में विशाल अनुभव कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के रूप में उनके कार्यकाल का मार्गदर्शन करेगा।

देवजीत सैकिया बीसीसीआई के नए सचिव चुने गए, जय शाह की जगह लेंगे



देवजीत सैकिया को मुंबई में आयोजित विशेष आम बैठक (एसजीएम) में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) का नया सचिव चुना गया है। सैकिया के साथ-साथ प्रभतेज सिंह भाटिया को भी कोषाध्यक्ष चुना गया। दोनों ही पदों के लिए एकमात्र उम्मीदवार होने के बाद निर्विरोध चुने गए।

रिक्त पद:

पिछले महीने आईसीसी के चेयरमैन बने जय शाह ने सचिव पद छोड़ दिया। आशीष शेलार ने महाराष्ट्र में कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद कोषाध्यक्ष के पद से इस्तीफा दे दिया।

निर्विरोध चुनाव:

पदों के लिए सैकिया और भाटिया ही एकमात्र उम्मीदवार थे, इसलिए मतदान की आवश्यकता नहीं थी। निर्वाचन अधिकारी ए.के. जोति ने परिणाम घोषित करते हुए कहा कि सचिव और कोषाध्यक्ष का चुनाव निर्विरोध हुआ।

सैकिया और भाटिया के बारे में विवरण:

देवजीत सैकिया असम से हैं और 1 दिसंबर से सचिव का अतिरिक्त कार्यभार संभाल रहे थे। प्रभतेज सिंह भाटिया छत्तीसगढ़ से हैं।

तुहिन कांता पांडे ने राजस्व सचिव का पदभार संभाला



वित्त सचिव तुहिन कांता पांडे ने कैबिनेट की नियुक्ति समिति द्वारा उनकी नियुक्ति के बाद वित्त मंत्रालय में राजस्व सचिव का पदभार संभाला।

वित्त मंत्रालय में फेरबदल

एक बड़े फेरबदल में, पांडे को निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (DIPAM) से राजस्व सचिव के पद पर स्थानांतरित कर दिया गया, जबकि मौजूदा राजस्व सचिव अरुणीश चावला को DIPAM में स्थानांतरित कर दिया गया। दोनों विभाग 2025-26 (FY26) बजट की सक्रिय रूप से तैयारी कर रहे हैं, जिसे 1 फरवरी, 2025 को प्रस्तुत किया जाना है।

भारत में राजस्व सचिव की भूमिका:

- नीति निर्माण: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों (जैसे, आयकर, जीएसटी) के लिए कर नीतियों के निर्माण की देखरेख करना।
- राजस्व संग्रह: निरानी करना और सुनिश्चित करना कि सरकारी राजस्व लक्ष्य पूरे हों।
- कानून प्रवर्तन: कर कानूनों और विनियमों का उचित कार्यान्वयन सुनिश्चित करना।
- समन्वय: प्रभावी कर प्रशासन के लिए सीबीडीटी और सीबीआईसी के साथ काम करना।
- सलाहकार की भूमिका: कर-संबंधी नीतियों और राजस्व मामलों पर वित्त मंत्री को सलाह देना।
- अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधित्व: कर संधियों और कर चोरी पर वैश्विक चर्चाओं में भारत का प्रतिनिधित्व करना।
- विवाद समाधान: कर-संबंधी शिकायतों और विवादों को दूर करने के लिए तंत्र की देखरेख करना।

सेना प्रमुख जोसेफ औन लेबनान के राष्ट्रपति चुने गए



60 वर्षीय कैरियर सैनिक जनरल जोसेफ औन को लेबनान के राष्ट्रपति के रूप में चुना गया है, जो दो साल से अधिक समय से रिकॉर्ड पद को भर रहे हैं।

वे लेबनान के इतिहास में राष्ट्रपति पद संभालने वाले पाँचवें सेना कमांडर हैं, जो पूर्व राष्ट्रपति मिशेल औन के उत्तराधिकारी हैं, जो उनसे संबंधित नहीं हैं। लेबनान की सांप्रदायिक प्रणाली के अनुसार, राष्ट्रपति पद एक मैरोनाइट ईसाई के लिए आरक्षित है।

लेबनान

- राजधानी: बेरूत
- मुद्रा: लेबनानी पाउंड
- आधिकारिक भाषा: अरबी
- महाद्वीप: एशिया

बहादुर सिंह सागू एएफआई के अध्यक्ष चुने गए



एशियाई खेलों के चैम्पियन बहादुर सिंह सागू को चंडीगढ़ में आयोजित वार्षिक आम सभा की बैठक के दौरान सर्वसम्मति से भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) का नया अध्यक्ष चुना गया।

- निवर्तमान अध्यक्ष: वे आदिल सुमरिवाला का स्थान ले गे, जिन्होंने 2012 से एएफआई के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया और लगातार तीन कार्यकाल पूरे किए।
- महासचिव: संदीप मेहता, जो पहले वरिष्ठ संयुक्त सचिव थे, को रविंद्र चौधरी के स्थान पर एएफआई का नया महासचिव चुना गया है।

वी नारायणन को इसरो का नया प्रमुख नियुक्त किया गया



केंद्र ने वी नारायणन को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का नया अध्यक्ष और अंतरिक्ष विभाग का सचिव नियुक्त किया है। वे 14 जनवरी, 2025 को इसरो के मौजूदा अध्यक्ष एस सोमनाथ की जगह कार्यभार संभालेंगे।

पेशेवर पृष्ठभूमि

वी नारायणन वर्तमान में केरल के वलियामाला में इसरो के लिंकिड प्रोपल्शन सिस्टम सेंटर (एलपीएससी) के निदेशक के रूप में कार्यरत हैं। लगभग चार दशकों के अनुभव वाले एक

प्रतिष्ठित वैज्ञानिक, वे रॉकेट और अंतरिक्ष यान प्रणोदन के विशेषज्ञ हैं। वे 1984 में इसरो में शामिल हुए और जनवरी 2018 में एलपीएससी के निदेशक बनने से पहले उन्होंने कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया।

मुख्य योगदान

नारायणन ने उपग्रहों के लिए रासायनिक और विद्युत प्रणोदन प्रणालियों के साथ-साथ लिकिड, सेमी-क्रायोजेनिक और क्रायोजेनिक प्रणोदन प्रणालियों को विकसित करने में नेतृत्व प्रदान किया है। जीएसएलवी एमके ॥ के सी25 क्रायोजेनिक प्रोजेक्ट के प्रोजेक्ट डायरेक्टर के रूप में, उन्होंने उस टीम का नेतृत्व किया जिसने सी25 क्रायोजेनिक स्टेज को सफलतापूर्वक विकसित किया। उन्होंने जीएसएलवी एमके ॥ के लिए क्रायोजेनिक अपर स्टेज (सीयूएस) विकसित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जब भारत को क्रायोजेनिक तकनीक से वंचित कर दिया गया था, जिससे इसकी परिचालन सफलता सुनिश्चित हुई।

आईएएस आशुतोष अग्रिहोत्री को एफसीआई का अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया



असम-मेघालय कैडर के 1999 बैच के आईएएस अधिकारी आशुतोष अग्रिहोत्री को भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) का अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति से पहले अग्रिहोत्री गृह मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव के पद पर कार्यरत थे।

एफसीआई:

भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) भारत सरकार के उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के तहत एक वैधानिक निकाय है।

इसकी स्थापना 1965 में खाद्य निगम अधिनियम, 1964 के तहत निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करने के लिए की गई थी:

- प्रभावी मूल्य समर्थन: खाद्यान्नों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) लागू करके किसानों के हितों की रक्षा करना।
- सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस): उपभोक्ताओं को, विशेष रूप से समाज के कमज़ोर वर्गों को, सस्ती कीमतों पर खाद्यान्न की उपलब्धता सुनिश्चित करना।
- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा: भारत में खाद्य सुरक्षा के लिए खाद्यान्न के पर्याप्त बफर स्टॉक बनाए रखना।
- बाजार स्थिरीकरण: खरीद और वितरण के माध्यम से खाद्यान्न के बाजार मूल्य को विनियमित करना।

1996 बैच के आईएएस अधिकारी फैज अहमद किंदवर्झ को डीजीसीए का महानिदेशक नियुक्त किया गया



मध्य प्रदेश कैडर के 1996 बैच के आईएएस अधिकारी फैज अहमद किंदवर्झ को नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) का महानिदेशक नियुक्त किया गया।

- अतिरिक्त सचिव के रूप में पिछली भूमिका: इस नियुक्ति से पहले, किंदवर्झ कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव के रूप में कार्यरत थे।
- अंतरिम DGCA प्रमुख के उत्तराधिकारी: किंदवर्झ दिनेश चंद शर्मा का स्थान लेंगे, जिन्होंने अक्टूबर 2024 में विक्रम देव दत्त के इस्तीफे के बाद अंतरिम DGCA प्रमुख के रूप में कार्य किया था।

एयर वाइस मार्शल मनमीत सिंह ने पश्चिमी वायु कमान के प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी के रूप में कार्यभार संभाला।



एयर वाइस मार्शल मनमीत सिंह ने भारतीय वायु सेना के पश्चिमी वायु कमान के मुख्यालय में वरिष्ठ अधिकारी प्रशासन का पदभार संभाला। 13 जून, 1992 को भारतीय वायु सेना की प्रशासन शाखा में कमीशन प्राप्त एयर वाइस मार्शल सिंह नेशनल डिफेंस कॉलेज और वेलिंगटन में डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज के पूर्व छात्र हैं।

आरिफ मोहम्मद खान ने बिहार के राज्यपाल के रूप में शपथ ली।

आरिफ मोहम्मद खान ने पटना के राजभवन में आयोजित एक समारोह में बिहार के 42वें राज्यपाल के रूप में शपथ ली। पटना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन ने उन्हें पद की शपथ दिलाई।



पूर्ववर्ती और पृष्ठभूमि

खान ने राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेंकर का स्थान लिया, जिन्हें केरल का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री खान पहली बार 1980 में कानपुर से कांग्रेस संसद के रूप में लोकसभा के लिए चुने गए थे। उन्होंने मुस्लिम पर्सनल लॉ बिल पर मतभेदों के कारण 1986 में कांग्रेस छोड़ दी और बाद में 2004 में जनता दल, बहुजन समाज पार्टी और बाद में भाजपा में शामिल हो गए।

बिहार:

- राजधानी: पटना
- मुख्यमंत्री: नीतीश कुमार
- नदियाँ: गंगा, कोसी, गंडक और सोन प्रमुख नदियाँ हैं।

राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेंकर ने केरल के राज्यपाल के रूप में शपथ ली



राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेंकर ने राजभवन में आयोजित एक समारोह में केरल के 23वें राज्यपाल के रूप में शपथ ली। उन्होंने आरिफ मोहम्मद खान का स्थान लिया, जिन्हें बिहार का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। शपथ ग्रहण समारोह में केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन, उनके मंत्रिमंडल के सदस्य और वरिष्ठ राजनीतिक नेता शामिल हुए।

नियुक्ति विवरण

भारत की राष्ट्रपति द्वौपदी मुर्मू ने हाल ही में राज्यपाल के पदों में फेरबदल करते हुए अर्लेंकर को केरल का राज्यपाल नियुक्त किया और आरिफ मोहम्मद खान को बिहार स्थानांतरित किया।

केरल:

- राजधानी: तिरुवनंतपुरम
- मुख्यमंत्री: पिनाराई विजयन
- प्रसिद्ध नदियाँ: पेरियार, भरतपुरा, पंबा और चालियार।
- प्रसिद्ध बैकवाटर: अलप्पुझा, कुमारकोम और कोल्लम।

संस्कृति और विरासत

- पारंपरिक नृत्य रूप: कथकली, मोहिनीअट्टम और थेय्यम।

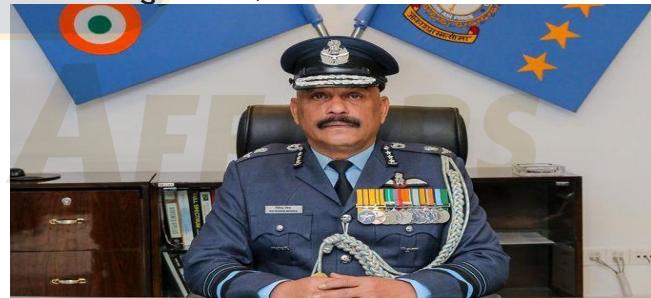
- त्यौहार: ओणम, विशु और त्रिशूर पूरम।
- यूनेस्को विरासत स्थल: पश्चिमी घाट (आंशिक रूप से केरल में)।
- प्रसिद्ध कारीगरी: कॉयर उत्पाद, भित्ति चित्र और हथकरघा वस्त।

एसोसैम के महासचिव के रूप में मनीष सिंघल की नियुक्ति



एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉर्मर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एसोसैम) ने बुधवार को मनीष सिंघल को अपना नया महासचिव नियुक्त किया। सिंघल दीपक सूद की जगह ले गे, जो पिछले पांच साल से चैंबर में सेवारत थे और अन्य हितों को आगे बढ़ाने के लिए पद छोड़ दिया। सिंघल इससे पहले फिक्की (फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉर्मर्स एंड इंडस्ट्री) के उप महासचिव के रूप में कार्यरत थे।

एयर मार्शल जीतेंद्र मिश्रा ने भारतीय वायुसेना की पश्चिमी कमान के प्रमुख का पदभार संभाल लिया



एयर मार्शल जीतेंद्र मिश्रा ने भारतीय वायुसेना (आईएएफ) की पश्चिमी वायु कमान के प्रमुख का पदभार संभाल लिया है। पश्चिमी वायु कमान संवेदनशील लद्दाख सेक्टर और उत्तर भारत के कुछ हिस्सों में हवाई क्षेत्र की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार है। उन्होंने एयर मार्शल पंकज मोहन सिंहा का स्थान लिया, जो भारतीय वायुसेना में 39 साल से अधिक सेवा देने के बाद सेवानिवृत्त हुए।

कैरियर की मुख्य बातें

एयर मार्शल मिश्रा को 6 दिसंबर, 1986 को लड़ाकू पायलट के रूप में भारतीय वायुसेना में शामिल किया गया था। अपने 38 साल के शानदार करियर में, उन्होंने कई प्रमुख कमांड और स्टाफ पदों पर कार्य किया है, जिनमें शामिल हैं:

- एक लड़ाकू स्कार्फन के कमांडिंग ऑफिसर
- एयरक्राफ्ट एंड सिस्टम्स टेस्टिंग एस्टेलिशमेंट (ASTE) में मुख्य परीक्षण पायलट

- दो फ्रेंटलाइन एयर बेस के एयर ऑफिसर कमांडिंग
- ऑपरेशनल प्लानिंग एंड असेसमेंट ग्रुप के निदेशक
- सहायक वायु सेना प्रमुख (परियोजनाएं)
- एकीकृत रक्षा स्टाफ के उप प्रमुख (संचालन)

मान्यताएँ और उपलब्धियाँ

एक लड़ाकू लड़ाकू नेता और एक प्रायोगिक परीक्षण पायलट के रूप में 3,000 घंटे से अधिक उड़ान के अनुभव के साथ, एयर मार्शल मिश्रा अत्यधिक सम्मानित हैं। उन्हें उनकी विशिष्ट सेवा के लिए अति विशिष्ट सेवा पदक और विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया है।

न्यायमूर्ति वी. रामसुब्रमण्यन एनएचआरसी के अध्यक्ष नियुक्त



सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति वी. रामसुब्रमण्यन को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। न्यायमूर्ति (डॉ.) विद्युत रंजन सारंगी ने एनएचआरसी के सदस्य के रूप में भी पदभार ग्रहण किया। एनएचआरसी छह महीने से अधिक समय से नियमित अध्यक्ष के बिना था।

न्यायिक पदः

- 2006 में मद्रास उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में नियुक्त और 2009 में स्थायी किए गए।
- 2019 में हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश।
- 2019 में सर्वोच्च न्यायालय में पदोन्नत हुए और 29 जून, 2023 को सेवानिवृत्त हुए, 102 निर्णय लिखने के बाद, जिसमें 2016 की विमुद्रीकरण नीति जैसे ऐतिहासिक मामले शामिल हैं।

NHRC और इसकी संरचना

- गठन: 12 अक्टूबर, 1993 को मानवाधिकार संरक्षण (PHR) अधिनियम, 1993 के तहत स्थापित।
- अधिदेश: संविधान या अंतर्राष्ट्रीय वाचाओं द्वारा गारंटीकृत जीवन, स्वतंत्रता, समानता और सम्मान से संबंधित अधिकारों के रूप में परिभाषित मानवाधिकारों को बढ़ावा देना और उनकी रक्षा करना।
- संरचना: अध्यक्ष: भारत के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश या सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश।
- सदस्य: पांच पूर्णाकालिक सदस्य, जिनमें शामिल हैं: एक सेवानिवृत्त सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश।
- एक सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश।

- मानवाधिकार विशेषज्ञता वाले तीन सदस्य (कम से कम एक महिला)।
- पदेन सदस्य: अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, महिला, अल्पसंख्यक, पिछड़ा वर्ग, बाल अधिकार और विकलांग व्यक्तियों के लिए मुख्य आयुक्त के राष्ट्रीय आयोग के अध्यक्ष।

नियुक्ति प्रक्रिया

अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा एक उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों के आधार पर की जाती है, जिसमें प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, विपक्ष के नेता (लोकसभा और राज्यसभा), लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के उपसभापति शामिल होते हैं। एक मौजूदा न्यायाधीश की नियुक्ति के लिए भारत के मुख्य न्यायाधीश से परामर्श अनिवार्य है।

कार्यकाल और योग्यताएँ

कार्यकाल: पांच वर्ष या 70 वर्ष की आयु तक, जो भी पहले हो।

अमिताव चटर्जी को जे-के बैंक का नया प्रबंध निदेशक, सीईओ नियुक्त किया गया



- जे-के बैंक के नए एमडी और सीईओ: अमिताव चटर्जी, जो वर्तमान में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के उप प्रबंध निदेशक हैं, को जे-के बैंक का नया प्रबंध निदेशक और सीईओ नियुक्त किया गया है।
- कार्यकाल प्रारंभ: चटर्जी का कार्यकाल 30 दिसंबर, 2024 को तीन वर्ष की अवधि के लिए शुरू होगा।
- निर्वर्तमान एमडी और सीईओ: चटर्जी बलदेव प्रकाश की जगह लेंगे, जिनका कार्यकाल 29 दिसंबर, 2024 को समाप्त हो रहा है।
- बैंकिंग करियर: चटर्जी को बैंकिंग क्षेत्र में तीन दशकों से अधिक का अनुभव है, जिसमें विविध स्थानों और रणनीतिक भूमिकाओं में काम किया है।
- पिछली नेतृत्व भूमिका: उन्होंने पहले भारतीय स्टेट बैंक की निवेश बैंकिंग सहायक कंपनी एसबीआई कैप्स के एमडी और सीईओ के रूप में कार्य किया।
- परिचालन विशेषज्ञता: चटर्जी ने नई दिल्ली और जयपुर सर्किलों के लिए मुख्य महाप्रबंधक (सीजीएम) के रूप में एसबीआई संचालन का नेतृत्व किया है, जिसमें पीएसयू एनबीएफसी और डिस्कॉम जैसे हाई-प्रोफाइल क्लाइंट का प्रबंधन किया है।

जे-के बैंक

- कंपनी का प्रकार: निजी

- स्थापना: 1 अक्टूबर 1938
- संस्थापक: महाराजा हरि सिंह
- मुख्यालय: श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर, भारत

अरुणीश चावला नए राजस्व सचिव बने, विनीत जोशी मणिपुर से केंद्र में स्थानांतरित



केंद्र सरकार ने उच्च शिक्षा, राजस्व और कार्मिक एवं प्रशिक्षण सहित प्रमुख सचिवीय पदों के लिए नई नियुक्तियों की घोषणा की।

- **उच्च शिक्षा सचिव:** मणिपुर के मुख्य सचिव विनीत जोशी को उच्च शिक्षा सचिव के रूप में नियुक्त किया गया, जो के संजय मूर्ति द्वारा खाली किए गए पद को भर रहे हैं, जो भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी) बन गए हैं।
- **विनीत जोशी की पूर्व भूमिका:** जोशी ने पिछले साल मई से जातीय संघर्ष और तनाव के दौरान मणिपुर के मुख्य सचिव के रूप में कार्य किया।
- **राज्यपाल की नियुक्तियाँ:** पूर्व केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला को मणिपुर का राज्यपाल नियुक्त किया गया, और पूर्व सेना प्रमुख जनरल वी के सिंह को मिजोरम का राज्यपाल नियुक्त किया गया।
- **राजस्व सचिव:** अरुणीश चावला को राजस्व सचिव नियुक्त किया गया और वे अगली सूचना तक संस्कृति मंत्रालय के सचिव के रूप में अतिरिक्त प्रभार संभालेंगे।
- **अरुणीश चावला की पिछली भूमिका:** चावला, जिन्होंने फार्मास्यूटिकल्स विभाग के सचिव के रूप में कार्य किया, अब यूआईडीएआई के पूर्व सीईओ अमित अग्रवाल द्वारा सफल होंगे।
- **राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग:** संजय सेठी को नीलम शम्मी राव की जगह राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग का सचिव नियुक्त किया गया।
- **कपड़ा सचिव:** नीलम शम्मी राव अब कपड़ा सचिव के रूप में काम करेंगी, वे रचना शाह की जगह लेंगी, जिन्हें कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग में स्थानांतरित कर दिया गया था।
- **राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद:** सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय में पूर्व विशेष सचिव नीरजा शेखर को उद्योग एवं अंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग के तहत राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद का महानिदेशक नियुक्त किया गया।

- **आरबीआई में महत्वपूर्ण बदलाव:** संजय मल्होत्रा इस महीने की शुरुआत में आरबीआई गवर्नर बने, जिससे राजस्व सचिव का पद खाली हो गया, जिसे अब अरुणीश चावला ने भरा है।

माया सैंडू ने मोल्दोवा के राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली



माया सैंडू ने मोल्दोवा गणराज्य के राष्ट्रपति के रूप में अपने दूसरे कार्यकाल के लिए शपथ ली।

- **राष्ट्रपति की शक्तियाँ:** मोल्दोवा के राष्ट्रपति के पास विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा में महत्वपूर्ण शक्तियाँ हैं, लैकिन मोल्दोवन कानून राष्ट्रपति पद को दो लगातार चार साल के कार्यकाल तक सीमित करता है।

मोल्दोवा

- राजधानी: चिसीनाउ
- राष्ट्रपति: मैया सैंडू
- आधिकारिक भाषा: रोमानियाई
- मुद्रा: मोल्दोवन ल्यू

माइकल मार्टिन को आयरलैंड के नए प्रधानमंत्री के रूप में पुष्टि की



आयरिश संसद के निचले सदन डेल में मतदान के बाद फियाना फेल के नेता माइकल मार्टिन को आयरलैंड के नए प्रधानमंत्री के रूप में पुष्टि की गई है। मार्टिन को फियाना फेल, फाइन गेल और स्वतंत्र सांसदों के गठबंधन द्वारा चुना गया था।

प्रधानमंत्री के रूप में दूसरा कार्यकाल

64 साल की उम्र में, मार्टिन ने पहले 2020 से 2022 तक आयरलैंड के प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया, कार्यकाल के दूसरे भाग के लिए फाइन गेल को नेतृत्व सौंप दिया। गठबंधन समझौते के अनुसार, निर्वर्तमान प्रधान मंत्री साइमन हैरिस 2027 के अंत में प्रधान मंत्री के रूप में वापस आने वाले हैं।

गठबंधन और चुनाव परिणाम

फियाना फेल-फाइन गेल गठबंधन, जिसने पिछली सरकार में सत्ता संभाली थी, ने नवंबर के आम चुनाव के बाद सत्ता बरकरार रखी। दोनों दलों ने मिलकर 174 सीटों वाले डेल में 86 सीटें हासिल कीं, जो बहुमत से दो सीटें कम थीं।

विपक्ष और सीट वितरण

मुख्य विपक्षी दल सिन फेन ने 39 सीटें जीतीं, जिससे यह फियाना फेल के बाद दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बन गई, जिसने 48 सीटें हासिल कीं। गठबंधन सीटों में फाइन गेल का भी बड़ा हिस्सा रहा। यह घटनाक्रम आयरलैंड के निरंतर गठबंधन-नेतृत्व वाले शासन और इसके राजनीतिक परिवृश्य की गतिशीलता को रेखांकित करता है।

अमेरिकी सीनेट ने जॉन रैटक्लिफ को सीआईए निदेशक के रूप में पुष्टि की



संयुक्त राज्य अमेरिका की सीनेट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के तहत अगले केंद्रीय खुफिया एजेंसी (सीआईए) निदेशक के रूप में जॉन रैटक्लिफ की पुष्टि की है। नामांकन को 74-25 मतों से मंजूरी दी गई। रैटक्लिफ, जिन्होंने पहले ट्रम्प के पहले कार्यकाल के अंतिम आठ महीनों के लिए राष्ट्रीय खुफिया निदेशक (डीएनआई) के रूप में कार्य किया था, अब सीआईए का नेतृत्व करेंगे। व्हाइट हाउस ने कहा कि रैटक्लिफ की पुष्टि विश्व मंच पर अमेरिका की ताकत को बहाल करने के राष्ट्रपति ट्रम्प के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कानून और राजनीति में करियर

रैटक्लिफ ने टेक्सास के पूर्वी जिले में अमेरिकी अटॉर्नी के कार्यालय में शामिल होने से पहले एक निजी फर्म में अभ्यास करते हुए कानून में अपना करियर शुरू किया। उन्होंने 2004 से 2012 तक टेक्सास के हीथ के मेयर के रूप में कार्य किया और 2004 में राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश द्वारा उन्हें जिले के लिए आतंकवाद विरोधी और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रमुख के रूप में नियुक्त किया गया। रैटक्लिफ को 2007 में अंतरिम अमेरिकी अटॉर्नी नामित किया गया था, लेकिन रेबेका ग्रेगरी की स्थायी नियुक्ति के बाद 2008 में निजी प्रैक्टिस में लौट आए।

"मैदान में हारा हुआ इंसान फिर भी जीत सकता है !
लेकिन मन से हारा हुआ इंसान कभी नहीं जीत सकता !!

कांग्रेसी कैरियर

2014 में, रैटक्लिफ को टेक्सास के चौथे जिले के लिए अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के लिए चुना गया था, उन्होंने मौजूदा राल्फ हॉल को हराया था। उन्हें 2016 और 2018 में फिर से चुना गया।

यूनाइटेडहेल्थ ग्रुप ने टिम नोएल को यूनाइटेडहेल्थकेयर का सीईओ नियुक्त किया



यूनाइटेडहेल्थ ग्रुप ने टिम नोएल को यूनाइटेडहेल्थकेयर का सीईओ नियुक्त किया है, जो ब्रायन थॉम्पसन की जगह ले गे, जिनकी न्यूयॉर्क में एक गोलीबारी की घटना में दुखद मौत हो गई थी।

पृष्ठभूमि: नोएल, जो पहले यूनाइटेडहेल्थ के मेडिकेयर डिवीजन के सीईओ थे, कंपनी के सबसे बड़े बीमा खंड का नेतृत्व करेंगे, जिसने 2024 में बिक्री में \$298 बिलियन और परिचालन लाभ में \$15.6 बिलियन का उत्पादन किया।

मेडिकेयर व्यवसाय: नोएल के नेतृत्व में, मेडिकेयर डिवीजन, जो सबसे बड़ा राजस्व-उत्पादक खंड है, यूनाइटेडहेल्थकेयर के कुल राजस्व का लगभग आधा हिस्सा है।

कंपनी अवलोकन: यूनाइटेडहेल्थ निजी मेडिकेयर एडवांटेज योजनाओं का सबसे बड़ा प्रदाता है, जो संघीय कार्यक्रम में आधे से अधिक अमेरिकियों को कवर करता है।

नेतृत्व यात्रा: नोएल 2007 से यूनाइटेडहेल्थ के साथ हैं और 2021 से मेडिकेयर व्यवसाय प्रमुख के रूप में कार्य कर रहे हैं, जो अमेरिकी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की जटिलताओं में विशेषज्ञता का खजाना लेकर आए हैं।

यूनाइटेडहेल्थ ग्रुप:

- स्थापना: 1974 (चार्टरमेड के रूप में), 1977 (यूनाइटेडहेल्थकेयर के रूप में)
- संस्थापक: रिचर्ड टी. बर्क
- मुख्यालय: मिनेटोंका, मिनेसोटा, संयुक्त राज्य अमेरिका
- अध्यक्ष: स्टीफन जे. हेम्सली
- सीईओ: एंड्रयू विट्टी
- अध्यक्ष, सीएफओ: जॉन रेक्स

"संघर्ष इंसान को मजबूत बनाता है !
फिर चाहे वह कितना भी कमज़ोर क्यों न हो !!

राजतन्त्र एवं शासन

उत्तराखण्ड मंत्रिमंडल ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) नियमावली को मंजूरी दी

उत्तराखण्ड मंत्रिमंडल ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) नियमावली को मंजूरी दे दी है, जिससे राज्य में इसके क्रियान्वयन का मार्ग प्रस्तात हो गया है।

- यूसीसी का उद्देश्य: विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, गोद लेने और भरण-पोषण जैसे व्यक्तिगत मामलों के लिए समान कानून सुनिश्चित करना, समानता और न्याय को बढ़ावा देना।
- अपवर्जन: मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत आदिवासी समुदाय और 'हलाला', 'इद्दत' और 'तलाक' जैसी प्रथाएं इससे बाहर हैं।

मसौदा विवरण:

सात अनुसूचियों के अंतर्गत 392 धाराएं शामिल हैं। जून 2022 में गठित सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति रंजना प्रकाश देसाई के नेतृत्व में पांच सदस्यीय विशेषज्ञ समिति द्वारा तैयार किया गया। अंतिम मसौदा (चार खंडों में 750 पृष्ठ) 2 फरवरी, 2024 को प्रस्तुत किया गया।

विधायी समयरेखा:

- 4 फरवरी, 2024 को राज्य मंत्रिमंडल द्वारा पारित।
- 28 फरवरी, 2024 को उत्तराखण्ड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त) द्वारा अनुमोदित।
- महत्व: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखण्ड द्वारा यूसीसी को अपनाना अन्य राज्यों को प्रेरित करेगा।
- कानूनी पृष्ठभूमि: भारत में एक समान आपराधिक संहिता है, लेकिन एकीकृत नागरिक संहिता का अभाव है।

केंद्र ने स्थानीय केबल अॅपरेटर पंजीकरण और नवीनीकरण को सरल बनाने के लिए संशोधनों की घोषणा की

सूचना और प्रसारण मंत्रालय (MIB) ने स्थानीय केबल अॅपरेटरों (LCO) के लिए पंजीकरण और नवीनीकरण प्रक्रिया को सरल और कारगर बनाने के उद्देश्य से केबल टेलीविजन नेटवर्क नियम, 1994 में महत्वपूर्ण संशोधनों का अनावरण किया है।

- ऑनलाइन पंजीकरण की ओर बदलाव: LCO के लिए पंजीकरण प्रक्रिया अब पूरी तरह से ऑनलाइन होगी, जिसमें मंत्रालय पंजीकरण प्राधिकारी के रूप में कार्य करेगा। यह पिछली मैनुअल पंजीकरण प्रणाली से एक महत्वपूर्ण बदलाव है, जिसे स्थानीय प्रधान डाकघरों के माध्यम से संभाला जाता था।
- वास्तविक समय पंजीकरण और प्रमाण पत्र जारी करना: आधार, पैन, सीआईएन और डीआईएन जैसे विवरणों के सफल सत्यापन के बाद एलसीओ पंजीकरण प्रमाण पत्र वास्तविक समय में जारी किए जाएंगे। पंजीकरण पांच साल के लिए दिए जाएंगे या नवीनीकृत किए जाएंगे।

➤ अपील प्रावधान की शुरूआत: संशोधित नियमों में उन मामलों में अपील का प्रावधान शामिल है जहां पंजीकरण या नवीनीकरण आवेदन अस्वीकार किए जाते हैं, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ती है।

➤ प्रक्रिया का सरलीकरण: मंत्रालय के प्रसारण सेवा पोर्टल पर होस्ट की गई नई ऑनलाइन प्रणाली बोझिल ऑफलाइन पंजीकरण प्रक्रिया की जगह लेती है और एलसीओ को विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्रों से परे काम करने में सक्षम बनाती है।

आवेदन और शुल्क संरचना

- एलसीओ प्रसारण सेवा पोर्टल के माध्यम से नए पंजीकरण या नवीनीकरण के लिए आवेदन कर सकते हैं।
- नए पंजीकरण और नवीनीकरण दोनों के लिए 5,000 रुपये का प्रसंस्करण शुल्क आवश्यक है।
- मौजूदा पंजीकरण की समाप्ति से कम से कम 90 दिन पहले नवीनीकरण आवेदन प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

लघु लेख

केंद्रीय कर्मचारियों पर सीबीआई के अधिकार क्षेत्र पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला

सुप्रीम कोर्ट का मुख्य फैसला

सुप्रीम कोर्ट (SC) ने फैसला सुनाया है कि केंद्रीय जांच व्यूरो (CBI) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 जैसे कानूनों के तहत राज्य की सहमति के बिना केंद्र सरकार के कर्मचारियों के खिलाफ मामले दर्ज कर सकता है।

यह फैसला आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के फैसले को पलट देता है, जिसने तेलंगाना से सहमति न मिलने के कारण केंद्र सरकार के कर्मचारियों के खिलाफ दो एफआईआर खारिज कर दी थीं।

सीबीआई जांच के लिए राज्य की सहमति को समझना

राज्य की सहमति की अवधारणा

परिभाषा: राज्य की सहमति से तात्पर्य उस अनुमति से है जो सीबीआई को अपने अधिकार क्षेत्र में जांच करने के लिए राज्य सरकार से लेनी होती है।

संवैधानिक आधार: यह भारत के संघीय ढांचे से उत्पन्न होता है, जो केंद्र और राज्यों के बीच शक्तियों को अलग करता है।

कानूनी प्रावधान: दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना (DSPE) अधिनियम, 1946 की धारा 6 राज्य की सहमति को अनिवार्य बनाती है जब तक कि जांच न्यायपालिका या केंद्र सरकार द्वारा निर्देशित न हो।

सहमति के प्रकार

सामान्य सहमति:

राज्य द्वारा दी गई व्यापक अनुमति, सीबीआई को केस-विशेष अनुमोदन के बिना काम करने की अनुमति देती है।

विशेष सहमति:

जब सामान्य सहमति वापस ले ली जाती है, तो इसकी आवश्यकता होती है, जिससे सीबीआई को प्रत्येक मामले के लिए अनुमति प्राप्त करने की आवश्यकता होती है।

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) का अवलोकन

गठन और कानूनी ढांचा

स्थापना: 1963 में, भ्रष्टाचार निवारण पर संथानम समिति (1962-1964) की सिफारिशों के बाद।

कानूनी प्राधिकरण: दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम, 1946 के तहत कार्य करता है।

भूमिका: इंटरपोल के साथ जांच का समन्वय करता है और भारत की प्रमुख जांच एजेंसी के रूप में कार्य करता है।

प्रशासनिक सेटअप

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय के तहत काम करता है, जो प्रधान मंत्री कार्यालय (पीएमओ) का हिस्सा है।

पर्यवेक्षण:

केंद्रीय सतर्कता आयोग (CVC) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 से संबंधित जांच की देखरेख करता है।

अन्य मामलों के लिए, कार्मिक मंत्रालय के तहत कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (DOPT) द्वारा इसकी निगरानी की जाती है।

सीबीआई निदेशक की नियुक्ति

लोकपाल अधिनियम, 2014 के अनुसार, एक उच्चस्तरीय समिति सीबीआई निदेशक की नियुक्ति की सिफारिश करती है।

कार्यकाल:

निदेशक का कार्यकाल 2 वर्ष का होता है, जिसे जनहित में 5 वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के निहितार्थ

केंद्रीय प्राधिकरण को मजबूत किया गया:

यह फैसला राज्य की अनुमति के बिना केंद्रीय सरकार के कर्मचारियों की जांच करने की सीबीआई की शक्ति को मजबूत करता है।

संघीय ढांचे पर प्रभाव:

जांच क्षेत्राधिकार के संदर्भ में केंद्र और राज्यों के बीच शक्ति संतुलन के बारे में सवाल उठाता है।

भ्रष्टाचार के विरुद्ध संरक्षण: राज्य की सहमति की आवश्यकता के कारण होने वाली प्रक्रियागत देरी को दूर करके भ्रष्टाचार के विरुद्ध तीव्र कार्रवाई की सुविधा प्रदान करता है। यह निर्णय केंद्र-राज्य गतिशीलता के बीच विकसित होते संबंधों और शासन और जवाबदेही के लिए इसके निहितार्थों पर प्रकाश डालता है।

भारतीय मध्यस्थता परिषद के लिए प्रयास: कुशल विवाद समाधान को आगे बढ़ाना

मध्यस्थता को समझना

मध्यस्थता की परिभाषा: एक सहयोगात्मक प्रक्रिया जिसमें एक तटस्थ मध्यस्थ पक्षों की ओर से निर्णय लिए बिना, संचार की सुविधा प्रदान करके विवादों को सुलझाने में उनकी सहायता करता है।

मध्यस्थता की श्रेणियाँ:

निपटान सम्मेलन मध्यस्थता: वकील के नेतृत्व में, निपटान प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित करना।

सुविधाजनक मध्यस्थता: समझ को बढ़ावा देने और संबंधों को बेहतर बनाने का लक्ष्य।

परिवर्तनकारी मध्यस्थता: पक्षों को आत्मनिर्णय को प्राथमिकता देते हुए स्वतंत्र रूप से संघर्षों को हल करने का अधिकार देती है।

भारत को मध्यस्थता परिषद की आवश्यकता क्यों है

मध्यस्थता अधिनियम, 2023 का अधिदेश:

मध्यस्थता अधिनियम, 2023 मध्यस्थता प्रथाओं को संस्थागत बनाने और विनियमित करने के लिए भारतीय मध्यस्थता परिषद (MCI) की स्थापना का आह्वान करता है।

MCI, जिसे मूल रूप से 2023 तक लागू करने की योजना थी, को इसके गठन में देरी का सामना करना पड़ा है।

MCI के प्राथमिक उद्देश्य:

मध्यस्थता नियम और मानक तैयार करना और उन्हें लागू करना। गुणवत्ता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए मध्यस्थों को मान्यता और प्रमाणन प्रदान करना।

मध्यस्थ शिक्षा और मूल्यांकन प्रक्रियाओं का मानकीकरण करना।

न्यायिक अक्षमताओं को संबोधित करना:

पारंपरिक मुकदमेबाजी के लिए एक तेज़ और लागत प्रभावी विकल्प प्रदान करता है, जिससे न्यायिक बैकलॉग कम होता है। न्यायालय के आदेश से पहले ही मध्यस्थता को एक पसंदीदा समाधान तंत्र के रूप में बढ़ावा देता है।

भारत के व्यापार परिवर्त्य को बढ़ाना:

व्यावसायिक विवाद समाधान को आसान बनाता है, जिससे व्यापार करने में आसानी होती है।

विश्वसनीय और कुशल मध्यस्थता ढांचे की पेशकश करके निवेशकों का विश्वास बढ़ाता है।

ऑनलाइन मध्यस्थता का विस्तार करना:

सुलभ और सुविधाजनक मध्यस्थता के लिए एक स्केलेबल समाधान के रूप में ऑनलाइन विवाद समाधान (ODR) को बढ़ावा देता है।

भारत में वाणिज्यिक विवाद समाधान का वर्तमान परिवर्त्य

वाणिज्यिक न्यायालयों की भूमिका:

वाणिज्यिक न्यायालय अधिनियम, 2015 द्वारा शासित, ये न्यायालय ₹3 लाख की सीमा से ऊपर के विवादों का निपटारा शीघ्रता से करते हैं।

औपचारिक मुकदमेबाजी से पहले मध्यस्थता जैसे विकल्पों को प्रोत्साहित करें, समय पर समाधान सुनिश्चित करें।

मध्यस्थता तंत्र:

मध्यस्थता और सुलभ अधिनियम, 1996 के तहत विनियमित।

तटस्थ मध्यस्थ निष्पक्ष और बाध्यकारी समाधान सुनिश्चित करते हैं।

भारत अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता केंद्र अधिनियम, 2019 ने घरेलू और वैश्विक मध्यस्थता आवश्यकताओं के लिए भारत अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता केंद्र की स्थापना की।

सुलह प्रक्रियाएँ:

मध्यस्थता और सुलह अधिनियम, 1996 के तहत एक अनौपचारिक आउट-ऑफ-कोर्ट समाधान पद्धति।

परिणामों को थोपे बिना संवाद को सुविधाजनक बनाकर संबंधों को संरक्षित करने पर ध्यान केंद्रित करता है।

समझौता प्रथाएँ:

एक स्वैच्छिक और गैर-बाधकारी समाधान पद्धति जहाँ पक्ष विवादों को हल करने के लिए सीधे जुड़ते हैं।

संरचित मध्यस्थता ढांचे का महत्व

कुशल समाधान: मध्यस्थता मुकदमेबाजी से जुड़ी देरी और लागत को कम करती है।

संबंधों का संरक्षण: प्रतिकूल टकरावों पर सौहार्दपूर्ण समाधान को प्रोत्साहित करता है।

आर्थिक लाभ: व्यवसायों और निवेशों के लिए एक अनुकूल गंतव्य के रूप में भारत की प्रतिष्ठा को मजबूत करता है।

भारत में मध्यस्थता को मजबूत करने के लिए सिफारिशें

MCI का त्वरित गठन: मध्यस्थता अधिनियम, 2023 के प्रावधानों को लागू करने के लिए भारतीय मध्यस्थता परिषद की स्थापना में तेजी लाएं।

प्रशिक्षण और मान्यता: मानकीकृत प्रशिक्षण और प्रमाणन कार्यक्रमों के माध्यम से मध्यस्थ क्षमता का निर्माण करें।

सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाना: स्वैच्छिक अपनाने को बढ़ाने के लिए मध्यस्थता के लाभों पर नागरिकों और व्यवसायों को शिक्षित करें।

प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना: ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से मध्यस्थता की पहुँच और दक्षता का विस्तार करने के लिए डिजिटल उपकरणों को एकीकृत करें।

अरुणाचल प्रदेश 'जबरन' धर्म परिवर्तन के खिलाफ 1978 के अधिनियम को क्यों वापस ला रहा है? जाने विस्तार से

अरुणाचल प्रदेश सरकार अरुणाचल प्रदेश धर्म स्वतंत्रता अधिनियम, 1978 को पुनर्जीवित करने की योजना बना रही है, इसे पहली बार लागू किए जाने के लागभग पाँच दशक बाद। इस कदम में अधिनियम को लागू करने के लिए नियम बनाना शामिल है, जो राजनीतिक विरोध के कारण काफी हद तक निष्क्रिय रहा है, विशेष रूप से राज्य के ईसाई समूहों से, जिन्होंने इस कानून की आलोचना भेदभावपूर्ण के रूप में की है।

अरुणाचल प्रदेश धर्म स्वतंत्रता अधिनियम, 1978 के बारे में
अरुणाचल प्रदेश की पहली विधानसभा द्वारा अधिनियमित, यह कानून राज्य में धार्मिक धर्मांतरण से जुड़ी चिंताओं को दूर करने के लिए पेश किया गया था। विशेष रूप से, यह उन धर्मांतरणों पर अंकुश लगाने का प्रयास करता है जिन्हें जबरन, धोखाधड़ी या अनुचित साधनों के माध्यम से प्रेरित माना जाता है। यह अधिनियम ऐसे समय में पेश किया गया था जब राज्य अपनी धार्मिक गतिशीलता में महत्वपूर्ण बदलावों का अनुभव कर रहा था, जिसमें बढ़ती मिशनरी गतिविधि ने ईसाई धर्म के तेजी से विकास में योगदान दिया था। 2011 की जनगणना के अनुसार, ईसाई राज्य की आबादी का 26% हिस्सा थे, जिससे ईसाई धर्म प्रमुख धर्म बन गया।

अधिनियम के मुख्य प्रावधान

जबरन धर्मांतरण पर रोक: अधिनियम बल, प्रलोभन या धोखाधड़ी के माध्यम से किसी व्यक्ति को एक धर्म से दूसरे धर्म में परिवर्तित करने पर रोक लगाता है।

दंड: जबरन धर्मांतरण का प्रयास करने के दोषी पाए जाने पर दो साल तक की कैद और ₹10,000 तक का जुर्माना हो सकता है। रिपोर्टिंग की आवश्यकता: किसी भी धार्मिक रूपांतरण की सूचना संबंधित जिले के उपायुक्त को दी जानी चाहिए। ऐसा न करने पर दंड लगाया जा सकता है।

स्वदेशी धर्मों की परिभाषा: अधिनियम अरुणाचल प्रदेश के स्वदेशी धर्मों को मान्यता देता है और उनकी रक्षा करता है, जिसमें राज्य के विभिन्न आदिवासी समुदायों के बीच बौद्ध धर्म, डोनी-पोलो (प्रकृति पूजा) और वैष्णवावाद शामिल हैं।

अरुणाचल प्रदेश में धार्मिक विविधता

राज्य में कई तरह की धार्मिक प्रथाएँ हैं:

बौद्ध धर्म का पालन राज्य के पश्चिमी भाग में मोनपा और शेरदुकपेन (महायान बौद्ध धर्म) और पूर्वी भाग में खम्पति और सिंगफोस (थेरवाद बौद्ध धर्म) द्वारा किया जाता है।

कई अन्य समुदाय बहुदेवादी प्रकृति पूजा और पूर्वजों की पूजा में संलग्न हैं, विशेष रूप से तानी जनजातियों (न्यीशी, आदिस, अपाटानी, गालोस, मिसिंग्स, तागिन्स) द्वारा प्रचलित डोनी-पोलो आस्था के माध्यम से।

इस अधिनियम के पुनरुद्धार ने राज्य के भीतर महत्वपूर्ण बहस को जन्म दिया है, क्योंकि यह स्वदेशी संस्कृतियों और धर्मों की सुरक्षा को व्यक्तियों के स्वतंत्र रूप से धर्मांतरण के अधिकारों के साथ संतुलित करने का प्रयास करता है। कानून को लागू करने के सरकार के फैसले को इस क्षेत्र में बड़े पैमाने पर धर्मांतरण और मिशनरी गतिविधियों के प्रभाव के बारे में बढ़ती चिंताओं की प्रतिक्रिया के रूप में देखा जा रहा है।

अरुणाचल प्रदेश का सामरिक महत्व:

अरुणाचल प्रदेश, जिसे "उगते सूरज की भूमि" के रूप में जाना जाता है, पूर्वोत्तर भारत में स्थित है, जिसकी सीमा चीन, भूटान और म्यांगांग से लगती है। ऐतिहासिक रूप से विविध स्वदेशी जनजातियों द्वारा बसाए गए इस राज्य में बौद्ध धर्म और प्रकृति पूजा जैसे धर्मों के साथ एक समृद्ध सांस्कृतिक विरासत है। ब्रिटिश काल के दौरान, यह उत्तर-पूर्व सीमांत एजेंसी (NEFA) का हिस्सा था, और भारत की स्वतंत्रता के बाद, यह 1972 में एक केंद्र शासित प्रदेश और 1987 में एक पूर्ण राज्य बन गया।

अरुणाचल प्रदेश का सामरिक महत्व चीन से इसकी निकटता के कारण बढ़ा, विशेष रूप से 1962 के चीन-भारतीय युद्ध के दौरान, जिसने सीमा मुद्दों को अनसुलझा छोड़ दिया। समय के साथ, मिशनरी गतिविधियों के कारण राज्य में ईसाई धर्म में वृद्धि देखी गई है, लेकिन स्वदेशी धर्म प्रमुख बने हुए हैं।

स्वायत्ता और परंपराओं के संरक्षण की माँगों के साथ, राज्य को अपनी जातीय पहचान और विकास को संतुलित करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। आज, अरुणाचल प्रदेश भारत की भू-राजनीतिक रणनीतियों में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और आर्थिक विकास, सांस्कृतिक संरक्षण और अपनी सीमाओं को सुरक्षित करने पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखता है।

अंतर्राष्ट्रीय संबंध एवं घटनाएँ

भारत ने विदेशी छात्रों के लिए नए ई-वीजा शुरू किए

भारत ने भारतीय शैक्षणिक संस्थानों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए दो नई वीजा श्रेणियाँ शुरू की हैं। भारत ने भारतीय संस्थानों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले विदेशी छात्रों के लिए दो नई ई-वीजा श्रेणियाँ शुरू की हैं:

- ई-छात्र वीजा: भारत में मान्यता प्राप्त शैक्षणिक कार्यक्रमों में प्रवेश पाने वाले विदेशी नागरिकों के लिए।
- ई-छात्र-एक्स वीजा: ई-छात्र वीजा धारकों के आश्रितों के लिए।

पात्रता और प्रक्रिया:

SII पोर्टल पर पंजीकरण:

विदेशी छात्रों को इन वीजा के लिए आवेदन करने के लिए स्टडी इन इंडिया (SII) पोर्टल पर पंजीकरण करना होगा। एक अद्वितीय SII आईडी का उपयोग करके आवेदनों को सत्यापित किया जाता है, जिससे पंजीकरण अनिवार्य हो जाता है।

आवेदन प्लेटफॉर्म:

छात्रों को <https://indianvisaonline.gov.in> के माध्यम से आवेदन करना होगा।

ई-छात्र वीजा विवरण:

- पात्रता: मान्यता प्राप्त भारतीय संस्थानों में स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएचडी या प्रमाणित पाठ्यक्रमों में नामांकित छात्र।
- अवधि: 5 वर्ष तक वैध, भारत में विस्तार संभव है।
- प्रवेश बिंदु: वीजा धारक किसी भी अधिकृत आव्रजन चेक पोस्ट के माध्यम से भारत में प्रवेश कर सकते हैं।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के 5 नए अस्थायी सदस्यों ने कार्यभार संभाला

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के नए अस्थायी सदस्य

डेनमार्क, ग्रीस, पाकिस्तान, पनामा और सोमालिया ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के अस्थायी सदस्यों के रूप में जिम्मेदारी संभाली है। ये देश इकाडोर, जापान, माल्टा, मोजाम्बिक और स्विटजरलैंड की जगह ले गए और 2025 में अपना दो साल का कार्यकाल शुरू करेंगे।

ध्वज स्थापना समारोह

2018 में कजाकिस्तान द्वारा शुरू किया गया ध्वज स्थापना समारोह, संक्रमण को चिह्नित करने के लिए न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित किया गया था। कजाख संयुक्त राष्ट्र राजदूत कैरेट उमरोव ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और आर्ने वाले सदस्यों को बधाई दी। पाँच नए सदस्यों के स्थायी प्रतिनिधियों ने सुरक्षा परिषद कक्ष के बाहर अपने राष्ट्रीय ध्वज फहराने से पहले संक्षिप्त भाषण भी दिए।

जनवरी 2025 में नेतृत्व

अल्जीरियाई यूएन राजदूत अमर बेंजामा, जो जनवरी 2025 के लिए सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत है।

यूएन सुरक्षा परिषद की संरचना

यूएनएससी में 15 सदस्य होते हैं: पाँच स्थायी सदस्य- ब्रिटेन, चीन, फ्रांस, रूस और संयुक्त राज्य अमेरिका- और 10 गैर-स्थायी सदस्य। गैर-स्थायी सदस्यों को दो साल के कार्यकाल के लिए यूएन महासभा द्वारा चुना जाता है, जिसमें पाँच सदस्यों को हर साल बदला जाता है।

भारत को दो महत्वपूर्ण संयुक्त राष्ट्र पैनल में नामित किया गया

- संयुक्त राष्ट्र सांख्यिकी परिषद (यूएनएससी): भारत लंबे अंतराल के बाद इस प्रतिष्ठित परिषद में वापस आया है।
- आधिकारिक सांख्यिकी के लिए बिग डेटा और डेटा विज्ञान पर यूएन विशेषज्ञों की समिति (यूएन-सीईबीडी): भारत आधिकारिक सांख्यिकी के लिए बिग डेटा और डेटा विज्ञान में वैश्विक मानदंडों में योगदान देगा।

फोकस क्षेत्र:

- आर्थिक विकास, व्यापार, स्पिरिट और सामाजिक सांख्यिकी जैसे क्षेत्रों में वैश्विक मानकों का विकास करना।
- नीति निर्माण और सांख्यिकीय नवाचार के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), भू-स्थानिक उपकरण और मशीन लर्निंग जैसी तकनीकों का उपयोग करना।
- नीति निर्माण और शासन को बेहतर बनाने के लिए सैटेलाइट इमेजरी जैसे वैकल्पिक डेटा स्रोतों की खोज करना।

दक्षिण कोरिया आसियान के साथ संयुक्त डिजिटल नवाचार परियोजना शुरू करेगा

दक्षिण कोरिया के विज्ञान और आईसीटी मंत्रालय ने दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान) के साथ एक संयुक्त परियोजना की घोषणा की है, जिसका उद्देश्य इस क्षेत्र में डिजिटल नवाचार को बढ़ावा देना है। \$30 मिलियन की लागत वाली यह परियोजना पाँच वर्षों तक चलेगी और इस वर्ष शुरू होगी।

परियोजना विवरण

यह पहल दक्षिण कोरिया की उन्नत डिजिटल तकनीकों को आसियान देशों में लाए करने, उनके डिजिटल परिवर्तन में सहायता करने और आर्थिक विकास को गति देने पर केंद्रित है। परियोजना 2029 तक दोनों पक्षों की ओर से संयुक्त रूप से \$30 मिलियन का निवेश करेगी, जिसका लक्ष्य डेटा और उन्नत कंप्यूटिंग अवसंरचना का निर्माण, साथ ही मानव संसाधन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) समाधानों का विकास करना है।

दक्षिण कोरिया

- राजधानी: सियोल
- राष्ट्रपति: यूं सुक योल
- प्रधानमंत्री: हान डक-सू
- मुद्रा: दक्षिण कोरियाई वॉन

ऑस्ट्रेलिया ने 42.3 मिलियन डॉलर के साथ पहली राष्ट्रीय ऑटिज्म रणनीति शुरू की

ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने ऑटिज्म से पीड़ित व्यक्तियों के लिए समावेश, सहायता और जीवन परिणामों को बढ़ाने के लिए अपनी पहली राष्ट्रीय ऑटिज्म रणनीति शुरू की है। सामाजिक सेवा मंत्री अमांडा रिंशवर्थ ने इस योजना का अनावरण किया, जो चार प्रमुख सुधार क्षेत्रों में 22 प्रतिबद्धताओं पर केंद्रित है और इसे 42.3 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (26.1 मिलियन अमरीकी डॉलर) के वित्त पोषण द्वारा समर्थित किया गया है।

प्रमुख आवंटन

- सहकर्मी सहायता कार्यक्रम: चार वर्षों में 19.9 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर ऑटिज्म से पीड़ित व्यक्तियों के लिए जीवित अनुभव ज्ञान, सहानुभूति और सांस्कृतिक रूप से अनुकूलित सलाह प्रदान करने वाले कार्यक्रम को वित्तपोषित करेंगे।
- अनुसंधान अनुवाद निकाय: 12.2 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर ऑटिज्म से संबंधित अनुसंधान को साक्ष्य-आधारित उपकरणों और सेवा प्रदाताओं और नीति निर्माताओं के लिए मार्गदर्शन में बदलने के लिए एक निकाय की स्थापना करेंगे।
- व्यापकता अध्ययन: 2.8 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर ऑस्ट्रेलिया में ऑटिज्म के वास्तविक व्यापकता को निर्धारित करने के लिए एक अध्ययन का समर्थन करेंगे।
- महत्व: सामाजिक सेवा विभाग के अनुसार, 290,000 ऑस्ट्रेलियाई लोगों में ऑटिज्म का निदान है, हालांकि वास्तविक संख्या काफी अधिक हो सकती है।

ऑटिस्टिक ऑस्ट्रेलियाई लोगों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है:

- बेरोजगारी दर: सामान्य आबादी की तुलना में छह गुना अधिक।
- प्रारंभिक मृत्यु दर: समय से पहले मरने की संभावना दो से तीन गुना अधिक।
- शिक्षा असमानता: केवल 5% ऑटिस्टिक ऑस्ट्रेलियाई लोगों के पास सातक की डिग्री है, जबकि सामान्य आबादी के 35% लोगों के पास स्नातक की डिग्री है।

सहयोगी विकास

यह रणनीति ऑटिस्टिक व्यक्तियों और राष्ट्रीय ऑटिज्म रणनीति ओवरसाइट परिषद के साथ साझेदारी में बनाई गई थी, जिसकी सह-अध्यक्षता क्लेयर गिबेलिनी ने की थी, जिन्होंने ऑटिज्म से पीड़ित लोगों के लिए अतिरिक्त सहायता आवश्यकताओं को पहचानने और संबोधित करने के महत्व पर जोर दिया था। यह

पहल साक्ष्य-आधारित नीतियों और लक्षित निवेशों के माध्यम से समावेशिता को बढ़ावा देने और ऑटिस्टिक व्यक्तियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए ऑस्ट्रेलिया की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

250 साल बाद बाल्ड ईंगल को आधिकारिक तौर पर अमेरिका का राष्ट्रीय पक्षी घोषित किया गया

- बाल्ड ईंगल पदनाम: राष्ट्रपति जो बिडेन ने बाल्ड ईंगल को संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रीय पक्षी के रूप में आधिकारिक रूप से नामित करने वाले कानून पर हस्ताक्षर किए।
- ऐतिहासिक प्रतीक: बाल्ड ईंगल 1782 से अमेरिका का राष्ट्रीय प्रतीक रहा है, जो ग्रेट सील पर दिखाई देता है, लेकिन अब तक इसे आधिकारिक तौर पर राष्ट्रीय पक्षी के रूप में मान्यता नहीं दी गई थी।
- प्रतीकवाद: बाल्ड ईंगल को शक्ति, साहस, स्वतंत्रता और अमरता के प्रतीक के रूप में देखा जाता है और यह केवल उत्तरी अमेरिका में ही पाया जाता है।
- कानून बनाने वाले: इस विधेयक का नेतृत्व मिनेसोटा के सांसदों ने किया, क्योंकि इस राज्य में देश में बाल्ड ईंगल की सबसे बड़ी आबादी है।
- संरक्षण कानून: बाल्ड ईंगल को 1940 के राष्ट्रीय प्रतीक अधिनियम के तहत संरक्षित किया गया है, जो इसकी बिक्री या शिकार पर प्रतिबंध लगाता है।
- संरक्षण सफलता: बाल्ड ईंगल एक समय विलुप्त होने के कागार पर थे, लेकिन 2009 से उनकी आबादी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

अमेरिका

- राजधानी: वाशिंगटन, डी.सी.
- स्पीकर: माइक जॉनसन (रिपब्लिकन पार्टी)
- अटॉर्नी जनरल: मेरिक गारलैंड
- राष्ट्रपति: जो बिडेन, डोनाल्ड ट्रम्प (20 जनवरी 2025 से आगे)

यूएनजीए ने साइबर अपराध के खिलाफ मील का पत्थर संधि को अपनाया

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने साइबर अपराध के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन को अपनाया, जो साइबर अपराध से निपटने के वैश्विक प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है।

- ऐतिहासिक संधि: यह 20 से अधिक वर्षों में संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों द्वारा बातचीत की गई पहली अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्याय संधि है।
- साइबर जोखिमों को स्वीकार करना: सम्मेलन सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों के दुरुपयोग से उत्पन्न गंभीर जोखिमों को पहचानता है, जो अभूतपूर्व पैमाने, गति और दायरे पर अपराधों को सक्षम बनाता है।

- फोकस क्षेत्र: आतंकवाद, मानव तस्करी, नशीली दवाओं की तस्करी और अँनलाइन वित्तीय अपराधों जैसे अपराधों से राज्यों, उद्यमों और व्यक्तियों की रक्षा करता है।

यूएनजीए

- गठन: 1945
- प्रकार: मुख्य अंग
- मुख्यालय: न्यूयॉर्क शहर, यू.एस.
- अध्यक्ष: फिलिमोन यांग
- मूल संगठन: संयुक्त राष्ट्र

भारत और अमेरिका ने साइबर खतरा खुफिया और डिजिटल फोरेंसिक पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

- समझौता: भारत और अमेरिका ने आपराधिक जांच के लिए साइबर खतरा खुफिया और डिजिटल फोरेंसिक में सहयोग बढ़ाने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।
- उद्देश्य: समझौता ज्ञापन का उद्देश्य साइबर अपराधों से निपटने में दोनों देशों के बीच सूचना साझाकरण और प्रशिक्षण को मजबूत करना है।

फोकस क्षेत्र:

- आतंकवाद और हिंसक उग्रवाद
- आतंकवाद का वित्तपोषण
- मादक पदार्थों की तस्करी
- संगठित अपराध
- मानव तस्करी
- अवैध प्रवास
- धन शोधन
- परिवहन सुरक्षा
- साइबर अपराध जांच: जिल साइबर अपराधों से निपटने के लिए साइबर खतरा खुफिया और डिजिटल फोरेंसिक उपकरणों का लाभ उठाना।
- द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना: समझौता ज्ञापन उनकी व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी के ढांचे के तहत भारत-अमेरिका सुरक्षा सहयोग को बढ़ाएगा।
- उभरते खतरों से निपटना: साइबर अपराध और संबंधित सुरक्षा मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करके, समझौता वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने में भारत और अमेरिका के बीच साझा प्राथमिकताओं को मजबूत करता है।

रूस, ईरान ने व्यापक रणनीतिक साझेदारी पर समझौता किया

- रणनीतिक साझेदारी पर हस्ताक्षर: रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने मास्को में द्विपक्षीय वार्ता के दौरान एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर किए।

- सहयोग के प्रमुख क्षेत्र: यह समझौता व्यापार, निवेश, रक्षा, सुरक्षा, अंतरिक्ष, ऊर्जा, आतंकवाद-रोधी और अन्य क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने पर केंद्रित है।

- प्रतिबंधों की अस्वीकृति: दोनों देश एक-दूसरे के खिलाफ तीसरे पक्ष के प्रतिबंधों को अस्वीकार करने और एकतरफा बलपूर्वक उपायों के उपयोग को रोकने के लिए सहमत हुए।
- समझौते का उद्देश्य: संधि का उद्देश्य रूस, ईरान और व्यापक यूरोशियन क्षेत्र में स्थिर और सतत विकास के लिए परिस्थितियाँ बनाना है।

- महत्वाकांक्षी लक्ष्य: यह राजनीति, सुरक्षा, व्यापार, निवेश और मानवीय मामलों में दीर्घकालिक सहयोग को गहरा करने के लिए एक रूपरेखा की रूपरेखा तैयार करता है।
- विदेश नीति पर सरेखण: वार्ता के दौरान, दोनों नेताओं ने विभिन्न विदेश नीति मुद्दों पर चर्चा की और पाया कि उनकी स्थिति काफी हद तक सरेखित है।

रूस-ईरान संबंध

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि: 1979 की ईरानी क्रांति के बाद संबंधों में सुधार हुआ, वैचारिक मतभेदों के बावजूद अमेरिकी प्रभाव के साझा विरोध द्वारा चिह्नित।

सहयोग के प्रमुख क्षेत्र:

- रक्षा: रूस हथियारों की आपूर्ति करता है (जैसे, एस-300) और सीरिया में सहयोग करता है।
- परमाणु: रूस ईरान के शांतिपूर्ण परमाणु कार्यक्रमों (जैसे, बुशहर संयंत्र) का समर्थन करता है।
- व्यापार और ऊर्जा: प्रतिबंधों द्वारा सीमित होने के बावजूद तेल, गैस और कृषि में सहयोग।

साझा लक्ष्य:

अमेरिका और नाटो के प्रभाव का विरोध करें। वैश्विक राजनीति में बहुधुर्वीयता का समर्थन करें (जैसे, एससीओ, आईएनएसटीसी के माध्यम से)।

हाल के घटनाक्रम:

व्यापार, रक्षा और ऊर्जा में संबंधों को गहरा करने के लिए 2024 में एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी पर हस्ताक्षर किए। अमेरिकी प्रतिबंधों की संयुक्त अस्वीकृति।

चुनौतियाँ:

- प्रतिबंधों के कारण कम व्यापार मात्रा।
- मध्य पूर्व और मध्य एशिया में प्रभाव के लिए प्रतिस्पर्धा।
- भविष्य का दृष्टिकोण: पश्चिमी अलगाव के बीच संबंध और मजबूत होने वाले हैं, हालांकि क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाएं कभी-कभी टकराव का कारण बन सकती हैं।

क्यूएस वर्ल्ड फ्लूचर स्किल्स इंडेक्स में डिजिटल कौशल के लिए भारत दूसरे स्थान पर

क्यूएस वर्ल्ड फ्लूचर स्किल्स इंडेक्स में डिजिटल कौशल के लिए भारत को कनाडा और जर्मनी जैसे देशों से आगे निकलकर वैश्विक स्तर पर दूसरा स्थान मिला है। इंडेक्स ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और ग्रीन स्किल्स में भारत की ताकत को भी

हिंडनबर्ग रिसर्च ने अपने बंद होने की घोषणा की है। संस्थापक नेट एंडरसन ने खुलासा किया कि फर्म को बंद करने का निर्णय विचारों की अपनी पाइपलाइन और नियामकों के साथ साझा किए गए अंतिम मामलों को पूरा करने के बाद एक लंबे समय से नियोजित रणनीति का हिस्सा था।

बंद करने का कारण

एंडरसन ने स्पष्ट किया कि बंद करना बाहरी दबाव, स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों या व्यक्तिगत समस्याओं के कारण नहीं था। इसके बजाय, उन्होंने इसे एक गहन और मांग वाले करियर के बाद भलाई और रिश्तों को प्राथमिकता देने का व्यक्तिगत निर्णय बताया। उन्होंने कहा कि उनका करियर दुनिया के अधिकांश अनुभव और प्रियजनों के साथ समय बिताने की कीमत पर आया है।

हिंडनबर्ग की रिपोर्ट का प्रभाव

हिंडनबर्ग रिसर्च ने 2023 में वैश्विक ध्यान आकर्षित किया जब अडानी समूह पर इसकी रिपोर्ट ने भारतीय समूह को महत्वपूर्ण वित्तीय नुकसान पहुंचाया, जिससे इसके बाजार मूल्य का एक बड़ा हिस्सा खत्म हो गया। हालांकि, बाद में बाजार मूल्य का अधिकांश हिस्सा वापस मिल गया। गौतम अडानी और उनकी कंपनियों ने फर्म द्वारा लगाए गए आरोपों का लगातार खंडन किया।

कांग्रेस की भागीदारी

यह बंद तब हुआ जब रिपब्लिकन कांग्रेस के एक सदस्य ने अमेरिकी न्याय विभाग से अडानी जांच से संबंधित दस्तावेजों को संरक्षित करने का आग्रह किया। हालांकि, एंडरसन ने कहा कि इस घटनाक्रम ने फर्म को बंद करने के उनके फैसले को प्रभावित नहीं किया।

नेट एंडरसन द्वारा व्यक्तिगत प्रतिबिंब

एंडरसन ने हिंडनबर्ग रिसर्च को अपने जीवन का एक अध्याय बताया, न कि कुछ ऐसा जो उन्हें परिभाषित करता है। उन्होंने व्यक्त किया कि उनका करियर, हालांकि सफल था, लेकिन मांग वाला था और इस बात पर प्रतिबिंबित करता था कि इसने उनके जीवन के विकल्पों को कैसे आकार दिया। हिंडनबर्ग को बंद करने का निर्णय वित्तीय अनुसंधान में एक विवादास्पद लेकिन महत्वपूर्ण युग का अंत दर्शाता है।

राजनीतिक विवाद के बीच साओ टोम और प्रिंसिपे के प्रधानमंत्री ने इस्तीफा दिया

साओ टोम और प्रिंसिपे की प्रधानमंत्री इल्जा अमादो वाज ने अपनी प्रस्तावित कैबिनेट सूची के समय से पहले जारी होने पर विवाद के बाद इस्तीफा दे दिया है। प्रभावी शासन के लिए आवश्यक संस्थागत स्थिरता और संसदीय समर्थन की कमी पर चिंताओं का हवाला देते हुए राष्ट्रपति कार्लोस विला नोवा को इस्तीफा सौंप दिया गया।

नियुक्ति और इस्तीफा:

राष्ट्रपति द्वारा पैट्रिस ट्रोवोडा की सरकार को भंग करने के बाद, पूर्व न्याय मंत्री अमादो वाज को प्रधानमंत्री के रूप में नियुक्त किया गया। उन्होंने इस्तीफा देते हुए कहा कि उनके निरंतर नेतृत्व से देश के शांतिपूर्ण और सामंजस्यपूर्ण विकास में योगदान नहीं होगा।

कैबिनेट विवाद:

अमादो वाज को अपनी प्रस्तावित सरकार की संरचना और नाम प्रस्तुत करने थे। 12 मंत्रियों वाली प्रस्तावित सूची को राष्ट्रपति के साथ औपचारिक रूप से साझा किए जाने से पहले स्वतंत्र डेमोक्रेटिक एक्शन पार्टी (एडीआई) द्वारा सोशल मीडिया पर लीक कर दिया गया था।

राजनीतिक विवाद:

सत्तारूढ़ पार्टी ADI ने संवैधानिक न्यायालय से राष्ट्रपति के सरकार को भंग करने के फैसले को पलटने की अपील की है, जिसे उन्होंने असंवैधानिक बताया है। राष्ट्रपति विला नोवा ने पहले प्रधानमंत्री के लिए ADI के नामित हेलियो डी अल्मेडा को अस्वीकार कर दिया था, जिससे तनाव और बढ़ गया था।

निहितार्थ

साओ टोम और प्रिंसिपे में राजनीतिक अस्थिरता ने पश्चिम अफ्रीकी द्वीप राष्ट्र में शासन और संस्थागत सहयोग के बारे में चिंताएँ बढ़ा दी हैं। यह विवाद बहुदलीय प्रणाली में राजनीतिक सहमति और स्थिरता प्राप्त करने की चुनौतियों को दर्शाता है।

साओ टोम और प्रिंसिपे:

साओ टोम और प्रिंसिपे आधिकारिक तौर पर लोकतांत्रिक गणराज्य साओ टोम और प्रिंसिपे, मध्य अफ्रीका के पश्चिमी भूमध्यरेखीय टट से दूर गिनी की खाड़ी में एक द्वीप देश है।

➤ राजधानी: साओ टोम

➤ मुद्रा: डोबरा

हेनले पासपोर्ट रैंकिंग 2025: भारत फिसला, पाकिस्तान सोमालिया और बांग्लादेश से पीछे

हेनले पासपोर्ट इंडेक्स 2025: मुख्य बातें

दुनिया के सबसे शक्तिशाली पासपोर्ट

➤ सिंगापुर: पिछले साल की अपनी स्थिति को बरकरार रखते हुए वैश्विक स्तर पर पहले स्थान पर है। 195 देशों में वीज़ा-मुक्त पहुँच।

➤ जापान: 193 देशों में वीज़ा-मुक्त प्रवेश की पेशकश करते हुए दूसरे स्थान पर है।

➤ तौसरा स्थान (बराबरी पर): देश: फ़िनलैंड, फ़्रांस, जर्मनी, इटली, दक्षिण कोरिया और स्पेन। 192 देशों में वीज़ा-मुक्त यात्रा।

➤ चौथा स्थान (बराबरी पर): देश: ऑस्ट्रिया, डेनमार्क, आयरलैंड, लकड़मबर्ग, नीदरलैंड, नॉर्वे और स्वीडन।

भारत और पाकिस्तान रैंकिंग

➤ भारत: 85वें स्थान पर आ गया (2024 में 80वें स्थान से)। 62 देशों में वीज़ा-मुक्त पहुँच, पिछले साल 57 से।

➤ पाकिस्तान: 103वें स्थान पर आ गया (2024 में 101वें स्थान से)। 34 देशों में वीज़ा-मुक्त पहुँच।

सबसे खराब पासपोर्ट रैंकिंग

➤ अफ़गानिस्तान: सबसे कम रैंक पर 106वें स्थान पर।

➤ सीरिया: 105वें स्थान पर।

➤ इराक: 104वें स्थान पर।

- यमन और पाकिस्तान: संयुक्त रूप से 103वें स्थान पर।
- अन्य निम्न रैंक वाले देश
 - सोमालिया: 102वें स्थान पर।
 - नेपाल: 101वें स्थान पर।
 - लीबिया: 100वें स्थान पर।
 - बांगलादेश और उत्तर कोरिया: संयुक्त रूप से 99वें स्थान पर। उत्तर कोरियाई पासपोर्ट धारकों को 39 देशों में वीज़ा-मुक्त पहुँच प्राप्त है।
 - पासपोर्ट की मज़बूती का सूचक: रैंकिंग उन देशों की संख्या पर आधारित है, जहाँ पासपोर्ट धारक बिना वीज़ा या वीज़ा-ऑन-आराइवल के पहुँच सकता है, जो वैश्विक गतिशीलता और यात्रा की आसानी को दर्शाता है।

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो ने शासक लिबरल पार्टी के नेता के रूप में अपने इस्तीफे की घोषणा की

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो ने शासक लिबरल पार्टी के नेता के रूप में अपने इस्तीफे की घोषणा की

- इस्तीफे का कारण: जस्टिन टूडो ने अपने इस्तीफे की घोषणा की, क्योंकि उन्हें अपनी ही पार्टी के अंदर से बगावत का सामना करना पड़ा और उनकी नीतियों के कारण उनकी लोकप्रियता घट रही थी।
- इस्तीफे का समय: टूडो प्रधानमंत्री के रूप में तब तक बने रहेंगे जब तक नया नेता चुना नहीं जाता।

लघु लेख

इंटरपोल का सिल्वर नोटिस एवं अन्य रंग कोड: जाने विस्तार से

सिल्वर नोटिस इंटरपोल द्वारा शुरू की गई एक नई प्रणाली है जिसका उद्देश्य सीमाओं के पार आपराधिक संपत्तियों की पहचान करना, उनका पता लगाना और उन्हें वापस प्राप्त करना है। यह पहल धोखाधड़ी, भ्रष्टाचार, मादक पदार्थों की तस्करी और पर्यावरण संबंधी अपराधों जैसी अवैध गतिविधियों के माध्यम से प्राप्त वित्तीय लाभों को लक्षित करके अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध का मुकाबला करने पर केंद्रित है।

सिल्वर नोटिस के बारे में मुख्य बिंदु:

उद्देश्य:

देशों को संपत्ति, वाहन, वित्तीय खाते और व्यवसाय सहित अपराधों से जुड़ी संपत्तियों का पता लगाने में मदद करता है।

राष्ट्रीय कानूनों का पालन करते हुए इन संपत्तियों की जब्ती, जब्ती या वसूली की सुविधा प्रदान करता है।

पायलट चरण:

वर्तमान में नवंबर 2025 तक 52 देशों और क्षेत्रों की भागीदारी के साथ एक पायलट चरण में है।

प्रत्येक देश इस अवधि के दौरान अधिकतम नौ सिल्वर नोटिस जारी कर सकता है।

भारत की भूमिका: भारत ने सिल्वर नोटिस को विकसित करने, संपत्ति वसूली पर इंटरपोल ग्लोबल फोकल प्लाइट कॉन्फ्रेंस (2015) के दौरान चर्चा शुरू करने और 2022 में इंटरपोल जनरल असेंबली के दौरान अवधारणा को औपचारिक रूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

पहला उपयोग: पहला सिल्वर नोटिस इटली के अनुरोध पर जारी किया गया था, जिसमें एक वरिष्ठ माफिया सदस्य की संपत्ति को लक्षित किया गया था।

अन्य इंटरपोल रंग कोड

इंटरपोल अंतर्राष्ट्रीय पुलिस सहयोग को सुविधाजनक बनाने के लिए रंग-कोडित नोटिसों के एक सेट का उपयोग करता है। प्रत्येक नोटिस एक विशिष्ट उद्देश्य को पूरा करता है:

लाल नोटिस: प्रत्यर्पण लंबित वांछित व्यक्तियों के स्थान और अनंतिम गिरफ्तारी का अनुरोध करता है। अक्सर उन भगोड़ों के लिए जारी किया जाता है जिन्हें अभियोजन या सजा काटने के लिए खोजा जाता है।

नीला नोटिस: किसी व्यक्ति की पहचान, स्थान या अपराध के संबंध में गतिविधियों के बारे में जानकारी मांगता है।

हरा नोटिस: ऐसे व्यक्तियों की आपराधिक गतिविधियों के बारे में चेतावनी देता है जो अन्य देशों में खतरा पैदा कर सकते हैं।

पीला नोटिस: लापता व्यक्तियों, अक्सर नाबालिगों, या खुद को पहचानने में असमर्थ व्यक्तियों की पहचान करने के उद्देश्य से।

काला नोटिस: अज्ञात शवों के बारे में जानकारी मांगता है।

ऑरेंज नोटिस: किसी संभावित घटना, किसी व्यक्ति, किसी वस्तु या कार्यप्रणाली के बारे में चेतावनी देता है जो सार्वजनिक सुरक्षा के लिए जोखिम पैदा करती है।

पर्पल नोटिस: अपराधियों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली आपराधिक कार्यप्रणाली, वस्तुओं, उपकरणों या छिपाने के तरीकों के बारे में जानकारी प्रदान करता है।

इंटरपोल-यूएनएससी विशेष नोटिस: संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा प्रतिबंधों के अधीन व्यक्तियों और संस्थाओं के लिए जारी किया गया। सिल्वर नोटिस अब अपराध के वित्तीय आयामों को संबोधित करके इन मौजूदा नोटिसों का पूरक है।

इंटरपोल क्या है? इंटरपोल, जो अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक पुलिस संगठन का संक्षिप्त नाम है, दुनिया का सबसे बड़ा अंतर्राष्ट्रीय पुलिस संगठन है जो विभिन्न देशों की कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच सहयोग और सूचना साझा करने की सुविधा प्रदान करता है। यह अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों का समन्वय करके अंतर्राष्ट्रीय अपराध से निपटने में मदद करता है।

मुख्यालय: ल्योन, फ्रांस।

सदस्य देश:

इंटरपोल के 195 सदस्य देश हैं, जो इसे वास्तव में एक वैश्विक संगठन बनाते हैं।

प्रत्येक सदस्य देश में एक राष्ट्रीय केंद्रीय ब्यूरो (NCB) होता है जो इंटरपोल और राष्ट्रीय कानून प्रवर्तन के बीच संपर्क का काम करता है।

उद्देश्य:

अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं को पार करने वाले अपराधों की रोकथाम और जांच में सहायता करना, जिनमें शामिल हैं:

- आतंकवाद
- संगठित अपराध
- मानव तस्करी
- साइबर अपराध
- भ्रष्टाचार
- पर्यावरण अपराध

यह कैसे संचालित होता है:

गैर-राजनीतिक: इंटरपोल राजनीतिक, सैन्य, नस्लीय या धार्मिक विचारों से स्वतंत्र रूप से संचालित होता है।

डेटाबेस: सदस्य देशों द्वारा सुलभ आपराधिक रिकॉर्ड, फिंगरप्रिंट, डीएनए और चोरी की गई संपत्ति के वैश्विक डेटाबेस को बनाए रखता है।

नोटिस सिस्टम: वैश्विक स्तर पर जानकारी साझा करने के लिए रंग-कोडित नोटिस (जैसे भगोड़ों के लिए रेड नोटिस, संपत्ति की वसूली के लिए सिल्वर नोटिस, आदि) जारी करता है।

नेतृत्व: महासभा द्वारा शासित, जो नीतियों पर निर्णय लेने के लिए सालाना बैठक करती है। कार्यकारी समिति और महासचिव दिन-प्रतिदिन के कार्यों की देखरेख करते हैं।

फंडिंग: अपने सदस्य देशों से वार्षिक योगदान द्वारा वित्त पोषित।

इंटरपोल की भूमिका: इंटरपोल की प्राथमिक भूमिका है:

दुनिया भर में कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच सुरक्षित संचार सक्षम करना।

जांच के लिए तकनीकी सहायता और विशेषज्ञता प्रदान करना।

विदेशी अधिकार क्षेत्र में छिपे भगोड़ों या अपराधियों का पता लगाने और उन्हें गिरफ्तार करने में सहायता करना।

इंटरपोल एक पुल के रूप में कार्य करता है, यह सुनिश्चित करता है कि देश राष्ट्रीय संप्रभुता का सम्मान करते हुए अंतरराष्ट्रीय अपराध से कुशलतापूर्वक निपटने के लिए एक साथ काम कर सकते हैं।

ग्रीनलैंड योजना: लुइसियाना खरीद का आधुनिक संस्करण

ग्रीनलैंड को खरीदने की अमेरिका की योजना शायद असामान्य लगे, लेकिन इसका ऐतिहासिक आधार है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया के सबसे बड़े द्वीप, ग्रीनलैंड, को खरीदने में रुचि दिखाई थी। यह द्वीप आर्कटिक महासागर में उत्तरी ध्रुव के पास स्थित है और इसका भू-राजनीतिक और आर्थिक महत्व अपार है। यह विचार अमेरिका की ऐतिहासिक भूमि खरीद की रणनीति से मेल खाता है, जैसे 1803 में लुइसियाना खरीद और 1867 में अलास्का खरीद।

लुइसियाना खरीद इस संदर्भ में एक ऐतिहासिक समानता प्रस्तुत करती है। उस समय, न्यू ऑरलियन्स का बंदरगाह अमेरिकी व्यापार के लिए महत्वपूर्ण था, जो घरेलू सामानों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जोड़ता था। राष्ट्रपति थॉमस जेफरसन ने बंदरगाह की रणनीतिक महत्ता को समझा और इसे खरीदने का फैसला किया।

फ्रांस के सम्राट नेपोलियन बोनापार्ट, जिन्हें धन की आवश्यकता थी, ने अप्रत्याशित रूप से पूरी लुइसियाना क्षेत्र को 15 मिलियन डॉलर में बेचने की पेशकश की। इस सौदे ने न केवल व्यापार संबंधी समस्याओं को हल किया, बल्कि अमेरिका का क्षेत्रफल भी दोगुना कर दिया, यह दर्शाते हुए कि भू-राजनीतिक अवसरों का लाभ उठाना एक दूरदर्शी कदम हो सकता है।

इसी प्रकार, ग्रीनलैंड भी अमेरिका के लिए अपार संभावनाओं का भंडार है। आर्कटिक क्षेत्र तेल, गैस, और दुर्लभ खनिजों जैसे प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर है, जो बैटरी और इलेक्ट्रिक वाहनों जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों के लिए आवश्यक हैं। इसके अलावा, जलवायु परिवर्तन के कारण आर्कटिक की बर्फ पिघल रही है, जिससे नॉर्दर्न सी रूट (NSR) जैसे नए व्यापारिक मार्ग खुल रहे हैं। ये मार्ग यूरोप, एशिया और अमेरिका के बीच व्यापार का समय और खर्च दोनों कम कर सकते हैं। चीन पहले ही अपनी पोलर सिल्क रोड योजना के तहत इस क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए आर्कटिक देशों के साथ सहयोग कर रहा है।

ग्रीनलैंड में ट्रंप की रुचि केवल संसाधनों तक सीमित नहीं है; यह चीन और रूस के आर्कटिक में बढ़ते प्रभाव को रोकने की रणनीति का हिस्सा भी है। हालांकि ग्रीनलैंड डेनमार्क का स्वायत्त क्षेत्र है, यह आर्थिक रूप से डेनमार्क की सहायता पर निर्भर है। वहीं, ग्रीनलैंड की सरकार आर्थिक स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए अपने समृद्ध खनिज संसाधनों का उपयोग करने की संभावनाएं तलाश रही है। अगर ट्रंप ग्रीनलैंड की सरकार को यह विश्वास दिला सकें कि अमेरिका के साथ गठबंधन करने से अधिक आर्थिक लाभ हो सकते हैं, तो ग्रीनलैंड डेनमार्क के साथ अपने संबंधों पर पुनर्विचार कर सकता है।

इसके अलावा, ग्रीनलैंड का सैर्च महत्व भी बहुत अधिक है। यह स्थान परमाणु हथियारों से लैस पनडुब्बियों और अन्य रक्षा ढांचे के लिए आदर्श है। अमेरिका पहले से ही ग्रीनलैंड में पिटुफिक स्पेस बेस का संचालन करता है, लेकिन यह महंगे लीज़ समझौतों के तहत आता है। यदि अमेरिका ग्रीनलैंड का स्वामित्व प्राप्त कर लेता है, तो रक्षा खर्च कम हो सकता है और आर्कटिक क्षेत्र में उसकी उपस्थिति और मजबूत हो सकती है।

यह प्रस्ताव लुइसियाना खरीद से काफी मिलता-जुलता है, जिसे रणनीतिक और आर्थिक लाभों को ध्यान में रखते हुए अंजाम दिया गया था। हालांकि ट्रंप की योजना मुख्य रूप से संसाधनों की सुरक्षा पर केंद्रित है, यह तैजी से बदलते भू-राजनीतिक परिवर्तन में चीन और रूस जैसे प्रतिद्वंद्वियों का सामना करने का भी एक प्रयास है। ग्रीनलैंड इस प्रस्ताव को स्वीकार करेगा या नहीं, यह उसकी वित्तीय आवश्यकताओं और स्वतंत्रता की आकांक्षाओं पर निर्भर करेगा। जैसे नेपोलियन की धन की आवश्यकता ने लुइसियाना खरीद को संभव बनाया, वैसे ही ग्रीनलैंड का भविष्य भी आर्थिक परिस्थितियों पर आधारित हो सकता है। केवल समय ही बताएगा कि यह आधुनिक भूमि खरीद वास्तविकता बनती है या नहीं।

अर्थव्यवस्था एवं व्यापार

केंद्र ने कुशल व्यावसायिक दस्तावेज़ प्रबंधन के लिए 'एंटिटी लॉकर' लॉन्च किया

सरकार ने 'एंटिटी लॉकर' लॉन्च किया है, जो व्यवसाय और संगठनात्मक दस्तावेजों के प्रबंधन, भंडारण और सत्यापन में क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए डिज़ाइन किया गया एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है। यह पहल नागरिकों के लिए डिजिलॉकर की सफलता का अनुसरण करती है और इसका उद्देश्य एमएसएमई, निगमों, स्टार्टअप, ट्रस्ट और समाजों सहित व्यवसायों के लिए दस्तावेज़-संबंधी प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना है।

एंटिटी लॉकर की मुख्य विशेषताएं:

- सुरक्षित क्लाउड-आधारित समाधान: इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) के तहत राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस डिवीजन (NeGD) द्वारा विकसित, यह सुरक्षित, क्लाउड-आधारित दस्तावेज़ भंडारण प्रदान करता है।
- सरकारी प्रणालियों के साथ एकीकरण: यह प्लेटफॉर्म कई सरकारी और नियामक प्रणालियों के साथ एकीकृत होता है, जिससे दस्तावेजों की वास्तविक समय पर पहुँच और सत्यापन सुनिश्चित होता है।
- सहमति-आधारित साझाकरण और भूमिका-आधारित पहुँच: यह संवेदनशील जानकारी का सुरक्षित, सहमति-आधारित साझाकरण और जवाबदेही के लिए आधार-प्रमाणित, भूमिका-आधारित पहुँच प्रबंधन प्रदान करता है।
- एन्क्रिप्टेड क्लाउड स्टोरेज: सुरक्षित दस्तावेज़ प्रबंधन के लिए प्रत्येक इकाई को 10 जीबी एन्क्रिप्टेड क्लाउड स्टोरेज मिलता है। कानूनी रूप से मान्य डिजिटल हस्ताक्षर: यह व्यवसायों को कानूनी रूप से मान्य डिजिटल हस्ताक्षरों के साथ दस्तावेजों को प्रमाणित करने की अनुमति देता है। डिजिटल गवर्नेंस के साथ सरेखण: एंटिटी लॉकर भारत के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (DPI) का एक महत्वपूर्ण घटक है, जो बेहतर डिजिटल गवर्नेंस और व्यापार करने में आसानी के लिए केंद्रीय बजट 2024-25 के दृष्टिकोण का समर्थन करता है। व्यावसायिक संचालन पर प्रभाव: दक्षता में वृद्धि: प्रशासनिक ओवरहेड को कम करके, दस्तावेज़ प्रसंस्करण में तेज़ी लाकर और संचालन को सुव्यवस्थित करके, एंटिटी लॉकर व्यवसाय दक्षता को बढ़ाता है। नियामक प्रणालियों के साथ सहज एकीकरण: यह प्लेटफॉर्म कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय (MCA), माल और सेवा कर नेटवर्क (GSTN), विदेश व्यापार महानिदेशालय (DGFT) और अन्य जैसी प्रणालियों से जु़ड़ता है ताकि महत्वपूर्ण दस्तावेजों तक तुरंत पहुँच प्रदान की जा सके। विभिन्न व्यावसायिक उपयोग मामलों के लिए समर्थन: यह प्लेटफॉर्म विक्रेता सत्यापन, MSMEs के लिए ल्वरिट ऋण आवेदन, FSSAI अनुपालन, GSTN पंजीकरण और कॉर्पोरेट वार्षिक फाइलिंग का समर्थन करता है।

कैबिनेट ने राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड के लिए ₹11,440 करोड़ के पुनरुद्धार पैकेज को मंजूरी दी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (RINL), जिसे विशाखापत्तनम स्टील प्लांट (VSP) के नाम से भी जाना जाता है, के लिए ₹11,440 करोड़ के पुनरुद्धार पैकेज को मंजूरी दी है।

पुनरुद्धार पैकेज का विवरण:

₹10,300 करोड़ इकीटी पूँजी के रूप में डाले जाएंगे। ₹11,440 करोड़ के कार्यशील पूँजी ऋण को 7% गैर-संचयी वरीयता शेरर पूँजी में परिवर्तित किया जाएगा, जिसे 10 वर्षों के बाद भुनाया जा सकेगा।

RINL की वर्तमान वित्तीय स्थिति:

वित्त वर्ष 2024 तक ₹4,538 करोड़ की नकारात्मक शुद्ध संपत्ति। वर्तमान संपत्ति ₹7,686.24 करोड़ और वर्तमान देनदारियां ₹26,114.92 करोड़। कंपनी ने जून में ऋण चुकौती और ब्याज भुगतान में चूक की।

पुनरुद्धार योजना का महत्व:

पैकेज का उद्देश्य RINL की परिचालन और वित्तीय चुनौतियों का समाधान करना है। यह सुनिश्चित करेगा कि कंपनी जनवरी 2025 तक दो ब्लास्ट फर्नेस और अगस्त 2025 तक तीन भट्टियों के साथ पूर्ण उत्पादन क्षमता तक पहुँच जाए।

राष्ट्रीय हित में VSP का महत्व:

सरकारी क्षेत्र में एकमात्र अपतटीय इस्पात संयंत्र VSP की तरल इस्पात उत्पादन क्षमता 7.3 मिलियन टन प्रति वर्ष है। पुनरुद्धार राष्ट्रीय इस्पात नीति, 2017 के उद्देश्यों के अनुरूप है, तथा सार्वजनिक संसाधनों का कुशल उपयोग सुनिश्चित करता है।

प्रधानमंत्री मोदी भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 का उद्घाटन करेंगे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 जनवरी, 2025 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 का उद्घाटन करेंगे। यह एक्सपो 17 जनवरी से 22 जनवरी तक तीन स्थानों पर आयोजित किया जाएगा: दिल्ली में भारत मंडपम और यशोभूमि, और ग्रेटर नोएडा में इंडिया एक्सपो सेंटर और मार्ट।

एक्सपो का विषय:

भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 का विषय "सीमाओं से परे: भविष्य की ऑटोमोटिव वैल्यू चेन का सह-निर्माण" है, जो मोबिलिटी क्षेत्र में टिकाऊ और अभिनव प्रगति पर जोर देता है।

एक्सपो का महत्व:

- यह भारत का सबसे बड़ा मोबिलिटी एक्सपो है और इसका उद्देश्य संपूर्ण मोबिलिटी वैल्यू चेन को एक मंच पर लाना है।
- इस कार्यक्रम में नौ समवर्ती शो, 20 से अधिक सम्मेलन और मंडप होंगे, साथ ही मोबिलिटी नीतियों और पहलों को प्रदर्शित करने के लिए राज्य सत्र भी होंगे।

- यह भारतीय इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद द्वारा समन्वित एक उद्योग-नेतृत्व वाली, सरकार द्वारा समर्थित पहल है।

प्यूचर मिनरल्स फोरम (FMF) 2025 रियाद में शुरू हुआ

प्यूचर मिनरल्स फोरम (FMF) 2025 का उद्घाटन सऊदी अरब के रियाद में किंग अब्दुलअजीज इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस सेंटर में किया गया। सऊदी अरब के उद्योग और खनिज संसाधन मंत्रालय द्वारा किंग सलमान के संरक्षण में आयोजित इस वैश्विक कार्यक्रम का उद्देश्य खनिज क्षेत्र में प्रमुख चुनौतियों का समाधान करना है। वैश्विक प्रतिनिधित्व: इस फोरम में 85 देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए, जिनमें 50 से अधिक देशों के मंत्री और अधिकारी शामिल हैं।

फोरम के फोकस क्षेत्र

- टिकाऊ आपूर्ति श्रृंखलाएँ: खनन क्षेत्र में टिकाऊ और पारदर्शी आपूर्ति श्रृंखलाएँ विकसित करने पर चर्चाएँ केंद्रित रहीं।
- ऊर्जा संक्रमण: खनिज आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने और वैश्विक ऊर्जा संक्रमण का समर्थन करने की रणनीतियों की खोज की गई।
- आर्थिक विकास: फोरम ने आर्थिक विकास, पर्यावरणीय स्थिरता और सामाजिक समानता के बीच संतुलन पर प्रकाश डाला।

भारत-सऊदी अरब व्यापार संबंध

- द्विपक्षीय व्यापार: भारत और सऊदी अरब के बीच व्यापार 2023-24 में 43 बिलियन अमरीकी डॉलर रहा, जिससे सऊदी अरब भारत का चौथा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन गया, जबकि पिछले वर्ष यह 53 बिलियन अमरीकी डॉलर था।
- भारतीय निवेश: सऊदी अरब में 2,700 से अधिक भारतीय कंपनियाँ हैं, जो लागभग 2 बिलियन अमरीकी डॉलर का निवेश करती हैं।

FMF 2025 का महत्व

- 14-16 जनवरी तक चलने वाला यह फोरम सरकारी प्रतिनिधियों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों, व्यापार संघों और निवेशकों के बीच संवाद के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। यह बढ़ावा देता है:
- वैश्विक खनन क्षेत्र में सतत विकास।
- खनिज उत्पादक और उपभोक्ता देशों के बीच साझेदारी को मजबूत करना।
- पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित करते हुए आर्थिक विकास को आगे बढ़ाना।
- FMF 2025 वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने और भविष्य की प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए खनन उद्योग में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और नवाचार के महत्व को रेखांकित करता है।

सेबी ने ग्रे मार्केट ट्रेडिंग पर अंकुश लगाने के लिए तत्काल IPO शेयर बिक्री के लिए नई प्रणाली की योजना बनाई

अवलोकन:

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी) एक नया प्लेटफॉर्म विकसित कर रहा है जिसका उद्देश्य आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (IPO) के दौरान जारी किए गए शेयरों के औपचारिक रूप से सूचीबद्ध होने से पहले उनके व्यापार को सुविधाजनक बनाना है। इस कदम का उद्देश्य ग्रे मार्केट ट्रेडिंग पर अंकुश लगाना, मूल्य खोज को बढ़ाना और IPO शेयरों में शुरूआती ट्रेडिंग के लिए एक विनियमित वातावरण प्रदान करना है।

नए प्लेटफॉर्म की मुख्य विशेषताएं:

- जब-सूचीबद्ध प्लेटफॉर्म: सेबी ने एक 'जब-सूचीबद्ध' प्लेटफॉर्म शुरू करने की योजना बनाई है, जो निवेशकों को आवंटन के तुरंत बाद अपने IPO अधिकारों का व्यापार करने में सक्षम करेगा, जिससे वर्तमान में मौजूद ट्रेडिंग में देरी कम हो जाएगी।
- कम IPO समयरेखा: वर्तमान IPO समयरेखा में IPO के बंद होने और शेयरों की लिस्टिंग के बीच तीन दिन की अवधि (T+3) शामिल है। दिसंबर 2023 में, इस समयरेखा को T+6 से घटाकर T+3 कर दिया गया था, और नया प्लेटफॉर्म समयरेखा को और छोटा कर सकता है।
- ग्रे मार्केट ट्रेडिंग पर अंकुश लगाना: इस प्लेटफॉर्म का मुख्य उद्देश्य ग्रे मार्केट ट्रेडिंग को कम करना है, जो अक्सर शेयरों की औपचारिक लिस्टिंग से पहले होता है। यह अनियमित बाजार गतिविधि ज्यादातर गुजरात और मुंबई जैसे चुनिंदा शहरों में केंद्रित है।

सेबी का दृष्टिकोण:

- विनियमित वातावरण: सेबी की अध्यक्ष माधबी पुरी बुच ने इस बात पर जोर दिया कि अगर निवेशक आधिकारिक लिस्टिंग से पहले व्यापार करना चाहते हैं, तो उन्हें विनियमित तरीके से ऐसा करने का अवसर मिलना चाहिए। यह प्लेटफॉर्म प्री-आईपीओ और आईपीओ ट्रेडिंग के बीच की खाई को पाट देगा।

- तकनीकी प्रगति: सेबी आईपीओ प्रोसेसिंग में तेजी लाने, मूल्यांकन की गुणवत्ता में सुधार करने और आईपीओ दस्तावेजों की बेहतर जांच सुनिश्चित करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टूल का भी उपयोग कर रहा है। इसके अतिरिक्त, एआई बाजार में गलत कार्मों के डिजिटल फुटप्रिंट को टैक करने में मदद कर रहा है, जिससे अवैध बाजार गतिविधियों का पता लगाना और उनका समाधान करना आसान हो गया है।

कॉर्पोरेट प्रशासन और निवेशकों की सुरक्षा:

- व्हिसलब्लोअर सुरक्षा और कॉर्पोरेट प्रशासन: पुरी बुच ने व्हिसलब्लोअर की सुरक्षा और आईपीओ के माध्यम से जुटाए गए फंड सहित फंड के दुरुपयोग से बचने के लिए बेहतर कॉर्पोरेट प्रशासन प्रथाओं को सुनिश्चित करने के महत्व पर प्रकाश डाला। विनियामक ने संबंधित पक्ष के लेन-देन से संबंधित कई मुद्दों की पहचान की है, विशेष रूप से विदेशी सहायक कंपनियों से जुड़े लेन-देन।

➤ सुधारित आईपीओ दस्तावेजीकरण: सेबी 'रिक्त स्थान भरें' प्रारूप को अपनाकर आईपीओ दस्तावेजों को समझने में आसान बनाने पर भी काम कर रहा है, जो अपवादों को स्पष्ट रूप से हाइलाइट करके मानक जानकारी प्रदान करेगा।

आईपीओ मूल्य निर्धारण में सेबी की भूमिका:

सेबी यह सुनिश्चित करता है कि निवेशकों को आईपीओ के मूल्य निर्धारण का आकलन करने में सक्षम बनाने के लिए पर्याप्त जानकारी प्रदान की जाए, लेकिन यह मूल्य निर्धारण प्रक्रिया में सीधे हस्तक्षेप नहीं करता है।

RBI ने अधिकृत बैंकों की विदेशी शाखाओं को INR खाते खोलने की अनुमति दी

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (FEMA) को उदार बनाया है, जिससे अधिकृत डीलर बैंकों की विदेशी शाखाओं को गैर-निवासियों के लिए INR खाते खोलने की अनुमति मिल गई है।

उद्देश्य:

इस कदम का उद्देश्य भारतीय रूपये (INR) और स्थानीय मुद्राओं में सीमा पार लेनदेन को बढ़ावा देना है।

संशोधन का विवरण:

गैर-निवासी अब INR खातों का उपयोग करके भारत के निवासियों के साथ अनुमेय चालू और पूँजी खाता लेनदेन का निपटान कर सकते हैं। गैर-निवासी अपने प्रत्यावर्तनीय INR खातों, जैसे विशेष गैर-निवासी रूपया खाते (SNRR) और विशेष रूपया वोस्टो खाते (SRVA) में शेष राशि का उपयोग करके अन्य गैर-निवासियों के साथ वास्तविक लेनदेन का निपटान भी कर सकते हैं।

विदेशी निवेश और निपटान:

गैर-निवासी अपने प्रत्यावर्तनीय INR खाते की शेष राशि का उपयोग विदेशी निवेश के लिए कर सकते हैं, जिसमें गैर-ऋण साधनों में FDI भी शामिल है।

भारतीय निर्यातक:

भारतीय निर्यातकों को अब व्यापार लेनदेन निपटाने के लिए विदेशों में विदेशी मुद्रा खाते खोलने की अनुमति है, जिसमें निर्यात आय प्राप्त करना और आयात के लिए भुगतान करना शामिल है।

व्यापार में INR को बढ़ावा देना:

RBI ने अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में INR के उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए जुलाई 2022 में विशेष रूपया वोस्टो खाता (SRVA) पेश किया। तब से कई विदेशी बैंकों ने भारतीय बैंकों के साथ SRVA खोले हैं।

अंतर्राष्ट्रीय समझौते:

RBI ने स्थानीय मुद्राओं में सीमा पार लेनदेन को बढ़ाने के लिए UAE, इंडोनेशिया और मालदीव के केंद्रीय बैंकों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं।

भारत ने दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था का खिताब बरकरार रखा

संयुक्त राष्ट्र की विश्व आर्थिक स्थिति और संभावना (WESP) 2025 रिपोर्ट के अनुसार, भारत 2024 के लिए 6.6% की अनुमानित जीडीपी वृद्धि दर के साथ दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में अग्रणी बना हुआ है। रिपोर्ट में 2025 में जीडीपी वृद्धि में 6.8% की वृद्धि का अनुमान लगाया गया है, जो मजबूत निजी खपत, सेवाओं और वस्तुओं (विशेष रूप से फार्मास्यूटिकल्स और इलेक्ट्रॉनिक्स) में मजबूत निर्यात वृद्धि और उच्च गुणक प्रभावों के साथ बुनियादी ढांचे पर पूंजीगत व्यय से प्रेरित है।

विकास में क्षेत्रीय योगदान

विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों का विस्तार आर्थिक विकास के प्रमुख चालक बने रहेंगे। कृषि के मोर्चे पर, 2024 में अनुकूल मानसून की बारिश ने फसल की पैदावार में सुधार किया है, जिससे 2025 के लिए उत्पादन की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

वैश्विक संदर्भ और तुलना

भारत का विकास अनुमान पिछले साल के 6.8% से थोड़ा कम है, लेकिन वैश्विक विकास से आगे है, जो 2024 के लिए 2.8% है। विकसित अर्थव्यवस्थाओं में 1.6% की वृद्धि का अनुमान है, जबकि चीन की विकास दर 2024 के लिए घटकर 4.8% रह गई है, और 2025 में इसमें और गिरावट आने की उम्मीद है और यह 4.5% रह जाएगी।

क्षेत्रीय दृष्टिकोण

दक्षिण एशिया की वृद्धि 2025 में 5.7% और 2026 में 6% रहने का अनुमान है, जो मुख्य रूप से भारत और अन्य क्षेत्रीय अर्थव्यवस्थाओं में आर्थिक सुधार से प्रेरित है। पाकिस्तान और श्रीलंका में क्रमशः 3.4% और 4% की वृद्धि होने की उम्मीद है, जो उनके ऋण मुद्दों के समाधान पर निर्भर है। भूटान और नेपाल की जीडीपी वृद्धि 5% से अधिक होने का अनुमान है, जबकि बांग्लादेश की वृद्धि धीमी होने की उम्मीद है।

RBI ने आशीर्वाद माइक्रो फाइनेंस और DMI फाइनेंस पर प्रतिबंध हटाया

अक्टूबर 2024 में, भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने चार गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (NBFC) द्वारा ऋण स्वीकृत करने और वितरित करने पर प्रतिबंध लगा दिया: आशीर्वाद माइक्रो फाइनेंस लिमिटेड, आरोहन फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड, DMI फाइनेंस और नवी फिनसर्व। यह कार्रवाई उनके संचालन के संबंध में भौतिक पर्यावर्की चिंताओं के कारण की गई थी, विशेष रूप से उनकी मूल्य निर्धारण नीतियों और निष्पक्ष व्यवहार संहिता के गैर-अनुपालन से संबंधित। RBI ने पाया कि ये कंपनियाँ अत्यधिक ब्याज दरों वसूल रही थीं और माइक्रोफाइनेंस ऋणों के लिए घरेलू आय आकलन और पुनर्भुगतान दायित्वों से संबंधित विनियमों का पालन नहीं कर रही थीं।

RBI ने नेशनल और कॉसमॉस को-ऑपरेटिव बैंकों के विलय को मंजूरी दी

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने नेशनल को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, बैंगलोर (कर्नाटक) के महाराष्ट्र में मुख्यालय वाले कॉस्मॉस को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड के साथ स्वैच्छिक समामेलन को मंजूरी दी है। बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 56 के संयोजन में धारा 44A की उप-धारा (4) के तहत यह निर्णय स्वीकृत किया गया है। इस विलय का उद्देश्य परिचालन को सुव्यवस्थित करना और दोनों संस्थानों के ग्राहकों के लिए सेवा वितरण को बढ़ाना है।

इससे पहले 31 दिसंबर, 2024 को RBI ने पहले जारी किए गए कुछ निर्देशों का पालन न करने के लिए कॉस्मॉस पर 8.30 लाख रुपये का मौद्रिक जुर्माना लगाया था।

कोटक महिंद्रा बैंक ने स्टैंडर्ड चार्टर्ड इंडिया के पर्सनल लोन व्यवसाय का अधिग्रहण किया

कोटक महिंद्रा बैंक ने 3,330 करोड़ रुपये में स्टैंडर्ड चार्टर्ड इंडिया के पर्सनल लोन पोर्टफोलियो का अधिग्रहण पूरा कर लिया है। इस अधिग्रहण को आवश्यक विनियामक अनुमोदन प्राप्त हो चुके हैं, जिससे खुदरा ऋण बाजार में कोटक महिंद्रा बैंक की स्थिति मजबूत होने की उम्मीद है। यह अधिग्रहण बैंक की समृद्ध ग्राहक वर्ग में अपनी उपस्थिति बढ़ाने और खुदरा ऋण में अपने नेतृत्व को और मजबूत करने की रणनीति के अनुरूप है।

रणनीतिक महत्व

23 जनवरी, 2025 को पूरा होने वाला यह अधिग्रहण 'वेतनभोगी समृद्ध' वर्ग में वृद्धि को बढ़ावा देने और बाजार हिस्सेदारी का विस्तार करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है। यह अशोक वासवानी के तहत पहला बड़ा अधिग्रहण है, जिन्होंने 1 जनवरी, 2025 को कोटक महिंद्रा बैंक के प्रबंध निदेशक और सीईओ का पदभार संभाला था।

ऐतिहासिक संदर्भ

इससे पहले, उदय कोटक के नेतृत्व में, कोटक महिंद्रा बैंक ने सिटीबैंक इंडिया के उपभोक्ता व्यवसाय को अधिग्रहित करने की संभावना तलाशी थी, जिसमें उसका क्रेडिट कार्ड पोर्टफोलियो भी शामिल था। हालांकि, एक्सिस बैंक ने अंततः उस व्यवसाय का अधिग्रहण कर लिया।

भारत में क्रेडिट सेवाओं का विस्तार करने के लिए Amazon फिनेटेक फर्म Axio का अधिग्रहण करेगा

Amazon भारत में अपनी क्रेडिट-आधारित पेशकशों का विस्तार करने के लिए Axio का अधिग्रहण कर रहा है। सौदे के आकार और शेयरधारिता पैटर्न के बारे में विवरण अभी तक सार्वजनिक नहीं किया गया है।

समझौता और अनुमोदन:

दिसंबर में, Axio ने उचित परिश्रम के बाद अधिग्रहण समझौते पर हस्ताक्षर किए। सौदे को पूरा होने के लिए विनियामक अनुमोदन की प्रतीक्षा है।

फंडिंग इतिहास:

- अगस्त 2023: क्रेडिट उत्पादों का विस्तार करने के लिए Amazon Smbhav Venture Fund से \$20 मिलियन जुटाए।
- जुटाई गई कुल फंडिंग: \$232 मिलियन (Tracxn के अनुसार)।
- 2018: Amazon, Ribbit Capital, SAIF Partners, Sequoia और अन्य से \$22 मिलियन प्राप्त किए।

अमेजन के साथ साझेदारी:

2017: ई-विक्रेताओं को जमानत-मुक्त ऋण प्रदान करने के लिए अमेजन इंडिया के साथ सहयोग किया।

एक्सिस की सेवाएँ:

ऑफर में बाय नाउ पे लेटर (बीएनपीएल), क्रेडिट और व्यक्तिगत वित्त प्रबंधन उपकरण शामिल हैं। सेवाएँ ग्राहकों को ऑनबोर्डिंग और बिक्री प्रबंधन में भी व्यवसायों की सहायता करती हैं।

संस्थापक और इतिहास:

- 2013 में गौरव हिंदुजा और शशांक ऋष्यभृंगा द्वारा स्थापित।
- पहले कैपिटल फ्लॉट के नाम से जाना जाता था।

न्यूजीलैंड और यूएई ने व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (CEPA) पर हस्ताक्षर किए

न्यूजीलैंड ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ खाड़ी क्षेत्र में अपना पहला मुक्त व्यापार समझौता किया है, जिसे व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (CEPA) के रूप में जाना जाता है। निवेश संधि के साथ इस समझौते को अबू धाबी में अंतिम रूप दिया गया और इसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश को बढ़ावा देना है।

आर्थिक प्रभाव:

न्यूजीलैंड और यूएई के बीच दोतरफा व्यापार सालाना 1.3 बिलियन NZD (730 मिलियन USD) का है और CEPA के तहत इसमें उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है। यह समझौता यूएई को कीवी निर्यात के 98.5% पर शुल्क को तुरंत समाप्त कर देता है, जो तीन वर्षों के भीतर 99% तक बढ़ जाता है।

मुख्य निर्यात:

यूएई को न्यूजीलैंड के प्राथमिक निर्यात में डेयरी, मांस, बागवानी उत्पाद, औद्योगिक सामान और यात्रा सेवाएँ शामिल हैं।

समयरेखा और वार्ता:

व्यापार वार्ता सिर्फ चार महीने से भी कम समय में पूरी हो गई, जिससे यह न्यूजीलैंड के इतिहास में सबसे तेज मुक्त व्यापार समझौता वार्ता बन गई। CEPA इस साल के अंत में लागू होने वाला है। यह रणनीतिक व्यापार समझौता न्यूजीलैंड की वैश्विक स्तर पर, विशेष रूप से मध्य पूर्व में अपने व्यापार संबंधों का विस्तार करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

इथियोपिया और सोमालिया द्विपक्षीय संबंधों को बहाल करने पर सहमत हुए

इथियोपिया और सोमालिया द्विपक्षीय संबंधों को बहाल करने और बढ़ाने के लिए एक समझौते पर पहुँचे हैं, जो हॉर्न ऑफ अफ्रीका

में दोनों देशों के बीच तनाव को कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अदीस अबाबा में एक बैठक के दौरान समझौते को अंतिम रूप दिया गया, जहाँ इथियोपिया के प्रधान मंत्री अबी अहमद और सोमाली राष्ट्रपति हसन शेख मोहम्मद ने क्षेत्रीय और द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की।

राजनीतिक संबंध:

दोनों देश अपनी-अपनी राजधानियों में पूर्ण राजनीतिक प्रतिनिधित्व के साथ राजनीतिक संबंधों को परी तरह से बहाल करने पर सहमत हुए। नेताओं ने बहुपक्षीय और क्षेत्रीय मामलों पर सहयोग के महत्व पर बल दिया।

सुरक्षा सहयोग:

चरमपंथी आतंकवादी समूहों का मुकाबला करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए सुरक्षा सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया गया। दोनों देशों ने क्षेत्र में शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए अपनी सुरक्षा एजेंसियों के माध्यम से समन्वय को गहरा करने का संकल्प लिया।

- क्षेत्रीय स्थिरता: नेताओं ने सहमति व्यक्त की कि क्षेत्र की स्थिरता के लिए इथियोपिया और सोमालिया के बीच मजबूत सहयोग आवश्यक है, जो आपसी विश्वास और सम्मान पर आधारित है।
- अंकारा घोषणा: दोनों नेताओं ने अंकारा घोषणा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की और समझौते में उल्लिखित तकनीकी वार्ता में तेजी लाने का वचन दिया।

पृष्ठभूमि और हालिया तनाव

सोमाली राष्ट्रपति की यात्रा अंकारा में तुर्की की मध्यस्थता वाली वार्ता के बाद हुई, जिसने राजनीतिक तनाव को हल करने में मदद की।

तनाव इथियोपिया-सोमालीलैंड समझौते के कारण उत्पन्न हुआ, जिसने इथियोपिया को लाल सागर तक पहुँच की अनुमति दी और सोमालीलैंड को एक स्वतंत्र राज्य के रूप में मान्यता दी, जिसे सोमालिया ने कानूनी रूप से अमान्य घोषित कर दिया।

अडानी एंटरप्राइजेज विल्मर इंटरनेशनल के साथ उपभोक्ता वस्तुओं के संयुक्त उद्यम से बाहर निकलेगा

अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (ईएल) ने उपभोक्ता वस्तुओं के संयुक्त उद्यम, अडानी विल्मर से पूरी तरह बाहर निकलने की घोषणा की। ईएल के पास अडानी विल्मर में 44% हिस्सेदारी है।

विल्मर इंटरनेशनल द्वारा हिस्सेदारी अधिग्रहण:

विल्मर इंटरनेशनल की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी लेंस पीटीई लिमिटेड, अडानी विल्मर के पेड-अप इकिटी शेयरों का 31.06% अधिग्रहण करेगी। ये शेयर अडानी कमोडिटीज एलएलपी (एसीएल) से खरीदे जाएंगे, जो ईएल की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है।

अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड

- सहायक कंपनियाँ: अडानी समूह, अडानी विल्मर, आदि।
- संस्थापक: गौतम अडानी
- स्थापना: 2 मार्च 1993
- मुख्यालय: अहमदाबाद

- मूल संगठन: अडानी समूह, एस.बी. अडानी फैमिली ट्रस्ट

मैनकाइंड फार्मा ने भारत में इम्यूनोथेरेपी दवा के लिए इनोवेंट के साथ समझौता किया

मैनकाइंड फार्मा लिमिटेड और इनोवेंट बायोलॉजिक्स ने भारत में कैंसर के इलाज के लिए सिंटिलिमैब को विशेष रूप से लाइसेंस देने और उसका व्यवसायीकरण करने के लिए साझेदारी की है। इस सहयोग का उद्देश्य कैंसर के इलाज में चुनौतियों का समाधान करना और क्षेत्र में अभिनव उपचारों तक रोगियों की पहुँच को बढ़ाना है। चीन में TYYT के रूप में विपणन की जाने वाली सिंटिलिमैब को इनोवेंट और एली लिली द्वारा सह-विकसित किया गया है। समझौते के तहत, मैनकाइंड फार्मा के पास भारत में सिंटिलिमैब को पंजीकृत करने, आयात करने, विपणन करने, बेचने और वितरित करने के विशेष अधिकार होंगे।

मैनकाइंड फार्मा

- उद्योग: फार्मास्युटिकल
- स्थापना: 1991
- संस्थापक: रमेश सी. जुनेजा और राजीव जुनेजा
- अध्यक्ष: रमेश जुनेजा
- एमडी और उपाध्यक्ष: राजीव जुनेजा
- सीईओ: शीतल अरोड़ा

दक्षिण कोरिया और फिलीपींस के बीच द्विपक्षीय एफटीए लागू

दक्षिण कोरिया और फिलीपींस के बीच द्विपक्षीय एफटीए लागू होने वाला है, जिसका उद्देश्य व्यापार संबंधों को मजबूत करना और आपूर्ति श्रृंखलाओं को स्थिर करना है।

- बाजार उदारीकरण: एफटीए बाजार उदारीकरण के उच्च स्तर को सुनिश्चित करता है, निवेश को बढ़ावा देता है और दोनों देशों के बीच व्यापार आदान-प्रदान को बढ़ाता है।
- टैरिफ उन्मूलन: दक्षिण कोरिया 94.8% उत्पादों पर टैरिफ समाप्त कर देगा, जबकि फिलीपींस 96.5% उत्पादों पर टैरिफ समाप्त कर देगा, जो तुरंत प्रभावी होगा।
- व्यापार और आपूर्ति श्रृंखला स्थिरता: एफटीए से व्यापार पोर्टफोलियो में वृद्धि और दोनों देशों के लिए एक स्थिर आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित करने की उम्मीद है।

ऑटोमोबाइल क्षेत्र के लाभ:

दक्षिण कोरिया की कार्गो ट्रकों और यात्री वाहनों पर टैरिफ तुरंत समाप्त कर दिया जाएगा। पर्यावरण के अनुकूल वाहनों पर टैरिफ पांच साल के भीतर समाप्त कर दिया जाएगा।

आसियान के साथ व्यापक जुड़ाव:

सिंगापुर, वियतनाम, मलेशिया और कंबोडिया के साथ समझौतों के बाद, यह दक्षिण कोरिया का आसियान सदस्य के साथ पांचवां द्विपक्षीय एफटीए है। दक्षिण कोरिया का आसियान के साथ भी एक मुक्त व्यापार समझौता है, लेकिन वह उभरती आसियान

अर्थव्यवस्थाओं के साथ आर्थिक सहयोग को मजबूत करने के लिए अलग-अलग सौदे कर रहा है।

मुक्त व्यापार समझौता क्या है?

मुक्त व्यापार समझौता (FTA) देशों के बीच एक संधि है, जो टैरिफ और कोटा जैसी व्यापार बाधाओं को कम या खत्म करती है, जिससे वस्तुओं और सेवाओं का व्यापार करना आसान हो जाता है। यह आर्थिक एकीकरण को बढ़ावा देता है और सदस्य देशों के बीच व्यापार को बढ़ावा देता है।

फिलीपीन्स

- राजधानी: मनीला
- राष्ट्रपति: बोंगबोंग मार्कोस
- मुद्रा: फिलीपीनी पेसो

एफआईयू-आईएनडी, इरडाई ने मनी लॉन्डिंग विरोधी प्रयासों की बढ़ाने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

वित्तीय खुफिया इकाई-भारत (एफआईयू-आईएनडी) और भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) ने मनी लॉन्डिंग की जांच के लिए खुफिया जानकारी और सूचना साझा करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

एमओयू का उद्देश्य:

वित्तीय खुफिया इकाई-भारत (एफआईयू-आईएनडी) और भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) के बीच मनी लॉन्डिंग विरोधी (एएमएल) प्रयासों को बढ़ाने के लिए सहयोग। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) और संबंधित नियमों के प्रभावी कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित करना।

आईआईटी मद्रास ने एशिया की सबसे बड़ी उथली लहर बेसिन अनुसंधान सुविधा शुरू की

आईआईटी मद्रास ने मुख्य परिसर से 36 किलोमीटर दूर थाईयूर में अपने 'डिस्कवरी सैटेलाइट कैंपस' में एशिया की सबसे बड़ी उथली लहर बेसिन अनुसंधान सुविधा का उद्घाटन किया है। उद्देश्य: यह सुविधा बहु-दिशात्मक तरंग और धारा अंतर्क्रियाओं का अनुकरण करके भारतीय बंदरगाहों, जलमार्गों और तटीय इंजीनियरिंग में चुनौतियों का समाधान करती है।

भारत के लिए विभिन्न संस्थानों द्वारा प्रस्तुत सकल घरेलू उत्पाद अनुमानों की सूची इस प्रकार है:

| क्रमांक | एजेंसी | FY25 | FY26 |
|---------|---------|------|------|
| 1 | Moody's | 7% | - |
| 2 | FICCI | 6.4% | - |
| 3 | ADB | 6.5% | 7% |
| 4 | RBI | 6.6% | - |

| | | | |
|---|------------|----------|----------|
| 5 | World Bank | 6.7% | - |
| 6 | IMF | 6.5% | 6.5% |
| 7 | NSO | 6.4% | - |
| 8 | CRISIL | - | 6.7% |
| 9 | Deloitte | 6.5-6.8% | 6.7-7.3% |

लघु लेख

राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड: वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की एक प्रमुख पहल

राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड का अवलोकन

स्थापना: राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड (NTB) की स्थापना वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा की गई थी, जिसका मुख्यालय निजामाबाद, तेलंगाना में स्थापित किया गया है।

मिशन: किसानों की आय में वृद्धि करते हुए हल्दी की खेती, प्रसंस्करण, उत्पादन और विपणन को बढ़ावा देना।

उत्पाद बोर्डों का विस्तार: चाय, कॉफी, रबर, मसाले और तम्बाकू के बाद NTB छठा उत्पाद-विशिष्ट बोर्ड है।

राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड की संरचना

नेतृत्व: केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त व्यक्ति की अध्यक्षता में।

सदस्य: प्रतिनिधि:

आयुष मंत्रालय

फार्मास्युटिकल विभाग

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

वाणिज्य विभाग

तीन राज्यों से बारी-बारी से प्रतिनिधि।

बोर्ड के रणनीतिक लक्ष्य

किसान कल्याण को बढ़ावा देना: महाराष्ट्र और तमिलनाडु सहित 20 भारतीय राज्यों में हल्दी उत्पादकों का समर्थन करना।

नवाचार को बढ़ावा देना: घेरू और वैश्विक दोनों बाजारों के लिए अनुसंधान, उत्पाद विकास और मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देना।

सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाना: हल्दी के चिकित्सीय और स्वास्थ्य लाभों पर प्रकाश डालना।

हल्दी: भारत का एक प्रमुख कृषि उत्पाद

वानस्पतिक और रासायनिक प्रोफाइल

वैज्ञानिक वर्गीकरण: हल्दी करकुमा लोंगा नामक पौधे का भूमिगत तना है, जो अदरक परिवार (जिंगिबरेसी) से संबंधित है।

सक्रिय घटक: करक्यूमिन हल्दी को उसका पीला रंग देता है और यह अपने सूजनरोधी, एंटीऑक्सीडेंट और रोगाणुरोधी गुणों के लिए जाना जाता है।

उत्पादन और बाजार नेतृत्व

भारत में खेती: भारत 20 से ज्यादा राज्यों में हल्दी की 30 से ज्यादा किसों की खेती करता है, जिनमें महाराष्ट्र, तेलंगाना, कर्नाटक और तमिलनाडु प्रमुख उत्पादक हैं।

वैश्विक प्रभुत्व: भारत दुनिया में हल्दी का सबसे बड़ा उत्पादक, उपभोक्ता और निर्यातक है।

2022-23 डेटा:

भारत ने वैश्विक हल्दी आपूर्ति का 75% उत्पादन किया। भारत के पास वैश्विक हल्दी निर्यात बाज़ार का 62% हिस्सा है।

निर्यात संबंधी जानकारी

2022-23 के लिए निर्यात सांख्यिकी:

मात्रा: 1,53,400 टन हल्दी और संबंधित उत्पाद।

राजस्व: 207.45 मिलियन अमरीकी डॉलर।

प्रमुख निर्यात गंतव्य: बांगलादेश, यूएई, यूएसए और मलेशिया।

भौगोलिक संकेत (जीआई) प्रमाणन

विभिन्न राज्यों की कई हल्दी किस्मों को जीआई टैग प्राप्त हुए हैं, जिनमें शामिल हैं:

लाकाडोंग हल्दी (मेघालय)

कंधमाल हल्दी (ओडिशा)

इरोड हल्दी (तमिलनाडु)

आर्मोर हल्दी (निजामाबाद, तेलंगाना)

जीआई टैग यह प्रमाणित करता है कि कोई उत्पाद किसी विशिष्ट क्षेत्र से जुड़ा है और उसमें उस क्षेत्र से जुड़ी अनूठी विशेषताएँ या गुण हैं।

हल्दी के स्वास्थ्य लाभ

सूजन-रोधी गुण: शरीर में सूजन को कम करने में मदद करता है। एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर: मुक्त कणों को बेअसर करता है, ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करता है।

पाचन में सहायता करता है: पित्त उत्पादन का समर्थन करता है और पाचन स्वास्थ्य में सुधार करता है।

भारत का कृषि निर्यात परिवर्त्य**वैश्विक निर्यात रैंकिंग**

रैंक: भारत दुनिया का 8वां सबसे बड़ा कृषि निर्यातक (2023) है।

राजस्व में गिरावट: कृषि निर्यात आय वित्त वर्ष 23 में 51.12 बिलियन अमरीकी डॉलर से घटकर वित्त वर्ष 24 में 48.77 बिलियन अमरीकी डॉलर रह गई।

जैविक उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करें

महत्वाकांक्षी लक्ष्य: भारत का लक्ष्य अगले तीन वर्षों में 20,000 करोड़ रुपये का मूल्य प्राप्त करने के लिए जैविक निर्यात को तीन गुना बढ़ाना है।

डॉलर के मुकाबले 86 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर गिरा
रुपये: गिरावट के प्रमुख कारण

भारतीय रुपये हाल ही में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86 के स्तर को पार कर गया, जो अब तक का सबसे निचला स्तर है। डॉलर की मजबूती, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली ने रुपये पर भारी दबाव डाला है। यह

"संघर्ष इंसान को मजबूत बनाता है !

फिर चाहे वह कितना भी कमज़ोर क्यों न हो !!

गिरावट वैश्विक और घरेलू आर्थिक चुनौतियों का परिणाम है, जो रुपये की स्थिति को कमज़ोर कर रही है।

रुपया कितना गिरा है?

13 जनवरी 2025 को रुपया रिकॉर्ड निचले स्तर 86.12 पर खुला और सुबह के कारोबार में यह 86.31 तक गिर गया। इससे पहले, रुपया 85.97 पर बंद हुआ था और 85.88 पर खुलने के बाद 85.98 के निचले स्तर को छुआ था।

गिरावट के पीछे प्रमुख कारण**डॉलर की मजबूती:**

हाल ही में जारी अमेरिकी नौकरियों के बेहतर आंकड़ों ने डॉलर को मजबूत किया है। दिसंबर महीने का नॉन-फार्म पेरोल डेटा 256,000 दर्ज किया गया था, जो 160,000 के अनुमान से काफी अधिक था। इसके साथ ही, बेरोजगारी दर 4.2% से घटकर 4.1% हो गई।

इस मजबूत डेटा के बाद, बाजार को अब उम्मीद है कि फेडरल रिजर्व 2025 में केवल 25 आधार अंकों की मामूली ब्याज दर कटौती करेगा, जिससे डॉलर की स्थिति और मजबूत हो गई।

विदेशी पूंजी का निकास:

अमेरिकी 10-वर्षीय बांड यील्ड 4.71% तक पहुंचने के कारण उभरते बाजारों, जैसे भारत, से भारी पूंजी निकासी हुई है। जनवरी 2025 में ही भारतीय बाजार से अनुमानित 4.2 बिलियन डॉलर निकाले गए हैं।

कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि:

ब्रेंट कूर्ड की कीमतें 81.23 डॉलर प्रति बैरल तक बढ़ गई हैं, जिससे भारत के चालू खाता घाटे पर दबाव बढ़ा है। कच्चे तेल का आयातक होने के नाते, बढ़ती कीमतें भारत की वित्तीय स्थिति को कमज़ोर कर रही हैं और रुपये पर दबाव डाल रही हैं।

विदेशी निवेशकों की बिकवाली:

भारतीय शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली ने रुपये पर और दबाव डाला है।

RBI की नीति:

फारैक्स डीलरों के अनुसार, भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने हाल के दिनों में रुपये को धीरे-धीरे कमज़ोर होने दिया है, संभवतः निर्यात को प्रतिस्पर्धी बनाए रखने के लिए।

रुपये का भविष्य

निकट भविष्य में रुपया 85.80-86.50 के बीच कारोबार कर सकता है, लेकिन बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रहेगा। इसके पीछे अमेरिकी नीतिगत फैसले, कच्चे तेल की कीमतों और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों का अहम योगदान होगा।

हालांकि, रुपये की मौजूदा स्थिति तकाल आर्थिक दबावों को दर्शाती है, लेकिन इसका दीर्घकालिक भविष्य वैश्विक घटनाक्रम और भारत की घरेलू नीतियों पर निर्भर करेगा, जो इन चुनौतियों का समाधान कर सके।

"सफलता का मुख्य आधार !
सकारात्मक सोच और निरंतर प्रयास है !!"

रक्षा एवं सुरक्षा

दो नई CISF रिजर्व बटालियनों का निर्माण

गृह मंत्रालय (MHA) ने केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF) के लिए दो नई रिजर्व बटालियनों के निर्माण को मंजूरी दे दी है। प्रत्येक बटालियन में 1,025 कर्मी होंगे, जिससे बल में 2,050 नए पद जुड़ेंगे। इस विस्तार के साथ, CISF बटालियनों की कुल संख्या 13 से बढ़कर 15 हो जाएगी, जिससे बल की परिचालन क्षमता में वृद्धि होगी।

भूमिका और जिम्मेदारियाँ

नई बटालियनें आंतरिक सुरक्षा और उच्च सुरक्षा वाली जेलों के प्रबंधन जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेंगी। ये इकाइयाँ आपात स्थितियों के दौरान CISF की त्वरित प्रतिक्रिया क्षमताओं को भी मजबूत करेंगी, जिससे तेजी से तैनाती और महत्वपूर्ण स्थितियों का प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित होगा। एक समर्पित परिवहन बेड़े और पर्याप्त हथियारों से लैस, बटालियनें सार्वजनिक सुरक्षा और सुरक्षा को मजबूत करेंगी।

नेतृत्व और कार्यबल लाभ

प्रत्येक बटालियन का नेतृत्व वरिष्ठ कमांडेंट रैंक के अधिकारी करेंगे। सीआईएसएफ महानिरीक्षक अजय दहिया ने बताया कि इस विस्तार से मौजूदा सीआईएसएफ कर्मियों पर काम का बोझ कम होने की उम्मीद है, जिससे उन्हें बेहतर छुट्टी और साप्ताहिक राहत के अवसर मिलेंगे।

राष्ट्रीय सुरक्षा प्रभाव

इस विस्तार के साथ सीआईएसएफ की कुल ताकत लगभग दो लाख कर्मियों तक बढ़ जाएगी, जिसमें हाल ही में स्वीकृत महिला बटालियन भी शामिल है। इन बटालियनों के जुड़ने से न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा बढ़ेगी बल्कि 2,000 से अधिक नए रोजगार भी पैदा होंगे।

सीआईएसएफ के बारे में

सीआईएसएफ अधिनियम, 1968 के तहत स्थापित, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल को शुरू में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) को सुरक्षा प्रदान करने के लिए बनाया गया था। समय के साथ, सीआईएसएफ एक बहुआयामी सुरक्षा एजेंसी के रूप में विकसित हुई है, जो हवाई अड्डों, बंदरगाहों, परमाणु और अंतरिक्ष प्रतिष्ठानों, सरकारी भवनों और ताजमहल जैसे ऐतिहासिक स्मारकों जैसे महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा करती है। सीआईएसएफ सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के संगठनों को सुरक्षा प्रबंधन में परामर्श सेवाएं भी प्रदान करता है।

गृह मंत्री अमित शाह इंटरपोल के माध्यम से रेड कॉर्नर नोटिस को सुव्यवस्थित करने के लिए भारतपोल का शुभारंभ करेंगे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह नई दिल्ली में केंद्रीय जांच ब्यूरो द्वारा विकसित भारतपोल पोर्टल का शुभारंभ करेंगे।

➤ उद्देश्य और लक्ष्य: भारतपोल पोर्टल को इंटरपोल के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय सहायता अनुरोधों को सुव्यवस्थित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसमें रेड नोटिस और अन्य रंग-कोडित नोटिस जारी करना शामिल है। यह पोर्टल भारतीय जांच एजेंसियों की दक्षता को बढ़ाएगा, जो एक सुरक्षित भारत सुनिश्चित करने के सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

रक्षा मंत्रालय ने ब्रिज लेइंग टैंक के लिए ₹1,561 करोड़ का अनुबंध किया

रक्षा मंत्रालय ने भारतीय सेना को 47 टी-72 ब्रिज लेइंग टैंक (बीएलटी) की आपूर्ति के लिए चेन्नई के अवाडी स्थित हैवी क्लीकल्स फैक्ट्री (एचवीएफ) के साथ ₹1,561 करोड़ का अनुबंध किया है। ये टैंक आक्रामक और रक्षात्मक अभियानों के दौरान अभिन्न ब्रिजिंग क्षमता प्रदान करके मशीनीकृत बलों की युद्धक्षेत्र गतिशीलता और आक्रामक क्षमता को बढ़ाएंगे।

यह अनुबंध रक्षा क्षेत्र में मेक-इन-इंडिया पहल के साथ सरेखित भारतीय-स्वदेशी रूप से डिजाइन, विकसित और निर्मित (आईडीडीएम) श्रेणी के अंतर्गत आता है।

पहल की मुख्य विशेषताएँ:

रक्षा विनिर्माण में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देता है। अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देता है और रोजगार पैदा करता है।

हालिया रक्षा अनुबंध:

नौसेना के लिए मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों के लिए भारत डायनेमिक्स लिमिटेड के साथ ₹2,960 करोड़ का सौदा।

मुख्य शब्द:

➤ ब्रिज लेइंग टैंक (बीएलटी): युद्ध क्षेत्रों में मशीनीकृत बलों के लिए पुलों की तेजी से तैनाती को सक्षम करने वाला उपकरण।

➤ भारतीय-आईडीडीएम खरीदें: स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित उपकरणों को प्राथमिकता देने वाली रक्षा अधिग्रहण श्रेणी।

➤ एवीएनएल: आर्मर्ड क्लीकल निगम लिमिटेड, पूर्व ओएफबी की निगमीकरण के बाद की इकाई।

रक्षा मंत्रालय ने भारतीय नौसेना को MRSAM आपूर्ति के लिए भारत डायनेमिक्स के साथ ₹3,000 करोड़ से अधिक का सौदा किया

रक्षा मंत्रालय (MoD) ने भारतीय नौसेना को मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों (MRSAM) की आपूर्ति के लिए 16 जनवरी 2025 को भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (BDL) के साथ ₹2,960 करोड़ के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए।

MRSAM की विशेषताएँ:

- उच्च-प्रतिक्रिया, त्वरित-प्रतिक्रिया, लंबवत रूप से प्रक्षेपित सुपरसोनिक मिसाइल।
- मिसाइलों, विमानों, निर्देशित बमों और हेलीकॉप्टरों सहित दुश्मन के हवाई खतरों को बेअसर करता है।
- प्रभावी सीमा: 70 किमी तक।
- रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) और इज़राइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज (IAI) द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया गया।

स्वदेशीकरण और रोजगार:

अनुबंध महत्वपूर्ण स्वदेशी सामग्री के साथ 'खरीदें (भारतीय)' श्रेणी के अंतर्गत आता है। एमएसएमई के योगदान सहित रक्षा क्षेत्र में लगभग 3.5 लाख मानव दिवस रोजगार सृजित होने की उम्मीद है।

वर्तमान और भविष्य का उपयोग:

MRSAM पहले से ही विभिन्न विद्यासां में सेना, नौसेना और वायु सेना में चालू है। भारतीय नौसेना के जहाजों पर मानक रूप से फिट और भविष्य के प्लेटफार्म में एकीकृत किया जाएगा।

विकास की उपलब्धियाँ:

सितंबर 2021 में वायु सेना स्टेशन जैसलमेर में पहली MRSAM फायरिंग यूनिट भारतीय वायु सेना (IAF) को सौंपी गई। सेना की पहली MRSAM रेजिमेंट 2023 में पूर्वी क्षेत्र में बनाई गई। दिसंबर 2020 में ओडिशा के चांदीपुर में DRDO द्वारा सेना संस्करण का पहला प्रक्षेपण किया गया। किस संगठन ने MRSAM आपूर्ति के लिए रक्षा मंत्रालय के साथ ₹2,960 करोड़ का अनुबंध किया?

भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (BDL)।

रक्षा मंत्रालय ने पनडुब्बी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए ₹2,867 करोड़ के अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए

रक्षा मंत्रालय ने भारत की पनडुब्बी क्षमताओं को मजबूत करने के लिए कुल ₹2,867 करोड़ के दो अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए। इनमें DRDO-AIP सिस्टम के लिए एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन (AIP) प्लग का निर्माण और भारतीय पनडुब्बियों में इसका एकीकरण, साथ ही कलवरी श्रेणी की पनडुब्बियों में इलेक्ट्रॉनिक हैवी वेट टॉरपीडो (EHWT) का एकीकरण शामिल है।

अनुबंधों का विवरण

AIP प्लग के निर्माण और एकीकरण के लिए ₹1,990 करोड़ का अनुबंध मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड, मुंबई के साथ किया गया। DRDO द्वारा विकसित EHWT के एकीकरण के लिए ₹877 करोड़ का अनुबंध नेवल ग्रुप, फ्रांस के साथ किया गया।

तकनीकी प्रगति

DRDO द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित AIP तकनीक पारंपरिक पनडुब्बियों की सहनशक्ति को बढ़ाएगी, जो 'आत्मनिर्भर भारत' पहल के साथ सरेखित होगी। ईएचडब्ल्यूटी एकीकरण, भारतीय नौसेना, डीआरडीओ और नौसेना समूह, फ्रांस के बीच एक सहयोगात्मक प्रयास है, जो कलवरी श्रेणी की पनडुब्बियों की मारक क्षमता को काफी बढ़ाएगा।

रोजगार और रणनीतिक प्रभाव

एआईपी प्लग परियोजना से लगभग तीन लाख मानव-दिवस रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। दोनों परियोजनाएं भारत की नौसेना क्षमताओं को आगे बढ़ाने और रक्षा प्रौद्योगिकी में आत्मनिर्भरता का समर्थन करने में महत्वपूर्ण हैं।

DRDO ने हाइपरसोनिक मिसाइलों के लिए स्क्रैमजेट इंजन का सफलतापूर्वक परीक्षण किया

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) ने स्क्रैमजेट कॉम्बस्टर का सफल ग्राउंड परीक्षण किया, जो हाइपरसोनिक मिसाइल प्रौद्योगिकी विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ। यह परीक्षण हैदराबाद स्थित रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला (DRDL) द्वारा किया गया, जिसमें 120 सेकंड का सक्रिय ठंडा स्क्रैमजेट कॉम्बस्टर परीक्षण किया गया, जो भारत में अपनी तरह का पहला परीक्षण था। स्क्रैमजेट इंजन हाइपरसोनिक वाहनों को मैक 5 (5,400 किमी/घंटा से अधिक) से अधिक गति प्राप्त करने और पारंपरिक वायु रक्षा प्रणालियों को बायपास करने में सक्षम बनाता है।

मुख्य प्रगति में शामिल हैं:

- बेहतर शीतलन और प्रज्वलन के लिए एंडोर्थर्मिक स्क्रैमजेट ईंधन का स्वदेशी विकास।
- अत्यधिक तापमान को झेलने में सक्षम एक उन्नत थर्मल बैरियर कोटिंग (TBC) का निर्माण।
- प्रदर्शन पूर्वनुमान के लिए कम्प्यूटेशनल फ्लुइड डायनेमिक्स (CFD) ट्रूल का उपयोग।
- DRDO ने विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (DST) और उद्योग भागीदारों के साथ सहयोग किया।
- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और डीआरडीओ के अध्यक्ष समीर वी. कामत ने इस उपलब्धि की सराहना करते हुए इसे अगली पीढ़ी की हाइपरसोनिक मिसाइल तकनीक में एक बड़ी सफलता बताया।
- अमेरिका, रूस, चीन और भारत जैसे देश हाइपरसोनिक मिसाइलों पर काम कर रहे हैं।

मुख्य शब्द:

- स्क्रैमजेट इंजन: हवा में सांस लेने वाला इंजन जो उच्च गति पर सुपरसोनिक दहन को सक्षम बनाता है।
- थर्मल बैरियर कोटिंग (टीबीसी): अत्यधिक तापमान का सामना करने के लिए उन्नत सिरेमिक कोटिंग।
- हाइपरसोनिक तकनीक: तेज, उच्च प्रभाव वाले हमलों के लिए मैक 5 से अधिक गति।

प्रधानमंत्री मोदी ने नौसेना के जहाज और पनडुब्बी राष्ट्र को समर्पित की

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुंबई में नौसेना डॉक्यार्ड में तीन अग्रणी नौसेना लड़ाकू जहाजों - आईएनएस सूरत, आईएनएस नीलगिरी और आईएनएस वाघशीर को नौसेना में शामिल किया, जो भारतीय नौसेना के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ।

अत्याधुनिक तकनीक से लैस ये युद्धपोत भारत की रक्षा विनिर्माण और समुद्री सुरक्षा क्षमताओं को बढ़ाते हैं।

आईएनएस सूरत

पी15बी गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर परियोजना के चौथे और अंतिम जहाज के रूप में, आईएनएस सूरत वैश्विक स्तर पर सबसे बड़े और सबसे परिष्कृत विध्वंसक जहाजों में से एक है। इसमें अत्याधुनिक हथियार-सेंसर पैकेज, उन्नत नेटवर्क-केंद्रित क्षमताएं हैं और यह चेतक, एएलएच, सी किंग और एमएच-60आर सहित कई हेलीकॉप्टरों को संचालित कर सकता है।

आईएनएस नीलगिरी

पी17ए स्टील्थ फ्रिगेट परियोजना का पहला जहाज, आईएनएस नीलगिरी भारतीय नौसेना के युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो द्वारा डिजाइन किए गए एस्वदेशी फ्रिगेट की अगली पीढ़ी को दर्शाता है। इसमें उन्नत उत्तरजीविता, समुद्री यात्रा और गुप्तचर विशेषताएं शामिल हैं और यह आठ ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों से लैस है।

आईएनएस वाघशीर

P75 स्कॉर्पिन परियोजना की छठी और अंतिम पनडुब्बी, आईएनएस वाघशीर, पनडुब्बी निर्माण में भारत की बढ़ती विशेषज्ञता को दर्शाती है। फ्रांस के नौसेना समूह के सहयोग से निर्मित, यह पानी के भीतर युद्ध क्षमताओं में भारत की ताकत को बढ़ाती है।

भारत ने नाग मार्क 2 एंटी-टैक गाइडेड मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) ने राजस्थान के पोखरण फील्ड रेंज में स्वदेशी रूप से विकसित नाग मार्क 2 एंटी-टैक गाइडेड मिसाइल का सफलतापूर्वक फील्ड मूल्यांकन परीक्षण किया। परीक्षणों ने असाधारण सटीकता और विश्वसनीयता का प्रदर्शन किया, जिसमें मिसाइल ने अधिकतम और न्यूनतम दोनों रेंज में सभी निर्धारित लक्ष्यों को प्रभावी ढंग से नष्ट कर दिया।

तकनीकी प्रगति

नाग मार्क 2 तीसरी पीढ़ी की, फायर-एंड-फॉरगेट एंटी-टैक गाइडेड मिसाइल है जिसे आधुनिक बख्तरबंद खतरों को बेअसर करने के लिए डिजाइन किया गया है, जिसमें विस्फोटक प्रतिक्रियाशील कवच (ERA) से लैस मिसाइलें भी शामिल हैं। इसकी फायर-एंड-फॉरगेट तकनीक लॉन्च के बाद न्यूनतम ऑपरेटर हस्तक्षेप के साथ सटीक लक्ष्यीकरण को सक्षम बनाती है।

NAMICA के साथ एकीकरण

नाग मिसाइल कैरियर (NAMICA) संस्करण 2 का भी सफल मूल्यांकन किया गया, जिसमें मिसाइल प्रणाली के साथ सहज एकीकरण दिखाया गया। यह एंटी-टैक युद्ध के लिए एक संपूर्ण हथियार प्रणाली को चालू करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

नाग मार्क 2 की मुख्य विशेषताएं

- तीसरी पीढ़ी की फायर-एंड-फॉरगेट तकनीक: न्यूनतम ऑपरेटर भागीदारी के साथ सटीक हमले सुनिश्चित करती है।
- बहुमुखी प्रदर्शन: ERA से लैस आधुनिक बख्तरबंद वाहनों को बेअसर करता है।
- प्लेटफॉर्म संगतता: युद्ध के मैदान में गतिशीलता बढ़ाने के लिए NAMICA के साथ सफलतापूर्वक एकीकृत।

रणनीतिक महत्व

नाग मार्क 2 मिसाइल भारत की टैक रोधी युद्ध क्षमताओं को बढ़ाती है, देश की सीमाओं पर महत्वपूर्ण परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करती है। यह मील का पथर स्वदेशी रक्षा अनुसंधान में भारत की प्रगति को रेखांकित करता है, आयातित प्रणालियों पर निर्भरता को कम करता है और देश की रक्षा तत्परता को मजबूत करता है।

भारतीय नौसेना तीन स्वदेशी निर्मित युद्धपोतों को शामिल करेगी

भारतीय नौसेना इस महीने की 15 तारीख को मुंबई के नौसेना डॉक्यार्ड में तीन स्वदेशी निर्मित युद्धपोतों - नीलगिरि, सूरत और वाघशीर को शामिल करेगी। यह नौसेना की युद्ध तत्परता को बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण कदम है और रक्षा आत्मनिर्भरता और स्वदेशी जहाज निर्माण में भारत की प्रगति को दर्शाता है।

युद्धपोतों की विशेषताएं

नीलगिरि:

स्टील्थ सुविधाओं और अत्याधुनिक तकनीकों से लैस। आधुनिक विमानन सुविधाएं जो दिन और रात के दौरान विभिन्न हेलीकॉप्टरों के संचालन को सक्षम बनाती हैं।

सूरत:

डिजाइन और क्षमताओं में पर्याप्त सुधार की विशेषताएँ।

उन्नत विमानन सुविधाओं से भी लैस।

वाघशीर:

एक मूक और बहुमुखी डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बी। एंटी-सरफेस वारफेयर, एंटी-सबमरीन वारफेयर, खुफिया जानकारी जुटाने, क्षेत्र की निगरानी और विशेष अभियानों जैसे मिशनों में सक्षम।

वायर-गाइडेड टॉरपीडो, एंटी-शिप मिसाइलों और उन्नत सोनार सिस्टम से लैस।

स्वदेशी विकास

तीनों प्लेटफॉर्म को मुंबई के मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड में डिजाइन और निर्मित किया गया है, जो युद्धपोत डिजाइन और निर्माण में भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता और विशेषज्ञता को दर्शाता है।

नामीबिया को अफ्रीका में चौथा सबसे सुरक्षित देश माना गया: मुख्य विशेषताएं

- रैकिंग और मान्यता: अल्टेज़ा टैवल द्वारा नामीबिया को अफ्रीका में चौथा सबसे सुरक्षित देश माना गया है, जिसमें

सामाजिक मुद्दे एवं योजनाएँ

झारखंड कैबिनेट ने राज्य कर्मचारियों, पेंशनभोगियों के लिए स्वास्थ्य बीमा योजना को मंजूरी दी

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में झारखंड कैबिनेट ने राज्य कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए स्वास्थ्य बीमा योजना को मंजूरी दे दी है। इस योजना के तहत कर्मचारियों और उनके आधिकारियों को सामान्य बीमारियों के लिए सालाना 5 लाख रुपये और गंभीर बीमारियों के लिए 10 लाख रुपये तक का कैशलेस उपचार कवरेज दिया जाएगा।

योजना के मुख्य विवरण:

- राज्य कर्मचारियों के लिए 1,000 रुपये के स्वास्थ्य भत्ते में से हर महीने 500 रुपये की कटौती।
- सेवानिवृत्त कर्मचारी सालाना 6,000 रुपये का भुगतान करके इसमें शामिल हो सकते हैं।
- लाभार्थियों में 1.75 लाख राज्य कर्मचारी, 2.25 लाख सेवानिवृत्त कर्मचारी, अखिल भारतीय सेवा के अधिकारी, पूर्व विधायक और बोर्ड और निगमों के कर्मचारी शामिल हैं।
- निधि आवंटन: आकस्मिक निधि से 150 करोड़ रुपये और राज्य आरोग्य सोसायटी के माध्यम से बफर स्टॉक के रूप में 50 करोड़ रुपये।
- योजना को टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस कंपनी लागू करेगी।

कैबिनेट द्वारा अन्य स्वीकृतियां:

- क्षेत्रीय संपर्क योजना (उड़ान) के तहत दुमका हवाई अड्डे पर नियमित उड़ान सेवाओं को सक्षम करने के लिए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के साथ एक समझौता ज्ञापन।
- मेडिकल कॉलेज अस्पतालों और अन्य स्वास्थ्य केंद्रों के लिए प्रशासनिक पदों का सुरक्षित उपलब्ध कराना।
- मध्य विद्यालयों में कंप्यूटर शिक्षा के लिए ज्ञानोदय योजना के तहत ₹94.5 करोड़ आवंटित।

"एक राष्ट्र, एक सदस्यता" (ONOS) योजना का शुभारंभ

सरकार ने एकल सदस्यता प्लेटफॉर्म पर शोध पत्र, पत्रिकाएँ और शैक्षणिक सामग्री सहित डिजिटल ज्ञान संसाधनों तक निर्बाध और न्यायसंगत पहुँच प्रदान करने के लिए "एक राष्ट्र, एक सदस्यता" (ONOS) योजना शुरू की है।

मुख्य लाभ

- लाभार्थी: विश्वविद्यालयों और IIT सहित सरकारी वित्तपोषित उच्च शिक्षा संस्थानों के 1.8 करोड़ से अधिक छात्र इस पहल से लाभान्वित होंगे।
- संसाधनों तक पहुँच: पहले चरण में विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, चिकित्सा, गणित, प्रबंधन, सामाजिक विज्ञान और मानविकी जैसे क्षेत्रों में 13,400 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाएँ उपलब्ध कराई गई हैं।

➤ ओपन एक्सेस सहायता: इस योजना में लाभार्थी लेखकों को चयनित उच्च-गुणवत्ता वाली ओपन एक्सेस पत्रिकाओं में प्रकाशन के लिए ₹150 करोड़ की वार्षिक वित्त पोषण सहायता शामिल है।

वित्तीय परिव्यय

- बजट: ONOS को तीन वर्षों की अवधि के लिए ₹6,000 करोड़ आवंटित किए गए हैं, जो इलेक्ट्रॉनिक जर्नल सदस्यता के लिए राष्ट्रीय संघ के तहत केंद्रीय रूप से वित्तपोषित हैं।
- भविष्य के चरण: प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. अजय कुमार सूद के अनुसार, भविष्य के चरणों का उद्देश्य निजी उच्च शिक्षा संस्थानों और अंततः देश भर के सभी व्यक्तियों तक पहुँच का विस्तार करना है।

उद्देश्य

ONOS योजना का उद्देश्य सदस्यता बाधाओं को समाप्त करना, ज्ञान तक समान पहुँच सुनिश्चित करना और देश भर में शैक्षणिक और अनुसंधान उत्कृष्टता को बढ़ावा देना है।

कैबिनेट ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को जारी रखने को मंजूरी दी।

केंद्रीय कैबिनेट ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) और पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना (आरडब्ल्यूबीसीआईएस) को 2025-26 तक जारी रखने को मंजूरी दे दी है। योजनाओं के लिए कुल वित्तीय परिव्यय बढ़ाकर ₹69,515 करोड़ कर दिया गया है, जिससे किसानों का एक बड़ा हिस्सा लाभान्वित होगा, जिसमें 88% बीमित किसान छोटे और सीमांत किसान हैं।

डीएपी उर्वरकों पर सब्सिडी का विस्तार

कैबिनेट ने पोषक तत्व आधारित सब्सिडी (एनबीएस) से परे डाय-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) उर्वरकों के लिए एकमुश्त विशेष पैकेज के विस्तार को भी मंजूरी दे दी है। किसान ₹1,350 प्रति 50 किलोग्राम बैग की दर से डीएपी खरीदना जारी रखेंगे, जिसकी सब्सिडी दर ₹3,500 प्रति मीट्रिक टन होगी।

वित्तीय आवंटन

इस सब्सिडी विस्तार के लिए अनुमानित बजटीय आवश्यकता ₹3,850 करोड़ है, जिसे डीएपी उर्वरकों की सामर्थ्य और सतत उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह से केंद्र सरकार द्वारा वहन किया जाएगा।

उद्देश्य

इन पहलों का उद्देश्य है:

- छोटे और सीमांत किसानों का समर्थन करना
- फसल बीमा के माध्यम से कृषि लचीलापन बढ़ाना
- कृषि उत्पादकता को बनाए रखने के लिए किफायती उर्वरक उपलब्ध कराना

लघु लेख

पीएम-सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना

अवलोकन

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) ने पीएम-सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के लिए दिशा-निर्देशों की घोषणा की है, जिसमें छत पर सौर ऊर्जा स्थापित करने के लिए रेस्को और यूएलए मॉडल शामिल हैं।

दिशा-निर्देशों की मुख्य विशेषताएं

सौर ऊर्जा स्थापना के मॉडल:

रेस्को-आधारित स्थापनाएँ:

तृतीय-पक्ष कंपनियों सौर ऊर्जा प्रणालियों का वित्तपोषण और स्थापना करती है।

उपभोक्ता केवल बिजली के उपयोग के लिए भुगतान करते हैं, कोई अप्रिम व्यय नहीं होता।

अतिरिक्त बिजली को डिस्कॉम को बेचा जा सकता है।

उपयोगिता-आधारित स्थापनाएँ:

डिस्कॉम या राज्य इकाइयाँ घरों के लिए छत पर सौर ऊर्जा स्थापनाओं का प्रबंधन करती हैं।

वित्तीय सुरक्षा - भुगतान सुरक्षा तंत्र (PSM):

रेस्को-आधारित स्थापनाओं में जोखिम को कम करने के लिए ₹100 करोड़ का PSM कोष स्थापित किया गया है।

अतिरिक्त अनुदान के लिए मंत्रालय की मंजूरी आवश्यक है।

योजना का मुख्य विवरण

लॉन्च समयरेखा: MNRE द्वारा फरवरी 2024।

लक्ष्य: छत पर सौर ऊर्जा प्रणाली का उपयोग करने वाले 1 करोड़ घरों को निःशुल्क बिजली उपलब्ध कराना।

आंबेटिट बजट: ₹75,021 करोड़, वित्त वर्ष 2024-25 से वित्त वर्ष 2026-27 तक।

नागरिकों को लाभ: प्रति माह 300 यूनिट निःशुल्क बिजली।

सब्सिडी: सौर ऊर्जा अपनाने को प्रोत्साहित करने के लिए स्थापना लागत का 40% तक।

पात्रता मानदंड

केवल भारतीय नागरिक।

वैध बिजली कनेक्शन वाले गृहस्वामी।

सौर सब्सिडी योजनाओं के तहत कोई पूर्व लाभ नहीं लिया गया।

कार्यान्वयन रूपरेखा

राष्ट्रीय स्तर पर क्रियान्वयन: राष्ट्रीय कार्यक्रम कार्यान्वयन एजेंसी (एनपीआईए) द्वारा।

राज्य-स्तरीय क्रियान्वयन: नामित राज्य कार्यान्वयन एजेंसियों (एसआईए) द्वारा।

मुख्य कार्यक्रम घटक

स्थापना के लिए वित्तीय सहायता:

राष्ट्रीय पोर्टल के माध्यम से आवासीय उपभोक्ताओं के लिए सब्सिडी।

सौर गांवों को बढ़ावा देना:

प्रत्येक जिले में एक आदर्श सौर गांव विकसित किया जाएगा।

पात्र गांवों की आबादी 5,000 (या विशेष राज्यों में 2,000) से अधिक होनी चाहिए।

छह महीने के बाद अक्षय ऊर्जा क्षमता का प्रदर्शन मूल्यांकन। प्रत्येक जिले में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले गांव को वित्तीय सहायता के रूप में ₹1 करोड़ मिलते हैं।

अनुमानित लाभ

पर्यावरणीय लाभ:

रूफटॉप सिस्टम के जीवनकाल में कार्बन उत्सर्जन में 720 मिलियन टन की कटौती की उम्मीद है।

आर्थिक और नौकरी में वृद्धि:

विनिर्माण, रसद, स्थापना और संचालन में अनुमानित 17 लाख प्रत्यक्ष नौकरियां पैदा होंगी।

बढ़ी हुई सौर क्षमता:

कार्यक्रम का लक्ष्य आवासीय रूफटॉप सिस्टम के माध्यम से 30 गीगावॉट सौर ऊर्जा क्षमता जोड़ना है।

घरों के लिए मौद्रिक लाभ:

घरेलू बिजली को डिस्कॉम को बेचकर आय उत्पन्न कर सकते हैं।

उदाहरण: 3 किलोवाट की रूफटॉप प्रणाली मासिक 300 यूनिट से अधिक बिजली का उत्पादन कर सकती है।

उजाला योजना: ऊर्जा दक्षता के एक दशक का जश्न

संदर्भ

5 जनवरी 2015 को शुरू की गई उन्नत ज्योति बाय अफोर्डेबल एलईडी फॉर ऑल (उजाला) योजना भारत में ऊर्जा दक्षता, टिकाऊ प्रकाश व्यवस्था और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने में एक ऐतिहासिक पहल के रूप में 10 साल पूरे कर रही है।

उजाला पहल का अवलोकन

योजना का परिचय

जनवरी 2015 में शुरू की गई उजाला का उद्देश्य तापदीप्त लैंप (आईसीएल) और कॉम्पैक्ट फ्लोरोरेसेंट लैंप (सीएफएल) जैसी पारंपरिक प्रकाश व्यवस्था को ऊर्जा कुशल एलईडी बल्बों से बदलना था।

यह कार्यक्रम विद्युत मंत्रालय की ऊर्जा दक्षता सेवा लिमिटेड (ईईएसएल) और वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) का एक सहयोगात्मक प्रयास है।

लक्ष्य और विज्ञ

ऊर्जा दक्षता: पारंपरिक प्रकाश समाधानों को समाप्त करके महत्वपूर्ण ऊर्जा बचत प्राप्त करें।

पर्यावरणीय प्रभाव: CO2 उत्सर्जन को कम करें और भारत के जलवायु लक्ष्यों का समर्थन करें।

उजाला की आवश्यकता क्यों थी

प्रकाश की भूमिका: भारत में घरेलू बिजली उपयोग का 18-27% हिस्सा प्रकाश व्यवस्था से आता है।

2011 के आँकड़े: अधिकांश घर सीएफएल (46%) और ट्यूबलाइट (41%) पर निर्भर थे, जबकि केवल 0.4% एलईडी का उपयोग करते थे।

एलईडी के लाभ

ऊर्जा बचत: एलईडी आईसीएल की तुलना में 90% अधिक कुशल हैं और सीएफएल की तुलना में 50% अधिक कुशल हैं।

टिकाऊपन: एलईडी तापदीप बल्बों की तुलना में 25 गुना अधिक समय तक चलते हैं और 75% कम ऊर्जा का उपयोग करते हैं।

उपलब्धियाँ और मुख्य विशेषताएँ**किफायती वितरण मॉडल**

उजाला के तहत एलईडी बल्बों की कीमत 2014 में ₹450 की तुलना में केवल ₹70 प्रति बल्ब थी।

पैमाने की अर्थव्यवस्थाओं के माध्यम से लागत कम करने के लिए थोक खरीद मॉडल का उपयोग किया गया।

उपलब्धियाँ

एलईडी वितरण: देश भर में 36.87 करोड़ से अधिक एलईडी बल्ब वितरित किए गए।

ऊर्जा संरक्षण: सालाना 47,883 मिलियन kWh की बचत हुई।

लागत में कमी: सालाना ₹19,153 करोड़ की बचत हुई।

कार्बन उत्सर्जन नियंत्रण: सालाना 3.88 मिलियन टन CO₂ उत्सर्जन से बचा गया।

मांग में कमी: 9,586 मेगावाट बिजली की अधिकतम मांग को रोका गया।

ग्राम उजाला योजना: ग्रामीण भारत को लाभ पहुँचाना

परिचय

मार्च 2021 में शुरू की गई, ग्राम उजाला योजना ने ग्रामीण परिवारों को लक्षित किया, पुराने तापदीप बल्बों के बदले में ₹10 में LED बल्ब की पेशकश की।

चरण-1 के तहत उपलब्धियाँ

एलईडी वितरण: 1.5 करोड़ बल्बों का लक्ष्य।

ऊर्जा बचत: 2025 मिलियन kWh/वर्ष।

उत्सर्जन में कमी: सालाना 1.65 मिलियन टन CO₂।

सार्वजनिक प्रकाश व्यवस्था में ऊर्जा दक्षता: स्ट्रीट लाइटिंग राष्ट्रीय कार्यक्रम (एसएलएनपी)

कार्यक्रम अवलोकन

एसएलएनपी का उद्देश्य ऊर्जा की खपत को कम करने और सार्वजनिक सुरक्षा को बढ़ाने के लिए पारंपरिक स्ट्रीट लाइटों को ऊर्जा-कुशल एलईडी से बदलना है।

कार्यान्वयन और दृष्टिकोण

कार्यकारी एजेंसी: ईईएसएल, शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) और ग्राम पंचायतों (जीपी) के साथ साझेदारी में।

नवीनतम व्यवसाय मॉडल: ईईएसएल ने समय के साथ नगरपालिका भुगतानों से निवेश की वसूली करते हुए, अग्रिम लागतों को कवर किया।

"जीवन में ऊँचे उठते समय लोगों से अच्छा व्यवहार करें !
क्योंकि यदि आप फिर निचे आये तो सामना इन्हीं
लोगों से करना होगा !!"

प्रकाश प्रौद्योगिकियों की तुलना: आईसीएल, सीएफएल और**एलईडी****ऊर्जा दक्षता**

आईसीएल: कम

सीएफएल: मध्यम

एलईडी: उच्च

बिजली की खपत

आईसीएल: उच्च

सीएफएल: मध्यम

एलईडी: कम

लागत दक्षता

आईसीएल: कम (प्रारंभिक लागत)

सीएफएल: मध्यम

एलईडी: उच्च (दीर्घकालिक मूल्य)

पर्यावरणीय प्रभाव

आईसीएल: उच्च उत्सर्जन

सीएफएल: मध्यम (पारा युक्त)

एलईडी: कम प्रभाव

स्थायित्व

आईसीएल: नाजुक

सीएफएल: मध्यम

एलईडी: बहुत टिकाऊ

ईईएसएल: भारत में ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देना**एजेंसी के बारे में**

2009 में स्थापित, एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड (ईईएसएल) विद्युत मंत्रालय के तहत एक सुपर एनर्जी सर्विस कंपनी है।

एनटीपीसी लिमिटेड, पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन, आरईसी लिमिटेड और पावरग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के संयुक्त उद्यम के रूप में संचालित होता है।

ईईएसएल की उपलब्धियाँ

दुनिया का सबसे बड़ा ऊर्जा दक्षता पोर्टफोलियो लागू किया।

सालाना 47 बिलियन kWh से अधिक ऊर्जा की बचत की।

हर साल 36.5 मिलियन टन कार्बन उत्सर्जन में कमी की।

"जीतने का असली मजा तो तब है !

जब सब आपके हारने का इंतजार कर रहे हो !!

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

प्रधानमंत्री मोदी ने आईएमडी के 150वें स्थापना दिवस पर 'मिशन मौसम' की शुरुआत की

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के 150वें स्थापना दिवस के अवसर पर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में मिशन मौसम की शुरुआत की। इस पहल का उद्देश्य भारत को मौसम के प्रति तैयार और जलवायु के प्रति स्मार्ट राष्ट्र बनाना है, जो एक स्थायी भविष्य के निर्माण के लिए देश की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

मिशन मौसम की मुख्य विशेषताएं

- मौसम निगरानी और प्रौद्योगिकी: उच्च-रिजॉल्यूशन वायुमंडलीय अवलोकन, अगली पीढ़ी के रडार और उपग्रह, और उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटर का विकास।
- डेटा और पूर्वानुमान: मौसम और जलवायु प्रक्रियाओं को समझने, वायु गुणवत्ता डेटा प्रदान करने और मौसम पूर्वानुमान की सटीकता में सुधार करने पर ध्यान केंद्रित करें।
- आपदा प्रबंधन: प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव को कम करने के लिए वास्तविक समय के अपडेट को बढ़ाया गया, जिससे कृषि और नीली अर्थव्यवस्था जैसे क्षेत्रों को लाभ हुआ।
- भारत की मौसम संबंधी प्रगति
- 'सभी के लिए प्रारंभिक चेतावनी' पहल अब 90% से अधिक आबादी को कवर करती है, जो पिछले और आने वाले 10 दिनों के लिए मौसम अपडेट प्रदान करती है।
- भारत की पत्तैश फ्लड गाइडेंस प्रणाली नेपाल, भूटान, बांगलादेश और श्रीलंका जैसे पड़ोसी देशों का समर्थन करती है, जो आपदा प्रबंधन में वैश्विक भागीदार के रूप में भारत की भूमिका को दर्शाता है।

IMD विज्ञन-2047 दस्तावेज़

पीएम मोदी ने मौसम लचीलापन और जलवायु परिवर्तन अनुकूलन पर ध्यान केंद्रित करते हुए IMD विज्ञन-2047 दस्तावेज़ जारी किया। दस्तावेज़ में उत्तर मौसम पूर्वानुमान, जलवायु परिवर्तन शमन और मौसम प्रबंधन रणनीतियों की योजनाओं की रूपरेखा दी गई है।

भारत की पहली 'तटीय-पक्षी पक्षी जनगणना' गुजरात में शुरू होगी

भारत गुजरात के जामनगर में समुद्री राष्ट्रीय उद्यान और अभ्यारण्य में अपनी पहली 'तटीय-पक्षी पक्षी जनगणना' आयोजित करेगा। वन विभाग और पक्षी संरक्षण सोसायटी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित तीन दिवसीय जनगणना में वेडर और तटीय पक्षी प्रजातियों की गणना पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

समुद्री राष्ट्रीय उद्यान और अभ्यारण्य

समुद्री राष्ट्रीय उद्यान और अभ्यारण्य भारत का पहला नामित समुद्री राष्ट्रीय उद्यान है, जो ओखा और नवलखी के बीच लगभग

170 किमी की तटरेखा और 42 द्वीपों को कवर करता है। कच्छ की खाड़ी में स्थित, यह समुद्री जैव विविधता और मैग्रोव पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह भारत में अद्वितीय है क्योंकि आगंतुक कम ज्वार के दौरान पैदल ही समुद्री जीवन का पता लगा सकते हैं, जबकि अन्य स्थानों पर स्कूबा डाइविंग की आवश्यकता होती है।

जामनगर में पक्षी विविधता

जामनगर जिला स्थानीय और प्रवासी पक्षियों की 300 से अधिक प्रजातियों का घर है, जिसमें 50 से अधिक वेडर पक्षी शामिल हैं। यहाँ पाई जाने वाली दुर्लभ प्रजातियों में 'शंखलो' (क्रैब प्लोवर) और 'मोटो किचड़ियों' (ग्रेट नॉट) शामिल हैं, जो भारत के अन्य भागों में बहुत कम देखे जाते हैं।

मध्य एशियाई फ्लाईवे का महत्व

यह क्षेत्र मध्य एशियाई फ्लाईवे के भीतर स्थित है, जो पक्षियों के लिए एक महत्वपूर्ण प्रवासी मार्ग है। यह फ्लाईवे आर्कटिक से लेकर हिंद महासागर तक फैला हुआ है, जो यूरोप और एशिया के कुछ हिस्सों से होकर गुजरता है। कच्छ की खाड़ी पक्षी संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और प्रवासी जल पक्षियों की एक विविध श्रेणी का समर्थन करती है।

बर्ड कंजर्वेशन सोसाइटी ऑफ गुजरात (BCSG) के बारे में बर्ड कंजर्वेशन सोसाइटी ऑफ गुजरात (BCSG) पक्षी संरक्षण को बढ़ावा देने, जनगणना गतिविधियों का संचालन करने और एवियन विज्ञान के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाने में 25 वर्षों से अधिक समय से सक्रिय है।

भारत डीप ओशन मिशन के तहत पहली मानव-संचालित अंडरवाटर सबमर्सिबल तैनात करेगा

भारत डीप ओशन मिशन के हिस्से के रूप में अपनी पहली मानव-संचालित अंडरवाटर सबमर्सिबल लॉन्च करने के लिए तैयार है, जिसका उद्देश्य समुद्री संसाधनों का पता लगाना और अंडरवाटर इकोसिस्टम के बारे में जानकारी को गहरा करना है। केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने नई दिल्ली के पृथ्वी भवन में मिशन संचालन समिति की दूसरी बैठक के दौरान इस पहल की घोषणा की।

सबमर्सिबल की मुख्य विशेषताएं

शुरुआत में 500 मीटर की गहराई तक पहुंचने के लिए डिजाइन की गई इस सबमर्सिबल को इस साल तैनात किया जाना है। अगले साल तक इसकी क्षमता को बढ़ाकर 6,000 मीटर की गहराई तक खोज करने की योजना है, जो भारत की समुद्री प्रौद्योगिकी क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण छलांग है।

मिशन के उद्देश्य

डीप ओशन मिशन महत्वपूर्ण खनियों, दुर्लभ धातुओं और अनदेखी समुद्री जैव विविधता की पहचान करने पर केंद्रित है, जिसका महत्वपूर्ण आर्थिक और पर्यावरणीय प्रभाव है। इसका

उद्देश्य संधारणीय मत्स्य पालन को बढ़ावा देना, जैव विविधता का संरक्षण करना और भारत की नीली अर्थव्यवस्था का समर्थन करना भी है।

समुद्री और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में समानांतर प्रगति डॉ. सिंह ने डीप ओशन मिशन और गगनयान अंतरिक्ष कार्यक्रम की एक साथ प्रगति पर जोर दिया, जिसका उद्देश्य मनुष्यों को अंतरिक्ष में भेजना है। यह दोहरा ध्यान समुद्री अन्वेषण और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी दोनों में भारत की प्रगति को रेखांकित करता है, जो वैज्ञानिक और आर्थिक विकास में योगदान देता है।

निष्कर्ष

अंडरवाटर सबमरिंसिल की तैनाती गहरे समुद्र के संसाधनों की खोज और दोहन के भारत के प्रयासों में एक मील का पत्थर है, जिससे पर्यावरण और अर्थव्यवस्था दोनों को लाभ होगा। यह मिशन सतत विकास और तकनीकी नवाचार के लिए भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

ओडिशा ने जलवायु लचीलापन और सतत विकास के लिए 3 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए

ओडिशा वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन विभाग ने राज्य में जलवायु लचीलापन बढ़ाने और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए तीन महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं।

हस्ताक्षरित प्रमुख समझौता ज्ञापन

इसीआरआईसीसी परियोजना के तहत आईआईटी भुवनेश्वर:

- फोकस: जैव विविधता, कार्बन पृथक्करण और तटीय संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए समुद्री धास के बिस्तरों और नमक दलाल जैसे महत्वपूर्ण तटीय पारिस्थितिकी तंत्रों की बहाली।
- भूमिका: आईआईटी भुवनेश्वर को सतत तटीय पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन के लिए तकनीकी सहायता एजेंसी (टीएसए) के रूप में नामित किया गया।

एडीएटी4आर परियोजना के लिए विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी):

फोकस: कमजोर कृषि समुदायों, विशेष रूप से महिला किसानों में जलवायु लचीलापन को मजबूत करने के लिए भारत और श्रीलंका के बीच क्षेत्रीय अनुकूलन परियोजना।

- लक्षित जिला: नुआपाड़ा।
- अवधि: पांच वर्ष।

ऊर्जा, पर्यावरण और जल परिषद (CEEW):

- फोकस: उद्योग, बिजली, परिवहन और कृषि जैसे प्रमुख क्षेत्रों में डीकार्बोनाइजेशन रणनीतियों के साथ ओडिशा के लिए नेट-जीरो रोडमैप का विकास।

पहलों का महत्व

सहयोग का उद्देश्य जलवायु परिवर्तन चुनौतियों से निपटना, ओडिशा की जैव विविधता की रक्षा करना, तटीय पारिस्थितिकी तंत्र को बहाल करना और स्थायी आजीविका को बढ़ावा देना है। मंत्री गणेश राम सिंह खुंटिया ने तटीय प्रबंधन को बनाए रखने के लिए अनुसंधान और सामुदायिक सहभागिता बढ़ाने की भूमिका

पर जोर दिया। सत्यब्रत साहू, एसीएस ने लोगों पर केंद्रित जलवायु लचीलापन और पारिस्थितिकी तंत्र संरक्षण पर ध्यान केंद्रित किया।

इरेडा ने नेपाल में 900 मेगावाट की जलविद्युत परियोजना के लिए संयुक्त उद्यम समझौते को अंतिम रूप दिया

भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी लिमिटेड (इरेडा) ने नेपाल में 900 मेगावाट की अपर करनाली जलविद्युत परियोजना के विकास के लिए एसजेरीएन लिमिटेड, जीएमआर एनर्जी लिमिटेड और नेपाल विद्युत प्राधिकरण (एनईए) के साथ एक संयुक्त उद्यम समझौते को अंतिम रूप दिया है। इस पहल का उद्देश्य क्षेत्रीय ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ाना और अक्षय ऊर्जा विकास में तेजी लाना है।

परियोजना विकास विवरण

यह समझौता बिल्ड-ऑन-ऑपरेट-ट्रांसफर (बीओओटी) मॉडल के तहत परियोजना के विकास, निर्माण, संचालन और रखरखाव के लिए एक रूपरेखा निर्धारित करता है, जिसमें वाणिज्यिक संचालन तिथि से शुरू होने वाली 25 साल की परियोजना अवधि है। इस सहयोग से सतत ऊर्जा विकास में योगदान और सीमा पार सहयोग को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

परियोजना का महत्व

अपर करनाली जलविद्युत परियोजना को सीमा पार सहयोग के एक मॉडल के रूप में देखा जाता है, जो आर्थिक और पर्यावरणीय दोनों लाभ प्रदान करता है, जो क्षेत्र में नवीकरणीय ऊर्जा विकास के लिए भारत की प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाता है।

EET हाइड्रोजन और ENKA ने UK के पहले बड़े पैमाने पर कम कार्बन हाइड्रोजन उत्पादन संयंत्र के लिए साझेदारी की

एस्सार एनर्जी ट्रांजिशन (EET) हाइड्रोजन ने एलेस्मरे पोर्ट, चेशायर में स्टैनलो मैन्युफैक्चरिंग कॉम्प्लेक्स में एक प्रमुख कम कार्बन हाइड्रोजन उत्पादन संयंत्र (HPP1) के विकास के लिए ENKA के साथ एक इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (EPC) अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। यह पहल UK के हाइड्रोजन उद्योग को आगे बढ़ाने और इसके कार्बन कटौती लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सरकारी सहायता और परियोजना विवरण:

अक्टूबर 2024 में, UK सरकार ने HPP1 परियोजना के लिए वित्त पोषण की पुष्टि की, जो UK में पहली बड़े पैमाने पर कम कार्बन हाइड्रोजन उत्पादन सुविधा होगी। यह परियोजना HyNet क्लस्टर के भीतर स्थित है, जो देश के स्वच्छ ऊर्जा में परिवर्तन की एक प्रमुख पहल है। HPP1 संयंत्र की उत्पादन क्षमता 350 MW होगी और यह सालाना लगभग 600,000 टन CO2 को कैप्चर करेगा, जो सड़क से 250,000 कारों को हटाने के बराबर है।

यू.के. के हाइड्रोजन उद्योग पर प्रभाव:

HPP1 की स्थापना यू.के. हाइड्रोजन उद्योग और EET हाइड्रोजन की व्यापक रणनीति दोनों के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। कंपनी का लक्ष्य उत्तर पश्चिमी इंग्लैंड में औद्योगिक व्यवसायों

के लिए 4 गीगावाट कम कार्बन हाइड्रोजन उत्पादन विकसित करना है, जो संचालन के डीकार्बोनाइजेशन में योगदान देता है, नौकरियों की सुरक्षा करता है और आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करता है।

AWBI और NALSAR विश्वविद्यालय ने पशु कल्याण प्रतिनिधियों को प्रशिक्षित करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के तहत एक सांविधिक निकाय, भारतीय पशु कल्याण बोर्ड (AWBI) ने हैदराबाद स्थित NALSAR विधि विश्वविद्यालय के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते पर AWBI के अध्यक्ष डॉ. अभिजीत मित्रा और NALSAR विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीकृष्ण देव राव ने हस्ताक्षर किए।

समझौते की मुख्य विशेषताएं

- उद्देश्य: पशुओं के प्रति कूरता की रोकथाम के लिए जिला समितियों (SPCAs) और राज्य पशु कल्याण बोर्डों का समर्थन करने वाले सदस्यों को पेशेवर कानूनी प्रशिक्षण प्रदान करना।
- प्रशिक्षण कार्यक्रम: मानद पशु कल्याण प्रतिनिधि (HAWR) भूमिकाओं के आवेदकों के लिए डिजाइन किया गया, जिसमें पशु कल्याण कानूनों, जांच तकनीकों और संबंधित प्रक्रियाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया।
- संरचना: प्रशिक्षण सत्र कम से कम तीन दिनों तक चलेगा और प्रति बैच अधिकतम 25 प्रतिभागी होंगे।
- प्रमाणन: AWBI NALSAR द्वारा किए गए मूल्यांकन के बाद HAWR प्रमाणन जारी करेगा।
- बौद्धिक संपदा: प्रशिक्षण सामग्री का स्वामित्व NALSAR के पास होगा, तथा AWBI को विशेष उपयोग अधिकार दिए जाएंगे।
- यह सहयोग भारत में पशु कल्याण के कानूनी ढांचे और जागरूकता को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

AWBI और PCA अधिनियम, 1960 के बारे में

- AWBI: पशु कल्याण को बढ़ावा देने और पशुओं को अनावश्यक दर्द या पीड़ा से बचाने के लिए पशु कूरता निवारण (PCA) अधिनियम, 1960 के तहत स्थापित किया गया।
- पीसीए अधिनियम: इसका उद्देश्य पशु कूरता को रोकना है, जिसमें परिवहन, प्रयोग और प्रदर्शन के दौरान घेरेलू और जंगली जानवरों को शामिल किया गया है। यह जिम्मेदार पशु देखभाल सुनिश्चित करने के लिए जन जागरूकता और प्रशिक्षण पर भी जोर देता है।

आईआईटी मद्रास और कृषि मंत्रालय ने प्रोजेक्ट विस्तार पर सहयोग किया

आईआईटी मद्रास ने कृषि विस्तार प्रणाली को डिजिटल बनाने और बढ़ाने के लिए प्रोजेक्ट विस्तार (कृषि संसाधनों तक पहुँचने के लिए वर्चुअली एकीकृत प्रणाली) पर कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के साथ साझेदारी की है। 12,000 से अधिक कृषि-स्टार्टअप की जानकारी के साथ विस्तार प्लेटफ़ॉर्म को समृद्ध करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे किसानों और हितधारकों को उनकी क्षमताओं और पेशकशों तक पहुँचने में मदद मिलेगी।

मुख्य उद्देश्य

- किसानों का डिजिटल सशक्तिकरण: किसानों को फसल उत्पादन, विपणन, मूल्य संवर्धन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन पर उच्च गुणवत्ता वाली सलाहकार सेवाओं तक पहुँच प्रदान करना।
- सरकारी योजना एकीकरण: कृषि, संबद्ध क्षेत्रों और ग्रामीण विकास से संबंधित सरकारी योजनाओं के बारे में समय पर जानकारी प्रदान करना।
- कृषि में नवाचार: कृषि-स्टार्टअप द्वारा विकसित नवीन तकनीकों से किसानों को जोड़कर टिकाऊ और जलवायु-लचीली खेती को बढ़ावा देना।

अरुणाचल प्रदेश में मेगा हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट्स

अरुणाचल प्रदेश में लगभग 35,000 करोड़ रुपये के संचयी निवेश के साथ दो प्रमुख हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट्स स्थापित किए जाएंगे। इन परियोजनाओं में टाटो-II हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट (700 मेगावाट) और कमला हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट (1,720 मेगावाट) शामिल हैं, जिनका उद्देश्य राज्य की बिजली उत्पादन क्षमता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ावा देना है।

स्थान और कार्यान्वयन

टाटो-II हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट शियोगी जिले में सियोम नदी पर स्थित है, जबकि कमला हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट कमले जिले में कमला नदी पर स्थित है। दोनों परियोजनाओं को राज्य सरकार और केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (CPSU) के बीच संयुक्त उपक्रमों के माध्यम से कार्यान्वित किया जाएगा, जिसमें राज्य सरकार के पास उपक्रमों में 26% इक्विटी शेयर होगा।

आर्थिक और सामाजिक लाभ

इन परियोजनाओं से विशेष रूप से बुनियादी ढांचे के विकास और सहायक सेवाओं के माध्यम से महत्वपूर्ण रोजगार और स्वरोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। स्थानीय समुदायों को सड़कों, स्वास्थ्य सेवा और शैक्षिक सुविधाओं सहित उन्नत बुनियादी ढांचे से लाभ होगा, जो दीर्घकालिक सामाजिक आर्थिक विकास को बढ़ावा देगा। बिजली परियोजनाएं स्थानीय श्रमिकों को कौशल प्रदान करने और कृशल श्रमिकों का एक समूह तैयार करने में भी योगदान देंगी, जिससे क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधि और अरुणाचल प्रदेश के विकास को लाभ मिलेगा।

जलविद्युत क्षमता और राज्य नीति

अरुणाचल प्रदेश में 58,000 मेगावाट की विशाल जलविद्युत उत्पादन क्षमता है, और ये दोनों परियोजनाएं इस क्षमता का दोहन

करने के प्रयासों का हिस्सा हैं। इसके अतिरिक्त, राज्य मंत्रिमंडल ने विशेष परिस्थितियों में समाप्त हो चुकी बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं की बहाली के लिए अरुणाचल प्रदेश नीति, 2025 को मंजूरी दी, जिसका उद्देश्य बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं को पुनर्जीवित करना है, जिन्होंने पर्याप्त प्रगति की है।

अरुणाचल प्रदेश

- राजधानी: ईटानगर (कार्यकारी शाखा)
- मुख्यमंत्री: पेमा खांडू
- राज्यपाल: कैवल्य त्रिविक्रम परनायक
- केंद्र शासित प्रदेश के रूप में: 21 जनवरी 1972

लघु लेख

ग्लेशियरों के संरक्षण का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष: सिविल सेवाओं के लिए एक व्यापक विश्लेषण

परिचय

संयुक्त राष्ट्र ने 2025 को ग्लेशियरों के संरक्षण का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष घोषित किया है, जिसके अनुसार 21 मार्च को 2025 से प्रतिवर्ष ग्लेशियरों के लिए विश्व दिवस के रूप में मनाया जाएगा।

ग्लेशियरों को समझना

ग्लेशियर क्या हैं?

परिभाषा: ग्लेशियर विशाल, धीमी गति से चलने वाली बर्फ की संरचनाएँ हैं जो सदियों से बर्फ के संघनन के माध्यम से बनी हैं। गति: गुरुत्वाकर्षण के कारण ग्लेशियर भूमि पर नीचे की ओर बहते हैं।

ऐतिहासिक संदर्भ:

ग्लेशियर हिमयुग (10,000 वर्ष पूर्व) से विशाल बर्फ की चादरों के अवशेष हैं।

पृथ्वी का इतिहास हिमयुग (बर्फ निर्माण) और अंतर-हिमनद काल (पिघलना) के बीच बारी-बारी से चलता है।

वैश्विक वितरण:

ध्रुवीय क्षेत्र: ग्रीनलैंड, अंटार्कटिका और कनाडाई आर्कटिक में कम सौर विकिरण के कारण अधिकांश ग्लेशियर हैं।

उष्णकटिबंधीय ग्लेशियर: भूमध्य रेखा के पास उच्च ऊंचाई पर पाए जाते हैं, जैसे कि दक्षिण अमेरिका में एंडीज पर्वत।

जल भंडारण: ग्लेशियर पृथ्वी के कुल जल का लगभग 2% हिस्सा रखते हैं।

ग्लेशियर और जलवायु परिवर्तन:

पिघलने की प्रवृत्ति: बढ़ते ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के कारण ग्लेशियर पीछे हट रहे हैं, अनुमान है कि 2100 तक एक तिहाई से अधिक ग्लेशियर गायब हो जाएँगे।

परिणाम: ग्लेशियरों के खत्म होने से समुद्र का स्तर बढ़ता है, पानी की आपूर्ति बाधित होती है और पारिस्थितिकी तंत्र में बदलाव होता है।

ग्लेशियर का महत्व

जल संसाधन प्रबंधन:

शुष्क क्षेत्रों में लाखों लोगों के लिए महत्वपूर्ण जल आपूर्ति प्रदान करते हैं।

उदाहरण:

ग्लेशियर पिघलने से अमु दरिया नदी के प्रवाह में 27% योगदान होता है।

बोलीविया का ला पाज़ शुष्क मौसम के दौरान ग्लेशियर के पानी पर निर्भर करता है।

कृत्रिम ग्लेशियर (जैसे, भारत के लद्दाख में बर्फ के स्तूप) कृषि उपयोग के लिए पानी का भंडारण करते हैं।

पारिस्थितिक और आर्थिक भूमिकाएँ:

पोषक चक्रण: फाइटोलांकरन वृद्धि के लिए आवश्यक पोषक तत्वों को जारी करना, जलीय खाद्य श्रृंखलाओं का समर्थन करना। जलवायु विनियमन: सूर्य के प्रकाश को परावर्तित करना (अल्बेडो प्रभाव), ग्रह को ठंडा करने में मदद करना।

ऊर्जा उत्पादन: ग्लेशियल पिघले पानी से जलविद्युत शक्ति उत्पन्न होती है (उदाहरण के लिए, नॉर्वे, कनाडा)।

पर्यटन और अनुसंधान: आंतरिकों को आकर्षित करना और क्रायो-जैव विविधता पर वैज्ञानिक अध्ययन को सक्षम बनाना।

ग्लेशियरों की वर्तमान स्थिति

वैश्विक निगरानी:

विश्व ग्लेशियर निगरानी सेवा (WGMS): वैश्विक स्तर पर 210,000 ग्लेशियरों को ट्रैक करता है और बड़े पैमाने पर ग्लेशियरों के पिघलने की प्रवृत्ति की रिपोर्ट करता है।

क्षेत्रीय अंतर्दृष्टि:

हिंदू कुश हिमालयी क्षेत्र: वैश्विक औसत से दोगुना गर्म हो रहा है, जिससे यह ग्लेशियल झील के फटने से होने वाली बाढ़ (GLOFs) के प्रति संवेदनशील हो गया है।

पीछे हटते ग्लेशियर:

उदाहरण: याला ग्लेशियर (नेपाल) और पेयटो ग्लेशियर (कनाडा) में महत्वपूर्ण ऊंचाई में कमी देखी गई है।

हम्बोल्ट ग्लेशियर (वेनेजुएला) सिकुड़कर बर्फ के मैदान में तब्दील हो गया है।

ग्लेशियर संरक्षण के लिए वैश्विक पहल

संयुक्त राष्ट्र की पहल:

ग्लेशियर संरक्षण का वर्ष 2025: ग्लेशियर के नुकसान के खिलाफ जागरूकता और कार्रवाई को बढ़ावा देना।

विश्व ग्लेशियर दिवस: ग्लेशियर संरक्षण प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए वार्षिक उत्सव।

नीति एकीकरण:

जलवायु रणनीतियों, जल नीतियों और आपदा जोखिम ढांचे में ग्लेशियर संरक्षण की वकालत करना।

अनुसंधान और क्षमता निर्माण:

स्वदेशी ज्ञान और सीमा पार सहयोग का उपयोग करके निगरानी प्रणालियों को बढ़ाना।

स्थानीय समुदायों और नीति निर्माताओं के लिए शैक्षिक कार्यक्रम आयोजित करना।

हिंदू कुश हिमालय (HKh): तीसरा ध्रुव

भौगोलिक और पारिस्थितिक महत्व:

विस्तार: आठ देशों में फैला हुआ है, जिसमें 7,000 मीटर से ऊपर की सभी चोटियाँ हैं।

एशिया का जल टॉवर: 12 प्रमुख नदी घाटियों का स्रोत जो 1.65 बिलियन लोगों की सेवा करता है।

जैव विविधता: इसमें चार वैश्विक जैव विविधता हॉटस्पॉट शामिल हैं।

क्रायोस्फीयर की भूमिका:

ध्रुवीय क्षेत्रों के बाहर सबसे बड़ा बर्फ और हिम भंडार, मीठे पानी और पारिस्थितिक संतुलन के लिए महत्वपूर्ण।

ग्लेशियर पिघलने के प्रभाव

नकारात्मक प्रभाव:

समुद्र तल में वृद्धि: बर्फ पिघलने के कारण तटीय कटाव, चक्रवात और बाढ़।

मौसम संबंधी व्यवधान: महासागर परिसंचरण में परिवर्तन और चरम मौसम की घटनाएँ।

पारिस्थितिकी तंत्र का नुकसान: आर्कटिक, अंटार्कटिक और अल्पाइन जैव विविधता को खतरा।

सकारात्मक (अल्पकालिक) प्रभाव:

ऊर्जा तक पहुँच: नए भूतापीय स्रोतों की खोज।

आर्थिक अवसर: शिपिंग मार्गों में कमी और नई कृषि भूमि।

ग्लेशियर संरक्षण के लिए प्रमुख गतिविधियाँ

जागरूकता अभियान:

ग्लेशियर संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए युवा राजदूतों और वैश्विक हस्तियों को शामिल करें।

वैश्विक सम्मेलन:

ताजिकिस्तान का अंतर्राष्ट्रीय ग्लेशियर संरक्षण शिखर सम्मेलन और 2025 में IWC11।

निगरानी और अनुसंधान:

मजबूत क्रायोस्फीयर डेटा सिस्टम स्थापित करना और ग्लेशियर पीछे हटने के सीमा पार प्रभावों को संबोधित करना।

वित्तपोषण पहल:

ग्लेशियर से संबंधित परियोजनाओं के लिए सरकारों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों से वित्तीय सहायता प्राप्त करें।

महत्वपूर्ण संबंधित शब्द

आइस शीट: 50,000 वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में फैला हुआ हिमनद बर्फ का द्रव्यमान (जैसे, अंटार्कटिका, ग्रीनलैंड)।

आइस कैप: ध्रुवीय क्षेत्रों में छोटे गुंबद के आकार का ग्लेशियर (<50,000 वर्ग किलोमीटर)।

आइस फील्ड: ग्लेशियर बर्फ का एक छोटा, अनियमित आकार का द्रव्यमान।

आइसबर्ग: ग्लेशियर या बर्फ की चादरों से अलग होकर तैरते हुए बर्फ के टुकड़े।

बाघ अभ्यारण्यों में वन अधिकारों के लिए जनजातीय मंत्रालय के नए दिशा-निर्देश

जनजातीय मामलों के मंत्रालय द्वारा जारी किए गए मुख्य निर्देश वन अधिकार अधिनियम (FRA) का क्रियान्वयन सुनिश्चित करना: वन में रहने वाले समुदायों को बेदखल करने से पहले राज्यों को वन अधिकार अधिनियम, 2006 और वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 को लागू करना चाहिए।

यह कार्रवाई अवैध बेदखली की शिकायतों के बाद की गई है, खासकर मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों से।

पुनर्वास के लिए अनिवार्य सहमति:

FRA की धारा 4(2) के अनुसार, पुनर्वास के लिए ग्राम सभाओं की लिखित सहमति की आवश्यकता होती है, जिससे स्वतंत्र और सूचित सहमति सुनिश्चित होती है।

राज्यों को बाघ अभ्यारण्यों में आदिवासी गांवों की स्थिति और उनके वन अधिकार दावों की रिपोर्ट करना आवश्यक है।

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) ने संरक्षण बनाम सामुदायिक अधिकार बहस को संबोधित करने के लिए 591 गांवों के पुनर्वास के लिए समयसीमा की मांग की है।

शिकायत प्रणाली की स्थापना:

राज्यों को वन बेदखली के संबंध में शिकायतों और शिकायतों को संबोधित करने के लिए तंत्र बनाने का निर्देश दिया गया है।

वन अधिकार अधिनियम (FRA), 2006 का अवलोकन

उद्देश्य और लक्ष्य:

वन भूमि पर अनुसूचित जनजातियों (ST) और अन्य पारंपरिक वनवासियों (OTFD) के ऐतिहासिक अधिकारों को मान्यता देना और उन्हें बहाल करना।

औपनिवेशिक युग की वन नीतियों के कारण हुए ऐतिहासिक अन्याय को संबोधित करना।

वन समुदायों को संसाधनों का स्पायी उपयोग करने और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने के लिए सशक्त बनाना।

मुख्य विशेषताएँ:

वन संसाधनों पर स्वामित्व:

बांस, झाड़-झाखाड़ और बेंत जैसे लघु वनोपज (MFP) के स्वामित्व को मान्यता देता है।

समुदाय-आधारित अधिकार:

निस्तार और सामुदायिक वन संसाधनों (CFR) के प्रबंधन जैसे पारंपरिक सामुदायिक उपयोग अधिकारों का प्रावधान करता है।

आवास संरक्षण:

आदिम जनजातीय समूहों और कृषि-पूर्व समुदायों के उनके पारंपरिक आवासों के अधिकारों की रक्षा करता है।

वन भूमि का डायवर्सन:

ग्राम सभा की सहमति से लोक कल्याण परियोजनाओं के लिए वन भूमि के डायवर्सन की अनुमति देता है।

FRA के कार्यान्वयन की चुनौतियाँ

संस्थागत प्रतिरोध:

वन विभाग FRA को वन संसाधनों पर अपने अधिकार को कमज़ोर करने वाला मानते हैं।

डिजिटल और तकनीकी बाधाएँ:

वनमित्र जैसे प्लेटफॉर्म को जनजातीय क्षेत्रों में खराब इंटरनेट केनेक्टिविटी और कम डिजिटल साक्षरता के कारण कार्यान्वयन संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

विरोधाभासी कानूनी प्रावधान:

FRA भारतीय वन अधिनियम, 1927 और वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 जैसे पुराने कानूनों के साथ ओवरलैप करता है, जिससे शासन संबंधी अस्पष्टताएँ पैदा होती हैं।

दावों की अस्वीकृति की उच्च दर:

कई दावे अपर्याप्त दस्तावेजों या साक्ष्यों के कारण खारिज कर दिए जाते हैं, जिससे दावेदारों के पास उचित उपाय नहीं रह जाते।

विकास परियोजनाओं के लिए जबरन बेदखली:

FRA सुरक्षा उपायों के बावजूद खनन, राजमार्ग और बांध जैसी बड़े पैमाने की परियोजनाएँ वन समुदायों को विस्थापित करती हैं।

ग्राम सभाओं का कमज़ोर कामकाज़:

संसाधनों और प्रशिक्षण की कमी ग्राम सभाओं की प्रभावशीलता को कम करती है, जिसमें निर्णय लेने का काम अक्सर स्थानीय अभिजात वर्ग के हाथों में होता है।

FRA कार्यान्वयन को मज़बूत करने के उपाय

सहयोगी ढाँचे का निर्माण:

सामूहिक रूप से अधिकारों का दावा करने और स्थायी संसाधन प्रबंधन के लिए वन विभागों के साथ जुड़ने के लिए जनजातीय संगठन स्थापित करें।

कानूनी ओवरलैप्स का समाधान:

भारतीय वन अधिनियम, 1927 जैसे परस्पर विरोधी कानूनों में संशोधन करें, ताकि उन्हें FRA के आदेशों के अनुरूप बनाया जा सके।

डिजिटल अवसंरचना में सुधार:

आदिवासी क्षेत्रों में इंटरनेट की पहुँच बढ़ाएँ और दावों के प्रसंस्करण के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करने में समुदायों को प्रशिक्षित करें।

दस्तावेजीकरण को सुव्यवस्थित करना:

दावा दाखिल करने की प्रक्रियाओं को सरल बनाएँ और बेहतर पहुँच के लिए डिजिटल साक्षरता के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करें।

सतत विकास अभ्यास:

सुनिश्चित करें कि बड़े पैमाने की परियोजनाएँ आदिवासी अधिकारों का सम्मान करें और समुदाय-केंद्रित संरक्षण रणनीतियों को एकीकृत करें।

समावेशी ग्राम सभा संचालन:

हाशिए पर पड़े समूहों को सशक्त बनाने के लिए प्रशिक्षण, संसाधनों और समावेशी निर्णय लेने की प्रक्रियाओं के साथ ग्राम सभाओं को मज़बूत बनाएँ।

जागरूकता और शिक्षा:

आदिवासी समुदायों को FRA के तहत उनके अधिकारों के बारे में शिक्षित करने और दावे दायर करने की उनकी क्षमता बढ़ाने के लिए जागरूकता अभियान शुरू करें।

प्रभावी शासन के लिए ग्राम सभाओं को प्रशिक्षण और संसाधन प्रदान करें।

भोपाल गैस त्रासदी: चार दशक बाद, खतरनाक अपशिष्ट हटाया गया

मुख्य घटना

खतरनाक अपशिष्ट हटाना: भोपाल गैस त्रासदी (1984) के चार दशक बाद, मध्य प्रदेश में बंद पड़े यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड (UCIL) कारखाने से विषाक्त अपशिष्ट को अंतः भूसीकरण के लिए हटा दिया गया।

भोपाल गैस त्रासदी का अवलोकन

घटना का विवरण

दिनांक: 2 दिसंबर 1984 की रात।

कारण: UCIL कीटनाशक संयंत्र में मिथाइल आइसोसाइनेट (MIC) गैस से होने वाला विनाशकारी रासायनिक रिसाव।

प्रभाव:

5,000 से अधिक मौतें और 500,000 से अधिक प्रभावित।

इसे दुनिया की सबसे खराब औद्योगिक आपदा माना जाता है।

रिसाव के कारण

रखरखाव विफलता: 1 दिसंबर 1984 को एक विफल रखरखाव प्रयास।

सुरक्षा प्रणाली की खराबी: MIC से भरे टैंक में एक रासायनिक प्रतिक्रिया शुरू हुई, जिससे कम से कम 30 टन गैस निकली।

स्वास्थ्य परिणाम

तक्ताल प्रभाव: भूसन संबंधी समस्याएं, पेट में दर्द, आंखों में चोट और तंत्रिका संबंधी विकार।

दीर्घकालिक प्रभाव: दीर्घकालिक बीमारियाँ, आनुवंशिक विकार, गर्भावस्था का नुकसान और शिशु मृत्यु दर में वृद्धि।

सरकार और कानूनी प्रतिक्रिया

विधायी कार्रवाई

भोपाल गैस रिसाव आपदा (दावों का प्रसंस्करण) अधिनियम, 1985: पीड़ितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए भारत सरकार को सशक्त बनाया गया।

मुआवजा

यूसीआईएल द्वारा प्रारंभिक प्रस्ताव: 5 मिलियन अमरीकी डॉलर।

भारत सरकार की मांग: 3.3 बिलियन अमरीकी डॉलर।

निपटान: 470 मिलियन अमरीकी डॉलर (1989)।

कानूनी कार्यवाही

2010 में, सात भारतीय यूसीआईएल कर्मचारियों को लापरवाही का दोषी ठहराया गया और बाद में जमानत पर रिहा कर दिया गया।

मिथाइल आइसोसाइनेट (एमआईसी): मुख्य तथ्य

प्रकृति: कीटनाशक उत्पादन में उपयोग किया जाने वाला एक रंगहीन तरल।

प्रतिक्रियाशीलता: गर्मी के प्रति अत्यधिक प्रतिक्रियाशील; गर्मी पैदा करने के लिए पानी के साथ प्रतिक्रिया करता है।

वैश्विक भंडारण: केवल संयुक्त राज्य अमेरिका में बेयर क्रॉपसाइंस संयंत्र में संग्रहीत।

खतरनाक अपशिष्ट: परिभाषा और प्रबंधन

खतरनाक अपशिष्ट क्या है?

परिभाषा: विषाक्तता, प्रतिक्रियाशीलता या ज्वलनशीलता जैसे गुणों के कारण स्वास्थ्य या पर्यावरण के लिए जोखिम पैदा करने वाला अपशिष्ट।

खतरनाक अपशिष्ट के स्रोत

रासायनिक उत्पादन: उपभोक्ता वस्तुओं की बढ़ती मांग खतरनाक अपशिष्ट उत्पादन में योगदान देती है।

पुरानी प्रौद्योगिकियाँ: छोटे और मध्यम उद्यमों द्वारा अकुशल संसाधन रूपांतरण।

उपचार के बाद के अवशेष: अपशिष्ट जल उपचार और गैसीय उत्सर्जन।

खतरनाक अपशिष्ट पर विनियम

मुख्य कानून

पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986:

खतरनाक अपशिष्ट (प्रबंधन और हैंडलिंग) नियम, 1989 पेश किया गया।

इलेक्ट्रॉनिक्स, धातु स्कैप और टायर जैसे अपशिष्ट को शामिल करने के लिए 2008, 2009, 2010 और 2016 में संशोधित किया गया।

बेसल कन्वेशन, 1992:

देशों के बीच खतरनाक कचरे की आवाजाही को कम करने का लक्ष्य।

भारत में अपशिष्ट सांख्यिकी

वार्षिक उत्पादन: 7.66 मिलियन टन।

"ज़िन्दगी के लिए
कभी खराब विचार
आये तो एक बात
हमेशा याद रखना !
तुम जो ज़िन्दगी जी
रहे हो वो भी किसी
के लिए सपने जैसी
ही होगी !!"

विखंडन:

44.3% लैंडफिल करने योग्य।

47.2% पुनर्चक्रण योग्य।

8.5% भस्म करने योग्य।

शीर्ष उत्पादक राज्य: गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़।

खतरनाक अपशिष्ट निपटान के तरीके

सह-प्रसंस्करण:

सीमेंट निर्माण जैसे उद्योगों में कच्चे माल या ईंधन के रूप में खतरनाक अपशिष्ट का उपयोग।

भारत में लगभग 25 सीमेंट संयंत्रों ने इस पद्धति को अपनाया है।

सामग्री और ऊर्जा पुनर्प्राप्ति:

औद्योगिक अपशिष्ट से तांबा या सीसा जैसी सामग्री पुनर्प्राप्त करें।

वैकल्पिक ईंधन के रूप में उपयोग किए जाने वाले प्रयुक्त स्रोहक तेल और विलायक।

भस्मीकरण:

ऊर्जा उत्पादन के लिए अपशिष्ट का उच्च तापमान पर जलाना।

पायरोलिसिस: कम ऑक्सीजन वाले वातावरण में अपशिष्ट का ऊर्षीय अपघटन, जिससे बायो-ऑयल, सिनगैस और चारकोल जैसे उत्पाद प्राप्त होते हैं।

निष्कर्ष

भोपाल गैस त्रासदी औद्योगिक सुरक्षा विफलताओं के परिणामों की एक गंभीर याद दिलाती है। जबकि खतरनाक अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 और बेसल कन्वेशन जैसे विनियामक ढांचे मौजूद हैं, खतरनाक अपशिष्ट निपटान में प्रभावी चुनौतियाँ बनी हुई हैं। अनुपालन को मजबूत करना, प्रौद्योगिकी को उन्नत करना और समय पर उपचार सुनिश्चित करना भारत में खतरनाक अपशिष्ट मुद्दों को संबोधित करने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

"आप अपना भविष्य
नहीं बदल सकते
लेकिन अपनी आदतें
बदल सकते हैं !
और निश्चित रूप से
आपकी आदतें आपका
भविष्य बदल देंगी !!

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

चीन ने मध्य और ऊपरी वायुमंडल अनुसंधान के लिए तियानलू-1 उपग्रह को सफलतापूर्वक लॉन्च किया

चीन ने गैलेक्सीस्पेस द्वारा विकसित तियानलू-1 उपग्रह को जिउकान सैटेलाइट लॉन्च सेंटर से लॉन्ग मार्च-2डी वाहक रॉकेट का उपयोग करके लॉन्च किया। यह लॉन्ग मार्च रॉकेट श्रृंखला का 556वां मिशन है।

- तियानलू-1 उपग्रह की विशेषताएँ: उच्च ऊर्ध्वाधर रिज़ॉल्यूशन और बहु-पैरामीटर, सभी मौसम अवलोकन क्षमताओं के साथ मध्य और ऊपरी वायुमंडल के लिम्ब-साउंडिंग डिटेक्शन के लिए सुसज्जित।
- वैज्ञानिक उद्देश्य: चरम मौसम पूर्वानुमान, अंतरिक्ष मौसम अनुसंधान और जलवायु परिवर्तन अध्ययनों को बेहतर बनाने के लिए वायुमंडलीय घनत्व, तापमान, संरचना और पवन क्षेत्रों पर महत्वपूर्ण डेटा एकत्र करें।
- तकनीकी उन्नति: उत्सर्जन, बिखराव और अवशोषण के वर्णक्रमीय विश्लेषण के माध्यम से वायुमंडलीय परत मापदंडों को प्राप्त करने के लिए एक अभिनव लिम्ब-साउंडिंग रिमोट सेंसिंग दृष्टिकोण पेश करता है।
- पेलोड: तापमान, वायुमंडलीय संरचना और पवन क्षेत्र वैक्टर के उच्च-रिज़ॉल्यूशन प्रोफाइल को कैप्चर करने के लिए तीन पेलोड शामिल हैं।
- भविष्य के अनुप्रयोग: वायुमंडलीय मॉडलिंग, आयनमंडलीय अनुसंधान का समर्थन करता है, और चीन के स्वतंत्र उपग्रह संचार और नेविगेशन सिस्टम को बढ़ाता है।
- अतिरिक्त उपग्रह: मिशन ने लैटेन-1 और एक पाकिस्तानी उपग्रह को भी कक्षा में स्थापित किया।

कैबिनेट ने श्रीहरिकोटा में तीसरे लॉन्चपैड की स्थापना को मंजूरी दी

तीसरे लॉन्चपैड के लिए कैबिनेट की मंजूरी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने श्रीहरिकोटा के इसरो के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र में 3,985 करोड़ रुपये की लागत से तीसरे लॉन्चपैड की स्थापना को मंजूरी दी।

उद्देश्य:

अगली पीढ़ी के लॉन्च वाहनों (एनजीएलवी) का समर्थन करना। दूसरे लॉन्चपैड के लिए स्टैंडबाय लॉन्चपैड के रूप में कार्य करना।

भविष्य के भारतीय मानव अंतरिक्ष यान मिशनों के लिए क्षमता बढ़ाना।

क्षमता वृद्धि:

नया लॉन्चपैड 8,000 टन की मौजूदा क्षमता की तुलना में 30,000 टन के अंतरिक्ष यान को निचली पृथ्वी की कक्षा में लॉन्च करने में सक्षम होगा।

यह 70 टन पेलोड को निचली पृथ्वी की कक्षा में ले जाने में सक्षम एनजीएलवी विन्यास का समर्थन करेगा।

समयरेखा और उद्योग की भागीदारी: इस परियोजना को अगले चार वर्षों में अधिकतम उद्योग भागीदारी के साथ इसरो की विशेषज्ञता और मौजूदा सुविधाओं का उपयोग करके पूरा किया जाएगा।

नए लॉन्चपैड की आवश्यकता:

वर्तमान भारतीय अंतरिक्ष परिवहन दो लॉन्चपैड पर निर्भर करता है:

- पहला लॉन्चपैड: PSLV और SSLV मिशन के लिए 30 साल पहले बनाया गया था।
- दूसरा लॉन्चपैड: 20 साल तक परिचालन में रहेगा, मुख्य रूप से GSLV और LVM3 मिशनों के लिए, जिसमें चंद्रयान-3 और गगनयान मिशन की तैयारी शामिल है।
- तीसरा लॉन्चपैड अगले 25-30 वर्षों के लिए भारी लॉन्च वाहनों की आवश्यकताओं को पूरा करेगा और भारत के विस्तारित अंतरिक्ष कार्यक्रम का समर्थन करेगा।

भविष्य के अंतरिक्ष लक्ष्य:

- 2035 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (BAS) की स्थापना।
- 2040 तक भारतीय चालक दल के चंद्र लैंडिंग की उपलब्धि।
- अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा: तीसरा लॉन्चपैड लॉन्च आवृत्ति बढ़ाएगा, वाणिज्यिक और राष्ट्रीय मिशनों का समर्थन करेगा और वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में भारत की भूमिका को बढ़ाएगा।

स्पेसएक्स ने दो निजी चंद्र लैंडर लॉन्च किए

ब्लू घोस्ट: फायरफ्लाई एयरोस्पेस का चंद्र मिशन

स्पेसएक्स ने नासा के वाणिज्यिक चंद्र पेलोड सेवा (सीएलपीएस) कार्यक्रम के हिस्से के रूप में फायरफ्लाई एयरोस्पेस के पहले चंद्र मिशन ब्लू घोस्ट को सफलतापूर्वक लॉन्च किया। नासा ने फायरफ्लाई को चंद्रमा पर 10 विज्ञान और प्रौद्योगिकी पेलोड पहुंचाने के लिए \$93.3 मिलियन का पुरस्कार दिया। इन पेलोड का उद्देश्य नासा के आर्टेंसिस कार्यक्रम के तहत चंद्र पर्यावरण की समझ को बढ़ाना है। ब्लू घोस्ट के लगभग दो महीनों में चंद्रमा के उत्तरपूर्वी निकटवर्ती भाग में मारे क्रिसियम ("संकट का सागर") में उतरने की उम्मीद है।

रेसिलिएंस: जापान का आईस्पेस दूसरा चंद्र मिशन

जापान स्थित आईस्पेस द्वारा विकसित रेसिलिएंस, कंपनी के दूसरे चंद्र मिशन का प्रतिनिधित्व करता है। 2023 में टचडाउन प्रयास के दौरान अपने पहले हकुटो-आर लैंडर के दुर्घटनाग्रस्त होने के बावजूद, रेसिलिएंस 4.5 महीनों के भीतर चंद्रमा के उत्तरी गोलार्ध में मारे फ्रिगोरिस ("शीत का सागर") में उतरने के लिए तैयार है। आगामी चंद्र मिशन

अन्य निजी कंपनियाँ भी चंद्र अन्वेषण को आगे बढ़ा रही हैं। ह्यूस्टन स्थित इंट्यूटिव मशीन्स फरवरी में IM-2 मिशन लॉन्च करने की योजना बना रही है, जबकि पिट्सबर्ग स्थित एस्ट्रोबोटिक्स प्रिफिन मिशन वन के साथ एक और प्रयास की तैयारी कर रही है। ये मिशन चंद्र अन्वेषण और प्रौद्योगिकी विकास में बढ़ते वैश्विक प्रयासों को उजागर करते हैं।

यह मील का पथर वैज्ञानिक अनुसंधान और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए चंद्र अन्वेषण को सुविधाजनक बनाने में स्पैसेक्स की महत्वपूर्ण भमिका को रेखांकित करता है।

इसरो ने स्पैडेक्स कार्यक्रम के तहत 3 मीटर की रेंज हासिल की

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने स्पैडेक्स (स्पेस डॉकिंग एक्सप्रेरीमेंट) कार्यक्रम के तहत दो उपग्रहों, चेज़र और टारगेट को 3 मीटर की रेंज में सफलतापूर्वक लाया है। यह उपग्रहों को स्थिर करने और डॉक करने के इसरो के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पथर है, जिससे भारत अमेरिका, रूस और चीन के साथ ऐसा करने वाला चौथा देश बन गया है।

स्पैडेक्स मिशन के तहत, इसरो एक बहु-चरणीय दृष्टिकोण का पालन करता है:

- स्थिरीकरण और निकटता संचालन: चेज़र और टारगेट उपग्रहों को शुरू में 3 मीटर की नज़दीकी रेंज में लाया गया था।
 - सुरक्षित दूरी युद्धाभ्यास: फिर उपग्रहों को विश्लेषण के लिए सुरक्षित दूरी पर वापस ले जाया गया।
 - अंशांकन और परीक्षण: इसरो सुनिश्चित करता है कि मिशन के लिए विकसित सभी सेंसर डॉकिंग प्रयोग से पहले पूरी तरह से कैलिब्रेट और परीक्षण किए गए हैं।
 - डॉकिंग और पावर ट्रांसफर: डॉक होने के बाद, उपग्रह एक ही अंतरिक्ष यान के रूप में काम करेंगे, डॉकिंग की सफलता की पुष्टि करने के लिए उनके बीच विद्युत शक्ति स्थानांतरित की जाएगी।
 - अनडॉकिंग: उपग्रहों को स्वतंत्र कार्यक्षमता फिर से शुरू करने के लिए अलग किया जाएगा।

सिप्ला ने भारत में अस्थमा की पहली जांच के लिए सिपएयर मोबाइल ऐप लॉन्च किया

सिप्ला ने भारत में अस्थमा की जांच के लिए सिपएयर मोबाइल ऐप लॉन्च किया। यह ऐप उपयोगकर्ताओं को समय पर हस्तक्षेप और प्रबंधन के लिए अस्थमा होने की संभावना का आकलन करने में मदद करता है।

सिप्ला की अन्य डिजिटल स्वास्थ्य पहल

सिप्ला डिजिटल हेल्प लिमिटेड ने श्वसन देखभाल के लिए ब्रीदफ्री ऐप भी लॉन्च किया, जिसमें शामिल हैं:

- सांस लेने के व्यायाम, लाइव योग सत्र, व्यक्तिगत आहार योजनाएँ, दवा अनुस्मारक और इनहेलर ट्रैकिंग।
 - अच्यु डिजिटल प्लेटफॉर्म स्वास्थ्य शिक्षा और प्रबंधन उपकरणों पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

सिप्ला

- सहायक कंपनियाँ: सिप्ला यूएसए इंक., इनवाजेन फार्मास्यूटिकल्स
 - संस्थापक: ख्वाजा अब्दुल हामिद
 - सीईओ: उमंग वोहरा
 - मुख्यालय: मुंबई

इसरो ने श्रीहरिकोटा से स्पैडेक्स मिशन को सफलतापूर्वक लॉन्च किया।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से PSLV-C60 रॉकेट का उपयोग करके स्पेस डॉकिंग एक्सपेरीमेंट (स्पैडेक्स) मिशन को सफलतापूर्वक लॉन्च किया। रॉकेट में दो अंतरिक्ष यान, SDX01 (चेज़र) और SDX02 (टारगेट) थे, जिन्हें लॉन्च के तुरंत बाद पृथ्वी की निचली कक्षा में तैनात किया गया। प्रत्येक उपग्रह का वजन लगभग 220 किलोग्राम है और यह पृथ्वी की निचली कक्षा में लगभग 475 किलोमीटर की ऊँचाई पर स्थित है।

स्पैडेक्स का उद्देश्य

मिशन का उद्देश्य उन्नत इन-स्पेस डॉकिंग तकनीक का प्रदर्शन करना है, जो भविष्य के चंद्र अभियानों, अंतरग्रहीय मिशनों और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (बीएएस) के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण क्षमता है। अगले 10 दिनों में, दोनों उपग्रह एक दूसरे से मिलेंगे और डॉकिंग प्रक्रिया करेंगे, जो भारत की अंतरिक्ष अन्वेषण क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण मील का पथर साबित होगा।

मिशन का महत्व

स्पैडेक्स भारत की कक्षीय डॉकिंग विशेषज्ञता को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो इसरो की जटिल अंतरिक्ष अभियानों को निष्पादित करने की क्षमता को बढ़ाता है। मिशन के सफल समापन से महत्वाकांक्षी अंतरग्रहीय और मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशनों की नींव रखी जाएगी।

लघु लेख

स्पैडेक्स: अगली पीढ़ी के अंतरिक्ष मिशन की ओर एक कदम

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के नवीनतम मिशन, जिसे स्पेस डॉकिंग एक्सपरीमेंट (स्पैडेक्स) कहा जाता है, की शुरुआत 30 दिसंबर, 2024 को आंध्र प्रदेश के सतीश ध्वन अंतरिक्ष केंद्र से इसरो के PSLV-C60 रॉकेट पर उड़ान भरने के बाद टारगेट और चेज़र नामक दो छोटे अंतरिक्ष यानों की निचली-

पृथ्वी कक्षा में तैनाती के साथ हुई थी, जिनका वजन लगभग 220 किलोग्राम था।

इस विशिष्ट क्लब में अन्य देश

भारत इस तकनीकी उपलब्धि को हासिल करने वाला अमेरिका, रूस और चीन के बाद चौथा देश बन गया है। अमेरिका सफल डॉकिंग हासिल करने वाला पहला देश था, जब 1966 में, अपने जेमिनी कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, अंतरिक्ष यात्री नील आर्मस्ट्रांग की कमान में जेमिनी VIII कैप्सूल लक्ष्य अंतरिक्ष यान, एजेना के साथ डॉक किया गया था। सोवियत संघ, अब रूस, ने 1967 में कोस्मोस 186 और कोस्मोस 188 उपग्रहों की मानव रहित स्वचालित डॉकिंग के साथ इसका अनुसरण किया। 1975 में, अपोलो-सोयुज परीक्षण परियोजना में अमेरिका के अपोलो अंतरिक्ष यान को सोवियत सोयुज अंतरिक्ष यान के साथ डॉक किया गया, जो शीत युद्ध के बीच सहयोग का प्रतीक था। चीन को सफलता 2011 में मिली जब मानव रहित शेनझोउ 8 अंतरिक्ष यान तियांगोंग-1 अंतरिक्ष प्रयोगशाला के साथ डॉक किया गया। एक साल बाद, चीन ने चालक दल के साथ अंतरिक्ष डॉकिंग की, जिसमें शेनझोउ 9 तियांगोंग-1 के साथ डॉक किया गया।

स्पैडेक्स का परिचय

स्पैडेक्स, या स्पेस डॉकिंग एक्सपेरीमेंट, इसरो द्वारा एक अत्याधुनिक पहल है जिसका उद्देश्य अंतरिक्ष में डॉकिंग तकनीक का परीक्षण और प्रदर्शन करना है।

मिशन के मुख्य लक्ष्य

मुख्य उद्देश्य:

दो अंतरिक्ष यान, SDX01 (चेज़र) और SDX02 (टारेगेट) की निचली पृथ्वी की कक्षा में स्वायत्त डॉकिंग और अनडॉकिंग करना।

अतिरिक्त उद्देश्य:

विद्युत ऊर्जा हस्तांतरण क्षमताओं को मान्य करना। उन्नत अंतरिक्ष यान नियंत्रण तकनीकों का प्रदर्शन करना।

मिशन की मुख्य विशेषताएं और तकनीकी विशेषताएं

मिशन डिज़ाइन का अवलोकन

अवधि: दो वर्ष।

कक्षा: 470 किमी पृथ्वी की निचली कक्षा।

प्रक्षेपण वाहन: PSLV (ध्वनीय उपग्रह प्रक्षेपण यान)।

तैनाती: दो उपग्रह शुरू में अलग हो जाएंगे और डॉकिंग संचालन के लिए धीरे-धीरे एक-दूसरे के पास आएंगे।

उन्नत डॉकिंग प्रौद्योगिकी

भारतीय डॉकिंग सिस्टम (BDS):

कम प्रभाव और उभयलिंगी डॉकिंग तंत्र को शामिल करता है, जो लचीलापन और सटीकता को बढ़ाता है।

PSLV ऑर्बिटल प्रायोगिक मॉड्यूल (POEM-4)

अकादमिक संस्थानों और स्टार्टअप से 24 पेलोड ले जाता है, जो माइक्रोग्रेविटी-आधारित प्रयोगों को सक्षम बनाता है।

स्टीक डॉकिंग चुनौती

उपग्रह सफल डॉकिंग के लिए अपने वेग को 28,800 किमी/घंटा से 0.036 किमी/घंटा की सापेक्ष गति में समायोजित करेंगे।

अंतरिक्ष डॉकिंग प्रक्रिया को डिकोड करना

अंतरिक्ष डॉकिंग क्या है? अंतरिक्ष डॉकिंग में दो अंतरिक्ष यान को एक ही कक्षा में ले जाना, उन्हें सरेखित करना और उन्हें एक इकाई बनाने के लिए जोड़ना शामिल है।

डॉकिंग अंतरिक्ष मिशनों का समर्थन कैसे करता है

बड़ी संरचनाओं की असेंबली:

अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) जैसी बहु-मॉड्यूलर संरचनाओं के निर्माण के लिए आवश्यक।

परिचालन स्थिरता:

आपूर्ति वितरण, चालक दल के स्थानांतरण और मॉड्यूल प्रतिस्थापन का समर्थन करता है।

भारत की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं के लिए अंतरिक्ष डॉकिंग का महत्व

1. मॉड्यूलर अंतरिक्ष प्रणाली का निर्माण

मॉड्यूलर अंतरिक्ष स्टेशनों की असेंबली को सक्षम बनाता है, जिससे लॉन्च की बाधाएं कम होती हैं।

2. गहरे अंतरिक्ष अन्वेषण को बढ़ावा देना

भविष्य के मिशनों के लिए महत्वपूर्ण, जिसमें शामिल हैं:

कक्षीय ईंधन भरना और पेलोड एक्सचेंज।

चंद्र और मंगल मिशन।

3. मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रमों को बढ़ाना

गगनयान जैसे मिशनों में चालक दल की सुरक्षा और परिचालन दक्षता के लिए महत्वपूर्ण।

4. भारत की वैश्विक स्थिति को मजबूत करना

भारत को अंतरिक्ष डॉकिंग प्रौद्योगिकी में अग्रणी के रूप में स्थान दिलाना, रूस, अमेरिका और चीन की श्रेणी में शामिल करना।

5. उपग्रह का जीवनकाल बढ़ाना

इन-ऑर्बिट उपग्रह रखरखाव, जैसे ईंधन भरना और सिस्टम अपग्रेड करना, को सुविधाजनक बनाना।

एसएसआई मंत्र: भारत में रोबोटिक सर्जरी में क्रांतिकारी बदलाव

एसएसआई मंत्र का परिचय

टेलीसर्जरी के लिए डिज़ाइन किया गया पहला भारतीय निर्मित सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम।

एसएस इनोवेशन द्वारा विकसित और इंग्लैंड कॉम्प्यूटिक्स एक्ट, 1940 के तहत सीडीएससीओ द्वारा प्रमाणित।

एसएसआई मंत्र की मुख्य विशेषताएं

निर्बाध रिमोट ऑपरेशन: 35-40 मिलीसेकंड की अल्ट्रा-लो लेटेंसी प्राप्त करता है।

प्रिसिजन सर्जरी: टोटली एंडोस्कोपिक कोरोनरी आर्टरी बाईपास (TECAB) जैसी जटिल प्रक्रियाओं को सक्षम बनाता है।

दोहरी कार्यक्रमता: टेलीसर्जरी और रिमोट सर्जिकल ट्रेनिंग (टेली-प्रोक्टरिंग) के लिए प्रमाणित।

ऑपरेशनल मॉडल

मास्टर कंसोल: मुख्य सर्जन द्वारा दूर से संचालित।

स्लेव कंसोल: रोगी के पास स्थित, कमांड के आधार पर रोबोटिक सटीक कार्य करता है।

हेल्पकेयर पर प्रभाव

दूरस्थ क्षेत्रों में विशेषज्ञ चिकित्सा देखभाल तक पहुंच का विस्तार करता है।

तेजी से रिकवरी समय और कम जटिलताओं के साथ न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी को बढ़ावा देता है।

रोबोट को क्या परिभाषित करता है? रोबोटिक परिभाषा और कार्यक्षमता

स्व-संचालन करने वाली मशीनें न्यूनतम मानवीय हस्तक्षेप के साथ कार्य करती हैं।

रोबोट के मुख्य घटक

इसमें एंड-इफेक्टर्स, मैनिपुलेटर्स, लोकोमोशन सिस्टम, कंट्रोलर और सेंसर शामिल हैं।

रोबोट का वर्गीकरण

गतिशीलता-आधारित: स्थिर बनाम मोबाइल।

कार्य क्षमता: बेहतर कार्य निष्पादन या खतरे का शमन।

आकार-आधारित: यांत्रिक, पशु-प्रेरित या मानव सदृश रोबोट।

नैतिक दिशा-निर्देश (असिमौव के नियम)

रोबोट को मनुष्यों को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहिए, उन्हें मानवीय आदेशों का पालन करना चाहिए और उच्च कानूनों के साथ संर्घष होने तक अपने अस्तित्व की रक्षा करनी चाहिए।

विभिन्न क्षेत्रों में रोबोटिक्स की खोज

स्वास्थ्य सेवा नवाचार

सर्जिकल रोबोट: न्यूनतम आक्रामक प्रक्रियाओं में क्रांतिकारी बदलाव।

चिकित्सा सहायता रोबोट: स्वच्छता, टेलीमेडिसिन और रोगी देखभाल में उपयोग किया जाता है।

प्रोस्टेटिक्स: विकलांगों के लिए गतिशीलता में सुधार करने वाले उन्नत रोबोटिक्स।

औद्योगिक अनुप्रयोग

इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोटिव और धातु क्षेत्रों में महत्वपूर्ण उपयोग। भारत में औद्योगिक रोबोटों की स्थापना 2023 में 59% बढ़ी।

रक्षा और सुरक्षा

निगरानी, रसद और खदान का पता लगाने के लिए रोबोटिक सिस्टम (जैसे, REX मार्क II)।

कृषि और आपदा प्रबंधन

सटीक खेती और बचाव कार्यों में सहायता करने वाले रोबोट (जैसे, सीवर की सफाई के लिए बैंडिकूट)।

अंतरिक्ष मिशन

चंद्रयान-3 और मार्स रोवर जैसी परियोजनाओं में महत्वपूर्ण भूमिकाएँ।

भारत का रोबोटिक्स परिवर्ष: उपलब्धियाँ और चुनौतियाँ

भारत में रोबोटिक्स की प्रगति

2024 में औद्योगिक रोबोट स्थापनाओं में वैश्विक स्तर पर 7वें स्थान पर।

व्योम मित्र (इसरो) और मानव जैसी स्वदेशी रोबोटिक्स प्रणालियाँ तकनीकी प्रगति को दर्शाती हैं।

मुख्य सरकारी पहल

राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017: स्वास्थ्य सेवा वृद्धि के लिए रोबोटिक्स पर प्रकाश डाला गया।

ड्राफ्ट रोबोटिक्स रणनीति 2023: रोबोटिक्स इनोवेशन यूनिट की स्थापना की वकालत की गई।

अपनाने में चुनौतियाँ

वित्तीय बाधाएँ: अधिग्रहण और रखरखाव की उच्च लागत।

कौशल की कमी: प्रशिक्षित कर्मियों की सीमित उपलब्धता।

नैतिक और साइबर सुरक्षा संबंधी वित्ताएँ: जवाबदेही, विश्वास और साइबर खतरों के मुद्दे।

चुनौतियों का समाधान:

रोबोटिक्स को किफायती बनाना

सरकारी प्रोत्साहन और लागत कम करने के लिए निजी क्षेत्रों के साथ सहयोग।

अस्पतालों के लिए लीजिंग विकल्प पेश करना।

प्रशिक्षण और शिक्षा

चिकित्सा शिक्षा में रोबोटिक सर्जरी प्रशिक्षण को शामिल करना।

वैश्विक शिक्षण अवसरों के लिए आभासी प्लेटफॉर्म विकसित करना।

विनियामक और नैतिक ढाँचे

टेलीसर्जरी में जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश स्थापित करना।

तकनीकी खराबी को दूर करने के लिए फेल-सेफ पेश करना।

साइबर सुरक्षा को मज़बूत करना

एन्क्रिप्शन और मल्टी-फ्रैक्टर प्रमाणीकरण जैसे सुरक्षा प्रोटोकॉल को बढ़ाना।

साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों के साथ नियमित अपडेट और सहयोग।

HMPV क्या है, यह कोविड-19 से किस तरह अलग है?

HMPV (ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस) क्या है?

ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (HMPV) एक श्वसन वायरस है जो मुख्य रूप से ऊपरी और निचले श्वसन पथ को संक्रमित करता है। इसे पहली बार 2001 में पहचाना गया था और यह अन्य श्वसन वायरस के समान बीमारियों का कारण बनता है, खासकर छोटे बच्चों, बड़े वयस्कों और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले व्यक्तियों में।

HMPV की मुख्य विशेषताएँ:

संचरण:

श्वसन की बूंदों, संक्रमित व्यक्तियों के साथ सीधे संपर्क या दूषित सतहों के संपर्क से फैलता है।

आमतौर पर सर्दियों के अंत और वसंत की शुरुआत में फैलता है।

लक्षण: हल्के से लेकर गंभीर श्वसन संबंधी लक्षण, जिनमें शामिल हैं:

खांसी

बुखार

नाक बंद होना
सांस फूलना
घरघराहट
ब्रॉकियोलाइटिस या निमोनिया (गंभीर मामलों में)
जोखिम वाले समूह:
5 वर्ष से कम आयु के बच्चे
वृद्ध वयस्क (विशेष रूप से 65 वर्ष से अधिक आयु के)
प्रतिरक्षा में कमी वाले व्यक्ति
अस्थमा या सीओपीडी जैसी पुरानी श्वसन संबंधी बीमारियों वाले लोग
निदान: आरटी-पीसीआर या नाक या गले के स्वाब से एंटीजन का पता लगाने जैसे आणविक परीक्षणों के माध्यम से निदान किया जाता है।
उपचार: कोई विशिष्ट एंटीवायरल उपचार या टीका उपलब्ध नहीं है। प्रबंधन में गंभीर मामलों के लिए हाइड्रेशन, बुखार नियंत्रण और ऑक्सीजन थेरेपी जैसी सहायक देखभाल शामिल है।

"अगर आप उस इंसान की तलाश कर रहे हो जो आपकी ज़िन्दगी को बदलेगा ! तो आप आईने में खुद को देख लें !!"

प्रभाव में मुख्य अंतर:

कोविड-19 को वैश्विक महामारी का दर्जा प्राप्त है, जिससे व्यापक रुग्णता और मृत्यु दर हो रही है। इसने कुछ व्यक्तियों में प्रणालीगत जटिलताएँ और दीर्घकालिक प्रभाव भी पैदा किए हैं। एचएमपीवी, हालांकि आम है, लेकिन महामारी का कारण नहीं बना है। यह ज़्यादातर स्थानीय प्रकोप का कारण बनता है और उच्च जोखिम वाले व्यक्तियों को छोड़कर, इसे कुल मिलाकर कम गंभीर माना जाता है।

संक्षेप में, एचएमपीवी मुख्य रूप से सर्दी और फ्लू जैसे श्वसन संक्रमण का कारण बनता है, जबकि कोविड-19 गंभीर श्वसन और प्रणालीगत जटिलताओं के साथ-साथ वैश्विक संचरण और मृत्यु दर की उच्च दर का कारण बन सकता है।

"रास्ते कभी ख्रम नहीं होते बस लोग हिम्मत हार जाते हैं !
तैरना सीखना है तो पानी में उतरना पड़ेगा यूं
किनारे पर बैठकर कोई गोताखोर नहीं बनता !!"

01 JAN

GLOBAL FAMILY DAY

Motto
To promote the idea that the Earth is one Global family and we should live in peace.

Importance
In November 1997, UNGA made a declaration that the first year of the new millennium would be International Decade for the Culture of Peace and Non-violence for the Children of the World.

Note
Global Family Day, One Day of Peace and Sharing, is celebrated every January 1 in the United States.

Globally Accepted
2001 (By UN)

United Nation Millennium celebration themed "One Day in Peace"

04 JAN

WORLD BRAILLE DAY

INCEPTION: 2019

Motto
To raise awareness of the importance of Braille as a means of communication in the full realization of the human rights for blind and partially sighted people.

Importance
In November 2018, the General Assembly decided to proclaim 4 January as World Braille Day to mark the birth anniversary of Louis Braille.

What is Braille?
Braille is a tactile representation of alphabetic and numerical symbols using six dots to represent each letter and number, and even musical, mathematical and scientific symbols.

Braille (named after its inventor in 19th century France, Louis Braille) is used by blind and partially sighted people to read the same books and periodicals as those printed in a visual font. Louis was born in 1809 in France and became blind after a childhood accident. When Louise was only 15 years old, he created a reading and writing system based on Charles Barbier's night writing system.

संस्कृति एवं इतिहास

केंद्र ने 2030 तक 10,000 भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग प्राप्त करने का लक्ष्य रखा है

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने देश के बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में 2030 तक 10,000 भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग प्राप्त करने का लक्ष्य रखा है। इस पहल को सरकार के समग्र वृष्टिकोण के माध्यम से लागू किया जाएगा और इसकी प्रगति की निगरानी के लिए एक समर्पित समिति बनाई जाएगी।

वर्तमान जीआई टैग उपलब्धियाँ

- उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (DPIIT) ने अब तक 605 जीआई टैग जारी किए हैं।
- जीआई टैग के लिए अधिकृत उपयोगकर्ताओं की संख्या 365 से बढ़कर 29,000 हो गई है।
- पिछले दशक में दिए गए पेटेंट की संख्या 6,000 से बढ़कर 100,000 हो गई है।

प्रमुख पहल और सरकारी सहायता

मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रचारित 'विकास भी और विरासत भी' के महत्व पर जोर दिया, जिसमें प्रधानमंत्री के 'मन की बात' रेडियो कार्यक्रम में जीआई उत्पादों का उल्लेख करने जैसे प्रयासों पर प्रकाश डाला गया। अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन फंड (एएनआरएफएफ) और वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) योजना पर उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र जैसी राज्य सरकारों द्वारा जीआई उत्पादों को बढ़ावा देने में सफल पहल के रूप में चर्चा की गई। सरकार ने डीपीआईआईटी की जनशक्ति में भी वृद्धि की है और बेहतर दक्षता और तेज़ परिणामों के लिए पूरी जीआई टैगिंग प्रक्रिया को डिजिटल किया है।

अंडमान के वर्जिन नारियल तेल को जीआई टैग: महिला सशक्तिकरण और जनजातीय समुदायों को बढ़ावा

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के निकोबार जिले के वर्जिन नारियल तेल (VCO) को हाल ही में प्रतिष्ठित भौगोलिक संकेत (GI) टैग मिला है। यह मील का पथर आदिवासी महिलाओं को सशक्ति बनाने और स्थानीय उत्पादों को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने के प्रयासों को उजागर करता है।

मुख्य हाइलाइट्स

वर्जिन नारियल तेल को जीआई टैग

निकोबार जिले के VCO को जीआई टैग मिला, जिससे इसकी वैश्विक मान्यता सुनिश्चित हुई। यह कदम अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उत्पाद को बढ़ावा देता है और इसकी अनूठी उत्पत्ति को उजागर करता है।

स्वयं सहायता समूहों (SHG) के माध्यम से सशक्तिकरण

VCO उत्पादन में लगी महिलाओं को वित्तीय स्वतंत्रता को बढ़ावा देने के लिए स्वयं सहायता समूहों में संगठित किया जाता है। इन SHG का उद्देश्य आदिवासी महिलाओं में नेतृत्व कौशल विकसित करना है।

पारंपरिक उत्पादन विधियाँ

VCO का उत्पादन पारंपरिक तरीकों का उपयोग करके किया जाता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि यह अपरिष्कृत, बिना ब्लीच किया हुआ और रसायन मुक्त रहे। शुद्धता पर यह ध्यान उत्पाद की वैश्विक अपील को बढ़ाता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोनमर्ग सुरंग का उद्घाटन किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्य कश्मीर के गंदेरबल जिले में सोनमर्ग सुरंग का उद्घाटन किया। उद्घाटन के दौरान प्रधानमंत्री ने सुरंग का निरीक्षण किया और इसकी विशेषताओं और निर्माण के बारे में जानकारी ली। इस सुरंग को क्षेत्र के लिए एक गेम-चेंजर माना जाता है, जो गगनगीर और सोनमर्ग के बीच हर मौसम में संपर्क प्रदान करती है।

महत्व और तकनीकी विशेषताएँ

सोनमर्ग सुरंग गगनगीर और सोनमर्ग के बीच यात्रा के समय को घटाकर सिर्फ़ 20-25 मिनट कर देती है। यह अत्याधुनिक तकनीकों से लैस है, जो उपयोगकर्ताओं के लिए वास्तविक समय के अपडेट और निर्बाध कनेक्टिविटी सुनिश्चित करती है। यह भविष्य का बुनियादी ढांचा क्षेत्र में सड़क संपर्क के लिए एक नया मानदंड स्थापित करता है।

समयरेखा और निर्माण

सोनमर्ग सुरंग पर काम मई 2015 में शुरू हुआ और 2023 में पूरा हुआ। इसका उद्घाटन पूरे साल सड़क मार्ग से लदाख क्षेत्र तक पहुँच को बेहतर बनाने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

आर्थिक और पर्यटन को बढ़ावा

इस सुरंग से क्षेत्र के व्यापार और पर्यटन क्षेत्रों की संभावनाओं को खोलने की उम्मीद है। यह सोनमर्ग में घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन को बढ़ावा देगा और गंदेरबल, कारगिल और लेह जिलों में सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ाएगा। इसके अतिरिक्त, यह निर्माणाधीन जोजिला सुरंग की ओर जाने वाली पहुँच सड़क को कनेक्टिविटी प्रदान करता है, जिससे क्षेत्र में बुनियादी ढाँचे में और सुधार होगा।

कन्याकुमारी में समुद्र के ऊपर भारत का पहला ग्लास ब्रिज का उद्घाटन किया गया

तिमिलनाडु के कन्याकुमारी में विवेकानंद रॉक मेमोरियल और तिरुवल्लुवर प्रतिमा को जोड़ने वाले समुद्र के ऊपर भारत के पहले ग्लास ब्रिज का उद्घाटन मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने किया।

खारे हवाओं को झेलने के लिए डिजाइन किया गया 77 मीटर लंबा और 10 मीटर चौड़ा यह पुल दो प्रतिष्ठित स्मारकों और आसपास के समुद्र के लुभावने दृश्य प्रस्तुत करता है। यह पानी के ऊपर चलने का एक अनूठा और रोमांचकारी अनुभव प्रदान करता है।

- लागत और क्रियान्वयन: तमिलनाडु राज्य सरकार द्वारा ₹37 करोड़ की लागत से क्रियान्वित ग्लास ब्रिज परियोजना, लैंड्स एंड में एक प्रमुख आकर्षण होने की उमीद है।
- ऐतिहासिक महत्व: इस उद्घाटन का समय दिवंगत मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि द्वारा 133 फुट ऊंची तिरुवल्लुवर प्रतिमा के अनावरण की रजत जयंती के साथ मेल खाने के लिए रखा गया था।

ओडिशा सरकार ने कौशल विकास, हरित ऊर्जा और औद्योगिक विकास के लिए सिंगापुर संगठनों के साथ 8 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए

ओडिशा ने ग्रीन हाइड्रोजन, पेट्रोकेमिकल्स, सेमीकंडक्टर, कौशल विकास और औद्योगिक विकास जैसे प्रमुख क्षेत्रों को बढ़ावा देने के लिए सिंगापुर संगठनों के साथ आठ समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

सहयोग के प्रमुख क्षेत्र:

ग्रीन हाइड्रोजन, फिनेटेक, पेट्रोकेमिकल्स, सेमीकंडक्टर, कौशल विकास और औद्योगिक पार्क।

समझौतों की मुख्य बातें:

- औद्योगिक पार्क और ग्रीन हाइड्रोजन कॉरिडोर: ओडिशा औद्योगिक अवसंरचना विकास निगम (आईडीसीओ) ने सिंगापुर के सेम्बकॉर्प के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए।
- पेट्रोकेमिकल और नए शहर का विकास: आईडीसीओ और भुवनेश्वर विकास प्राधिकरण (बीडीए) ने सिंगापुर के सुरबाना जुरोंग के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए।
- नया ऊर्जा क्षेत्र: नानयांग टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी (एनटीयू), प्रिडको और आईआईटी भुवनेश्वर ने नई ऊर्जा पहलों पर सहयोग किया।
- फिनेटेक इकोसिस्टम: इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी विभाग ने ग्लोबल फाइनेंस एंड टेक्नोलॉजी नेटवर्क (जीएफटीएन), सिंगापुर के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
- कौशल विकास और सेमीकंडक्टर: कौशल विकास और तकनीकी शिक्षा विभाग ने उन्नत क्षेत्रों में प्रशिक्षण का विस्तार करने के लिए आईटीई एजुकेशन सर्विसेज (आईटीईईएस), सिंगापुर के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

कौशल विकास पर ध्यान:

- विश्व कौशल केंद्र, भुवनेश्वर में एयरोस्पेस, समुद्री इंजीनियरिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल एनीमेशन, सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकी और अन्य क्षेत्रों में नए पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे।

➤ आईटी और आईटी-सक्षम सेवाओं के लिए एक विश्व केंद्र स्थापित किया जाएगा, जो साइबर सुरक्षा, क्लाउड कंप्यूटिंग, ब्लॉकचेन और डेटा विज्ञान पर ध्यान केंद्रित करेगा।

➤ सेमीकंडक्टर कौशल पहल: समझौता ज्ञापन में भारत की कार्यबल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सेमीकंडक्टर बुनियादी बातों, वेफर निर्माण और डिजाइन इंजीनियरिंग के लिए पाठ्यक्रम डिजाइन शामिल है।

➤ सहयोग का महत्व: समझौता ज्ञापन का उद्देश्य नवाचार को बढ़ावा देना, कौशल विकास को बढ़ाना और ओडिशा में निवेश आकर्षित करना है, जिससे आर्थिक विकास और तकनीकी प्रगति में योगदान मिलेगा।

➤ ओडिशा निवेशक शिखर सम्मेलन: ओडिशा निवेशक शिखर सम्मेलन से पहले समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए, जहां सिंगापुर पहला देश भागीदार है।

प्रोफेसर उर्बसी सिन्हा को गेट्स-कैम्ब्रिज इम्पैक्ट पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया

पुरस्कार विवरण:

बैंगलुरु के रमन रिसर्च इंस्टीट्यूट (आरआरआई) की प्रोफेसर उर्बसी सिन्हा को बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन, यूके द्वारा गेट्स-कैम्ब्रिज इम्पैक्ट पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया है। यह प्रतिष्ठित समान गेट्स-कैम्ब्रिज की 25वीं वर्षगांठ के जश्न का हिस्सा है।

पेशेवर भूमिका:

प्रोफेसर सिन्हा आरआरआई में एक संकाय सदस्य हैं, जो प्रकाश और पदार्थ भौतिकी डोमेन में काम करती हैं। वे कांटम सूचना और कंप्यूटिंग (QuIC) लैब की प्रमुख हैं, जो कांटम बुनियादी बातों और प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित करती है।

विज्ञान में योगदान:

कांटम कंप्यूटिंग और कांटम प्रौद्योगिकियों में सिन्हा के अग्रणी कार्य का उद्देश्य वैश्विक चुनौतियों का समाधान करना है, कांटम कंप्यूटिंग को मानवता के सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों के लिए एक महत्वपूर्ण समाधान के रूप में स्थापित करना है। उन्होंने कांटम संचार, कांटम कंप्यूटिंग, कांटम ऑप्टिक्स और कांटम सूचना प्रसंस्करण में भारत की क्षमताओं को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, विशेष रूप से हेराल्ड और उलझे हुए फोटोन स्रोतों के विकास के माध्यम से।

नेतृत्व और मान्यता:

प्रोफेसर सिन्हा भारत के राष्ट्रीय कांटम मिशन में एक प्रमुख व्यक्ति हैं, जिसका उद्देश्य भारत की कांटम नवाचार में अग्रणी बनाना है। उन्हें पहले राष्ट्रीय विज्ञान युवा पुरस्कार और फोटोनिक कांटम विज्ञान और प्रौद्योगिकी में कनाडा उल्कृष्टा अनुसंधान अध्यक्ष जैसे पुरस्कार मिल चुके हैं। सिन्हा ने सर्व में ओपन कांटम इंस्टीट्यूट (OQI) के निर्माण में भी योगदान दिया।

डॉ. सैयद अनवर खुर्शीद को प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया

सऊदी अरब में रहने वाले प्रख्यात भारतीय चिकित्सक डॉ. सैयद अनवर खुर्शीद को प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया है, जो भारत सरकार द्वारा प्रवासी भारतीयों के लिए सर्वोच्च सम्मान है। यह पुरस्कार स्वास्थ्य सेवा, सामुदायिक कल्याण और भारत-सऊदी अरब संबंधों को बढ़ावा देने में उनके असाधारण योगदान को मान्यता देता है।

स्वास्थ्य सेवा और लोक कल्याण में योगदान

45 से अधिक वर्षों के चिकित्सा अनुभव के साथ, डॉ. खुर्शीद ने किंग फैसल अस्पताल में तीन दशक और रॉयल प्रोटोकॉल फिजिशियन के रूप में नेशनल गार्ड अस्पताल में एक दशक सहित प्रतिष्ठित भूमिकाएँ निभाई हैं। COVID-19 महामारी के दौरान, उन्होंने भारतीय प्रवासियों के लिए महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवा, वैक्सीन वकालत और निरंतर परामर्श प्रदान किया। उन्होंने हज कार्यक्रम में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, 30 से अधिक वर्षों तक मीना और अराफात में भारतीय तीर्थयात्रियों को चिकित्सा सहायता प्रदान की। उल्लेखनीय रूप से, उन्होंने किंग अब्दुल्ला के निजी चिकित्सक के रूप में कार्य किया।

डॉ. कृष्ण एम. एला को INSA इंडिया फेलोशिप से सम्मानित किया गया

भारत बायोटेक के सह-संस्थापक और कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. कृष्ण एम. एला को भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (INSA) द्वारा 2025 के लिए प्रतिष्ठित इंडिया फेलोशिप से सम्मानित किया गया है। यह मान्यता वैज्ञानिक प्रगति, विशेष रूप से नई वैक्सीन प्रौद्योगिकियों के विकास और मौजूदा प्रौद्योगिकियों में सुधार में उनके महत्वपूर्ण योगदान का प्रमाण है।

INSA फेलोशिप विवरण

2025 में पहली बार, 61 व्यक्तियों को INSA फेलोशिप से सम्मानित किया गया। यह फेलोशिप अपने ग्राप्टकर्ताओं को INSA आम बैठकों में भाग लेने और मतदान करने और भविष्य की फेलोशिप या INSA पुरस्कारों के लिए अन्य योग्य व्यक्तियों को प्रस्तावित करने का अधिकार देती है। डॉ. एला वैज्ञानिकों और उद्योग जगत के नेताओं के एक प्रतिष्ठित समूह में शामिल हो गए हैं, जिनमें डॉ. अनिल काकोडकर, डॉ. वीके सारस्वत और डॉ. एस. सोमनाथ शामिल हैं, जिन्हें पहले INSA द्वारा सम्मानित किया जा चुका है।

INSA की भूमिका

1935 में स्थापित, भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (INSA) भारत में वैज्ञानिक ज्ञान को बढ़ावा देने और इसे राष्ट्रीय कल्याण के लिए लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। INSA भारत में वैज्ञानिक समुदाय के हितों की रक्षा करते हुए वैज्ञानिक अकादमियों और सरकारी विभागों के बीच समन्वय की सुविधा भी प्रदान करता है।

मेघालय के किशोर को राष्ट्रीय बाल पुरस्कार मिला

मेघालय के पंद्रह वर्षीय किसन वानियांग को उनकी असाधारण बहादुरी के लिए 'प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।

- पुरस्कार प्रस्तुति: राष्ट्रपति द्वौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में 16 अन्य बच्चों के साथ यह पुरस्कार प्रदान किया।
- सम्मान का कारण: वानियांग को चार बच्चों को झूबने से बचाने के उनके साहसी कार्य के लिए सम्मानित किया गया।
- बहादुरी का कार्य: वानियांग ने अपने गांव, मावलंगवीर, दक्षिण-पश्चिम खासी हिल्स में भारी बारिश के दौरान मावेइट्कसर नदी से 9 से 12 वर्ष की आयु के चार बच्चों को बचाया।
- परिस्थितियाँ: नदी के किनारे कपड़े धोते समय, वानियांग ने मदद के लिए चिल्लाने की आवाज़ सुनी और बिना किसी हिचकिचाहट के, अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना, बच्चों को बचाने के लिए नदी में कूद गया।
- व्यक्तिगत पृष्ठभूमि: वानियांग एक अकेली माँ का बेटा है जो घरेलू सहायिका के रूप में काम करती है।
- पुरस्कार समारोह विवरण: राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित एक समारोह में असाधारण उपलब्धियों के लिए सात श्रेणियों में 17 बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार प्रदान किया गया।

ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता एम.टी. वासुदेवन नायर का 91 वर्ष की आयु में निधन

प्रसिद्ध लेखक और ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता एम.टी. वासुदेवन नायर का 91 वर्ष की आयु में निधन

साहित्यिक प्रतीक:

उनका उपन्यास नालुकेटू (पैतृक घर) मलयालम साहित्य में एक क्लासिक है। अन्य प्रशंसित कृतियों में असुरविथु, मंजू और कालम शामिल हैं।

पुरस्कार और सम्मान:

- 1995 में भारत के सर्वोच्च साहित्यिक सम्मान ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित।
- केंद्र साहित्य अकादमी पुरस्कार, केरल साहित्य अकादमी पुरस्कार, वायलर पुरस्कार, वल्लथोल पुरस्कार, एन्नुथचन पुरस्कार, मातृभूमि साहित्य पुरस्कार और ओ एन वी साहित्य सहित कई पुरस्कारों से सम्मानित। 2005 में भारत के तीसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान पद्म भूषण से सम्मानित।
- सिनेमा में योगदान: 2013 में मलयालम सिनेमा में आजीवन उपलब्धि के लिए जे सी डेनियल पुरस्कार से सम्मानित।
- केरल का सर्वोच्च नागरिक सम्मान: 2022 में केरल सरकार का पहला और सर्वोच्च नागरिक सम्मान, केरल ज्योति पुरस्कार प्राप्त किया।
- संपादकीय विरासत: कई वर्षों तक मातृभूमि साप्ताहिक के संपादक के रूप में कार्य किया।

मनु भाकर, गुकेश, हरमनप्रीत सिंह और प्रवीण कुमार को राष्ट्रपति मुर्मू से खेल रत्न मिला

मनु भाकर और डी गुकेश ने कुछ सितारों की चमक बिखेरी, लौकिक जब राष्ट्रपति द्वौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक भव्य समारोह में राष्ट्रीय खेल पुरस्कार प्रदान किए, तो पैरा-एथलीटों ने सबसे अधिक तालियाँ बटोरीं।

राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2024 की मुख्य बातें

मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार

खेलों में सर्वोच्च उपलब्धि के लिए दिया जाता है।

विजेता:

- डी. गुकेश (शतरंज): शतरंज के सबसे युवा विश्व चैंपियन और भारत के शतरंज ओलंपियाड स्वर्ण पदक में प्रमुख खिलाड़ी।
- हरमनप्रीत सिंह (हॉकी): टोक्यो और पेरिस ओलंपिक में भारत की कांस्य पदक जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- प्रवीण कुमार (पैरा-एथलेटिक्स): पेरिस पैरालिंपिक स्वर्ण पदक विजेता; टोक्यो में रजत पदक से आगे बढ़े।
- मनु भाकर (निशानेबाजी): 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धाओं में दो बार ओलंपिक कांस्य पदक विजेता।

अर्जुन पुरस्कार

चार वर्षों में लगातार प्रदर्शन को मान्यता देता है। कुल: 17 पैरा-एथलीटों सहित 32 विजेता।

उल्लेखनीय विजेता:

- एथलेटिक्स: ज्योति याराजी, अन्न रानी।
- बॉक्सिंग: नीटू, स्वीटी।
- हॉकी: अभिषेक, संजय, सुखजीत सिंह, जरमनप्रीत सिंह।
- शतरंज: वंतिका अग्रवाल।
- पैरा-एथलेटिक्स: प्रीति पाल, सचिन सरजेराव खिलारी, प्रणव सूरमा।
- पैरा-बैडमिंटन: नितेश कुमार, मनीषा रामदास।
- शूटिंग: स्वप्निल कुसाले, सरबजोत सिंह।
- कुश्ती: अमन सहरावत।

"लगातार मिल रही असफलताओं से निराश नहीं !
कभी-कभी गुच्छे की आखरी चाबी ताला खोल देती है !!"

अर्जुन पुरस्कार (लाइफटाइम अचीवमेंट)

➢ मुरलीकांत राजाराम पेटकर (पैरा-तैराकी): भारत के पहले पैरालिंपिक स्वर्ण पदक विजेता (1972)।

➢ सुच्चा सिंह (एथलेटिक्स)।

द्रोणाचार्य पुरस्कार

➢ कोचिंग में उल्कृष्टता के लिए उल्लेखनीय विजेता:

➢ सुभाष राणा (पैरा-शूटिंग)।

➢ दीपाली देशपांडे (शूटिंग)।

➢ संदीप सांगवान (हॉकी)।

➢ आर्मंडो कोलाको (फुटबॉल)।

राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार

➢ भारतीय शारीरिक शिक्षा फाउंडेशन।

माका ट्रॉफी

खेलों इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले विश्वविद्यालयों के लिए पुरस्कार:

➢ चंडीगढ़ विश्वविद्यालय।

➢ लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी।

➢ गुरु नानक देव विश्वविद्यालय।

महत्वपूर्ण क्षण

➢ पैरा-एथलीट चमके: 32 में से 17 अर्जुन पुरस्कार पैरा-एथलीटों को मिले, जो पेरिस पैरालिंपिक (7 स्वर्ण सहित 29 पदक) में उनके उल्लेखनीय प्रदर्शन को दर्शाता है।

➢ दिल को छू लेने वाला सम्मान: मुरलीकांत पेटकर ने बैसाखी पर अपना पुरस्कार प्राप्त किया, जिसे लोगों ने खूब सराहा।

➢ विशेष उल्लेख: राष्ट्रपति द्वौपदी मुर्मू ने क्षीलचेयर पर बैठे एथलीटों को व्यक्तिगत रूप से सम्मानित करने की परंपरा को तोड़ा।

पुरस्कार विवरण

➢ खेल रत्न: ₹25 लाख नकद पुरस्कार।

➢ अर्जुन और द्रोणाचार्य पुरस्कार: ₹15 लाख नकद पुरस्कार।

"कितना भी पकड़लो फिसलता ज़रूर है !
ये वक्त है ! जनाब बदलता ज़रूर है !!"

आउट हो गई, जिसमें छह बल्लेबाज़ शून्य पर आउट हो गए, जिससे मुंबई को 544 रनों से जीत मिली।

बार्सिलोना ने रिकॉर्ड 15वां स्पेनिश सुपर कप खिताब जीता

सऊदी अरब में आयोजित एक रोमांचक मैच में रियल मैड्रिड को हराकर बार्सिलोना स्पेनिश सुपर कप फुटबॉल फाइनल में विजयी हुआ। रियल मैड्रिड की शुरुआती बढ़त के बावजूद, किलियन एमबाप्पे की बदौलत, बार्सिलोना ने लैमिन यामल, रॉबर्ट लेवांडोव्स्की, राफिन्हा और एलेजांद्रो बाल्डे के गोलों से खेल को पलट दिया। वोजिशएक स्जेसनी को रेड कार्ड मिलने से मैच की तीव्रता बढ़ गई, लेकिन बार्सिलोना के दबदबे ने जीत को पक्का कर दिया। इस जीत के साथ, बार्सिलोना ने अपना 15वां स्पेनिश सुपर कप खिताब हासिल किया, जिससे प्रतियोगिता में सबसे सफल टीम के रूप में उनका रिकॉर्ड और मजबूत हो गया।

मार्टिन गुएस्ट ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की

न्यूजीलैंड के क्रिकेटर मार्टिन गुएस्ट ने 38 साल की उम्र में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की। उनका शानदार करियर 14 साल तक चला, जिसके दौरान उन्होंने 367 मैच खेले और 23 अंतर्राष्ट्रीय शतकों सहित 14,000 से अधिक रन बनाए। गुएस्ट ने 2009 में वेस्टइंडीज के खिलाफ डेब्यू किया और आखिरी बार 2022 में न्यूजीलैंड का प्रतिनिधित्व किया।

वनडे क्रिकेट में उपलब्धियां

गुएस्ट ने 198 वनडे खेले, जिसमें 7,346 रन बनाए, जो उन्हें रॉस टेलर और स्टीफन फ्लॉमिंग के बाद न्यूजीलैंड के लिए इस प्रारूप में तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बनाता है। उन्होंने 2015 विश्व कप में वेस्टइंडीज के खिलाफ नाबाद 237 रन बनाकर एकदिवसीय विश्व कप में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर का रिकॉर्ड बनाया है। यह एकदिवसीय इतिहास में कीवी बल्लेबाज द्वारा बनाया गया सर्वोच्च स्कोर भी है।

टी20आई रिकॉर्ड

टी20आई में, गुएस्ट ने 122 मैचों में 3,531 रन बनाए, इस प्रारूप में न्यूजीलैंड के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। उनकी उपलब्धियों में दो शतक और 20 अर्धशतक शामिल हैं।

67वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैपियनशिप 2024

67वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैपियनशिप 2024 नई दिल्ली के डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में हुई। भारतीय सेना का प्रतिनिधित्व करने वाले वरुण तोमर जूनियर वर्ग में अपनी जीत के साथ पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में राष्ट्रीय चैपियन बने।

उल्लेखनीय प्रदर्शन

उत्तर प्रदेश के चिराग शर्मा ने युवा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता, जिससे राज्य से उभरने वाली प्रतिभा का प्रदर्शन हुआ।

राजस्थान ने भी पुरुष और युवा वर्ग में कांस्य सहित कई स्पर्धाओं में पदक जीतकर अपनी छाप छोड़ी।

पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल

- स्वर्ण: वरुण तोमर (भारतीय सेना)
- रजत: प्रद्युम्न सिंह (भारतीय सेना)
- कांस्य: आकाश भारद्वाज (राजस्थान)

पुरुषों की जूनियर 10 मीटर एयर पिस्टल

- स्वर्ण: वरुण तोमर (भारतीय सेना)
- रजत: निखिल (उत्तर प्रदेश)
- कांस्य: प्रद्युम्न सिंह (भारतीय सेना)

पुरुषों की युवा 10 मीटर एयर पिस्टल

- स्वर्ण: चिराग शर्मा (उत्तर प्रदेश)
- रजत: देव प्रताप (उत्तर प्रदेश)
- कांस्य: मयंक चौधरी (राजस्थान)

17 वर्षीय काम्या कार्तिकेयन सात शिखरों पर चढ़ने वाली सबसे कम उम्र की महिला बनीं

नेवी चिल्डन स्कूल, मुंबई की 17 वर्षीय छात्रा काम्या कार्तिकेयन सात महाद्वीपों में से प्रत्येक की सबसे ऊची चोटियों पर चढ़ने वाली विश्व की सबसे कम उम्र की महिला बन गई।

- सात शिखर: उन्होंने अफ्रीका के माउंट किलिमंजारो, यूरोप के माउंट एल्ब्रस, ऑस्ट्रेलिया के माउंट कोसियस्ज़को, दक्षिण अमेरिका के माउंट एकॉनकागुआ, उत्तरी अमेरिका के माउंट डेनाली, एशिया के माउंट एवरेस्ट और अंटार्कटिका के माउंट विंसन पर सफलतापूर्वक चढ़ाई की।
- अंतिम चढ़ाई: काम्या ने अपने पिता कमांडर एस. कार्तिकेयन के साथ अंटार्कटिका में माउंट विंसन पर चढ़ाई करके यह उपलब्धि हासिल की।
- पिछला रिकॉर्ड: 16 साल की उम्र में काम्या ने माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई की और यह उपलब्धि हासिल करने वाली सबसे कम उम्र की महिला बन गई।
- मान्यता: पर्वतारोहण में उनकी असाधारण उपलब्धियों के लिए उन्हें 2021 में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल शक्ति पुरस्कार मिला।

केरल ने पहली बार सीनियर नेशनल पुरुष हैंडबॉल चैपियनशिप का खिताब जीता

केरल ने फाइनल में चंडीगढ़ को हराकर अपना पहला सीनियर नेशनल पुरुष हैंडबॉल चैपियनशिप खिताब जीता। टूर्नामेंट का फाइनल केरल के चंगनास्सेरी में हुआ। केरल ने सेमीफाइनल में सर्विसेज को हराया, जबकि चंडीगढ़ ने भारतीय रेलवे को हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की की।

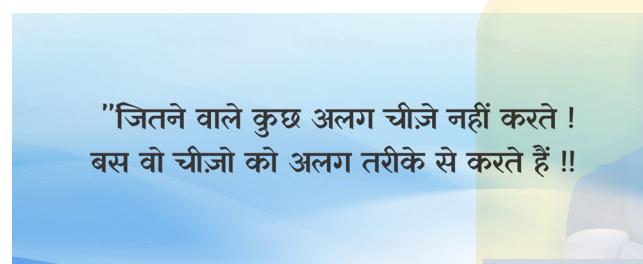
व्यक्तिगत सम्मान:

- देवेंद्र (केरल): चैपियनशिप के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी
- राहुल (केरल): सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर
- सुजीत (केरल): सर्वश्रेष्ठ लैफ्ट विंग खिलाड़ी
- तीसरा स्थान: सर्विसेज और भारतीय रेलवे ने टूर्नामेंट में तीसरा स्थान साझा किया।

सचिन तेंदुलकर मेलबर्न क्रिकेट क्लब के मानद सदस्य बने

भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर को ऑस्ट्रेलिया के सबसे पुराने और सबसे प्रभावशाली खेल संस्थानों में से एक प्रतिष्ठित मेलबर्न क्रिकेट क्लब (MCC) की मानद सदस्यता प्रदान की गई है।

- MCC की मानद सदस्यता: सचिन तेंदुलकर को 1838 में स्थापित ऑस्ट्रेलिया के प्रतिष्ठित खेल संस्थान मेलबर्न क्रिकेट क्लब (MCC) की मानद सदस्यता प्रदान की गई है।
- MCC की भूमिका: MCC दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित क्रिकेट स्पर्लों में से एक प्रतिष्ठित मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (MCG) का प्रबंधन करता है।
- योगदान की स्वीकृति: MCC ने क्रिकेट पर तेंदुलकर के अद्वितीय प्रभाव का जश्न मनाया, खेल पर उनके वैश्विक प्रभाव को मान्यता दी।



MCG में तेंदुलकर की उपलब्धियाँ

- MCG में रिकॉर्ड: तेंदुलकर ने MCG में पाँच टेस्ट मैचों में 449 रन बनाए, जिसमें एक शतक और तीन अर्द्धशतक शामिल हैं, उनका औसत 44.90 और स्ट्राइक रेट 58.69 रहा।

पिछले सम्मान

- ऑर्डर ऑफ ऑस्ट्रेलिया: 2012 में, तेंदुलकर को क्रिकेट में उनकी असाधारण उपलब्धियों और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट पर उनके प्रभाव के लिए ऑर्डर ऑफ ऑस्ट्रेलिया से सम्मानित किया गया।
- वैश्विक मान्यता: यह सम्मान क्रिकेट इतिहास के सबसे महान खिलाड़ियों में से एक के रूप में तेंदुलकर की दुनिया भर में प्रशंसा को दर्शाता है।



09 JAN **NRI DAY (PRAVASI BHARTIYA DIWAS)**

CURRENT AFFAIRS

प्रवासी भारतीय दिवस

Motto
To mark the contribution of the overseas Indian community towards the development of India.

Importance
To commemorate the return of Mahatma Gandhi from South Africa to Mumbai on 9 January, 1915. On this day Pravasi Bharatiya Samman Awards (PBSA) conferred upon by the Indian Government to overseas Indian.

Note
It was first launched in the year 2003. PBSA is conferred by President of India as part of Pravasi Bharatiya Divas (PBD) Convention.

10 JAN **WORLD HINDI DAY**

CURRENT AFFAIRS

हिन्दी दिवस

Importance
To mark the birth anniversary of first World Hindi Conference which was held in 1975. The First World Hindi Conference was inaugurated by the then prime minister Indira Gandhi. Since 1975, the World Hindi Conference has been organised in different countries like India, Mauritius, United Kingdom, Trinidad and Tobago, United States.

Note
World Hindi Day was first observed on January 10, 2006. Since then, it is celebrated on January 10 every year.

World Hindi Day vs National Hindi Diwas
National Hindi Diwas is celebrated every year on September 14. Because on this day in 1949, the constituent assembly adopted Hindi, written in Devanagari script, as the official language of the Union. While the focus of the World Hindi Day is to promote the language at the global stage.

निधन

टीवीएस परिवार के दिग्गज एवं लक्ष्मण का 92 वर्ष की आयु में निधन

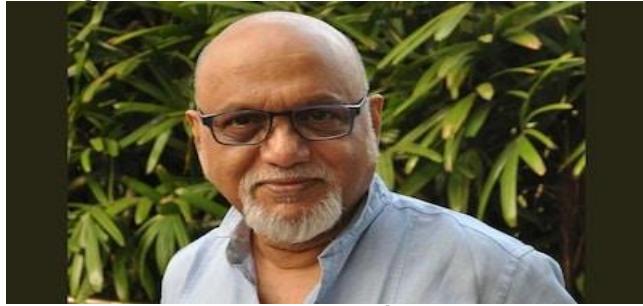


सुंदरम-क्लेटन (अब टीवीएस होलिंग्स लिमिटेड) के पूर्व कार्यकारी निदेशक और टीवीएस परिवार में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति। 20 वर्ष की आयु में अपना कैरियर शुरू किया, टीवीएस मोटर के संस्थापक टीएस श्रीनिवासन (चीमा) के साथ मिलकर काम किया, व्यवसाय संचालन, श्रम संबंधों और कानूनी अनुबंधों में महारत हासिल की।

टीवीएस होलिंग्स लिमिटेड

- पूर्व में: सुंदरम-क्लेटन लिमिटेड
- स्थापना: 1962
- संस्थापक: टी.एस. श्रीनिवासन
- मुख्यालय: चेन्नई, तमिलनाडु, भारत
- अध्यक्ष: आर. गोपालन
- एमडी: लक्ष्मी वेणु
- अध्यक्ष एमेरिटस: वेणु श्रीनिवासन
- माता-पिता: टीवीएस समूह
- सहायक कंपनियां: टीवीएस मोटर कंपनी (50.26%)

वरिष्ठ पत्रकार, फिल्म निर्माता, कवि प्रीतिश नंदी का 73 वर्ष की आयु में निधन



वरिष्ठ पत्रकार, कवि, फिल्म निर्माता और पूर्व राज्यसभा सांसद प्रीतिश नंदी का मुंबई में हृदयाघात के बाद निधन हो गया। नंदी पद्म श्री पुरस्कार विजेता थे, जिन्हें साहित्य में उनके योगदान के लिए 1977 में सम्मानित किया गया था।

प्रारंभिक जीवन और पत्रकारिता

- 1951 में भागलपुर, बिहार में जन्मे।

- इलस्ट्रेटेड वीकली ऑफ इंडिया को पुनर्जीवित किया और दूरदर्शन पर प्रीतिश नंदी शो की मेजबानी की, जिसमें गायक किशोर कुमार के साथ 1985 का प्रतिष्ठित साक्षात्कार भी शामिल था।
- 1980 के दशक में टाइम्स ऑफ इंडिया में लगभग एक दशक बिताया।

फिल्म निर्माण

प्रीतिश नंदी कम्प्युनिकेशंस (PNC) की स्थापना की, जिसने सुर, कांटे, झंकार बीट्स, चमेली, हज़ारों खाहिशों ऐसी और प्यार के साइड इफेक्ट्स जैसी फिल्में बनाई। PNC ने डिजिटल कंटेंट में भी कदम रखा, फोर मोर शॉट्स प्लीज जैसी वेब सीरीज़ का निर्माण किया। और मॉडर्न लव मुंबई।

पुरस्कार और सम्मान

कई प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त किए, जिनमें शामिल हैं:

- ईएम फोर्स्टर लिटरेरी अवार्ड।
- यूनेस्को एशिया पैसिफिक हेरिटेज अवार्ड।
- हायूमेन सोसाइटी ऑफ द यूनाइटेड स्टेट्स से इंटरनेशनल एसोसिएशन अवार्ड।
- बांगलादेश से फ्रेंड्स ऑफ लिबरेशन वॉर ऑनर।
- पीएनसी द्वारा निर्मित फिल्मों के लिए कई पुरस्कार नामांकन।

विरासत

पत्रकारिता, साहित्य और सिनेमा में अपने अग्रणी काम के लिए जाने जाते हैं। कई माध्यमों में रचनात्मकता और सामाजिक प्रासंगिकता को मिलाने की अपनी अनूठी क्षमता के लिए मनाया जाता है।

हवलदार बलदेव सिंह का निधन



पाकिस्तान के खिलाफ चार युद्धों में लड़ने वाले एक अनुभवी सैनिक हवलदार (सेवानिवृत्त) बलदेव सिंह का 93 वर्ष की आयु में जम्मू और कश्मीर के राजौरी जिले में उनके निवास पर निधन हो गया। 27 सितंबर, 1931 को नौनिहाल गांव में जन्मे बलदेव सिंह ने 1947-48 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान मात्र 16 वर्ष की आयु में बाल सेना बल में शामिल होने के लिए स्वेच्छा से काम किया था। 50 पैरा ब्रिगेड के कमांडर ब्रिगेडियर उस्मान के नेतृत्व में उन्होंने नौशेरा और झांगर की महत्वपूर्ण लड़ाई में भाग लिया

था। 12 से 16 वर्ष की आयु के स्थानीय लड़कों से बनी बाल सेना ने इन लड़ाइयों के दौरान भारतीय सेना के लिए डिस्पैच रनर के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

अनुभवी परमाणु वैज्ञानिक आर. चिंदंबरम का 88 वर्ष की आयु में निधन



डॉ. राजगोपाला चिंदंबरम, एक प्रतिष्ठित भारतीय परमाणु वैज्ञानिक का 88 वर्ष की आयु में मुंबई में निधन हो गया। 11 नवंबर, 1936 को चेन्नई में जन्मे डॉ. चिंदंबरम प्रेसीडेंसी कॉलेज, चेन्नई और भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलुरु के पूर्व छात्र थे। उन्होंने भारत के परमाणु कार्यक्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, 1974 में देश के पहले परमाणु परीक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दिया और 1998 में पोखरण-॥ परमाणु परीक्षण के दौरान परमाणु ऊर्जा विभाग की टीम का नेतृत्व किया।

अपने पूरे करियर के दौरान, डॉ. चिंदंबरम ने कई प्रतिष्ठित पदों पर कार्य किया, जिनमें शामिल हैं:

- भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के निदेशक (1990-1993)
- परमाणु ऊर्जा आयोग के अध्यक्ष और भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग के सचिव (1993-2000)
- भारत सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार (2001-2018)
- अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष (1994-1995)
- उच्च दाब भौतिकी, क्रिस्टलोग्राफी और पदार्थ विज्ञान में उनके योगदान ने भारत की वैज्ञानिक क्षमताओं को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
- उनकी सेवाओं के सम्मान में डॉ. चिंदंबरम को कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया, जिनमें 1975 में पद्मश्री और 1999 में पद्म विभूषण शामिल हैं।

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जिमी कार्टर का प्लेन्स, जॉर्जिया में निधन



पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जिमी कार्टर का प्लेन्स, जॉर्जिया में उनके घर पर 100 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे अब तक के सबसे उम्रदराज जीवित राष्ट्रपति थे और भारत की यात्रा करने वाले तीसरे अमेरिकी राष्ट्रपति थे। श्री कार्टर मेलेनोमा नामक त्वचा कैंसर के आक्रामक रूप से पीड़ित थे, जिसमें ट्यूमर उनके लीवर और मस्तिष्क तक फैल गया था। राष्ट्रपति पद: डेमोक्रेटिक पार्टी का प्रतिनिधित्व करते हुए 39वें अमेरिकी राष्ट्रपति (1977-1981) के रूप में कार्य किया।

ऐतिहासिक महत्व:

- इतिहास में सबसे उम्रदराज जीवित अमेरिकी राष्ट्रपति
 - भारत की यात्रा करने वाले तीसरे अमेरिकी राष्ट्रपति
- राष्ट्रपति पद के बाद के योगदान:**
- अपना जीवन मानवीय कार्यों के लिए समर्पित किया
 - 2002 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित

सुजुकी के पूर्व चेयरमैन ओसामु सुजुकी का 94 वर्ष की आयु में निधन



सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन के पूर्व चेयरमैन ओसामु सुजुकी का 94 वर्ष की आयु में लिम्फोमा के कारण निधन हो गया। उन्होंने चार दशकों से अधिक समय तक सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन का नेतृत्व किया और अटॉ उद्योग में एक वैश्विक आइकन बन गए। सुजुकी ने 1958 में कंपनी के साथ अपनी यात्रा शुरू की और 1978 में इसके अध्यक्ष बने। उन्होंने दो कार्यकालों में 28 वर्षों तक अध्यक्ष के रूप में कार्य किया, जिससे वे वैश्विक ऑटोमेकर के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले प्रमुख बन गए। 2000 में, उन्होंने अध्यक्ष के रूप में कार्य करते हुए अध्यक्ष की अतिरिक्त भूमिका निभाई।

जून 2015 में, अध्यक्ष पद उनके बेटे को सौंप दिया गया, जबकि ओसामु सुजुकी ने अध्यक्ष और सीईओ की भूमिकाएँ बरकरार रखीं। ईंधन-अर्थव्यवस्था संबंधी गलत बयान के बाद उन्होंने 2016 में सीईओ के पद से इस्तीफा दे दिया, लेकिन 2021 तक चेयरमैन के पद पर बने रहे, 91 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त हुए।

सुजुकी

- उद्योग: ऑटोमोटिव
- स्थापना: अक्टूबर 1909
- संस्थापक: मिचियो सुजुकी
- मुख्यालय: शिजुओका, जापान
- अध्यक्ष: तोशीहिरो सुजुकी

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का 92 वर्ष की आयु में निधन



पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का नई दिल्ली में निधन हो गया। वे 92 वर्ष के थे।

व्यक्तिगत विवरण

26 सितंबर, 1932 को अविभाजित भारत के पंजाब में जन्मे। 92 वर्ष की आयु में नई दिल्ली में निधन।

➤ गुरशरण कौर से विवाहित; दंपति की तीन बेटियाँ हैं।

शैक्षणिक उपलब्धियाँ

- पंजाब विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में स्नातक और परास्नातक की डिग्री।
- कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में प्रथम श्रेणी सम्मान (1957)।
- ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में डी.फिल (1962)।

करियर की उपलब्धियाँ

1971 में वाणिज्य मंत्रालय में आर्थिक सलाहकार के रूप में भारत सरकार में शामिल हुए।

प्रमुख पदों पर रहे:

- मुख्य आर्थिक सलाहकार
- वित्त सचिव
- भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर
- वित्त मंत्री (1991-1996): 1991 के आर्थिक सुधारों की शुरुआत की, जिससे भारत की अर्थव्यवस्था उदार हुई।

प्रधानमंत्री का कार्यकाल (2004-2014)

लगातार दो कार्यकाल (2004-2009, 2009-2014) के लिए भारत के 13वें प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया। कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (UPA) सरकार का नेतृत्व किया। 7.7% की औसत आर्थिक वृद्धि दर की देखरेख की, जिससे लाखों लोग गरीबी से बाहर निकले।

प्रमुख उपलब्धियाँ

भारत के 1991 के आर्थिक उदारीकरण के वास्तुकार, लाइसेंस-परमिट राज को समाप्त किया।

परिवर्तनकारी सामाजिक कल्याण कार्यक्रम शुरू किए:

- महान्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (MGNREGA)।
- शिक्षा का अधिकार अधिनियम।
- खाद्य सुरक्षा अधिनियम।
- भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु समझौता: परमाणु नीति में गहन रणनीतिक संबंधों और अंतर्राष्ट्रीय स्वीकृति के लिए द्वारा खोले।

चुनौतियाँ और विवाद

यूपीए कार्यकाल के दौरान भ्रष्टाचार घोटालों पर आलोचना का सामना करना पड़ा:

- 2जी स्पेक्ट्रम आवंटन मामला।
- कॉमनवेल्थ गेम्स घोटाला।

कोलगेट विवाद

कांग्रेस पार्टी की आंतरिक गतिशीलता के कारण नेतृत्व प्रभावित रहा, जिसमें 2013 में राहुल गांधी द्वारा एक सरकारी अध्यादेश को सार्वजनिक रूप से खारिज करना शामिल है।

सम्मान और पुरस्कार

- भारत के दूसरे सबसे बड़े नागरिक पुरस्कार पद्म विभूषण के प्राप्तकर्ता।

विरासत

एक दूरदर्शी अर्थशास्त्री और नेता के रूप में याद किए जाते हैं। आधुनिक भारत की आर्थिक प्रगति को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके कार्यकाल में ईमानदारी, विचारशील शासन और समावेशी विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया।

ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता एम. टी. वासुदेवन नायर का 91 वर्ष की आयु में निधन



प्रसिद्ध लेखक और ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता एम टी वासुदेवन नायर का 91 वर्ष की उम्र में निधन

पुरस्कार और सम्मान:

1995 में भारत का सर्वोच्च साहित्यिक सम्मान ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त हुआ। केंद्र साहित्य अकादमी पुरस्कार, केरल साहित्य अकादमी पुरस्कार, वायलार पुरस्कार, वलाथोल पुरस्कार, एजुआचन पुरस्कार, मातृभूमि साहित्य पुरस्कार और ओएनवी साहित्यिक पुरस्कार सहित कई पुरस्कारों से सम्मानित, 2005 में भारत के तीसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान पद्म भूषण से सम्मानित किया गया।

सिनेमा में योगदान: 2013 में मलयालम सिनेमा में आजीवन उपलब्धि के लिए जे सी डैनियल पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

केरल का सर्वोच्च नागरिक सम्मान: 2022 में केरल सरकार का पहला और सर्वोच्च नागरिक सम्मान, केरल ज्योति पुरस्कार प्राप्त किया।

संपादकीय विरासत: संपादक के रूप में कार्य किया कई वर्षों तक मातृभूमि साप्ताहिक के संपादक रहे।

परीक्षाओं हेतु महत्वपूर्ण दिन

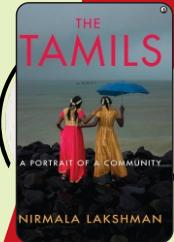
| दिवस | मनाया जाता है | थीम/उद्देश्य |
|-----------|--|---|
| 01- फरवरी | भारतीय तटरक्षक दिवस | 1 फरवरी 1977 को अंतरिम भारतीय तट रक्षक की स्थापना को चिह्नित करने हेतु |
| 02- फरवरी | विश्व आर्द्धभूमि दिवस | हमारे साझा भविष्य के लिए आर्द्धभूमियों की सुरक्षा |
| 04- फरवरी | विश्व कैंसर दिवस | अद्वितीय द्वारा संयुक्त |
| 06- फरवरी | महिला जननांग विकृति के प्रति जीरो टॉलरेंस का अंतर्राष्ट्रीय दिवस | उसकी आवाज़। उसका भविष्य। महिला जननांग विकृति को समाप्त करने के लिए उत्तरजीवी-नेतृत्व वाले आंदोलनों में निवेश करना |
| 10- फरवरी | राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस | भारत में बच्चों के स्वास्थ्य और कल्याण में सुधार करना |
| 11- फरवरी | विज्ञान में महिलाओं और लड़कियों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस | विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महिलाओं और लड़कियों की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानने हेतु |
| 13- फरवरी | राष्ट्रीय महिला दिवस | भारत की पहली महिला राज्यपाल सरोजिनी नायडू की जयंती को चिह्नित करने हेतु |
| 13- फरवरी | विश्व रेडियो दिवस | रेडियो और जलवायु परिवर्तन |
| 20- फरवरी | विश्व सामाजिक न्याय दिवस | गरीबी, बहिष्कार और बेरोजगारी जैसे मुद्दों से निपटने के प्रयासों को बढ़ावा देने हेतु |
| 21- फरवरी | अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस | दुनिया भर में भाषा और सांस्कृतिक विविधता के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने हेतु |
| 24- फरवरी | केंद्रीय उत्पाद शुल्क दिवस | वर्ष 1944 में 24 फरवरी को केंद्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम की स्थापना को चिह्नित करने हेतु |
| 27- फरवरी | विश्व एनजीओ दिवस | दुनिया भर के विभिन्न गैर सरकारी संगठनों के साथ जश्न मनाने और सहयोग करने हेतु |
| 28- फरवरी | राष्ट्रीय विज्ञान दिवस | टिकाऊ भविष्य के लिए विज्ञान |

पुस्तकें एवं लेखक



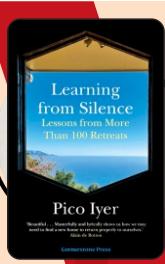
पुस्तक: मदर मैरी कम्स टू मी
लेखक: अरुंधति राय
बारे में: आस्था, आध्यात्म और पहचान पर आधारित कहानियां, जो समाजिक मानदंडों और व्यक्तिगत चिंतन पर गहरी चर्चा करती हैं।

पुस्तक: द तमिल: अ पोर्ट्रैट ऑफ अ कम्युनिटी
लेखक: निर्मला लक्ष्मण
बारे में: तमिल संस्कृति, इतिहास और प्रवास का जीवंत चित्रण, जो उनकी वैश्विक विरासत और संस्कृति के विकास को दर्शाता है।



पुस्तक: बैडास बेगम्स
लेखक: अनुष्का जैन
बारे में: भारतीय इतिहास की अद्भुत महिलाओं की कहानियां, जिन्होंने पिरूसता के खिलाफ अपनी ताकत और दृढ़ता का परिचय दिया।

पुस्तक: कर दिखाओ कुछ ऐसा
लेखक: आरजे कार्तिक
बारे में: प्रेरक कहानियां जो सकारात्मकता, दृढ़ संकल्प और चुनौतियों को पार करने की ताकत देती हैं।



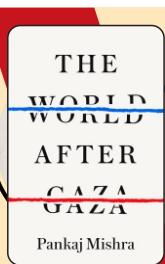
पुस्तक: लर्निंग फ्रॉम साइलेंस
लेखक: पिको अच्यर
बारे में: मौन की शक्ति पर चिंतन, जो आत्म-जागरूकता और रिश्तों को सुधारने में मददगार साबित होता है।

पुस्तक: ओनिक्स स्टॉर्म
लेखक: रेबेका यारोस
बारे में: शक्ति, जादू और पात्रों के संघर्ष पर आधारित एक रोमांचक फैलेसी यात्रा, जो विस्तृत दुनिया को प्रस्तुत करती है।



पुस्तक: द हिमालया इन द स्माल हाउस
लेखक: अनुराधा राय
बारे में: पहाड़ी जीवन का व्यक्तिगत अनुभव, जो प्रकृति की सुंदरता और समुदाय, सादगी, व आत्म-अन्वेषण से जुड़ा है।

पुस्तक: नागा वॉरियर्स 2
लेखक: अक्षत गुप्ता
बारे में: नागा योद्धाओं की वीर गाथाओं, सांस्कृतिक महत्व और ऐतिहासिक लड़ाइयों की कहानी, जो उनके विरासत को दर्शाती है।



पुस्तक: द वर्ल्ड आफ्टर गाजा
लेखक: पंकज मिश्रा
बारे में: गाजा के संघर्षों का विश्लेषण, औपनिवेशिकता और वैश्विक संघर्षों से जोड़ते हुए आज के समय की जटिलताओं पर रोशनी डालता है।

पुस्तक: दू गुड दू बी दू
लेखक: प्राजक्ता कोली
बारे में: आधुनिक रिश्तों, सामाजिक दबावों और व्यक्तिगत विकास पर आधारित एक रोमांचक और दिल को छूने वाली प्रेम कहानी।



अध्यास हेतु प्रश्न बैंक

1. 2025 के मध्य तक, सभी भारतीय संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में महिला सैनिकों की टीमें होंगी। संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में भारत के योगदान के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें -
 (1) भारत ने 1948 से संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में 253,000 से अधिक कर्मियों का योगदान दिया है।
 (2) जनवरी 2024 तक, 15 संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में लगभग 7,000 भारतीय सैनिक तैनात हैं।
 (3) भारत ने लाइबेरिया में 125 सदस्यीय सभी महिला पुलिस इकाई तैनात की, जिससे पुलिस में शामिल होने के लिए आवेदन करने वाली महिलाओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।
 उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?
 (A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
 (C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं
- उत्तर: (A)
- व्याख्या: संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में भारत का योगदान -
 भारत की भूमिका: भारत ने संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसने किंसी भी अन्य देश की तुलना में अधिक सैनिकों का योगदान दिया है, 1948 से 72 संयुक्त राष्ट्र मिशनों में से 49 में 253,000 से अधिक कर्मियों ने सेवा की है।
 जनवरी 2024 तक, 12 संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में लगभग 5,900 भारतीय सैनिक तैनात हैं।
 पिछले मिशन:
 हैती (2017-19): भारत ने नवंबर 2017 से जुलाई 2019 तक बीएसएफ, सीआईएसएफ और असम राइफल्स के लगभग 280 कर्मियों के साथ दो फॉर्मेंड पुलिस यूनिट्स (एफपीयू) का योगदान दिया, जिससे बड़ी सफलता मिली।
 लाइबेरिया (2007-16): लाइबेरिया में 125 सदस्यीय सभी महिला पुलिस इकाई ने पुलिस में शामिल होने के लिए आवेदन करने वाली महिलाओं की संख्या में चार गुना वृद्धि की।
 सिएरा लियोन (1999-2001): भारत ने दो इन्फैटी बटालियन समूह, दो इंजीनियर कंपनियां, अटैक हेलीकॉप्टर यूनिट और मेडिकल यूनिट के अलावा अन्य का योगदान दिया। सूडान (2005): भारत ने दो इन्फैटी बटालियन समूह, इंजीनियर कंपनी, सिग्नल कंपनी, आर्टिका योगदान दिया। रवांडा (1994-96): एक इन्फैटी बटालियन, सिग्नल कंपनी, इंजीनियर कंपनी, स्टाफ ऑफिसर और सैन्य पर्यवेक्षक प्रदान किए गए। सोमालिया (1993-94): भारतीय सेना ने 5,000 सभी रैकों वाले एक ब्रिगेड समूह को तैनात किया और नौसेना ने चार युद्धपोत तैनात किए।
2. RBI MPC अपडेट: शक्तिकांत दास ने मुद्रास्फीति पर चर्चा की, कहा कि बिना सोचे-समझे निर्णय लेने की कोई गुंजाइश नहीं है।
 मौद्रिक नीति समिति (MPC) के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है/हैं?
 (1) यह RBI की बेंचमार्क ब्याज दरें तय करती है।
 (2) यह RBI के गवर्नर सहित 6 सदस्यीय निकाय है और इसे चार साल के लिए नियुक्त किया जाता है और यह पुनर्नियुक्ति के लिए पात्र होता है।
 (3) RBI का गवर्नर MPC का पदेन अध्यक्ष होता है।
 (A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
 (C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं
- उत्तर: (A)
- व्याख्या: मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी):
 भूमिका और जिम्मेदारी
 आरबीआई की बेंचमार्क ब्याज दरें तय करना: एमपीसी आरबीआई की प्रमुख दरें, जैसे रेपो दर, रिवर्स रेपो दर, सीमांत स्थायी सुविधा (एमएसएफ) और तरलता समायोजन सुविधा (एलएफ) निर्धारित करने के लिए जिम्मेदार है।
 एमपीसी सदस्यता और संरचना
 आकार और संरचना: एमपीसी में छह सदस्य होते हैं - भारत सरकार द्वारा नामित तीन सदस्य और आरबीआई से तीन सदस्य, 12 नहीं।
 नियुक्ति अवधि: सदस्यों को चार साल के लिए नियुक्त किया जाता है और वे पुनर्नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होते हैं।
 एमपीसी के अध्यक्ष
 अध्यक्ष के रूप में आरबीआई गवर्नर: आरबीआई के गवर्नर एमपीसी के पदेन अध्यक्ष होते हैं, न कि केंद्रीय वित्त मंत्री।
3. 30 एकड़ के डीपीएस फ्लैमिंगो झील की बिगड़ती स्थिति के बारे में पर्यावरणविदों की शिकायतों के बाद मुख्यमंत्री फडणवीस ने वन विभाग को तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।
 निम्नलिखित युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलित है/हैं -
 आर्द्रभूमि - नदियों का संगम
 (1) हरिके वेटलैंड्स - ब्यास और सतलुज/सतलज का संगम
 (2) केवलादेव धाना - बनास राष्ट्रीय उद्यान और चंबल का संगम
 (3) कोलेरू झील - मूसी और कृष्णा का संगम
 (A) केवल (1) (B) केवल (2) और (3)
 (C) केवल (3) (D) सभी सही हैं
- उत्तर: (A)
- व्याख्या: 1952 में सतलुज और ब्यास नदियों के संगम के पास एक बैराज के निर्माण के बाद हरिके वेटलैंड अस्तित्व में आया।

9. विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने अपनी विश्व मलेरिया रिपोर्ट 2024 में भारत की उल्लेखनीय प्रगति पर प्रकाश डाला।

मलेरिया के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें -
(1) मलेरिया प्लास्मोडियम परजीवी के कारण होता है और संक्रमित पुरुष एनोफेलीज मच्छरों के काटने के माध्यम से प्रेषित होता है।

(2) प्लास्मोडियम प्रजाति पी। फाल्सीपेरम और पी। विवैक्स मनुष्यों के लिए सबसे अधिक खतरा है।

(3) मलेरिया मुख्य रूप से अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका और एशिया भर में उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में पाया जाता है।

उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: (C)

व्याख्या: मलेरिया एक जीवन-धमकाने वाला वेक्टर-जनित रोग है जो प्लास्मोडियम परजीवी के कारण होता है, जो संक्रमित मादा एनोफेलीज मच्छरों के काटने के माध्यम से प्रेषित होता है।

5 प्लास्मोडियम परजीवी प्रजातियां हैं जो मनुष्यों में मलेरिया और इन प्रजातियों में से 2 का कारण बनती हैं - पी। फाल्सीपेरम और पी। विवैक्स - सबसे बड़ा खतरा है।

मलेरिया मुख्य रूप से अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका के साथ -साथ एशिया के उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में पाया जाता है।

एक संक्रमित व्यक्ति को काटने के बाद मच्छर संक्रमित हो जाता है। मलेरिया परजीवी तब अगले व्यक्ति के रक्तप्रवाह में मच्छर के काटने में प्रवेश करते हैं। परजीवी जिगर की यात्रा करते हैं, परिपक्व होते हैं, और फिर लाल रक्त कोशिकाओं को संक्रमित करते हैं।

मलेरिया के लक्षणों में बुखार और फ्लू जैसी बीमारी शामिल है, जिसमें ठंड लगना, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द और थकान शामिल हैं। विशेष रूप से, मलेरिया दोनों रोके जाने योग्य और इलाज योग्य है।

10. फिलीपींस में 2,435 मीटर ऊंचा सक्रिय ज्वालामुखी माउंट कनलाओन हाल ही में फटा, जिससे राख और गैसें निकलीं।

विभिन्न प्रकार के ज्वालामुखियों के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें -

(1) सक्रिय ज्वालामुखी ज्यादातर प्रशांत रिंग ऑफ फ़ायर में स्थित होते हैं और अक्सर फटते रहते हैं।

(2) सुप्त ज्वालामुखियों को विलुप्त माना जाता है क्योंकि हाल के इतिहास में उनमें विस्फोट नहीं हुआ है।

(3) विलुप्त ज्वालामुखियों ने सुदूर भूगर्भीय अतीत में कोई गतिविधि नहीं दिखाई है।

उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर:

व्याख्या: पहला कथन सही है क्योंकि सक्रिय ज्वालामुखी, जो अक्सर फटते हैं, मुख्य रूप से प्रशांत रिंग ऑफ फ़ायर में पाए जाते हैं। यह क्षेत्र, जिसे सर्कम-पैसिफिक बेल्ट के रूप में भी जाना जाता है, एक घोड़े की नाल के आकार का क्षेत्र है, जो अक्सर भूकंप और ज्वालामुखी गतिविधि की विशेषता रखता है। यह दुनिया के लगभग 75% सक्रिय और निष्क्रिय ज्वालामुखियों और लगभग 90% सभी भूकंपों के लिए जिम्मेदार है। इस क्षेत्र में सक्रिय ज्वालामुखियों के उदाहरणों में माउंट सेंट हेलेन्स (यूएसए) और क्राकाटोआ (इंडोनेशिया) शामिल हैं।

दूसरा कथन गलत है क्योंकि निष्क्रिय ज्वालामुखियों को विलुप्त नहीं माना जाता है। माउंट किलिमंजारो (तंजानिया) और माउंट फूजी (जापान) जैसे निष्क्रिय ज्वालामुखी हाल के इतिहास में नहीं फटे हैं, लेकिन भविष्य में फटने की क्षमता रखते हैं। उन्हें निष्क्रिय के बजाय "सुप्त" माना जाता है। इसके विपरीत, धीनोधर हिल (गुजरात) जैसे विलुप्त ज्वालामुखियों में अब कोई ऊष्मा स्रोत नहीं है और उनके फिर से फटने की संभावना नहीं है।

तीसरा कथन सही है क्योंकि विलुप्त ज्वालामुखी, जैसे माउंट थिएलसन (यूएसए) और बेन नेविस (स्कॉटलैंड), ने हजारों या लाखों वर्षों से ज्वालामुखी गतिविधि प्रदर्शित नहीं की है। ये ज्वालामुखी आमतौर पर समय के साथ नष्ट हो जाते हैं और अब इनका मैग्मा स्रोत से कोई संबंध नहीं रह गया है। उनकी निष्क्रियता अक्सर भूवैज्ञानिक साक्षों के माध्यम से सत्यापित होती है जो हाल ही में ज्वालामुखी प्रक्रियाओं की कमी का संकेत देते हैं।

11.

हाल ही में, विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी) द्वारा डिजाइन की गई एक ध्रुवीय सूर्यघड़ी को केरल के थुंबा में अंतरिक्ष संग्रहालय के 'रॉकेट गार्डन' में प्रदर्शित किया गया है।

निम्नलिखित कथनों पर विचार करें विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र -

(1) तिरुवनंतपुरम में स्थित वीएसएससी, इसरो का प्रमुख केंद्र है जो प्रक्षेपण यान प्रौद्योगिकी के डिजाइन और विकास के लिए जिम्मेदार है।

(2) वीएसएससी का विस्तार, अमोनियम परक्लोरेट प्रायोगिक संयंत्र (एपीईपी) बैंगलुरु में स्थित है।

(3) वीएसएससी पीएसएलवी, जीएसएलवी और पुनः प्रयोज्य प्रक्षेपण वाहनों के विकास जैसे प्रमुख कार्यक्रमों में शामिल हैं।

उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर:

- (A)

व्याख्या: पहला कथन सही है क्योंकि तिरुवनंतपुरम में स्थित वीएसएससी, वैमानिकी, प्रणोदन और सिस्टम विश्वसनीयता में अनुसंधान सहित प्रक्षेपण वाहन प्रौद्योगिकी के डिजाइन और विकास के लिए इसरो का प्रमुख केंद्र है।

दूसरा कथन गलत है क्योंकि अमोनियम परक्लोरेट प्रायोगिक संयंत्र (एपीईपी), वीएसएससी का एक विस्तार, बेंगलुरु में नहीं, बल्कि कोच्चि के पास अलुवा में स्थित है। तीसरा कथन सही है क्योंकि वीएसएससी प्रमुख इसरो कार्यक्रमों जैसे पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (पीएसएलवी), जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (जीएसएलवी), पुनः प्रयोज्य लॉन्च व्हीकल और मानव अंतरिक्ष यान और वायु-भ्रास प्रणोदन प्रणालियों के लिए महत्वपूर्ण अन्य उन्नत प्रौद्योगिकी वाहनों में सक्रिय रूप से शामिल है।

12. लैटिन अमेरिका और कैरिबियन (LAC) क्षेत्र भारत की विदेश नीति का मुख्य केंद्र बन गया है।

लैटिन अमेरिका और कैरिबियन (LAC) क्षेत्र के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें -

(1) एंडियन समुदाय (CAN) में बोलीविया, कोलंबिया, इकाडोर और पेरू शामिल हैं।

(2) LAC क्षेत्र में 33 देश शामिल हैं, जिनमें दक्षिण अमेरिका का पूरा महाद्वीप, मैक्सिको, मध्य अमेरिका और कैरिबियन के द्वीप शामिल हैं।

(3) MERCOSUR एक आर्थिक समूह है जिसमें अर्जेंटीना, ब्राज़ील, पैराग्वे, उरुग्वे और कोलंबिया शामिल हैं।

उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: (B)

व्याख्या: पहला कथन सही है क्योंकि LAC क्षेत्र में 33 देश शामिल हैं, जिनमें दक्षिण अमेरिका, मैक्सिको, मध्य अमेरिका और कैरिबियाई द्वीप शामिल हैं।

दूसरा कथन गलत है क्योंकि MERCOSUR में अर्जेंटीना, ब्राज़ील, पैराग्वे, उरुग्वे और वेनेजुएला शामिल हैं, कोलंबिया नहीं।

तीसरा कथन सही है क्योंकि एंडियन समुदाय (CAN) एक आर्थिक समूह है जिसमें बोलीविया, कोलंबिया, इकाडोर और पेरू शामिल है।

13. ग्रामीण विकास मंत्रालय ने प्रधानमंत्री अवस योजना-ग्रामिन (PMAY-G) की प्रगति पर प्रकाश डाला और गरीबी मुक्त गांवों को बनाने के लिए गहन प्रयासों पर जोर दिया।

प्रधानमंत्री मंत्री अवस योजना-ग्रामिन (PMAY-G) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें-

(1) यह योजना सादे क्षेत्रों में 1.20 लाख रुपये और घर के निर्माण के लिए पहाड़ी क्षेत्रों में 1.30 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करती है।

(2) PMAY-G के तहत लाभार्थियों को किसी भी अन्य सत्यापन प्रक्रिया के बिना ग्राम सभा सिफारिशों के आधार पर पूरी तरह से चुना जाता है।

(3) केंद्र और राज्य सादे क्षेत्रों के लिए 60:40 अनुपात में कार्यान्वयन की लागत और पूर्वोत्तर राज्यों के लिए 90:10 साझा करते हैं।

उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: (A)

व्याख्या: PMAY-G ने सादे क्षेत्रों में 1.20 लाख रुपये और पहाड़ी क्षेत्रों में 1.30 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की, जिसमें उत्तरपूर्वी राज्यों और केंद्र क्षेत्रों सहित। लाभार्थी चयन में एक तीन-चरण सत्यापन प्रक्रिया शामिल है: सामाजिक-आर्थिक जाति की जनगणना 2011, ग्राम सभा अनुमोदन और भू-टैगिंग। यह पूरी तरह से ग्राम सभा सिफारिशों पर आधारित नहीं है।

केंद्र और राज्य सादे क्षेत्रों के लिए 60:40 के अनुपात में और उत्तरपूर्वी राज्यों, दो हिमालयी राज्यों और जम्मू और कश्मीर के केंद्र क्षेत्र के लिए 90:10 के अनुपात में लागत साझा करते हैं।

भारत के सबसे बड़े पावर जनरेटर, नेशनल थर्मल पावर कॉर्पोरेशन (NTPC) लिमिटेड ने यूएस-आधारित स्वच्छ कोर थोरियम एनर्जी (CCTE) के साथ एक रणनीतिक संधि पर हस्ताक्षर किए हैं।

एनील के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें -

- (1) एनील का अर्थ एडवांटेज ऑफ न्यूक्लियर एनर्जी फॉर एनरिच्ड लाइफ है।

(2) एनील एक पेटेंट परमाणु ईंधन है जो थोरियम और यूरेनियम का मिश्रण है।

(3) भारत के परमाणु वैज्ञानिक, डॉ अनिल काकोदकर को सम्मानित करने के लिए ईंधन का नाम दिया गया है।

उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: (C)

व्याख्या: समृद्ध जीवन के लिए उन्नत परमाणु ऊर्जा (ANEEL) एक पेटेंट परमाणु ईंधन है जो थोरियम और उच्च परख कम समृद्ध यूरेनियम (Haleu) का मिश्रण है।

भारत के सबसे अग्रणी परमाणु वैज्ञानिकों में से एक, डॉ। अनिल काकोदकर को सम्मानित करने के लिए ईंधन का नाम दिया गया है।

हलेयू यूरेनियम 5% और 20% के बीच समृद्ध है, जो कई उन्नत परमाणु रिएक्टर डिजाइन के लिए आवश्यक है।

यह वर्तमान में केवल रूस और चीन में केवल अमेरिका में सीमित उत्पादन के साथ पैमाने पर निर्मित होता है।

PHWRs के साथ संगतता: Aneel ईंधन का उपयोग मौजूदा PHWR में किया जा सकता है, जो भारत के परमाणु ऊर्जा बेड़े की रीढ़ हैं।

वर्तमान में, भारत में 22 ऑपरेटिंग रिएक्टर हैं, जिसमें 6780 MWE की स्थापित क्षमता है। इन 18 रिएक्टरों में PHWRs हैं और 4 लाइट वाटर रिएक्टर (LWRS) हैं। भारत 10 और PHWR का निर्माण कर रहा है, जिनमें से प्रत्येक में 700 मेगावाट की क्षमता है।

15. भारत के सुप्रीम कोर्ट (SC) ने हाल ही में किसानों को विरोध करने में विफल रहने और उनकी शिकायतों को संबोधित करने में विफल रहने के लिए केंद्र सरकार की आलोचना की।

MSP के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें - 17.

 - (1) आर्थिक मामलों पर कैबिनेट समिति ने न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की।
 - (2) गन्ने के लिए मूल्य निर्धारण गन्ने (नियंत्रण) आदेश, 1997 के तहत शासित है।
 - (3) सरकार किसानों से एमएसपी में फसल खरीदने के लिए बाध्य नहीं है।

उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

(A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: (B)

व्याख्या: आर्थिक मामलों पर कैबिनेट समिति ने न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की। एमएसपी की घोषणा कृषि लागत और मूल्य (सीएसीपी) पर आयोग द्वारा दी गई सिफारिशों के आधार पर की जाती है। एमएसपी के लिए सिफारिशों को तैयार करने में, सीएसीपी कई चीजों पर विचार करता है जैसे उत्पादन की लागत, इनपुट-आउटपुट मूल्य समता, मांग और आपूर्ति आदि। एमएसपी एक प्रकार का बीमा है जो सरकार किसानों को फसल के बम्पर उत्पादन और कीमतों में गिरावट के मामले में प्रदान करती है। सरकार किसानों से एमएसपी में फसल खरीदने के लिए बाध्य है यदि अत्यधिक आपूर्ति के कारण फसल की कीमत गंभीर रूप से गिरती है। गन्ने के लिए मूल्य निर्धारण गन्ने (नियंत्रण) आदेश, 1997 के तहत शासित है, और इसके लिए निष्पक्ष और पारिश्रमिक मूल्य (FRP) प्रदान किया जाता है।

16. बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर लोकसभा अध्यक्ष द्वारा पंचायत से संसद 2.0 का शुभारंभ किया गया। निम्नलिखित कथनों पर विचार करें -

 - (1) बिरसा मुंडा ने मुंडा विद्रोह (उलगुलान) का नेतृत्व किया।

(2) उनकी जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जाता है।

(3) 2021 में, प्रधान मंत्री ने PM-JANMAN लॉन्च किया। उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं
(B)

उत्तरः

व्याख्या: बिरसा मुंडा ने मुंडा विद्रोह (उलगुलान) का नेतृत्व किया था और उनकी जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जाता है। 2023 में बिरसा की जयंती के अवसर पर, प्रधानमंत्री ने कमज़ोर आदिवासी समूहों के लिए 24,000 करोड़ रुपये की परियोजना शुरू की। इस पहल का नाम 'पीएम जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम-जनमन)' रखा गया है।

इसरो अदित्य-एल1 को बांधने के लिए एक महत्वपूर्ण युद्धाभ्यास करने के लिए तैयार है, जिसका लक्ष्य इसे लैग्रेजियन बिंदु (एल1) के आसपास की कक्षा में स्थापित करना है।

निम्नलिखित कथनों पर विचार करें -

- (1) यह सूर्य और सौर कोरोना का अवलोकन करने वाला पहला भारतीय अंतरिक्ष मिशन है।
 - (2) इसे L2 कक्षा में प्रक्षेपित किया जाएगा उसके बाद इसे L1 पर स्थापित किया जाएगा।
 - (3) यहाँ से सात ऐक्सेन्ट हैं।

(3) इसमें सात पलाड़ हैं।

- उपराक्त म स कान सा/स सहा ह/ह?
(A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (2) और (3) (D) इनमे से कोई भी नहीं
(A)

उत्तरः

व्याख्या: आदित्य-एल1 1.5 मिलियन किलोमीटर की पर्याप्त दूरी से सूर्य का अध्ययन करने वाला पहला अंतरिक्ष आधारित वेधशाला श्रेणी का भारतीय सौर मिशन है।

L1 बिंदु तक पहुंचने में इसे लगभग 125 दिन लगेंगे।

एस्टोसैट (2015) के बाद आदित्य-एल1 इसरो का दूसरा खगोल विज्ञान वेधशाला-श्रेणी मिशन भी है।

मिशन की यात्रा भारत के पिछले मंगलवार

मंगलयान की तुलना

बक्सा राष्ट्रीय बाघ अभ्यारण्य के संबंध में निम्नलिखित चारोंमें से चिना है।

- क्यना पर विचार कर -

(1) यह पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले के अलीपुरद्वारा उप-मंडल में स्थित है।

(2) सिंचुला पहाड़ी श्रृंखला बक्सा टाइगर रिजर्व के उत्तरी किनारे पर स्थित है।

(3) इसकी उत्तरी सीमा बांग्लादेश के साथ अंतर्राष्ट्रीय सीमा से लगती है।

उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: (B)

व्याख्या: बक्सा टाइगर रिजर्व पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले के अलीपुरद्वारा उप-मंडल में स्थित है।

इसकी उत्तरी सीमा भूटान के साथ अंतर्राष्ट्रीय सीमा से लगती है।

सिंचुला पहाड़ी श्रृंखला बीटीआर के उत्तरी किनारे पर स्थित है, और पूर्वी सीमा असम राज्य को छूती है।

इसे इसका नाम बक्सा किले से मिला है, जो 867 मीटर की ऊँचाई पर सिंचुला रेंज पर स्थित है।

नाजुक "तराई इको-सिस्टम" इस रिजर्व का एक हिस्सा है। यह भारत और भूटान के बीच हाथियों के प्रवास के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय गलियारे के रूप में कार्य करता है।

दो नदियाँ, अर्थात् रैडक नदी और जयंती नदी, बक्सा के जंगल से होकर बहती हैं।

19. हाल ही में प्रधानमंत्री ने 3 जनवरी 2025 को सावित्रीबाई फुले की 193वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

सावित्रीबाई फुले के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें -

(1) उन्होंने 1848 में पुणे में लड़कियों के लिए पहला स्कूल स्थापित किया।

(2) 1863 में ज्योतिराव और सावित्रीबाई ने बाल हत्या प्रतिबंधक गृह की स्थापना की।

(3) उन्होंने 1854 में गुलामगिरी नामक प्रसिद्ध रचना लिखी।

उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: (B)

व्याख्या: सावित्रीबाई फुले का जन्म 3 जनवरी 1831 को महाराष्ट्र के सतारा में एक हाशिए पर पड़े माली समुदाय में हुआ था। उनका विवाह ज्योतिबा फुले से हुआ जिन्होंने उनकी शिक्षा का जिम्मा संभाला।

महिलाओं के लिए शिक्षा: 1848 में पुणे में लड़कियों के लिए पहला स्कूल स्थापित किया। इस जोड़े ने कुल 18 स्कूल शुरू किए और चलाए।

लैंगिक मुद्दों का मुकाबला: 1863 में, ज्योतिराव और सावित्रीबाई ने बाल हत्या प्रतिरोध और गर्भवती ब्राह्मण विधवाओं और बलाकार पीड़ितों की सहायता के लिए भारत के पहले गृह, बाल हत्या प्रतिरोध गृह की स्थापना की।

20.

साहित्य: काव्य फुले (1854) और बावन काशी सुबोध रत्नाकर (1892) नामक दो प्रसिद्ध कृतियों के साथ-साथ गो, गेट एजुकेशन नामक कविता भी लिखी।

19वीं सदी के समाज सुधारक ज्योतिराव फुले ने अपनी पुस्तक गुलामगिरी में सामाजिक उत्पीड़न की आलोचना की और शिक्षा, समानता को बढ़ावा देने तथा अस्पृश्यता को समाप्त करने के लिए 1873 में सत्यशोधक समाज की स्थापना की।

हाल ही में यूके के ऑक्सफोर्डशायर के देवरस फार्म कारी में मध्य जुरासिक डायनासोर के सैकड़ों पैरों के निशान खोजे गए।

जुरासिक काल के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें -

(1) जुरासिक काल मेसोज़ोइक युग का हिस्सा है और लगभग 56 मिलियन वर्षों तक चला।

(2) इस अवधि के दौरान स्तनधारी प्रजातियों के प्रभुत्व के कारण इसे "स्तनधारियों का युग" के रूप में जाना जाता है।

(3) जुरासिक काल में सुपरकॉन्टेनेट पैंजिया का गोंडवाना और लौरेशिया में विखंडन हुआ।

उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर:

व्याख्या: जुरासिक काल मेसोज़ोइक युग का हिस्सा है, जिसे अक्सर "सरीसूपों का युग" कहा जाता है। यह लगभग 201 मिलियन वर्ष पहले से 145 मिलियन वर्ष पहले तक चला, जो लगभग 56 मिलियन वर्षों तक फैला था। इस अवधि को डायनासोर के प्रभुत्व और अन्य सरीसूपों, समुद्री जीवन और शुरुआती पक्षियों के विकास द्वारा चिह्नित किया गया था।

जबकि जुरासिक काल के दौरान स्तनधारी मौजूद थे, वे छोटे और मुख्य रूप से निशाचर थे, जो प्रमुख डायनासोर की छाया में रहते थे। इस अवधि को "सरीसूपों के युग" के रूप में जाना जाता है, न कि "स्तनधारियों के युग" के रूप में। "स्तनधारियों के युग" का श्रेय सेनोज़ोइक युग को दिया जाता है, जो डायनासोर के विलुप्त होने के बाद आया था। जुरासिक काल के दौरान, टेक्टोनिक प्लेट आंदोलनों के कारण सुपरकॉन्टेनेट पैंजिया टूटने लगा। इस विभाजन के कारण दो प्रमुख भूभागों का निर्माण हुआ: दक्षिण में गोंडवाना और उत्तर में लौरेशिया। इस घटना ने वैश्विक जलवायु, समुद्र के स्तर और प्रजातियों के वितरण को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया।

चीन में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (HMPV) से जुड़ी सांस संबंधी बीमारियों में हाल ही में हुई वृद्धि ने एक और महामारी की आशंका को जन्म दिया है।

HMPV के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें -

21.

केवल मुसलमानों को प्रभावित करता है। यह अवश्यंभावी था कि समाज के विभिन्न वर्ग अपनी विशेष मांगों और अनुभवों के माध्यम से स्वतंत्रता की आवश्यकता को समझेंगे। राष्ट्रवादी नेतृत्व, हालांकि, कुछ हद तक मुसलमानों की धार्मिक राजनीतिक चेतना को धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक चेतना के उच्च स्तर तक बढ़ाने में विफल रहा। साथ ही, यह भी ध्यान में रखा जाना चाहिए कि खिलाफत आंदोलन ने खलीफा के लिए उनकी चिंता की तुलना में मुसलमानों की बहुत व्यापक भावनाओं का प्रतिनिधित्व किया। यह वास्तव में, मुसलमानों के बीच साम्राज्यवाद-विरोधी भावनाओं के सामान्य प्रसार का एक पहलू था। इन भावनाओं को खिलाफत के सवाल पर ठोस अभिव्यक्ति मिली। आखिरकार, भारत में कोई विरोध नहीं हुआ जब 1924 में कमल पाशा ने खलीफा पद को समाप्त कर दिया।

27. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?
- स्वराज पार्टी भारत में जनवरी 1917 में बनी एक राजनीतिक पार्टी थी।
 - कांग्रेस-खिलाफत स्वराज पार्टी की स्थापना मोतीलाल नेहरू ने की थी।
- सही विकल्प का चयन करें
- (A) केवल I (B) केवल II
 (C) I और II दोनों (D) न तो I और न ही II

उत्तर: (B)

व्याख्या: स्वराज पार्टी की स्थापना कांग्रेस-खिलाफत स्वराज पार्टी के रूप में हुई थी। इसकी स्थापना मोतीलाल नेहरू और चित्तरंजनदास ने की थी। यह राष्ट्रीय कांग्रेस के दिसंबर 1922 में गया वार्षिक सम्मेलन के बाद जनवरी 1923 में भारत में गठित एक राजनीतिक पार्टी थी। दास और नेहरू ने विदेश सरकार में बाधा डालने की दृष्टि से विधान परिषद में चुनाव लड़ने का विचार किया। 1923 के चुनावों में स्वराज पार्टी के कई उम्मीदवार केंद्रीय विधान सभा और प्रांतीय विधान परिषद के लिए चुने गए। इन विधानसभाओं में, उन्होंने अन्यायपूर्ण सरकारी नीतियों का कड़ा विरोध किया। बंगाल विभाजन के परिणामस्वरूप, 1923 में बंगाल विधान परिषद के चुनाव के दौरान स्वराज पार्टी ने सबसे अधिक सीटें जीतीं। C R दास की मृत्यु के बाद पार्टी का विघटन हो गया।

28. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?
- सामंती व्यवस्था में सामंती स्वामी और उनके अधिपति के बीच स्वामी-जागीरदार संबंध का निर्माण।
 - सामंती व्यवस्था बहुत मजबूत केंद्रीकृत राजनीतिक प्राधिकरण और एक बहुत कमजोर प्रांतीय या स्थानीय राजनीतिक प्राधिकरण।
- सही विकल्प का चयन करें

- (A) केवल I (B) केवल II
 (C) I और II दोनों (D) न तो I और न ही II

उत्तर:

व्याख्या: भारतीय सामंतवाद उस सामंती समाज को संदर्भित करता है जिसने 1500 के दशक में मुगल राजवंश तक भारत की सामाजिक संरचना को बनाया था। गुप्तों और कुषाणों ने भारत में सामंतवाद की शुरूआत और अभ्यास में एक प्रमुख भूमिका निभाई और सामंतवाद के कारण एक साम्राज्य के पतन का उदाहरण है। भारत का वर्णन करने के लिए सामंतवाद शब्द का उपयोग मध्ययुगीन यूरोपीय मूल की अवधारणा पर लागू होता है, जिसके अनुसार क्राउन से उत्तरा हुआ रईस सैन्य सेवा के बदले में क्राउन से भूमि रखता था, और जागीरदार रईसों के किरायेदारों में थे, जबकि किसान (विलेन्स या सपर्स) अपने स्वामी की भूमि पर रहने और उसे श्रद्धांजलि देने के लिए बाध्य थे, और उपज का एक हिस्सा, विशेष रूप से सैन्य सुरक्षा के बदले में। सामंतवाद भारत के लिए सबसे अधिक संभावना है जब मध्य एशिया के कुषाण राजवंश ने भारत पर आक्रमण किया और अपनी खुद की नई नीतियों को पेश किया। भारतीय सामंतवाद शब्द का प्रयोग तालुकेदार, जमीदार, जागीरदार, घाटवाल, मुलराईट, सरदार, मनकारी, देशमुख, चौधरी और सामंत का वर्णन करने के लिए किया जाता है।

निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

- I. रौलट एक्ट सेडिशन कमेटी 'की सिफारिशों पर आधारित था।

II. रौलट सत्याग्रह में, गांधीजी ने होम रूल लीग का उपयोग करने की कोशिश की।

सही विकल्प का चयन करें

- (A) केवल I (B) केवल II

- (C) I और II दोनों (D) न तो I और न ही II

(C)

व्याख्या: यह अधिनियम सर सिडनी रौलट की अध्यक्षता में हुई सेडिशन कमेटी की सिफारिशों पर पारित किया गया था। यह अधिनियम भारतीय सदस्यों के एकजुट विरोध के बावजूद इम्पीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल में जल्दबाजी में पारित किया गया था। इस अधिनियम ने कुछ राजनीतिक मामलों को बिना किसी ज्यूरी की जाँच और बिना किसी मुकदमे के संदिधांशों को नजरबंद करने की अनुमति दी। अपने सत्याग्रह के आयोजन में गांधी ने तीन प्रकार के राजनीतिक नेटवर्कों का उपयोग करने की कोशिश की - द होम रूल लीग्स, कुछ पैन इस्लामिस्ट समूह और एक सत्याग्रह सभा, जिसे उन्होंने स्वयं 24 फरवरी को बंबई में शुरू किया।

निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

29. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?
- सामंती व्यवस्था में सामंती स्वामी और उनके अधिपति के बीच स्वामी-जागीरदार संबंध का निर्माण।
 - सामंती व्यवस्था बहुत मजबूत केंद्रीकृत राजनीतिक प्राधिकरण और एक बहुत कमजोर प्रांतीय या स्थानीय राजनीतिक प्राधिकरण।
- सही विकल्प का चयन करें

30.

I. जीएम सरसों में एक मिट्टी के जीवाणु के जीन होते हैं जो पौधे को कीट-प्रतिरोध की एक विस्तृत विविधता का गुण देते हैं।

II. भारत पिछले पांच वर्षों में दुनिया में चावल का सबसे बड़ा निर्यातिक है सही विकल्प का चयन करें

- (A) केवल I (B) केवल II
(C) I और II दोनों (D) न तो I और न ही II

उत्तर: (B)

व्याख्या: भारत में 2018/2019 तक 9.8 मिलियन मीट्रिक टन भारत में चावल का निर्यात सबसे अधिक था। उस वर्ष दुनिया भर में लगभग 7.56 मिलियन मीट्रिक टन चावल के साथ थाईलैंड दूसरा सबसे बड़ा चावल निर्यातिक था। वैश्विक चावल की आपूर्ति में हर साल 700 मिलियन मीट्रिक टन से अधिक की मात्रा होती है। मिल्ड चावल के उत्पादन में 2020 में दुनिया भर में 496 मिलियन मीट्रिक टन से अधिक की वृद्धि का अनुमान लगाया गया था। चावल की कई किसों में, पाक बासमती चावल का निर्यात मूल्य सबसे अधिक था और भारत में 25% चावल 2019 में प्रति टन सबसे कम औसत निर्यात मूल्य था।

31. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

- I. बैरन द्वीप ज्वालामुखी भारतीय क्षेत्र में स्थित एक सक्रिय ज्वालामुखी है।
II. 1991 में बैरन द्वीप ज्वालामुखी का अंतिम बार विस्फोट हुआ था और तब से यह निष्क्रिय बना हुआ है। सही विकल्प का चयन करें
- (A) केवल I (B) केवल II
(C) I और II दोनों (D) न तो I और न ही II

उत्तर: (C)

व्याख्या: बैरन द्वीप अंडमान सागर में स्थित है, और क्षेत्र की राजधानी पोर्ट ब्लेयर से लगभग 138 किमी (86 मील) उत्तर-पूर्व में स्थित है। यह सुमात्रा से लेकर म्यांगार तक की श्रृंखला में एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी है और भारत में एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी भी है। बैरन द्वीप भारतीय केंद्रशासित प्रदेश अंडमान और निकोबार द्वीप समूह का एक हिस्सा है और इसे एक पनडुब्बी उद्घव ज्वालामुखी के रूप में जाना जाता है, जो भारत और बर्मीज़ ल्लेट के उप-क्षेत्र क्षेत्र के ऊपर स्थित है।

ज्वालामुखी का पहला रिकॉर्ड विस्फोट 1787 से शुरू हुआ। तब से, ज्वालामुखी दस बार से अधिक फट चुका है, 2017 में सबसे हाल ही में एक होने के साथ। 1787 में पहली बार विस्फोट के बाद, 1789, 1795 में आगे विस्फोट दर्ज किए गए थे। 1803-04, और 1852. लगभग डेढ़ सदी की अवधि के बाद, द्वीप का 1991 में एक और विस्फोट हुआ, जो छह महीने तक चला और काफी नुकसान हुआ। 1991 का विस्फोट द्वीप के जीवों के लिए विशेष रूप से हानिकारक था।

32.

निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

I. प्रवाल भित्तियों को उष्णकटिबंधीय वर्षावनों द्वारा होस्ट किए जाने वाले जानवरों की तुलना में कहीं अधिक संख्या में पशु फ़ाइला की मेजबानी करता है।

II. "टू-स्टेट सॉल्यूशन" शब्द इजरायल से संबंधित है सही विकल्प का चयन करें

- (A) केवल I (B) केवल II
(C) I और II दोनों (D) न तो I और न ही II

उत्तर: (C)

व्याख्या: प्रवाल भित्तियों में विविध प्रकार की विविधता शामिल हैं जिनमें से 34 में से 32 पशु फ़ाइला मौजूद हैं, इसके विपरीत उष्णकटिबंधीय वर्षावन में केवल 9 फ़ाइला का प्रतिनिधित्व किया जाता है।

इजरायल-फिलिस्तीनी संघर्ष का दो राज्य समाधान जॉर्डन नदी के पश्चिम में इजरायल राज्य के साथ फिलिस्तीन के एक स्वतंत्र राज्य की परिकल्पना करता है। दोनों राज्यों के बीच सीमा अभी भी विवाद और बातचीत के अधीन है, फिलिस्तीनी और अरब नेतृत्व ने "1967 की सीमाओं" पर जोर दिया, जिसे इजरायल द्वारा स्वीकार नहीं किया गया है। पूर्व मैडेट फिलिस्तीन (यरूशलेम सहित) का क्षेत्र, जो फिलिस्तीनी राज्य का हिस्सा नहीं था, इजरायल का हिस्सा बना रहेगा।

निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

I. बैंगलुरु दिल्ली के निकटतम देशांतर पर स्थित है।
II. मणिपुर में स्थित पखुई वन्यजीव अभ्यारण्य है, सही विकल्प का चयन करें

- (A) केवल I (B) केवल II
(C) I और II दोनों (D) न तो I और न ही II

उत्तर: (A)

व्याख्या: बैंगलोर वह शहर है जो दिल्ली के पास देशांतर पर स्थित है क्योंकि नागपुर, हैदराबाद और पुणे का देशांतर दिल्ली से बहुत दूर है।

पखुई एक वन्यजीव अभ्यारण्य और एक समर्पित टाइगर रिजर्व (जिसे पक्के टाइगर रिजर्व के रूप में भी जाना जाता है) भारत के अरुणाचल प्रदेश के पूर्वी कामेंग जिले में है। यह 860 वर्ग किलोमीटर से अधिक का क्षेत्र है और कामेंग नदी और पक्के नदी से घिरा है, जो जानवरों के लिए पानी और वनस्पति की सिंचाई के महत्वपूर्ण स्रोत हैं। पखुई अभ्यारण्य असम में नामरी टाइगर रिजर्व का पड़ोसी है,

निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है / हैं? (भारत के संविधान में शोषण के खिलाफ अधिकार)

I. अल्पसंख्यकों के हितों का संरक्षण
II. मानव में यातायात का निषेध और मजबूर श्रम सही विकल्प का चयन करें।

- (A) केवल I (B) केवल II
(C) I और II दोनों (D) न तो I और न ही II

उत्तर: (B)

व्याख्या: मानव में यातायात का निषेध और मजबूर श्रम(१) मानव और भिखारी के बीच आवागमन और जबरन श्रम के अन्य समान रूपों पर प्रतिबंध है और इस प्रावधान का कोई उल्लंघन कानून के अनुसार दंडनीय अपराध होगा। (२) इस लेख में कुछ भी राज्य को सार्वजनिक प्रयोजन के लिए अनिवार्य सेवा प्रदान करने से नहीं रोक सकता है, और ऐसी सेवा को लागू करने से राज्य केवल धर्म, जाति, जाति या वर्ग या उनमें से किसी के आधार पर कोई भेदभाव नहीं करेगा।

35. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है / हैं?

I. भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति करते समय, भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को नियुक्त करने का प्रावधान, भारत के राष्ट्रपति को भारत के मुख्य न्यायाधीश से परामर्श करना होता है।

II. न्यायाधीशों का वेतन भारत के समेकित कोष पर आरोपित किया जाता है, जिसके लिए विधायिका को मतदान नहीं करना पड़ता है।

सही विकल्प का चयन करें।

(A) केवल I (B) केवल II

(C) I और II दोनों (D) न तो I और न ही II

उत्तर: (C)

व्याख्या: सभी सरकारी खातों में भारत का समेकित कोष सबसे महत्वपूर्ण है। सरकार द्वारा प्राप्त व्यय और इसके द्वारा किए गए खर्च, असाधारण वस्तुओं को छोड़कर, समेकित निधि का हिस्सा हैं।

यह कोष भारत के संविधान के अनुच्छेद 266 (1) के तहत गठित किया गया था। प्रत्यक्ष कर और अप्रत्यक्ष करों के माध्यम से सरकार द्वारा प्राप्त सभी राजस्व, उधार लिया गया धन और सरकार द्वारा दिए गए ऋणों से प्राप्तियां भारत के समेकित कोष में प्रवाहित होती हैं।

सुप्रीम कोर्ट के एक न्यायाधीश को केवल कदाचार या अक्षमता के आधार पर संविधान के तहत हटाया जा सकता है और भारत के राष्ट्रपति के एक आदेश के बाद, लोकसभा के कम से कम 100 सदस्यों या राज्यसभा के 50 सदस्यों द्वारा हस्ताक्षरित नोटिस के बाद संसद के प्रत्येक सदन में दो-तिहाई बहुमत से पारित होता है।

सुप्रीम कोर्ट या उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों की नियुक्ति में केंद्रीय मंत्रिमंडल और संसद की लगभग कोई भौमिका नहीं है।

36. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है / हैं?

I. भारतीय संविधान में केंद्र और राज्यों के बीच शक्तियों का वितरण भारत सरकार अधिनियम, 1935 में प्रदान की गई योजना पर आधारित है।

II. भारत की संसद में, स्थगन प्रस्ताव का उद्देश्य तत्काल सार्वजनिक महत्व के एक निश्चित मामले पर चर्चा की अनुमति देना है।

सही विकल्प का चयन करें।

(A) केवल I (B) केवल II

(C) I और II दोनों (D) न तो I और न ही II

उत्तर:

व्याख्या: भारत सरकार अधिनियम 1935 यूनाइटेड किंगडम की संसद का एक अधिनियम था। इसे मूल रूप से अगस्त 1935 में शाही स्वीकृति मिली। 1999 तक, यह (ब्रिटिश) संसद का अब तक का सबसे लंबा अधिनियम था। ग्रेटर लंदन प्राधिकरण अधिनियम 1999 ने इसे लंबाई में पार कर लिया। इसकी लंबाई के कारण, अधिनियम भारत सरकार अधिनियम, 1935 द्वारा दो अलग-अलग अधिनियमों में पूर्वव्यापी रूप से विभाजित हो गया था:

भारत सरकार अधिनियम, 1935, जिसमें 321 खंड और 10 अनुसंचियाँ हैं।

बर्मा अधिनियम, 1935 में 159 खंड और 6 अनुसंचियाँ हैं। स्थगन प्रस्ताव तत्काल सार्वजनिक महत्व के एक निश्चित मामले पर चर्चा करने के उद्देश्य से सदन के व्यापार को स्थगित करने की प्रक्रिया है, जिसे स्पीकर की सहमति से स्थानांतरित किया जा सकता है। स्थगन प्रस्ताव की प्राथमिक वस्तु लोक सभा का ध्यान आकर्षित करना है, जिसके ताक़ालिक सार्वजनिक महत्व के हाल के मामले में गंभीर परिणाम हैं और जिसके संबंध में एक प्रस्ताव या उचित नोटिस के साथ एक प्रस्ताव बहुत देर हो जाएगी।

निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है / हैं? (राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांत)

I. सभी श्रमिकों को उचित अवकाश और सांस्कृतिक अवसरों के लिए सुरक्षित रखना

II. ग्रामीण क्षेत्रों में कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देना सही विकल्प का चयन करें।

(A) केवल I (B) केवल II

(C) I और II दोनों (D) न तो I और न ही II

उत्तर:

व्याख्या: भारत के राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांत (DPSP) कानून या नीतियों को तैयार करते हुए भारत सरकार को संचालित करने वाले संघीय संस्थानों को दिए गए दिशा-निर्देश या 15 सिद्धांत हैं। भारत के संविधान के भाग IV (अनुच्छेद 36-51) में निहित ये प्रावधान किसी भी अदालत द्वारा लागू करने योग्य नहीं हैं, लेकिन वहां पर रखे गए सिद्धांतों को देश के शासन में माना जाता है, जिससे यह राज्य का कर्तव्य बनता है देश में न्यायपूर्ण समाज की स्थापना के लिए कानून बनाने में इन सिद्धांतों को लागू करें। सिद्धांतों को आयरलैंड के संविधान में दिए गए निर्देशक सिद्धांतों से प्रेरित किया गया है जो सामाजिक न्याय, आर्थिक कल्याण,

विदेश नीति और कानूनी और प्रशासनिक मामलों से संबंधित हैं।

38. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सत्य है?
- नाइट्रस ऑक्साइड 'हंसाने वाली गैस का रासायनिक नाम है।
 - ऑक्साइड, रासायनिक यौगिकों के एक बड़े और महत्वपूर्ण वर्ग में से है।
- सही विकल्प का चयन करें?
- (A) केवल I (B) केवल II
 (C) I और II दोनों (D) न तो I और न ही II

उत्तर: (A)

व्याख्या: नाइट्रस ऑक्साइड (N₂O), जिसे डायनाइट्रोजन मोनोऑक्साइड, लाफिंग गैस या नाइट्रस भी कहा जाता है, नाइट्रोजन के कई ऑक्साइडों में से एक, रंगहीन गैस जिसमें सुखद, मधुर गंध और स्वाद होता है, ऑक्साइड, रासायनिक यौगिकों के एक बड़े और महत्वपूर्ण वर्ग में से कोई भी जिसमें ऑक्सीजन दूसरे तत्व के साथ संयुक्त होता है।

39. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सत्य है?
- क्रायोलाइट एल्यूमिनियम का एक अयस्क है।
 - गैलिना एल्यूमीनियम का एक अयस्क है।
- सही विकल्प का चयन करें?
- (A) केवल I (B) केवल II
 (C) I और II दोनों (D) न तो I और न ही II

उत्तर: (A)

व्याख्या: क्रायोलाइट, सफेद हलाइड खनिज के लिए बेरंग, सोडियम एल्यूमीनियम फ्लोराइड (Na₃AlF₆)। यह, ग्रीनलैंड, और स्पेन, कोलोराडो, U.S. और अन्य जगहों पर कम मात्रा में एक बड़ी जमा राशि में होता है। यह एल्यूमीनियम के इलेक्ट्रोलाइटिक उत्पादन में बॉक्साइट के लिए विलायक के रूप में उपयोग किया जाता है और इसमें विभिन्न अन्य धातुकर्म अनुप्रयोग होते हैं, और इसका उपयोग कांच और तामचीनी उद्योगों में, भराव के रूप में बंधे हुए अपर्घर्षक में और कीटनाशकों के निर्माण में किया जाता है। गैलेना, जिसे सीसा ग्लैंस भी कहा जाता है, सीसा सल्फाइड (PbS) का प्राकृतिक खनिज रूप है। यह सीसा का सबसे महत्वपूर्ण अयस्क है और चांदी का एक महत्वपूर्ण स्रोत है।

40. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है / हैं?
- लौह धातु का उपयोग आमतौर पर विद्युत चुंबक बनाने के लिए किया जाता है।
 - ट्रैफिक पुलिस द्वारा ड्रंक ड्राइविंग की जांच के लिए एक 'सांस परीक्षण' का उपयोग फिल्टर पेपर पर हल्दी का उपयोग करता है।
- सही विकल्प का चयन करें।
- (A) केवल I (B) केवल II

(C) I और II दोनों (D) न तो I और न ही II

उत्तर: (A)

व्याख्या: आयरन आमतौर पर, इलेक्ट्रोमैग्नेटिस्म लोहे की तरह फेरोमैग्नेटिक धातुओं से बनाए जाते हैं। लोहे का एक टुकड़ा कोर के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है और कोर को इन्सुलेट करने के लिए तांबे के तार के रोल का उपयोग किया जा सकता है।

पोटेशियम डाइक्रोमेट-सल्फ्यूरिक एसिड का उपयोग ब्रीथ एनालाइजर में किया जाता है। जब वाहन का शराबी चालक विश्लेषक के पास सांस लेता है, तो अल्कोहल (इथेनॉल) पोटेशियम डाइक्रोमेट द्वारा ऑक्सीकृत होता है और यह एसिटिक एसिड बनाता है।

निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

- गैलेना एल्यूमिनियम का अयस्क है।
- सल्फ्यूरिक अम्ल का उपयोग विस्फोटकों के उत्पादन में किया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही नहीं है/हैं?

- (A) केवल 1 (B) केवल 2
 (C) 1 और 2 दोनों (D) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (A)

व्याख्या: गैलेना जिसे लेड ग्लैंस भी कहा जाता है, लैड सल्फाइड का प्राकृतिक खनिज रूप है। हाइड्रोक्लोरिक एसिड, नाइट्रिक एसिड, सल्फेट लवण, सिंथेटिक डिटर्जेंट, डाई और पिगमेंट, विस्फोटक और ड्रग्स बनाने में रसायनों के निर्माण में सल्फ्यूरिक का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है।

निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

- ऑक्सीकरण इलेक्ट्रॉनों की हानि या एक परमाणु के ऑक्सीकरण स्थिति में एक और परमाणु, एक आयन, या एक अणु द्वारा वृद्धि होती है।
- कटौती (Reduction) इलेक्ट्रॉनों का लाभ है या एक परमाणु के ऑक्सीकरण स्थिति में एक और परमाणु, एक आयन, या एक अणु द्वारा कमी है।

कौन सा / कथन सही है?

- (A) 1 केवल (B) 2 केवल
 (C) 1 और 2 दोनों (D) इनमें से कोई नहीं
- उत्तर: (C)

व्याख्या: ऑक्सीकरण और कमी की प्रक्रियाएं एक साथ होती हैं और एसिड-बेस प्रतिक्रिया के समान एक दूसरे से स्वतंत्र रूप से नहीं हो सकती हैं। अकेले ऑक्सीकरण और अकेले कमी को प्रत्येक को अर्ध-प्रतिक्रिया कहा जाता है, क्योंकि पूरी प्रतिक्रिया बनाने के लिए दो अर्ध-प्रतिक्रिया हमेशा एक साथ होती हैं।

निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

- ग्रेफाइट प्रकृति में पाया जाने वाला कार्बन का सबसे शुद्ध रूप है।

2. कच्चे फलों के पकने के लिए एथिलीन और एसिटिलीन
गैसें सहायक होती हैं।
कौन सा / कथन सही है?
(A) 1 केवल (B) 2 केवल
(C) 1 और 2 दोनों (D) इनमें से कोई नहीं

उत्तर: (B)

व्याख्या: हीरा कार्बन का शुद्धतम रूप है। एक ही रासायनिक पदार्थ के विभिन्न रूपों को एलोट्रोप्स कहा जाता है। ग्रेफाइट और हीरा कार्बन के दो प्रमुख एलोट्रोप्स हैं। यह सबसे कठोर प्राकृतिक पदार्थ है, और कोई अन्य प्राकृतिक पदार्थ इसे खरोंच नहीं सकता है।

44. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. हेमेटाइट 70 प्रतिशत तक लोहे की बहुत उच्च सामग्री के साथ सबसे अच्छा लौह अयस्क है।
2. लोहे के खनिज जो वर्तमान में अयस्कों के रूप में उपयोग किए जाते हैं, हेमेटाइट, मैग्नेटाइट, लिमोनाइट और सिडेराइट हैं।
कौन सा / कथन सही नहीं है?
(A) 1 केवल (B) 2 केवल
(C) 1 और 2 दोनों (D) इनमें से कोई नहीं

उत्तर: (A)

व्याख्या: मैग्नेटाइट 70 प्रतिशत तक लौह की उच्च सामग्री के साथ बेहतरीन लौह अयस्क है। इसमें उल्कष चुंबकीय गुण हैं, विशेष रूप से विद्युत उद्योग में मूल्यवान, इस्तेमाल की गई मात्रा के संदर्भ में हेमटिट अयस्क सबसे महत्वपूर्ण औद्योगिक लौह अयस्क है, लेकिन इसमें मैग्नेटाइट की तुलना में थोड़ा कम लौह तत्व होता है।

45. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. क्लोरोप्लास्ट केवल पौधों, शैवाल और कुछ जानवरों की कोशिकाओं में पाया जा सकता है।
2. क्लोरोप्लास्ट प्रकाश संश्लेषण के माध्यम से कार्बोहाइड्रेट बनाने के लिए सूर्य की ऊर्जा को बनाए रखते हैं।
दिए गए कोड में से सही उत्तर चुनें:
(A) केवल I (B) केवल 2
(C) दोनों (D) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (B)

व्याख्या: क्लोरोप्लास्ट केवल पौधों और शैवाल में पाया जा सकता है।

46. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है / हैं?
I. प्रेरित क्लोन परमाणु सेल द्वारा होस्ट सेल में विकसित किए गए हैं।
II. सेल में एंटीजन ट्रांसफर।
सही विकल्प का चयन करें।
(A) केवल I (B) केवल II
(C) I और II दोनों (D) न तो I और न ही II

उत्तर: (A)

व्याख्या: परमाणु हस्तांतरण क्लोनिंग का एक रूप है। स्टेप्स में डीएनए को एक ऑकाइट से हटाना और उस नाभिक को इंजेक्ट करना शामिल है जिसमें डीएनए को क्लोन किया जाना है। दुर्लभ उदाहरणों में, नवनिर्मित कोशिका सामान्य रूप से विभाजित होगी, जो एक बहुतायत में रहते हुए नए डीएनए की नकल करती है। यदि क्लोन किए गए कोशिकाओं को एक महिला स्तनपायी के गर्भाशय में रखा जाता है, तो एक क्लोन जीव दुर्लभ स्थितियों में विकसित होता है।
थाइमस में एंटीजन ट्रांसफर थाइमिक एंटीजन प्रेजेंटिंग सेल (एपीसी) के बीच स्व-एंटीजन का संचरण है जो टी सेल केंद्रीय सहिष्णुता की स्थापना में योगदान देता है।
थाइमस टी सेल विकास की उत्पत्ति का प्रतिनिधित्व करता है और इसकी जिम्मेदारी कार्यात्मक लेकिन सुरक्षित टी कोशिकाओं का चयन करना है जो स्वयं के उत्तकों पर हमला नहीं करेंगे। स्व-हानिकारक टी कोशिकाओं को आगे ऑटोरिएक्टिव टी कोशिकाओं के रूप में संदर्भित किया जाता है, वी डी जे पुनर्संयोजन नामक स्टोकेस्टिक प्रक्रिया के कारण थाइमस में उत्पन्न होता है जो टी सेल रिसेप्टर्स (टीसीआर) की पीढ़ी का संचालन करता है और उनकी असीम परिवर्तनशीलताको सक्षम करता है।

47. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है / हैं?

- I. एंटीबॉडी एक प्रकार के व्युत्पन्न लिपिड हैं।
II. मोनोक्लोनल एंटी-बॉडी क्लोन कोशिकाओं द्वारा निर्मित एंटी-बॉडी हैं।

सही विकल्प का चयन करें।

- (A) केवल I (B) केवल II
(C) I और II दोनों (D) न तो I और न ही II

उत्तर: (B)

व्याख्या: मोनोक्लोनल एंटीबॉडी हैं जो समान प्रतिरक्षा कोशिकाओं द्वारा बनाए जाते हैं जो एक अद्वितीय मूल कोशिका के सभी क्लोन होते हैं। मोनोक्लोनल एंटीबॉडी में मोनोवर्लेट आत्मीयता हो सकती है, जिसमें वे एक ही एपिटोप (एंटीजन) का एक हिस्सा जिसे एंटीबॉडी द्वारा पहचाना जाता है) से बांधते हैं।

48. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है / हैं?

- I. हरे पौधों में हेटरोट्रॉफिक पोषण।
II. पिट्यूट्री ग्रंथि शरीर में मौजूद सबसे छोटी ग्रंथि है।

सही विकल्प का चयन करें।

- (A) केवल I (B) केवल II
(C) I और II दोनों (D) न तो I और न ही II

उत्तर: (B)

व्याख्या: जीवित प्राणियों में पोषण के दो तरीके हैं। ऑटोट्रॉफिक न्यूट्रीशन- ऑटोट्रॉफिक न्यूट्रिशन का मतलब है कि साधारण अकार्बनिक पदार्थों को कार्बनिक अणुओं को

संश्लेषित करने में इस्तेमाल किया जाता है। इसे प्राप्त करने के लिए ऊर्जा की आवश्यकता होती है। पौधे स्वपोषी पोषण के उदाहरण हैं क्योंकि वे सूरज की रोशनी, नाइट्रोजन, पानी और पर्यावरण के अन्य पोषक तत्वों की मदद से भोजन बनाते हैं।

हेटरोटॉफिक न्यूट्रीशन- हेटरोटॉफिक न्यूट्रीशन पोषण का वह तरीका है जिसमें जीव दूसरे जीवों पर निर्भर रहते हैं। सभी जानवर और गैर-हरे पौधे हेटरोटॉफिक हैं। हेटरोटॉफिक जीवों को उन सभी कार्बनिक पदार्थों को प्राप्त करना और लेना है, जिससे उन्हें जीवित रहने की आवश्यकता है। हरे पौधों को छोड़कर, अन्य सभी विकल्प हेटरोटॉफिक हैं।

मानव शरीर की सबसे छोटी ग्रंथि पिट्यूटरी ग्रंथि है, जो मानव मस्तिष्क के मध्य में पाई जाती है।

49. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है / हैं?

- I. मानव शरीर में लिंगर पित्त रस सावित होता है।
- II. फर्न संवहनी पौधों के एक समूह का एक सदस्य है। सही विकल्प का चयन करें।

(A) केवल I (B) केवल II
(C) I और II दोनों (D) न तो I और न ही II

उत्तर: (C)

व्याख्या: पित्त, या पित्त रस, एक काले-हरे-से-पीले-भूरे रंग का तरल पदार्थ है जो अधिकांश कशेरुकाओं के यकृत द्वारा उत्पन्न होता है जो छोटी आंत में लिपिड के पाचन में सहायता करता है। मनुष्यों में, पित्त रस का उत्पादन लगातार यकृत (यकृत पित्त) द्वारा होता है और पित्ताशय में संग्रहित और केंद्रित होता है। खाने के बाद, इस संग्रहीत पित्त को ग्रहणी में छोड़ दी जाती है। एक फर्न (पोलिपोडायोपिडा या पॉलीपोडायोफ्राइटा) संवहनी पौधों (जाइलम और फ्लोएम वाले पौधे) के एक समूह का एक सदस्य है जो बीजाणुओं के माध्यम से प्रजनन

करते हैं और जिनके न तो बीज होते हैं और न ही फूल। वे संवहनी होने के कारण से भिन्न होते हैं, अर्थात्, विशेष ऊतक होते हैं जो पानी और पोषक तत्वों का संचालन करते हैं और जीवन चक्र होते हैं जिसमें स्पोरोफाइट प्रमुख चरण होता है। फर्न में मेगोफिल्स नामक जटिल पत्ते होते हैं, जो कि क्लबमॉस के माइक्रोफिल्स की तुलना में अधिक जटिल होते हैं। अधिकांश फर्न लेट्रोस्पोरांगिएट फर्न हैं। वे कुंडलित फिडेलहेड का उत्पादन करते हैं।

निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है / हैं?

I. मीथेन के उत्पादन में अर्कबैक्टीरिया के एक समूह का उपयोग किया जाता है।

II. वसा ऊतक एक संयोजी ऊतक नहीं है। सही विकल्प का चयन करें।

(A) केवल I (B) केवल II

(C) I और II दोनों (D) न तो I और न ही II

(A)

व्याख्या: मीथेन का उत्पादन जानवरों के रूमेन और हिंडगुट में होता है, जिसे आर्किया के एक समूह द्वारा सामूहिक रूप से मेथनोगेंस के रूप में जाना जाता है, जो कि फीलम यूरीचेकोटा से संबंधित है। पशु में मीथेन का उत्पादन होता है।

मेथनोगेंस के रूप में जुगाली करने वालों में सबसे बड़ा भोजन पाचन की सामान्य प्रक्रिया के माध्यम से स्वतंत्र रूप से मीथेन का उत्पादन करने में सक्षम है।

वसा ऊतक, या वसा ऊतक, एक संयोजी ऊतक माना जाता है, भले ही इसमें फाइब्रोब्लास्ट या वास्तविक मैट्रिक्स न हो और केवल कुछ फाइबर हों। वसा ऊतक एडिपोसाइट्स नामक कोशिकाओं से बना होता है जो ऊर्जा चयापचय के लिए ट्राइग्लिसिराइड्स के रूप में वसा को इकट्ठा और संग्रहीत करता है।

"कितना भी पकड़लो फिसलता ज़रूर है !
ये वक्त है ! जनाब बदलता ज़रूर है !!"

"नाकामयाब लोग दुनिया के डर से अपने फैसले बदल देते हैं !
और कामयाब लोग अपने फैसले से पूरी दुनिया बदल देते हैं !!"

सही मिलान प्रश्नावली

1. निम्नलिखित नदियों को उनके निर्मित बांधों से सुमेलित करें -

| नदी | बांध |
|-------------|---------------------------------|
| (A) तीस्ता | 1- रंगीत IV बांध |
| (B) गोदावरी | 2- पोलावरम बांध |
| (C) सतलुज | 3- शोंगटोंग करचम जलविद्युत बांध |
| (D) चिनाब | 4- पाकल दुल जलविद्युत परियोजना |

विकल्प:

- (A) a-1, b-3, c-4, d-2
 (B) a-3, b-2, c-1, d-4
 (C) a-2, b-1, c-3, d-4
 (D) a-1, b-4, c-2, d-3

उत्तर: (A)

व्याख्या: तीस्ता नदी: रंगीत IV बांध इस नदी पर एक जलविद्युत परियोजना है।

गोदावरी नदी: पोलावरम बांध हाल ही में निर्मित एक बहुउद्देशीय परियोजना है।

सतलज नदी: शोंगटोंग करचम सतलज नदी पर एक जलविद्युत बांध है।

चिनाब नदी: पाकल दुल जलविद्युत परियोजना इस नदी पर एक प्रमुख परियोजना है।

2. निम्नलिखित का मिलान करें -

| प्रावधान | विवरण |
|--|---------|
| (A) रामसर कन्वेशन | 1- 1971 |
| (B) वेटलैंड संरक्षण और प्रबंधन नियम | 2- 2010 |
| (C) राष्ट्रीय वेटलैंड्स सूची और मूल्यांकन | 3- 2006 |
| (D) जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्य योजना | 4- 2008 |

विकल्प:

- (A) a-1, b-4, c-3, d-2
 (B) a-2, b-1, c-4, d-3
 (C) a-3, b-2, c-1, d-4
 (D) a-1, b-3, c-2, d-4

उत्तर: (D)

व्याख्या: रामसर कन्वेशन (ए): आर्द्धभूमि के संरक्षण के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय संधि, रामसर कन्वेशन को 1971 में ईरान के रामसर में अपनाया गया था।

आर्द्धभूमि संरक्षण और प्रबंधन नियम (बी): आर्द्धभूमि को अतिक्रमण और क्षरण से बचाने के लिए भारत में 2010 में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा आर्द्धभूमि संरक्षण और प्रबंधन नियम पेश किए गए थे।

राष्ट्रीय आर्द्धभूमि सूची और मूल्यांकन (सी): भारत में आर्द्धभूमि का आकलन और मानचित्रण करने के लिए 2006 में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय आर्द्धभूमि सूची और मूल्यांकन शुरू किया गया था।

जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्य योजना (डी): जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को संबोधित करने के लिए भारत द्वारा 2008 में जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्य योजना तैयार की गई थी, जिसमें पर्यावरणीय स्थिरता के हिस्से के रूप में आर्द्धभूमि का संरक्षण भी शामिल है।

- निम्नलिखित वायरल रोगों को उनकी प्राथमिक विशेषताओं या कारक एजेंटों से मिलाएं।

| रोग | विशेषताएँ/कारक एजेंट |
|-------------------|---|
| (A) पोलियो | 1. लीवर को प्रभावित करने वाले वायरस के कारण होता है, शरीर के तरल पदार्थों के माध्यम से फैलता है |
| (B) इन्फ्लूएंजा | एडीज मच्छरों द्वारा फैलता है, तेज बुखार और जोड़ों में दर्द का कारण बनता है |
| (C) डेंगू | मल-मौखिक मार्ग से फैलता है, तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करता है |
| (D) हेपेटाइटिस बी | H1N1 वायरस के कारण होता है, श्वसन तंत्र को प्रभावित करता है |

विकल्प:

- (A) a-3, b-4, c-2, d-1
 (B) a-4, b-1, c-3, d-2
 (C) a-2, b-3, c-1, d-4
 (D) a-1, b-2, c-4, d-3

उत्तर: (A)

व्याख्या: पोलियो (ए): मल-मौखिक मार्ग से फैलता है और तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करता है।

इन्फ्लूएंजा (बी): एच1एन1 वायरस के कारण होता है, श्वसन तंत्र को प्रभावित करता है।

डेंगू (सी): एडीज मच्छरों द्वारा फैलता है, तेज बुखार और जोड़ों में गंभीर दर्द होता है।

हेपेटाइटिस बी (डी): यकृत को प्रभावित करता है, रक्त और शरीर के तरल पदार्थों के माध्यम से फैलता है।

- निम्नलिखित झीलों का उनकी विशेषताओं या स्थानों से मिलान करें।

| झील | विशेषता/स्थान |
|------------------|---|
| (A) चिल्का झील | 1. भारत की सबसे बड़ी मीठे पानी की झील, मणिपुर में स्थित |
| (B) वैम्बनाड झील | 2. एशिया की सबसे बड़ी खारे पानी की झील, ओडिशा में स्थित |

| | |
|---------------|--|
| (C) लोकतक झील | 3. केरल में हाउसबोट और पर्यटन के लिए जानी जाती है |
| (D) सांभर झील | 4. भारत की सबसे बड़ी अंतर्देशीय खारे पानी की झील, राजस्थान में स्थित |

विकल्पः

- (A) a-2, b-3, c-1, d-4
 (B) a-3, b-4, c-2, d-1
 (C) a-4, b-2, c-3, d-1
 (D) a-1, b-2, c-4, d-3

उत्तरः (A)

व्याख्या: चिल्का झील (A): ओडिशा में स्थित एशिया की सबसे बड़ी खारे पानी की झील, तथा प्रवासी पक्षियों के लिए एक आश्रय स्थल।

वेम्बनाड झील (B): केरल की सबसे बड़ी झील, जो हाउसबोट तथा बैकवाटर पर्यटन के लिए प्रसिद्ध है।

लोकतक झील (C): मणिपुर में स्थित भारत की सबसे बड़ी मीठे पानी की झील, जो अपनी तैरती फुमियों के लिए प्रसिद्ध है।

सांभर झील (D): राजस्थान में स्थित भारत की सबसे बड़ी अंतर्देशीय खारे पानी की झील।

5. निम्नलिखित अंतरिक्ष अनुसंधान मिशनों या संगठनों को उनकी संबंधित उपलब्धियों या उद्देश्यों के साथ मिलान करें:

| मिशन/संगठन | उपलब्धियां/उद्देश्य |
|--------------------------------------|---|
| (A) चंद्रयान -2 | 1- एक क्षुद्रग्रह पर कक्षा और भूमि के लिए पहला मिशन |
| (B) जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप (JWST) | 2- चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव का अन्वेषण |
| (C) रोसेटा | 3- एक्सोलैनेट्स और दूर की आकाशगंगाओं का अध्ययन |
| (D) हबल स्पेस टेलीस्कोप | 4- दूर आकाशगंगाओं की पहली विस्तृत छवियों को कैचर किया |

विकल्पः

- (A) a-2, b-3, c-1, d-4
 (B) a-1, b-4, c-3, d-2
 (C) a-3, b-2, c-4, d-1
 (D) a-4, b-1, c-2, d-3

उत्तरः (A)

व्याख्या: चंद्रयान -2 (ए -2): इसरो द्वारा संचालित, यह चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव का पता लगाने के लिए डिज़ाइन किया गया था, जो चंद्र पानी और खनिज संसाधनों पर ध्यान केंद्रित कर रहा था।

जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप (B-3): JWST एक्सोलैनेट्स और दूर की आकाशगंगाओं का अध्ययन करता है, जो ब्रह्मांड के गठन और विकास में अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

Roetta (C-1): एक यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी मिशन, यह एक क्षुद्रग्रह पर एक जांच (फिलै) की परिक्रमा और भूमि के लिए पहला था।

हबल स्पेस टेलीस्कोप (D-4): अपनी उच्च-रिज़ॉल्यूशन छवियों के लिए जाना जाता है, इसने दूर की आकाशगंगाओं और गहरे अंतरिक्ष घटना के विस्तृत वश्य पर कब्जा कर लिया।

इंटरनेट के विकास में उनके संबंधित विवरणों के साथ निम्नलिखित मील के पथर का मिलान करें:

| मील के पथर | विवरण |
|---------------------------|--|
| (A) Arpanet | 1- पहले ग्राफिकल वेब ब्राउज़र का परिचय |
| (B) टीसीपी/आईपी प्रोटोकॉल | 2- नेटवर्क के लिए मानकीकृत संचार |
| (C) वर्ल्ड वाइड वेब | 3- हाइपरटेक्स्ट और HTTP का आविष्कार |
| (D) मोज़ेक ब्राउज़र | 4- पहला ऑपरेशनल पैकेट-स्विचिंग नेटवर्क |

विकल्पः

- (A) a-4, b-2, c-3, d-1
 (B) a-3, b-1, c-2, d-4
 (C) a-2, b-3, c-4, d-1
 (D) a-1, b-4, c-3, d-2

उत्तरः (A)

व्याख्या: ARPANET (A-4): एडवांस्ड रिसर्च प्रोजेक्ट्स एजेंसी नेटवर्क (ARPANET) पहला ऑपरेशनल पैकेट-स्विचिंग नेटवर्क था, जिसे इंटरनेट की नींव माना जाता था।

टीसीपी/आईपी प्रोटोकॉल (B -2): नेटवर्क के बीच संचार के लिए मानकीकृत प्रोटोकॉल, इंटरनेट के गठन को सक्षम करना।

वर्ल्ड वाइड वेब (C-3): टिम बर्नर्स-ली द्वारा आविष्कार किया गया, इसने हाइपरटेक्स्ट और HTTP को पेश किया, यह परिवर्तित किया कि कैसे जानकारी को ऑनलाइन एक्सेस और साझा किया जाता है।

मोज़ेक ब्राउज़र (D-1): पहला ग्राफिकल वेब ब्राउज़र, जिसे 1993 में लॉन्च किया गया था, जिसने आम जनता के लिए वेब ब्राउज़िंग को लोकप्रिय बनाया था।

कैरिबियन क्षेत्र में निम्नलिखित नदियों का उनके संबंधित देशों या विशेषताओं से मिलान करें:

| नदियाँ | विवरण |
|--------------------|-------------------------------------|
| (A) काउटो नदी | 1- जमैका की सबसे लंबी नदी |
| (B) रियो मिन्हो | 2- डोमिनिकन गणराज्य से होकर बहती है |
| (C) याक डेल नोर्टे | 3- क्यूबा की सबसे लंबी नदी |

| | |
|---------------|--|
| (D) ब्लैक नदी | 4- बेलीज़ के पास कैरिबियन सागर में बहती है |
|---------------|--|

विकल्पः

- (A) a-3, b-1, c-2, d-4
 (B) a-2, b-3, c-4, d-1
 (C) a-3, b-4, c-2, d-1
 (D) a-4, b-2, c-1, d-3

उत्तरः (A)

व्याख्या: काउटो नदी (A): क्यूबा की सबसे लंबी नदी, जो 343 किलोमीटर से अधिक लंबी है।
 रियो मिन्हो (B): जैमैका की सबसे लंबी नदी, जो मुख्य रूप से क्लेरेंडन पैरिश से होकर बहती है।
 याक डेल नॉर्ट (C): डोमिनिकन गणराज्य की सबसे लंबी नदी, जो 300 किलोमीटर से अधिक लंबी है।
 ब्लैक रिवर (D): जैमैका की एक प्रमुख नदी, जो ब्लैक रिवर शहर के पास कैरिबियन सागर में बहती है।

8.

निम्नलिखित का मिलान करें –

| ज्वालामुखी के प्रकार | विशेषताएँ |
|---------------------------------|--|
| (A) शील्ड ज्वालामुखी | 1- विस्फोटक विस्फोटों द्वारा निर्मित; राख और लावा की परतें बारी-बारी से बनती हैं |
| (B) मिश्रित ज्वालामुखी | 2- मध्य-महासागर की लकीरों के साथ पाया जाता है, अक्सर पानी के नीचे फटता है |
| (C) काल्डेरा | 3- सबसे विस्फोटक; विस्फोट के दौरान अंदर की ओर गिरता है |
| (D) मध्य-महासागर रिज ज्वालामुखी | 4- सबसे बड़े ज्वालामुखी; बड़े क्षेत्रों में फैले तरल लावा द्वारा निर्मित |

विकल्पः

- (A) a-4, b-1, c-3, d-2
 (B) a-3, b-2, c-4, d-1
 (C) a-2, b-4, c-3, d-1
 (D) a-4, b-3, c-2, d-1

उत्तरः (A)

व्याख्या: शील्ड ज्वालामुखी (A): ये सबसे बड़े ज्वालामुखी हैं, जो कम-चिपचिपाहट वाले बेसाल्टिक लावा द्वारा व्यापक रूप से फैलने से बनते हैं, जिससे कोमल ढलान बनते हैं।
 संयुक्त ज्वालामुखी (B): इन्हें स्ट्रेटोवोलकैनो भी कहा जाता है, ये विस्फोटक विस्फोटों के कारण राख, पाइरोक्लास्टिक सामग्री और लावा प्रवाह की वैकल्पिक परतों से बनते हैं।
 काल्डेरा (C): ये ज्वालामुखी अत्यधिक विस्फोटक होते हैं, जिनके शिखर अक्सर अंदर की ओर गिरकर एक बड़ा गड्ढा बनाते हैं।

मध्य-महासागरीय रिज ज्वालामुखी (D): ये मध्य-महासागरीय रिज के साथ स्थित पानी के नीचे के

ज्वालामुखी हैं, जहाँ टेक्टोनिक प्लेट विचलन के कारण मैग्मा ऊपर उठता है।

9.

उनकी प्रमुख विशेषताओं या उद्देश्य के साथ निम्नलिखित राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों का मिलान करें।

| पुरस्कार | प्रमुख विशेषताएँ |
|-----------------------------------|--|
| (A) राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार | 1. खेल में उल्कृष्टता के लिए वादा करने वाले युवा एथलीटों को दिया गया |
| (B) अर्जुन अवार्ड | 2. अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों में असाधारण प्रदर्शन के लिए भारत में उच्चतम खेल सम्मान |
| (C) द्रोणाचार्य अवार्ड | 3. पदक विजेता एथलीटों के निर्माण के लिए कोचों को सम्मानित किया गया |
| (D) ध्यान चंद अवार्ड | 4. खेल विकास में योगदान के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड |

विकल्पः

- (A) a-2, b-3, c-1, d-4
 (B) a-2, b-1, c-4, d-3
 (C) a-2, b-1, c-3, d-4
 (D) a-1, b-2, c-3, d-4

उत्तरः (C)

व्याख्या: (A) राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार भारत में सबसे अधिक खेल सम्मान है, जिसे अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों में असाधारण प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया है।

(B) अर्जुन पुरस्कार खेल में उल्कृष्टता के लिए युवा एथलीटों को होनहार करने के लिए दिया जाता है।

(C) द्रोणाचार्य पुरस्कार पदक विजेता एथलीटों के निर्माण के लिए कोचों को प्रदान किया जाता है।

(D) ध्यान चंद अवार्ड खेल विकास में योगदान के लिए एक लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड है।

10.

निम्नलिखित रासायनिक यौगिकों को उनके सही रासायनिक सूत्रों और अनुप्रयोगों के साथ मिलान करें।

| यौगिक | रासायनिक सूत्र |
|----------------------------|--|
| (A) अमोनियम नाइट्रेट | 1-Ca(OH) ₂ |
| (B) कैल्शियम हाइड्रोक्साइड | 2-NH ₄ NO ₃ |
| (C) एसिटिक एसिड | 3-C ₂ H ₄ O ₂ |
| (D) पोटेशियम परमैग्नेट | 4-KMnO ₄ |

विकल्पः

- (A) a-3, b-4, c-2, d-1
 (B) a-2, b-1, c-3, d-4
 (C) a-4, b-3, c-2, d-1
 (D) a-1, b-2, c-4, d-3

उत्तरः (B)

व्याख्या: अमोनियम नाइट्रेट (NH₄NO₃): एक उर्वरक के रूप में और विस्फोटकों में उपयोग किया जाता है।

कैल्शियम हाइड्रॉक्साइड ($\text{Ca}(\text{OH})_2$): स्लेकड लाइम के रूप में जाना जाता है, जिसका उपयोग निर्माण और जल उपचार में किया जाता है।

एसिटिक एसिड ($\text{C}_2\text{H}_4\text{O}_2$): सिरका का मुख्य घटक, भोजन और रासायनिक प्रक्रियाओं में उपयोग किया जाता है।

पोटेशियम परमैग्नेट (KMNO_4): एक मजबूत ऑक्सीकरण एजेंट जो कीटाणुशोधन और जल उपचार में उपयोग किया जाता है।

11. निम्नलिखित को मिलाएं -

| | |
|----------------|----------------------|
| (A) लक्ष्मीप | 1- कदमत समुद्रतट |
| (B) केरल | 2- घोघला समुद्र तट |
| (C) कर्नाटक | 3- कासरकोड समुद्र तट |
| (D) दीव और दमन | 4- कप्पड समुद्रतट |

विकल्प

- (A) a-1, b-4, c-3, d-2
 (B) a-2, b-3, c-1, d-4
 (C) a-1, b-2, c-4, d-3
 (D) a-1, b-3, c-2, d-4

उत्तर: (A)

व्याख्या: लक्ष्मीप - कदमत समुद्रतट
 केरल - कप्पड समुद्रतट
 कर्नाटक - कासरकोड समुद्र तट
 दीव और दमन - घोघला समुद्र तट

12. भारत में निम्नलिखित राष्ट्रीय उद्यानों का मिलान करें -

| | |
|--------------|-----------------------------|
| (A) झारखण्ड | 1- बेतला राष्ट्रीय उद्यान |
| (B) केरल | 2- मुरलेन राष्ट्रीय उद्यान |
| (C) नागालैंड | 3- नतांगकी राष्ट्रीय उद्यान |

विकल्प

- (A) a-1, b-2, c-3
 (B) a-2, b-3, c-1
 (C) a-3, b-2, c-1
 (D) a-1, b-3, c-2

उत्तर: (A)

व्याख्या: झारखण्ड - बेतला राष्ट्रीय उद्यान
 केरल - मुरलेन राष्ट्रीय उद्यान
 नागालैंड - नतांगकी राष्ट्रीय उद्यान

13. निम्नलिखित महामारियों का मिलान उनकी मुख्य विशेषताओं या अवधियों से करें।

| | |
|------------------|---|
| महामारी | विवरण |
| (A) स्पैनिश फ्लू | 1. बुबोनिक प्लेग जो 14वीं शताब्दी में यूरोप में चरम पर था |

| | | |
|---------------|---------|---|
| (B) महामारी | SARS | 2. 20वीं शताब्दी के उत्तरार्ध से वैश्विक प्रसार, प्रतिरक्षा प्रणाली को प्रभावित करता है |
| (C) ब्लैक डेथ | | 3. 1918-1919 में हुआ, H1N1 वायरस के कारण हुआ |
| (D) HIV/AIDS | महामारी | 4. 2002 में चीन में उत्पन्न हुआ, SARS-CoV वायरस के कारण हुआ |

विकल्प:

- (A) a-3, b-4, c-1, d-2
 (B) a-4, b-2, c-3, d-1
 (C) a-3, b-2, c-4, d-1
 (D) a-1, b-3, c-2, d-4

उत्तर:

व्याख्या: स्पैनिश फ्लू (ए-3): 1918-1919 में हुआ और H1N1 इन्फ्लूएंजा वायरस के कारण हुआ, जिससे दुनिया भर में लाखों लोगों की मौत हुई।

SARS महामारी (बी-4): 2002 में चीन में उभरा, SARS-CoV वायरस के कारण हुआ, और मुख्य रूप से श्वसन प्रणाली को प्रभावित किया, जिसके परिणामस्वरूप वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल हुआ।

ब्लैक डेथ (सी-1): 14वीं शताब्दी में यूरोप को तबाह करने वाला ब्यूबोनिक प्लेग, जिसमें आबादी का एक बड़ा हिस्सा मारा गया।

एचआईवी/एडस महामारी (डी-2): 20वीं शताब्दी के अंत में शुरू हुआ और दुनिया भर में फैल रहा है, प्रतिरक्षा प्रणाली को लक्षित करता है और मानव इम्यूनोडिफिशिएंसी वायरस (एचआईवी) के कारण होता है।

14. निम्नलिखित भारतीय पोषण-संबंधी पहलों का उनके आरंभ किए गए वर्षों से मिलान करें।

| पहल | आरंभ वर्ष |
|----------------------------|-----------|
| (A) पोषण अभियान | 1. 2018 |
| (B) राष्ट्रीय पोषण मिशन | 2. 2017 |
| (C) एकीकृत बाल विकास योजना | 3. 2001 |
| (D) मध्याह्न भोजन योजना | 4. 1995 |

विकल्प:

- (A) a-2, b-1, c-3, d-4
 (B) a-1, b-2, c-4, d-3
 (C) a-3, b-4, c-2, d-1
 (D) a-4, b-3, c-1, d-2

उत्तर:

व्याख्या: पोषण अभियान (ए-2): 2018 में शुरू किया गया, जिसका उद्देश्य कुपोषण को कम करने के उद्देश्य से महिलाओं और बच्चों के पोषण में सुधार करना है।

राष्ट्रीय पोषण मिशन (बी-1): बच्चों, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं के बीच पोषण में सुधार करने के लिए 2017 में शुरू किया गया।

| | |
|-------------|--|
| 4. फसल चक्र | D. मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने के लिए एक खेत में अलग-अलग फसलों को बारी-बारी से उगाना |
| 5. अंतर-फसल | E. बेहतर संसाधन उपयोग के लिए निकटा में दो या अधिक फसलें उगाना |

- (A) 1-B, 2-E, 3-C, 4-D, 5-A
 (B) 1-A, 2-B, 3-C, 4-D, 5-E
 (C) 1-B, 2-D, 3-A, 4-C, 5-E
 (D) 1-B, 2-E, 3-D, 4-C, 5-A

उत्तर: (A)

व्याख्या: कृषि वानिकी, पारस्परिक लाभ प्रदान करने के लिए फसलों के साथ पेड़ों को एकीकृत करने की प्रथा है। मिश्रित खेती में एक ही खेत में कई फसलें उगाना और पशु पालना शामिल है। मोनोकल्चर में एक बड़े क्षेत्र में एक ही फसल की खेती पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। फसल चक्रण में मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने में मदद करने के लिए एक ही खेत में अलग-अलग फसलों को बारी-बारी से लगाना शामिल है। इंटरक्रॉपिंग का मतलब संसाधनों का कुशलतापूर्वक उपयोग करने के लिए दो या दो से अधिक फसलों को एक साथ लगाना है।

24. निम्नलिखित का मिलान करें:

| स्तंभ 1 (स्वतंत्रता सेनानी) | स्तंभ 2 (योगदान) |
|-----------------------------|--|
| 1. सुभाष चंद्र बोस | A. भारतीय राष्ट्रीय सेना का नेतृत्व किया |
| 2. भगत सिंह | B. नमक मार्च का नेतृत्व किया |
| 3. सरदार वल्लभभाई पटेल | C. स्वतंत्रता के बाद रियासतों को एकीकृत किया |
| 4. महात्मा गांधी | D. क्रांतिकारी गतिविधियों के लिए निष्पादित |
| 5. लाला लाजपत राय | E. विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस की बर्बरता के कारण मृत्यु हो गई |

- (A) 1-B, 2-D, 3-A, 4-C, 5-E
 (B) 1-A, 2-D, 3-E, 4-B, 5-C
 (C) 1-C, 2-E, 3-A, 4-B, 5-D
 (D) 1-A, 2-D, 3-C, 4-B, 5-E

उत्तर: (D)

व्याख्या: सुभाष चंद्र बोस ने भारतीय राष्ट्रीय सेना का नेतृत्व किया। भगत सिंह को क्रांतिकारी गतिविधियों के लिए फांसी दी गई। सरदार वल्लभभाई पटेल ने रियासतों को एकीकृत किया। महात्मा गांधी ने नमक मार्च का नेतृत्व किया।

26.

लाला लाजपत राय की मृत्यु पुलिस की बर्बरता के कारण हुई।

निम्नलिखित वेदों को उनकी मुख्य विशेषताओं या विषय-वस्तु से मिलाएं:

| वेद | विशेषताएँ/विषय-वस्तु |
|-------------|---|
| 1. ऋग्वेद | A. उपचार और सुरक्षा के लिए भजनों, मंत्रों और मन्त्रों का संग्रह |
| 2. यजुर्वेद | B. अग्नि, इंद्र और सोम जैसे देवताओं को समर्पित भजन शामिल हैं |
| 3. सामवेद | C. बलि अनुष्ठानों और समारोहों पर मार्गदर्शन प्रदान करता है |
| 4. अथर्ववेद | D. अनुष्ठान उद्देश्यों के लिए संगीतमय मंत्र और धुनें शामिल हैं |

विकल्प:

- A) 1-B, 2-C, 3-D, 4-A
 B) 1-C, 2-B, 3-D, 4-A
 C) 1-B, 2-D, 3-A, 4-C
 D) 1-D, 2-C, 3-B, 4-A

उत्तर: (A) **व्याख्या:** ऋग्वेद (1-बी): ऋग्वेद में अग्नि, इंद्र और सोम जैसे देवताओं को समर्पित भजन हैं।

यजुर्वेद (2-सी): यजुर्वेद बलिदान संबंधी अनुष्ठानों और समारोहों पर मार्गदर्शन प्रदान करता है।

सामवेद (3-डी): सामवेद में अनुष्ठान उद्देश्यों के लिए उपयोग किए जाने वाले संगीतमय मंत्र और धुनें हैं।

अथर्ववेद (4-ए): अथर्ववेद उपचार, सुरक्षा और समृद्धि के लिए भजनों, मंत्रों और मन्त्रों का संग्रह है।

निम्नलिखित सरकारी योजनाओं को उनकी संबंधित लॉन्च तिथियों से मिलाएं:

| सरकारी योजना | लॉन्च तिथि |
|---|-------------------|
| 1. प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) | A. 18 फरवरी 2016 |
| 2. आयुष्मान भारत योजना | B. 15 अगस्त 1995 |
| 3. प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) | C. 25 जून 2015 |
| 4. राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम (एनएसएपी) | D. 23 सितंबर 2018 |
| 5. प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) | E. 15 जुलाई 2015 |

विकल्प:

- A) 1-A, 2-C, 3-E, 4-B, 5-D

- B) 1-C, 2-D, 3-A, 4-B, 5-E
 C) 1-D, 2-A, 3-C, 4-E, 5-B
 D) 1-B, 2-E, 3-D, 4-C, 5-A

उत्तर: (B)

व्याख्या: प्रधानमंत्री आवास योजना (1-सी): शहरी और ग्रामीण गरीबों को किफायती आवास उपलब्ध कराने के लिए 25 जून 2015 को शुरू की गई।

आयुष्मान भारत योजना (2-डी): आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को स्वास्थ्य बीमा प्रदान करने के लिए 23 सितंबर 2018 को शुरू की गई।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (3-ए): किसानों को फसल बीमा और वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए 18 फरवरी 2016 को शुरू की गई।

राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम (4-बी): बुजुर्गों, विधवाओं और विकलांग व्यक्तियों को सामाजिक पेशन प्रदान करने के लिए 15 अगस्त 1995 को शुरू किया गया।

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (5-इ): युवाओं को कौशल विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए 15 जुलाई 2015 को शुरू की गई।

27. ज्वालामुखी पर निम्नलिखित MCQ का मिलान करें -

| कॉलम A (ज्वालामुखी) | कॉलम B (स्थान/प्रकार/विशेषता) |
|------------------------|--|
| 1. माउंट टैम्बोरा | A. पाइरोक्लास्टिक प्रवाह ने सेंट-पियरे, मार्टिनिक, 1902 को नष्ट कर दिया |
| 2. माउंट पिनातुबो | B. कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में स्थित, सबसे तेज़ लावा प्रवाह |
| 3. माउंट न्यारागोंगो | C. रिकॉर्ड किए गए इतिहास में सबसे बड़ा विस्फोट, इंडोनेशिया, 1815 |
| 4. एजफजाल्लाजोकुल | D. 1991 के विस्फोट के बाद वैश्विक तापमान में गिरावट आई, फिलीपींस |
| 5. माउंट पेली | E. आइसलैंडिक ज्वालामुखी, 2010 के विस्फोट ने वैश्विक हवाई यातायात को बाधित किया |

विकल्प:

- (A) 1-C, 2-D, 3-B, 4-E, 5-A
 (B) 1-A, 2-B, 3-E, 4-D, 5-C
 (C) 1-C, 2-E, 3-D, 4-A, 5-B
 (D) 1-D, 2-A, 3-C, 4-B, 5-E

उत्तर: (A)

व्याख्या: माउंट टैम्बोरा (इंडोनेशिया) 1815 में दर्ज इतिहास में सबसे बड़े ज्वालामुखी विस्फोट के लिए जाना जाता है, जिसने वैश्विक जलवायु शीतलन के कारण "बिना गर्मी वाला वर्ष" पैदा किया।

माउंट पिनातुबो (फिलीपींस) 1991 में फटा, जिससे वातावरण में भारी मात्रा में सल्फर डाइऑक्साइड निकला, जिससे वैश्विक तापमान में गिरावट आई।

माउंट न्यारागोंगो (कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य) अपने तेज़ गति वाले लावा प्रवाह के लिए प्रसिद्ध है, जो असामान्य रूप से तरल लावा संरचना के कारण 60 किमी/घंटा तक की गति तक पहुँच सकता है।

आइसलैंड के आइजाफजाल्लाजोकुल में 2010 में विस्फोट हुआ, जिससे राख के बादलों के कारण कई हफ्तों तक वैश्विक हवाई यातायात बाधित रहा।

माउंट पेली (मार्टिनिक, कैरिबियन) में 1902 में विस्फोट हुआ, जिससे एक घातक पाइरोक्लास्टिक प्रवाह निकला जिसने सेंट-पियरे शहर को नष्ट कर दिया, जिसमें लगभग 30,000 लोग मारे गए।

नदियों और उनकी उत्पत्ति पर निम्नलिखित का मिलान करें

| स्तंभ A (नदी) | स्तंभ B (उत्पत्ति/स्रोत) |
|-----------------|---|
| 1. नील नदी | A. लासागोंगमा स्प्रिंग, तिब्बती पठार, चीन |
| 2. अमेज़न नदी | B. टाना झील, इथियोपिया |
| 3. मिसिसिपी नदी | C. इटास्का झील, यूएसए |
| 4. यांग्ज़ी नदी | D. तिब्बती पठार, चीन |
| 5. मेकांग नदी | E. एंडीज़ पर्वत, पेरू |

विकल्प:

- A) 1-B, 2-E, 3-C, 4-D, 5-A
 B) 1-C, 2-B, 3-E, 4-A, 5-D
 C) 1-E, 2-A, 3-D, 4-B, 5-C
 D) 1-D, 2-C, 3-B, 4-E, 5-A

उत्तर:

व्याख्या: नील नदी इथियोपिया के ताना झील से निकलती है और उत्तरपूर्वी अफ्रीका से होकर बहती है, जो दुनिया की सबसे लंबी नदी है।

अमेज़ॅन नदी पेरू के एंडीज पर्वत से निकलती है और यह दुनिया की सबसे बड़ी नदी है।

मिसिसिपी नदी अमेरिका के इटास्का झील से निकलती है और मैक्सिको की खाड़ी में गिरने से पहले मध्य संयुक्त राज्य अमेरिका से होकर बहती है।

यांग्ज़ी नदी चीन के तिब्बती पठार से निकलती है और एशिया की सबसे लंबी नदी है।

मेकांग नदी चीन के तिब्बती पठार के लासागोंगमा झरने से निकलती है और छह दक्षिण पूर्व एशियाई देशों से होकर बहती है, जो लाखों लोगों को आजीविका प्रदान करती है।

निम्नलिखित रासायनिक गुणों का उनके संगत विवरण से मिलान करें।

| | |
|--------------------------|-----------------|
| सूची I (रासायनिक गुण) | सूची II (विवरण) |
|--------------------------|-----------------|

| | |
|---------------|---|
| 1. दहन | A. इलेक्ट्रॉनों की हानि या ऑक्सीजन का लाभ |
| 2. ऑक्सीकरण | B. ऑक्सीजन के साथ अभिक्रिया जिससे ऊष्मा और प्रकाश निकलता है |
| 3. अपचयन | C. अम्ल और क्षार के बीच अभिक्रिया से लवण और जल बनता है |
| 4. संक्षारण | D. इलेक्ट्रॉनों की प्राप्ति या ऑक्सीजन का नुकसान |
| 5. उदासीनीकरण | E. पर्यावरणीय कारकों के कारण धातुओं का क्रमिक विनाश |

विकल्पः

- A) 1-B, 2-A, 3-D, 4-E, 5-C
 B) 1-A, 2-B, 3-C, 4-D, 5-E
 C) 1-D, 2-E, 3-A, 4-B, 5-C
 D) 1-E, 2-C, 3-B, 4-A, 5-D

उत्तरः (B)

व्याख्या: दहनः यह ऑक्सीजन के साथ एक अभिक्रिया है जो ऊष्मा और प्रकाश मुक्त करती है (1 → B)।

ऑक्सीकरणः इसमें इलेक्ट्रॉनों की हानि या ऑक्सीजन का लाभ शामिल है (2 → A)।

अपचयनः इसमें इलेक्ट्रॉनों की प्राप्ति या ऑक्सीजन का नुकसान शामिल है (3 → D)।

संक्षारणः यह नमी या रसायनों जैसे पर्यावरणीय कारकों के कारण धातुओं का क्रमिक विनाश है (4 → E)।

उदासीनीकरणः यह अम्ल और क्षार के बीच एक अभिक्रिया है जिससे नमक और पानी बनता है (5 → C)।

30. तत्वों के निम्नलिखित भौतिक गुणों का उनके संगत विवरण से मिलान करें।

| सूची I (भौतिक गुण) | सूची II (विवरण) |
|--------------------|--|
| 1. आघातवर्धनीयता | A. ऊष्मा और विद्युत का संचालन करने की क्षमता |
| 2. तन्यता | B. पतले तारों में खींचे जाने की क्षमता |
| 3. घनत्व | C. पदार्थ के प्रति इकाई आयतन का द्रव्यमान |
| 4. कठोरता | D. विरूपण के लिए किसी पदार्थ का प्रतिरोध |
| 5. चालकता | E. पतली चादरों में ठोंकने की क्षमता |

विकल्पः

- A) 1-E, 2-B, 3-C, 4-D, 5-A
 B) 1-A, 2-E, 3-D, 4-C, 5-B
 C) 1-B, 2-A, 3-E, 4-D, 5-C
 D) 1-C, 2-D, 3-B, 4-E, 5-A

उत्तरः (A)

31.

व्याख्या: आघातवर्धनीयता: यह पदार्थों का वह गुण है जो उन्हें पतली चादरों में ढालने की अनुमति देता है (1 → E)।

तन्यता: यह वह गुण है जो किसी पदार्थ को पतले तारों में ढालने की अनुमति देता है (2 → B)।

घनत्वः यह किसी पदार्थ के प्रति इकाई आयतन के द्रव्यमान को संदर्भित करता है (3 → C)।

कठोरता: यह विरूपण के लिए किसी पदार्थ के प्रतिरोध का माप है (4 → D)।

चालकता: यह वह गुण है जो किसी पदार्थ को ऊष्मा और बिजली का संचालन करने में सक्षम बनाता है (5 → A)।

निम्नलिखित बैंकों को उनकी स्थापित तिथि से सुमेलित कीजिए-

| | |
|------------------------|---------|
| (A) बैंक ऑफ बड़ौदा | 1- 1908 |
| (B) बैंक ऑफ इंडिया | 2- 1906 |
| (C) बैंक ऑफ महाराष्ट्र | 3- 1906 |
| (D) केनरा बैंक | 4- 1935 |

विकल्प

- (A) a-1, b-4, c-3, d-2
 (B) a-2, b-3, c-1, d-4
 (C) a-1, b-2, c-4, d-3
 (D) a-1, b-3, c-2, d-4

उत्तरः (C)

व्याख्या: बैंक ऑफ बड़ौदा - 1908

बैंक ऑफ इंडिया - 1906

बैंक ऑफ महाराष्ट्र - 1935

केनरा बैंक - 1906

32.

निम्नलिखित महासागरीय धाराओं को उनकी प्रकृति से सुमेलित कीजिए -

| | |
|----------------------------|------------------|
| (A) कुरोशियो करंट | 1- वार्म |
| (B) कुरील या ओया शियो करंट | 2- कोल्ड |
| (C) मोज़ाम्बिक करंट | 3- गर्म और स्थिर |

विकल्प

- (A) a-1, b-2, c-3
 (B) a-2, b-3, c-1
 (C) a-3, b-2, c-1
 (D) a-1, b-3, c-2

उत्तरः (A)

व्याख्या: कुरोशियो करंट - वार्म

कुरील या ओया शियो करंट - कोल्ड

मोज़ाम्बिक करंट - गर्म और स्थिर

33.

निम्नलिखित इसरो अध्यक्षों को उनकी महत्वपूर्ण उपलब्धियों से मिलाएं-

| | |
|---------|--------------------|
| अध्यक्ष | महत्वपूर्ण उपलब्धि |
|---------|--------------------|

| | |
|-------------------|-------------------------------------|
| A. विक्रम साराभाई | 1. भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक |
| B. सतीश धवन | 2. PSLV के विकास का नेतृत्व किया |
| C. K. कस्तूरीरंगन | 3. मंगल ऑर्बिटर मिशन की शुरुआत की |
| D. K. सिवन | 4. चंद्रयान-2 मिशन का नेतृत्व किया |

विकल्पः

- (A) A-1, B-2, C-3, D-4
 (B) A-3, B-2, C-1, D-4
 (C) A-2, B-3, C-4, D-1
 (D) A-1, B-4, C-2, D-3

उत्तरः (A)

व्याख्या: ए. विक्रम साराभाई को भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम का जनक माना जाता है।

- बी. सतीश धवन पोलर सैटेलाइट लॉन्च क्लीकल (पीएसएलवी) के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके हैं।
 सी. के. कस्तूरीरंगन मार्स ऑर्बिटर मिशन (मंगलयान) के पीछे थे।
 डी. के. सिवन ने चंद्रमा की खोज के लिए चंद्रयान-2 मिशन का नेतृत्व किया।

34. उपराष्ट्रपति के संबंध में निम्नलिखित संवैधानिक प्रावधानों का मिलान करें:

| प्रावधान | विवरण |
|----------------------------------|----------------|
| (A) उपराष्ट्रपति का चुनाव | 1- अनुच्छेद 66 |
| (B) उपराष्ट्रपति के पद की अवधि | 2- अनुच्छेद 67 |
| (C) उपराष्ट्रपति की अयोग्यता | 3- अनुच्छेद 68 |
| (D) उपराष्ट्रपति के पद की रिक्ति | 4- अनुच्छेद 69 |

विकल्पः

- (A) a-1, b-2, c-3, d-4
 (B) a-2, b-3, c-4, d-1
 (C) a-1, b-3, c-4, d-2
 (D) a-1, b-4, c-2, d-3

उत्तरः (A)

व्याख्या: अनुच्छेद 66 उपराष्ट्रपति के चुनाव से संबंधित है, जिसमें निर्वाचक मंडल द्वारा चुनाव की विधि निर्दिष्ट की गई है।

अनुच्छेद 67 उपराष्ट्रपति के पद की अवधि को परिभाषित करता है, जो पाँच वर्ष है।

अनुच्छेद 68 उपराष्ट्रपति की अयोग्यता की व्याख्या करता है, जिसमें किसी व्यक्ति के चुनाव के लिए योग्य न होने के प्रावधान शामिल हैं।

अनुच्छेद 69 उपराष्ट्रपति के पद की रिक्ति और रिक्ति को भरने की प्रक्रिया की संबोधित करता है।

35.

निम्नलिखित दिवस को सुमेलित कीजिए:-

| | |
|---------------|-----------------------------|
| (A) 4 जनवरी | 1- विश्व ब्रेल दिवस |
| (B) 21 मार्च | 2- विश्व डाउन सिंड्रोम दिवस |
| (C) 2 अप्रैल | 3- मानवाधिकार दिवस |
| (D) 10 दिसंबर | 4- विश्व आत्मकेंद्रित दिवस |

विकल्प

- (A) a-1, b-4, c-3, d-2
 (B) a-2, b-3, c-1, d-4
 (C) a-1, b-2, c-4, d-3
 (D) a-1, b-3, c-2, d-4

उत्तरः (C)

व्याख्या: 4 जनवरी: विश्व ब्रेल दिवस

21 मार्च: विश्व डाउन सिंड्रोम दिवस

2 अप्रैल: विश्व आत्मकेंद्रित दिवस

10 दिसंबर: मानवाधिकार दिवस

निम्नलिखित योजनाओं को उनके लॉन्च वर्ष के साथ सुमेलित करें -

| | |
|--|---------|
| (A) दीनदयाल विकलांग पुनर्वासि योजना | 1- 2003 |
| (B) दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना | 2- 2016 |
| (C) दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना | 3- 2015 |

विकल्प

- (A) a-1, b-2, c-3
 (B) a-2, b-3, c-1
 (C) a-3, b-2, c-1
 (D) a-1, b-3, c-2

उत्तरः (D)

व्याख्या: दीनदयाल विकलांग पुनर्वासि योजना - 2003

दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना - 2015

दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना - 2016

36.

निम्नलिखित कंप्यूटर हार्डवेयर को उनके कार्यों से मिलाएँ

| | |
|-----------------------|---|
| (A) इनपुट डिवाइस | 1- रॉ डेटा इनपुट के लिए। |
| (B) प्रोसेसिंग डिवाइस | 2- डेटा और सूचना के अवधारण के लिए। |
| (C) आउटपुट डिवाइस | 3- डेटा और सूचना का प्रसार करना। |
| (D) संग्रहण डिवाइस | 4- सूचना में रॉ डेटा निर्देशों को संसाधित करना। |

विकल्प

- (A) a-1, b-4, c-3, d-2
 (B) a-2, b-3, c-1, d-4
 (C) a-1, b-2, c-4, d-3
 (D) a-1, b-3, c-2, d-4

उत्तर: (A)

व्याख्या: इनपुट डिवाइस प्रोसेसिंग डिवाइस संसाधित करना। आउटपुट डिवाइस करना। संग्रहण डिवाइस अवधारण के लिए।

38. निम्नलिखित ग्रहों का उनके उपग्रहों से मिलान करें -

| | |
|--------------|--------------|
| (A) बृहस्पति | 1- यूरोपा |
| (B) शनि | 2- एन्सेलाडस |
| (C) यूरेनस | 3- टिटानिया |

विकल्प

- (A) a-1, b-2, c-3
 (B) a-2, b-3, c-1
 (C) a-3, b-2, c-1
 (D) a-1, b-3, c-2

उत्तर: (A)

व्याख्या: बृहस्पति शनि यूरेनस यूरोपा एन्सेलाडस टिटानिया

39. भारत में निम्नलिखित नृत्य रूपों का मिलान करें -

| | |
|------------------|-------------|
| (A) पश्चिम बंगाल | 1- जात्रा |
| (B) उत्तर प्रदेश | 2- छोलिया |
| (C) उत्तराखण्ड | 3- नौटंकी |
| (D) त्रिपुरा | 4- होजागिरी |

विकल्प

- (A) a-1, b-4, c-3, d-2
 (B) a-2, b-3, c-1, d-4
 (C) a-1, b-2, c-4, d-3
 (D) a-1, b-3, c-2, d-4

उत्तर: (D)

व्याख्या: पश्चिम बंगाल - जात्रा उत्तर प्रदेश - नौटंकी उत्तराखण्ड - छोलिया त्रिपुरा - होजागिरी

40. भारत में निम्नलिखित बांधों को सुमेलित कीजिए-

| | |
|--------------------|--------------|
| (A) कदना बांध | 1- माही नदी |
| (B) दंतीवाड़ा बांध | 2- बनास नदी |
| (C) पंडोह बांध | 3- ब्यास नदी |

विकल्प

- (A) a-1, b-2, c-3
 (B) a-2, b-3, c-1
 (C) a-3, b-2, c-1
 (D) a-1, b-3, c-2

उत्तर: (A)

व्याख्या: कदना बांध - माही नदी दंतीवाड़ा बांध - बनास नदी पंडोह बांध - ब्यास नदी

41.

निम्नलिखित का मिलान करें -

| त्योहार/मेला | विवरण |
|---------------------|--|
| (A) कुंभ मेला | 1- हर 12 साल में, भारत में चार घूर्णन स्थानों पर आयोजित किया जाता है |
| (B) दिवाली | 2- रोशनी के त्योहार के रूप में मनाया जाता है, आमतौर पर अक्टूबर या नवंबर में |
| (C) बैसाखी | 3- अप्रैल में मनाया जाता है, पंजाब में फसल के मौसम की शुरुआत का प्रतीक है |
| (D) पुष्कर ऊंट मेला | 4- राजस्थान में प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है, जो ऊंट व्यापारियों और पर्यटकों को आकर्षित करता है |

विकल्प:

- (A) a-1, b-2, c-3, d-4
 (B) a-2, b-1, c-4, d-3
 (C) a-1, b-3, c-2, d-4
 (D) a-4, b-2, c-3, d-1

उत्तर:

व्याख्या: कुंभ मेला (ए-1): भारत में चार स्थानों (प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक) पर हर 12 साल में आयोजित होने वाला यह मेला सबसे बड़े धार्मिक समारोहों में से एक है। दिवाली (बी-2): इसे "रोशनी का त्योहार" के रूप में जाना जाता है, यह अक्टूबर या नवंबर में अंधकार पर प्रकाश की जीत के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है।

बैसाखी (सी-3): अप्रैल में मनाया जाने वाला यह त्योहार फसल कटाई के मौसम की शुरुआत का प्रतीक है और पंजाब का एक प्रमुख त्योहार है।

पुष्कर ऊंट मेला (डी-4): राजस्थान में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला यह मेला व्यापारियों, पर्यटकों और ऊंटों को बड़ी संख्या में आकर्षित करता है।

42. निम्नलिखित का मिलान करें -

| नेता | योगदान/विरासत |
|------------------------|--|
| (A) महात्मा गांधी | 1- स्वशासन की वकालत करते हुए "हिंद स्वराज" लिखा। |
| (B) जवाहरलाल नेहरू | 2- स्वतंत्रता से पहले अंतरिम सरकार का नेतृत्व किया। |
| (C) सुभाष चंद्र बोस | 3- 1938 में कांग्रेस के हरिपुरा अधिवेशन की अध्यक्षता की। |
| (D) डॉ. बी.आर. अंबेडकर | 4- भारतीय रिजर्व बैंक की संरचना का प्रस्ताव रखा। |

निकोलस कोपरनिकस ने सौर मंडल का हेलियोसेंट्रिक मॉडल विकसित किया (D-5)। लुई पाश्वर ने रोग के रोगाणु सिद्धांत (E-3) को तैयार किया।

46. नदी जोड़ो परियोजनाओं पर निम्नलिखित का मिलान करें

| नदी | जोड़ो | विवरण/उद्देश्य |
|-----------------------------|--|----------------|
| (A) केन-बेतवा लिंक परियोजना | 1- गोदावरी और कृष्णा नदियों को जोड़ना | |
| (B) पार-तापी-नर्मदा लिंक | 2- हिमालयी नदियों से प्रायद्वीपीय नदियों में जल स्थानांतरण | |
| (C) गोदावरी-कृष्णा लिंक | 3- अधिशेष जल को सूखाग्रस्त बुंदेलखण्ड क्षेत्र में मोड़ना | |
| (D) मानस-संकोश-तिस्ता-गंगा | 4- गुजरात और महाराष्ट्र में नदियों को जोड़ना | |
| (e) दमनगंगा-पिंजल लिंक | 5- मुंबई को जलापूर्ति प्रदान करना | |

विकल्प:

- (A) a-3, b-4, c-1, d-2, e-5
 (B) a-1, b-3, c-5, d-2, e-4
 (C) a-2, b-4, c-3, d-5, e-1
 (D) a-4, b-1, c-3, d-2, e-5

उत्तर: (A)

व्याख्या: केन-बेतवा लिंक परियोजना: इसका उद्देश्य सूखाग्रस्त बुंदेलखण्ड क्षेत्र में अधिशेष जल का हस्तांतरण करना है (ए-3)।

पार-तापी-नर्मदा लिंक: गुजरात और महाराष्ट्र में नदियों को जोड़ने पर ध्यान केंद्रित करता है (बी-4)।

गोदावरी-कृष्णा लिंक: गोदावरी और कृष्णा नदियों के बीच जल हस्तांतरण की सुविधा प्रदान करता है (सी-1)।

मानस-संकोश-तिस्ता-गंगा: प्रायद्वीपीय नदियों में जल हस्तांतरण के लिए प्रस्तावित हिमालयी परियोजना (डी-2)।

दमनगंगा-पिंजल लिंक: इसका उद्देश्य मुंबई को जल आपूर्ति प्रदान करना है (ई-5)।

47. निम्नलिखित का मिलान करें -

प्रावधान विवरण

| | |
|--------------------------|--|
| (A) सामान्य दोष | 1- तनाव बलों के कारण; लटकती दीवार नीचे की ओर जाती है |
| (B) रिवर्स फॉल्ट | 2- संपीड़न बलों के कारण; लटकती दीवार ऊपर की ओर जाती है |
| (C) स्ट्राइक-स्लिप फॉल्ट | 3- फॉल्ट प्लेन के साथ क्षेत्रिज गति |
| (D) थ्रस्ट फॉल्ट | 4- कम कोण रिवर्स फॉल्ट |

विकल्प:

- (A) a-1, b-4, c-3, d-2
 (B) a-2, b-3, c-1, d-4
 (C) a-3, b-1, c-4, d-2
 (D) a-4, b-2, c-3, d-1

उत्तर: (A)

व्याख्या: (A) सामान्य दोष: तनाव बलों द्वारा निर्मित, जहां क्रस्ट खिंच जाता है, और लटकती दीवार फुटवॉल के सापेक्ष नीचे की ओर खिसक जाती है।

(B) रिवर्स फॉल्ट: संपीड़न बलों के कारण होता है जो क्रस्ट को एक साथ धकेलते हैं, जिससे लटकती दीवार ऊपर की ओर खिसक जाती है।

(C) स्ट्राइक-स्लिप फॉल्ट: क्षेत्रिज विस्थापन की विशेषता, आमतौर पर पार्श्व कतरनी बलों वाले क्षेत्रों में देखी जाती है।

(D) थ्रस्ट फॉल्ट: कम कोण वाले फॉल्ट प्लेन वाला एक प्रकार का रिवर्स फॉल्ट, जो अक्सर पर्वत-निर्माण प्रक्रियाओं से जुड़ा होता है।

48.

निम्नलिखित का मिलान करें -

| प्रावधान | विवरण |
|------------------|--|
| (A) अनुच्छेद 324 | 1- संसद, राज्य विधानसभाओं और स्थानीय निकायों के चुनावों की निगरानी करने की शक्ति |
| (B) अनुच्छेद 325 | 2- मतदाता पात्रता में एकरूपता प्रदान करता है |
| (C) अनुच्छेद 326 | 3- लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए प्रत्यक्ष चुनाव प्रदान करता है |
| (D) अनुच्छेद 327 | 4- संसद को चुनावों के संचालन पर कानून बनाने का अधिकार देता है |

विकल्प:

- (A) a-1, b-3, c-2, d-4
 (B) a-4, b-1, c-3, d-2
 (C) a-2, b-4, c-1, d-3
 (D) a-3, b-2, c-4, d-1

उत्तर: (A)

व्याख्या: अनुच्छेद 324 (ए-1): चुनाव आयोग को संसद, राज्य विधानसभाओं और स्थानीय निकायों के चुनावों की निगरानी करने की शक्ति देता है।

अनुच्छेद 325 (बी-3): मतदाता पात्रता में एकरूपता सुनिश्चित करता है, जिसमें कहा गया है कि धर्म, नस्ल, जाति या किसी अन्य कारक के आधार पर मतदान के अधिकार में कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए।

अनुच्छेद 326 (सी-2): लोकसभा (लोक सभा) और राज्य विधानसभाओं के लिए प्रत्यक्ष चुनाव का प्रावधान करता है, यह सुनिश्चित करता है कि चुनाव वयस्क मताधिकार के आधार पर हों।

अनुच्छेद 327 (डी-4): संसद को चुनाव के संचालन के संबंध में कानून बनाने का अधिकार देता है, यह सुनिश्चित करता है कि चुनाव कानून उचित कामकाज के लिए मौजूद हैं।

49. प्रोटीन के आधार पर निम्नलिखित का मिलान करें:

| प्रोटीन | कार्य/विशेषता |
|----------------------|--|
| (A) हीमोग्लोबिन | 1- रक्त में ऑक्सीजन का परिवहन |
| (B) इंसुलिन | 2- रक्त शर्करा के स्तर का विनियमन |
| (C) केराटिन | 3- बालों और नाखूनों में संरचनात्मक प्रोटीन |
| (D) इम्युनोग्लोबुलिन | 4- रोगजनकों के विरुद्ध बचाव |

विकल्प:

- (A) a-1, b-3, c-4, d-2
 (B) a-4, b-2, c-1, d-3
 (C) a-1, b-2, c-3, d-4
 (D) a-3, b-4, c-2, d-1

उत्तर: (A)

व्याख्या: हीमोग्लोबिन: रक्त में ऑक्सीजन के परिवहन को सुगम बनाता है।

इंसुलिन: रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करता है।

50.

केराटिन: बालों और नाखूनों में संरचनात्मक सहायता प्रदान करता है।

इम्युनोग्लोबुलिन: रोगाणुओं से बचाव करने वाले एंटीबॉडी के रूप में कार्य करता है।

निम्नलिखित का मिलान करें -

| प्रधानमंत्री | कार्यकाल |
|-------------------|-----------------|
| (A) इंदिरा गांधी | 1- 1971 से 1977 |
| (B) मोरारजी देसाई | 2- 1977 से 1979 |
| (C) चरण सिंह | 3- 1979 से 1980 |
| (D) राजीव गांधी | 4- 1984 से 1989 |

विकल्प:

- (A) a-1, b-3, c-2, d-4
 (B) a-1, b-2, c-4, d-3
 (C) a-4, b-1, c-3, d-2
 (D) a-2, b-4, c-1, d-3

उत्तर: (A)

व्याख्या: इंदिरा गांधी: 1971 से 1977 तक प्रधानमंत्री पद पर रहीं। मोरारजी देसाई: 1977 से 1979 तक भारत के पहले गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री रहे।

चरण सिंह: 1979 से 1980 तक कुछ समय के लिए प्रधानमंत्री रहे।

राजीव गांधी: इंदिरा गांधी की हत्या के बाद 1984 से 1989 तक प्रधानमंत्री रहे।

12 JAN



NATIONAL YOUTH DAY

INCEPTION:
In 1984, Indian Government first declared to celebrate the birthday of Swami Vivekananda i.e. 12 January as National Youth Day.

Motto
To imbibe the students and youth with the philosophy and ideals of Swami Vivekananda.

Importance
To mark the birth anniversary of the Swami Vivekananda.

Swami Vivekananda
(12 Jan 1863 to 4 Jul 1902)
Swami Vivekananda's pre-monastic name was Narendra Nath Dutta. He was a renowned philosopher, poet, writer, social reformer and orator.

15 JAN



ARMY DAY

EDITION: 77th

Importance
Field Marshal K. M. Cariappa became the first Indian Army Chief of Independent India on 15 January 1949.

Background
Sam Manekshaw was the first Field Marshal of India, and he was awarded this title in January 1973. The second person to receive the title of Field Marshal was 'Kondra M. Cariappa', who was given the rank on 14 January 1986. The Indian army was originated from the East India Company, which later known as the 'British Indian Army' and eventually after Independence it is known as National Army.

Note
Indian army was established on 1st April, but Army Day in India is celebrated on 15th January.

क्षिक बाइट्स

- भारत और अमेरिका ने आपराधिक जांच में साइबर खतरे की खुफिया जानकारी और डिजिटल फोरेंसिक पर सहयोग और सूचना साझा करने को बढ़ाने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। भारत 100 से अधिक यूनिकॉर्न के साथ तीसरे सबसे बड़े स्टार्ट-अप इकोसिस्टम के रूप में स्थान पर है
- ओडिशा ने कौशल, ऊर्जा और उद्योग विकास के लिए सिंगापुर के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए
- पिक्सेल द्वारा भारत का पहला निजी उपग्रह तारामंडल लॉन्च किया गया
- रक्षा मंत्रालय ने भारत डायनेमिक्स के साथ एमआरएसएम के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए
- चीन ने जिउकान सैटेलाइट लॉन्च सेंटर से पाकिस्तान के पहले स्वदेशी इलेक्ट्रो-ऑपिकल (ईओ-1) उपग्रह, पीआरएससी-ईओ1 को सफलतापूर्वक लॉन्च किया।
- आईएमएफ ने भारत के वित वर्ष 2025 के विकास अनुमान को घटाकर 6.5% कर दिया है।
- न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा: बीसीसीआई के नए लोकपाल।
- इसरो द्वारा अंतरिक्ष में पहली बार काली आंखों वाली मटर का अंकुरण किया गया।
- भारत अब दुनिया का सातवां सबसे बड़ा कॉफी उत्पादक है
- राष्ट्रपति-चुनाव डोनाल्ड ट्रम्प के शपथ ग्रहण से एक दिन पहले अमेरिका ने TikTok पर प्रतिबंध लगा दिया
- डोनाल्ड ट्रम्प ने 47वें अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली
- एयरक्राफ्ट लीजिंग बिल, 2024 का उद्देश्य एयरलाइनों के लिए लीजिंग और वित्तीयोषण लागत को कम करना है, जिससे संभावित रूप से हवाई किराए में कमी आएगी और साथ ही पटेदारों को विमान वापस लेने का अधिकार सुनिश्चित होगा।
- असम-मेघालय कैडर के 1991 बैच के आईपीएस अधिकारी ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह को 30 नवंबर, 2027 तक सीआरपीएफ का महानिदेशक नियुक्त किया गया है।
- अंडमान के वर्जिन नायिल तेल को जीआईटैग
- सीआईआई ने बढ़ते निवेश के बीच 2025-26 के लिए 7% जीडीपी वृद्धि का अनुमान लगाया
- भूतापीय ऊर्जा के लिए उत्तराखण्ड-आइसलैंड साझेदारी
- उरबासी सिन्हा ने गेट्स-कैम्ब्रिज इम्पैक्ट पुरस्कार 2025 जीता
- पंकज मिश्रा की 'द वर्ल्ड आफ्टर गाजा': चुनौतीपूर्ण समय की मार्गदर्शिका
- मैनचेस्टर यूनाइटेड और स्कॉटलैंड के दिग्गज डेनिस लॉ का 84 वर्ष की आयु में निधन
- ओडिशा और सिंगापुर के जीएफटीएन ने वैश्विक योग्यता केंद्र स्थापित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर
- हस्ताक्षर किए, जो फिनटेक नवाचार और समावेशी इंश्योरेटेक समाधानों को बढ़ावा देगा।
- हैदराबाद में मुसीनदी ऐतिहासिक इमारतों को विश्व स्मारक निगरानी में जोड़ा गया, जो शहरीकरण और प्रदूषण के बीच संरक्षण आवश्यकताओं पर प्रकाश डालता है।
- पूर्व सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश अरुण मिश्रा को नैतिक प्रथाओं को सुनिश्चित करने और विवादों को हल करने के लिए बीसीसीआई लोकपाल और नैतिकता अधिकारी नियुक्त किया गया।
- भारत बायोटेक के संस्थापक डॉ. कृष्ण एला को कोवैक्सिन सहित वैक्सीन विकास में उनके योगदान के सम्मान में 2025 के लिए INSA फ़ेलोशिप मिली।
- नवाफ सलाम को लेबनान का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया
- नाग एमके 2 एंटी-टैंक मिसाइल का सफल फील्ड ट्रायल पूरा हुआ
- सत्यजीत रे लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से अपर्णा सेन सम्मानित
- केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड का शुभारंभ किया
- चुनावी विवाद के बीच वेनेजुएला के मादुरो ने शपथ ली
- कपड़ और चाल समुद्र तटों को प्रतिष्ठित ब्लू फ्लैग प्रमाणन प्राप्त हुआ
- इसरो के स्पैडेक्स मिशन ने सैटेलाइट डॉकिंग मील का पथर हासिल किया
- अंजू बॉबी जॉर्ज को AFI के एथलीट आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया
- सोनोवाल ने राष्ट्रीय नदी यातायात और नेविगेशन प्रणाली का शुभारंभ किया
- BCCI ने देवजीत सैकिया को सचिव, भाटिया को कोषाध्यक्ष चुना
- सिंगापुर ने तरुण दास को मानद नागरिकता प्रदान की
- भारत 2026 तक जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा
- भारतीय सेना ने 'डेविल स्ट्राइक' अभ्यास किया
- ओडिशा सरकार ने आपातकालीन बंदियों के लिए 20,000 रुपये पेंशन की घोषणा की
- स्मृति मंधाना ने भारत की ओर से सबसे तेज महिला वनडे शतक जड़ा। अर्जुन एरियासी ने कार्लसन और कारुआना के खिलाफ जीत दर्ज कर शतरंज की दुनिया को चौंका दिया
- पिक्सेल और दिगंतारा ने पृथ्वी और अंतरिक्ष की निगरानी के लिए उपग्रह प्रक्षेपित किए
- कैबिनेट ने इसरो के श्रीहरिकोटा में तीसरे लॉन्च पैड की स्थापना को मंजूरी दी
- सरकार ने 700 करोड़ रुपये की लागत वाली 56 वाटरशेड विकास परियोजनाओं को मंजूरी दी

- ऑस्ट्रेलिया ने AU\$42.3M के साथ पहली राष्ट्रीय ऑटिज्म रणनीति का अनावरण किया
- बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी मुकाबलों में शानदार गेंदबाजी के बाद भारत के जसप्रीत बुमराह ने ICC मेन्स प्लेयर ऑफ द मैथ का खिताब जीता
- L&T ने भारतीय नौसेना के लिए दूसरा बहुउद्देशीय पोत INS उल्कर्ष लॉन्च किया
- WBFJA पुरस्कार: अपर्ण सेन को लाइफटाइम अचौकमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया
- संजय सुब्रह्मान्याई की आत्मकथा: संगीत में एक यात्रा निधि खरे को MNRE सचिव के रूप में अतिरिक्त प्रभार मिलता है
- प्रसिद्ध फिल्म निर्माता डेविड लिंच 78 पर गुजरता है
- वी के सिंह को 1987 में अपनी राज्य के बाद से मिज़ोरम के 25 वें गवर्नर के रूप में शपथ दिलाई गई है।
- श्रीदंगिस्ट टीवी गोपालकृष्णन को आरके श्रीकांतन पुरस्कार से सम्मानित किया गया
- चंडीगढ़ विश्वविद्यालय को माका ट्रॉफी और अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया
- भारत सरकार ने दो प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के लिए नए प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किए: पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) में अशोक चंद्र और भारतीय बैंक में बिनोड़ कुमार।
- सी-डॉट और आईआईटी बॉम्बे स्कॅदेशी 6 जी आँटिक्ल चिपसेट के लिए एकजुट हैं
- PMA INDIA के साथ PV सिंधु पार्टनर्स।
- मैग्नस कार्लसन, इयान नेपोमनियाच्ची ने वर्ल्ड ब्लिट्ज खिताब साझा किया
- 18वां भारत-नेपाल 'सूर्यकिरण' सैन्य अभ्यास शुरू हुआ
- नेपाल ने बाल विवाह को समाप्त करने के लिए अभियान शुरू किया
- रूस ने बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए नया पर्यटक कर पेश किया
- एयर मार्शल जीतेंद्र मिश्रा ने पश्चिमी वायु कमान की कमान संभाली
- उत्तर प्रदेश कैडर के 1995 बैच के आईएस अधिकारी श्री भुवनेश कुमार ने यूआईडीएआई के सीईओ का कार्यभार संभाला है, जबकि वे मीटीई में अतिरिक्त सचिव के पद पर बने हुए हैं।
- गिलगित-बाल्टिस्तान के पूर्व मुख्यमंत्री को 34 साल की सजा
- स्विट्जरलैंड ने चेहरे को ढकने पर प्रतिबंध लागू किया, नए साल में पेंशन में वृद्धि की
- एयर मार्शल जीतेंद्र मिश्रा ने IAF की पश्चिमी वायु कमान की कमान संभाली
- मनीष सिंघल को ASSOCHAM का महासचिव नियुक्त किया गया
- आरिफ मोहम्मद खान ने बिहार के नए राज्यपाल के रूप में शपथ ली
- राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेंकर ने केरल के राज्यपाल के रूप में शपथ ली
- साई परांजपे को पद्मपाणि लाइफटाइम अचौकमेंट पुरस्कार मिलेगा
- ओडिया कवि प्रतिवा सत्यथी को गंगाधर राष्ट्रीय पुरस्कार मिलेगा
- अमित शाह ने जम्मू कश्मीर और लद्दाख थ्रू द एजेस पुस्तक का विमोचन किया
- कन्याकुमारी में भारत को अपना पहला ग्लास ब्रिज मिला
- माइक जॉनसन फिर से अमेरिकी सदन के अध्यक्ष चुने गए
- नोमुरा ने भारत के वित्त वर्ष 25 के जीडीपी विकास पूवानुमान को घटाकर 6.7% किया
- आरबीआई ने नेशनल और कॉस्मॉस को-ऑपरेटिव बैंकों के विलय को मंजूरी दी
- फैज अहमद किंदवई को डीजीसीए महानिदेशक नियुक्त किया गया
- पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अस्थायी सदस्य के रूप में शामिल हुआ
- नागासाकी परमाणु बम से बचे शिंगेमी फुकाहोरी का निधन वयोवृद्ध सैनिक हवलदार बलदेव सिंह का 93 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वयोवृद्ध पत्रकार और फिल्म निर्माता प्रीतिश नंदी का 73 वर्ष की आयु में निधन हो गया।
- जॉन ड्रामानी महामा ने घाना के राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली।
- कर्नाटक ने वन अपराधों के लिए "गरुदाक्षी" ऑनलाइन एफआईआर प्रणाली शुरू की।
- भारत की अनाहत सिंह ने ब्रिटिश जूनियर ओपन 2024 में अंडर-17 गर्ल्स सिंगल्स का खिताब जीता, उन्होंने रोमांचक फाइनल में मिस की मिलिका एल कराक्सी को 3-2 से हराया।
- RBI ने आशीर्वाद माइक्रो फाइनेंस और DMI फाइनेंस पर ऋण प्रतिबंध हटाए
- झारखंड मुख्यमंत्री मैया सम्मान योजना झारखंड सरकार द्वारा राज्य भर में महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए शुरू की गई एक वित्तीय सहायता योजना है।
- इंडोनेशिया आधिकारिक तौर पर उभरती अर्थव्यवस्थाओं के ब्रिक्स समूह का पूर्ण सदस्य (11वां) बन गया है।
- वी. नारायणन ने इसरो प्रमुख और अंतरिक्ष सचिव का पदभार संभाला
- एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता और पद्म श्री पुरस्कार विजेता बहादुर सिंह सागू को सर्वसम्मति से भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एफआई) का नया अध्यक्ष चुना गया है।
- दुनिया के सबसे बुजुर्ग व्यक्ति माने जाने वाले 116 वर्षीय टोमिको इटूका का बुढ़ापे के कारण निधन हो गया।

- नागासाकी परमाणु बम से बचने वाले शिगेमी फुकाहोरी का 93 वर्ष की आयु में निधन
- तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने सिंधु घाटी लिपि को समझने के लिए 1 मिलियन डॉलर के पुरस्कार की घोषणा की
- भारत साइबर हमलों के मामले में दूसरे स्थान पर 2024
- उपराज्यपाल (एल-जी) वी.के. सक्सेना ने आईएस अधिकारी अजीमुल हक को दिल्ली वक्फ बोर्ड का सीईओ नियुक्त करने को मंजूरी दे दी है।
- लियोनेल मेस्सी को अमेरिकी राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किया गया
- न्यायमूर्ति बी.एन. श्रीकृष्ण आईडी सत्यापन फर्म इक्ल के लिए बोर्ड की अध्यक्षता करेंगे
- मो फराह को मुंबई मैराथन के लिए राजदूत नियुक्त किया गया
- भारतीय नौसेना ने स्कॉर्पिन-क्लास की अंतिम पनडुब्बी वाघशीर की डिलीवरी ली
- न्यूजीलैंड के मार्टिन गुग्लिने ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया
- प्रधानमंत्री कश्मीर-लद्दाख संपर्क को बढ़ावा देने वाली Z-मोड़ सुरंग का उद्घाटन करेंगे
- केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने राष्ट्रीय नदी यातायात और नेविगेशन प्रणाली का अनावरण किया
- भारत भूविज्ञान और अन्वेषण के क्षेत्रों में मंगोलिया के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार है, जिसका उद्देश्य संसाधन सुरक्षा को बढ़ाना और आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाना है।
- लेबनान ने 2 साल के गतिरोध के बाद जनरल जोसेफ औन को राष्ट्रपति चुना
- फोनपे, आईसीआईसीआई लोम्बार्ड ने महाकुंभ मेला बीमा लॉन्च किया
- प्रसिद्ध पार्श्व गायक पी. जयचंद्रन का निधन
- टीवीएस के प्रमुख व्यक्ति एच. लक्ष्मण का निधन
- जम्मू-कश्मीर बैंक ने अमिताव चटर्जी को नया एमडी और सीईओ नियुक्त किया
- न्यायमूर्ति जी.एस. संधावालिया को हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया।
- मार्टिना देवी ने एशियाई जूनियर भारोत्तोलन चैम्पियनशिप में रजत पदक जीता
- पीएम मोदी ने केन-बेतवा नदी जोड़े परियोजना का शुभारंभ किया
- माया संदू ने मोल्दोवा के राष्ट्रपति के रूप में दूसरे कार्यकाल के लिए शपथ ली
- टोंगा ने आइसेक वैल्यू एके को नया प्रधानमंत्री चुना
- एडीबी भारत को सतत बुनियादी ढांचे के लिए 500 मिलियन अमेरिकी डॉलर उधार देगा
- अरुणिश चावला वित्त मंत्रालय में नए राजस्व सचिव नियुक्त किए गए
- टाइमलेस क्लासिक्स के निर्माता एमटी वासुदेवन नायर का निधन
- डॉ. संदीप शाह NABL-QCI के अध्यक्ष नियुक्त किए गए
- गोवा के मनोहर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे ने "सर्वश्रेष्ठ घरेलू हवाई अड्डे" का पुरस्कार जीता
- असमिया फिल्म निर्माता भास्कर ज्योति दास का 51 वर्ष की आयु में निधन
- चीन ने ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया के सबसे बड़े \$137 बिलियन के बांध को मंजूरी दी।
- बाल्ड ईगल को आधिकारिक तौर पर अमेरिका का राष्ट्रीय पक्षी घोषित किया गया।
- भारत के आर्थिक सुधारों के वास्तुकार मनमोहन सिंह का 92 वर्ष की आयु में निधन
- SLINEX 2024 भारत श्रीलंका नौसेना अभ्यास विशाखापत्तनम में
- आरआईएनएल ने एपी राज्य ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार 2024 में स्वर्ण पदक जीता
- एनवीडिया ने जेटसन ओरिन नैनो सुपर जेनरेटिव एआई सुपरकंप्यूटर का अनावरण किया
- ओसामु सुजुकी, पूर्व सुजुकी चेयरमैन का 94 वर्ष की आयु में निधन
- छाया एम वी ने स्पेल बी सीजन 14 में 'स्पेल मास्टर ऑफ इंडिया' का खिताब जीता
- न्यायमूर्ति वी रामसुब्रमण्यम को एनएचआरसी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया
- दक्षिण कोरिया के कार्यवाहक राष्ट्रपति हान डक-सू पर महाभियोग लगाया गया
- इसरो जनवरी 2025 में एनवीएस-02 लॉन्च करेगा, जो जीएसएलवी का 100वां मिशन होगा
- केरल ने सीनियर नेशनल मेन्स हैंडबॉल चैम्पियनशिप का खिताब जीता
- मिखाइल कैवेलशविली जॉर्जिया के राष्ट्रपति बने
- 39वें अमेरिकी राष्ट्रपति, नोबेल विजेता जिमी कार्टर का 100 वर्ष की आयु में निधन।
- लक्ष्य सेन ने किंग कप इंटरनेशनल 2024 में कांस्य पदक जीता
- पाकिस्तान परमाणु नियामक प्राधिकरण (पीएनआरए) ने 1200 मेगावाट क्षमता वाले चश्मा परमाणु ऊर्जा संयंत्र इकाई 5 (सी-5) के निर्माण को मंजूरी दी।
- इसरो ने ऑर्बिटल डॉकिंग को आगे बढ़ाने के लिए स्पैडेक्स मिशन लॉन्च किया
- हरियाणा स्टीलर्स ने जीता पहला प्रो कबड्डी खिताब
- काम्प्या कार्तिकियन: 7 महाद्वीपों की चोटियों पर चढ़ने वाली सबसे कम उम्र की महिला
- सचिन तेंदुलकर ने एमसीसी की मानद क्लब सदस्यता स्वीकार की
- विटुल कुमार को सीआरपीएफ का कार्यवाहक महानिदेशक नियुक्त किया गया

- रजत वर्मा को डीबीएस बैंक इंडिया का सीईओ नियुक्त किया गया
- डेलॉयट ने वित्त वर्ष 2025 में भारतीय अर्थव्यवस्था के 6.5-6.8% की दर से बढ़ने का अनुमान लगाया
- रिलायंस ने 375 करोड़ रुपये में कर्किनोस हेल्पकेयर का अधिग्रहण किया
- बुमराह ने सबसे तेज 200 रन बनाने का रिकॉर्ड तोड़ा एक भारतीय द्वारा विकेट
- अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन ने पोप फ्रांसिस को विशिष्ट सम्मान के साथ राष्ट्रपति पद का पदक प्रदान किया
- नीति आयोग और नैसकॉम फाउंडेशन ने भारत में डिजिटल विभाजन को पाटने पर ध्यान केंद्रित करते हुए एस्प्रिशनल ब्लॉक कार्यक्रम के तहत 1 लाख व्यक्तियों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने के लिए हाथ मिलाया है।

- उषा वेंस संयुक्त राज्य अमेरिका की पहली भारतीय-अमेरिकी द्वितीय महिला बनीं
- भारत वैश्विक स्तर पर 7वां सबसे बड़ा कॉफी उत्पादक बन गया
- ट्रम्प ने उत्तरी अमेरिका की सबसे ऊँची चोटी का नाम माउंट मैकिन्ले रखा
- एयरो इंडिया 2025, एशिया का सबसे बड़ा एयरो शो बैंगलुरु में आयोजित किया जाएगा, जिसकी थीम है "रनवे दू ए बिलियन ऑपरेशन्स"
- नोमुरा ने वित्त वर्ष 2025 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान घटाकर 6.7% किया
- सऊदी अरब में आयोजित स्पेनिश सुपर कप फाइनल में बार्सिलोना ने रियल मैड्रिड को हराया।



| | |
|---|---|
| <p>24 JAN</p> <p>NATIONAL GIRL CHILD DAY</p>  <p>INCEPTION: 2008 BY: Ministry of Women and Child Development</p> <p>Motto To increase awareness among the people and ensure every girl gets equal importance as their counterparts.</p> <p>Various Central Schemes regarding above are</p> <ul style="list-style-type: none"> Beti Bachao Beti Padhao • Sukanya Samridhi Yojana • Balika Samridhi Yojana • CBSE Udaan Scheme • National Scheme of Incentive to Girls for Secondary Education • Dhanalakshmi Scheme • | <p>25 JAN</p> <p>NATIONAL VOTERS DAY</p>  <p>1ST CELEBRATED: 2011 THEME: Vote Ready</p> <p>Motto To spread awareness about the necessity of voting and to encourage young generation towards the voting rights.</p> <p>Importance To mark the foundation day of the Election Commission of India (ECI) which came into existence on 25 Jan 1950.</p> <p>Note Initially the eligibility age of the voter was 21 years but in 1988 it was lowered to 18 years (By Sixty-First Amendment Bill of 1998).</p> <p>Fact India's First Ever Voter was Shyam Saran Negi.</p> |
|---|---|

पद्म पुरस्कार 2025



पद्म पुरस्कार 2025 की घोषणा की गई है, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण और विशिष्ट सेवा के लिए व्यक्तियों को सम्मानित किया जाता है। ये प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रतिवर्ष गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर भारत के राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किए जाते हैं। इन्हें तीन श्रेणियों में प्रदान किया जाता है:

- ❖ पद्म विभूषण: असाधारण और विशिष्ट सेवा के लिए।
- ❖ पद्म भूषण: उच्च कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए।
- ❖ पद्म श्री: किसी भी क्षेत्र में विशिष्ट सेवा के लिए।

इस वर्ष, सरकार ने 7 पद्म विभूषण, 19 पद्म भूषण और 113 पद्म श्री सम्मान प्रदान किए हैं। ये पुरस्कार सार्वजनिक सेवा से जुड़े क्षेत्रों में उपलब्धियों को मान्यता देते हैं, जिनकी सिफारिशें प्रधानमंत्री द्वारा प्रतिवर्ष गठित पद्म पुरस्कार समिति द्वारा की जाती हैं।

राष्ट्रपति राष्ट्रपति भवन में एक औपचारिक समारोह के दौरान पुरस्कार प्रदान करेंगे, जो आमतौर पर मार्च या अप्रैल में आयोजित किया जाता है।

पद्म विभूषण प्राप्तकर्ता

पद्म विभूषण पुरस्कार प्रदान किये गये:

1. दुव्वुर नागेश्वर रेड्डी
2. न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) जगदीश सिंह खेहर
3. कुमुदिनी रजनीकांत लाखिया
4. लक्ष्मीनारायण सुब्रमण्यम

5. एमटी वासुदेवन नायर (मरणोपरांत)
6. ओसामु सुजुकी (मरणोपरांत)
7. शारदा सिन्हा (मरणोपरांत)

पद्म भूषण प्राप्तकर्ता

पद्म भूषण पुरस्कार प्रदान किये गये:

1. ए सर्य प्रकाश
2. अनंत नाग
3. बिबेक देबरॉय (मरणोपरांत)
4. जतिन गोस्वामी
5. जोस चाको पेरियाप्पुरम
6. कैलाश नाथ दीक्षित
7. मनोहर जोशी (मरणोपरांत)
8. नल्ली कुप्पुस्वामी चेट्टी
9. नंदमुरी बालकृष्ण
10. पीआर श्रीजेश
11. पंकज पटेल
12. पंकज उधास (मरणोपरांत)
13. रामबहादुर राय
14. -साध्वी ऋतंभरा
15. एस अजित कुमार
16. शेखर कपूर
17. शोभना चंद्रकुमार
18. सुशील कुमार मोदी (मरणोपरांत)
19. विनोद धाम

वीरता पुरस्कार 2025



गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर, राष्ट्रपति द्वौपदी मुर्मू ने 93 सशस्त्र बलों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के कर्मियों के लिए वीरता पुरस्कारों को मंजूरी दी। इनमें दो कीर्ति चक्र, 14 शौर्य चक्र (जिनमें तीन मरणोपरांत शामिल हैं), एक बार टू सेना मेडल (वीरता), 66 सेना पदक (वीरता) जिनमें सात मरणोपरांत, दो नौसेना पदक (वीरता) और आठ वायु सेना पदक (वीरता) शामिल हैं।

कीर्ति चक्र प्राप्तकर्ता

भारत का दूसरा सबसे बड़ा शांतिकालीन वीरता पुरस्कार कीर्ति चक्र 22 राष्ट्रीय राइफल्स के मेजर मंजीत को और 28 राष्ट्रीय राइफल्स के नायक दिलवर खान को मरणोपरांत प्रदान किया गया।

शौर्य चक्र प्राप्तकर्ता

14 शौर्य चक्र पुरस्कार विजेताओं में शामिल हैं:

- ❖ मेजर आशीष दहिया (50 राष्ट्रीय राइफल्स)



- ❖ मेजर कुणाल (प्रथम राष्ट्रीय राइफल्स)
 - ❖ मेजर सतेंद्र धनखड़ (4 राष्ट्रीय राइफल्स)
 - ❖ कैप्टन दीपक सिंह (48 राष्ट्रीय राइफल्स, मरणोपरांत)
 - ❖ सहायक कमांडेंट एशेंथुंगा किकोन (4 असम राइफल्स)
- अन्य प्राप्तकर्ताओं में सूबेदार विकास तोमर, हवलदार प्रकाश तमांग, फ्लाइट लेफ्टिनेंट अमन सिंह हंस और अन्य शामिल हैं।

रक्षा सजावट

वीरता पुरस्कारों के अलावा, राष्ट्रपति मुर्मू ने 305 रक्षा अलंकरणों को मंजूरी दी। इसमें शामिल है:

- ❖ 30 परम विशिष्ट सेवा पदक
- ❖ 5 उत्तम युद्ध सेवा पदक
- ❖ 57 अति विशिष्ट सेवा पदक
- ❖ 10 युद्ध सेवा पदक
- ❖ 132 विशिष्ट सेवा पदक

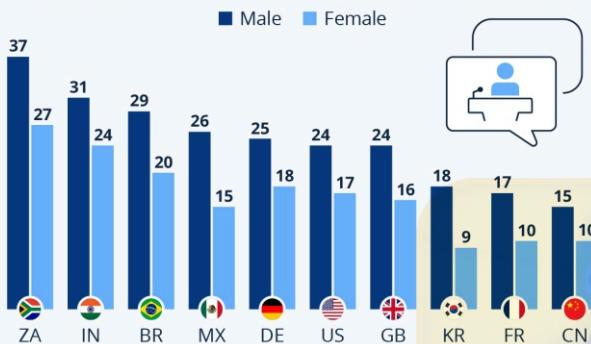
अन्य पुरस्कारों में बास टू सेना मेडल, नाव सेना मेडल और वायु सेना मेडल शामिल हैं।



इन्फोग्राफिक्स

Women Less Likely To Talk About Politics Online

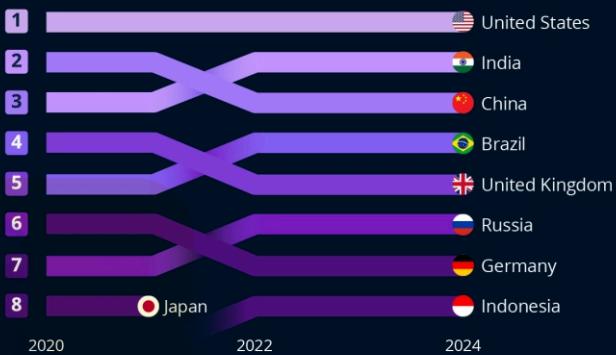
Share of respondents who have expressed their opinion about politics online in the past month, by country (in %)



2,000-10,100 respondents (18-64 y/o) surveyed per country Oct. 2023-Sep. 2024
Source: Statista Consumer Insights

India's Developer Community Grows

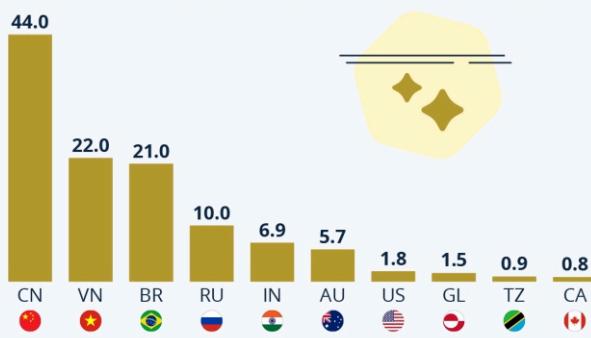
Ranking of the largest developer populations on GitHub, by year



Source: GitHub

Where Are the World's Rare Earth Metals?

Top 10 countries with the greatest known reserves of rare earth elements in 2023 (in million tonnes of REO)*



* REO = Rare Earth Oxide
Source: USGS

The World's Most (And Least) Powerful Passports

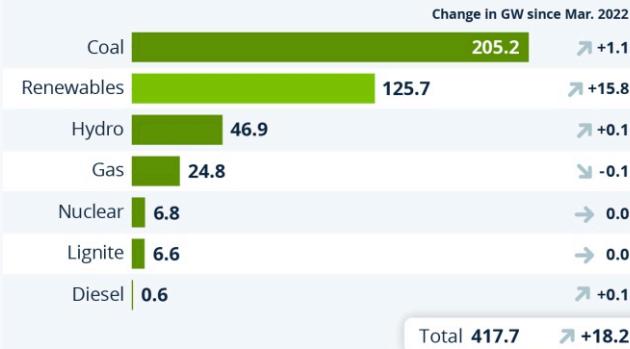
Passports ranked by the number of destinations their holders can access without a prior visa, as of Jan. 2025



Based on 199 different passports and 227 travel destinations
Source: Henley Passport Index

India Boosts Renewable Energy Capacity

India's total installed capacity by power source as of May 2023 (in GW)



Source: Ministry of Power & Central Electricity Authority via ITA

Environmental Protection Not a Major Issue for Majority

Share of respondents who consider environmental protection among the most important issues in their country (in %)



12,000-60,000 respondents (18-64 y/o) in selected countries surveyed Oct. 2023-Sep. 2024
Source: Statista Consumer Insights

BRICS Expands Footprint in the Global South

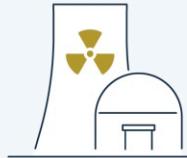
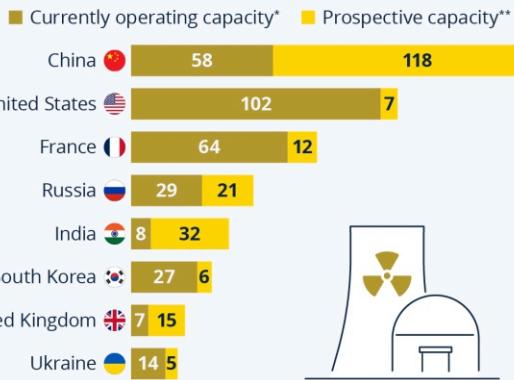
G7 and BRICS member countries (as of Jan. 13, 2025)



* Ethiopia/Egypt/UAE/Saudi Arabia/Iran formally joined on Jan. 1, 2024, Indonesia on Jan. 6, 2025
Source: Statista research

Who's Building Nuclear Reactors?

Top 8 countries by projected nuclear capacity (in gigawatts)



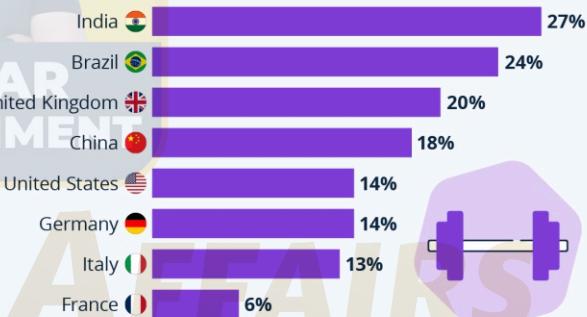
* As of July 2024

** Capacity from nuclear plants that have been announced or are in pre-construction or construction

Source: Global Energy Monitor

Where Going to the Gym is Most (Un)Popular

Share of respondents who spent money on a gym membership in the past 12 months



2,000-10,000 respondents (18-64 y/o) per country surveyed Oct. 2023-Sep. 2024
Source: Statista Consumer Insights

The U.S. Is the Largest Contributor to the WHO

Total assessed and voluntary contributions to the World Health Organization in the 2022-23 biennium



Source: World Health Organization





Kumar Edutainment Presents

CURRENT AFFAIRS MAGAZINE

- 7 Jawahar Nagar, Khandari, Agra, Uttar Pradesh
- 8882388888
- Kumariasacademy@gmail.com
- kumarsias.com
- Kumar Edutainment
- your_kumar_sir



Kumar Edutainment